

**ЎЗБЕКИСТОН РЕСПУБЛИКАСИ ОЛИЙ ВА ЎРТА МАХСУС
ТАЪЛИМ ВАЗИРЛИГИ**

ТОШКЕНТ ДАВЛАТ ИҚТИСОДИЁТ УНИВЕРСИТЕТИ

МАХМУДОВ Э.Х. ИСАКОВ М.Ю.

**КОРХОНА
ИҚТИСОДИЁТИ**

ЎҚУВ ҚЎЛЛАНМА

ТОШКЕНТ – 2006

Махмудов Э.Х. Исаков М.Ю. «Корхона иқтисодиёти» (Ўқув қўлланма) -
Т.: ТДИУ, 2006

Корхона - миллий иқтисодиётнинг асосий ишлаб чиқариш бўғинидир. Демак, корхона иқтисодиёти асосларини билиш малакали мутахсислар тайёрлашнинг зарурий шарти ҳисобланади. Мазкур маъruzалар матни корхона иқтисодиёти бўйича муайян билимларни эгаллашга кўмаклашади.

Бозор иқтисодиёти ва рақобатчилик шароитларида корхона фаолиятини амалга оширишни таъминловчи замонавий иқтисодий механизм, кадрлар потенциали ва кадрлар сиёсати, меҳнатга ҳақ тўлаш, ресурслар ва улардан фойдаланиш, ишлаб чиқаришни режалаштириш ва прогнозлаштириш, инвестицион ва инновацион фаолият, харажат, даромад ва рентабеллик, баҳони шакллантириш, корхонанинг тижорат сири ва иқтисодий хавфсизлиги каби масалалар баён этилган.

Кўлланма талабалар, аспирантлар ва ўқитувчиларга, шунингдек, корхона иқтисодиёти билан қизиқувчиларга мўлжалланган.

Масъул мухаррир: ТДИУ «Иқтисодиёт ва статистика» факультети декани, и.ф.н. доц. Ҳайитов А.Б.

Тақризчилар: и.ф.д., профессор Турсунходжаев М.Л.;
и.ф.н., профессор Ортиков А.А.

МУНДАРИЖА

| | | | | |
|---|--|--|--|----|
| КИРИШ..... | | | | 6 |
| | | | | |
| I МАВЗУ. «КОРХОНА ИҚТИСОДИЁТИ» КУРСИННИГ МАЗМУНИ ВА ВАЗИФАЛАРИ..... | | | | 8 |
| | | | | 8 |
| 1.1. Иқтисодиёт фан ва ишлаб чиқариш фаолиятининг соҳаси сифатида..... | | | | 11 |
| | | | | |
| 1.2. «Корхона иқтисодиёти» – иқтисодий фаннинг таркибий қисми ва билимлар соҳаси таркибий қисми..... | | | | 14 |
| | | | | 17 |
| 1.3. «Корхона иқтисодиёти» курсининг мазмуни, вазифалари ва бошқа фанлар билан алоқаси..... | | | | 18 |
| | | | | 18 |
| Кисқача | | | | 20 |
| хулосалар..... | | | | 20 |
| Таянч | | | | 24 |
| иборалар..... | | | | 27 |
| .. | | | | 31 |
| Назорат ва муҳокама учун саволлар..... | | | | 32 |
| | | | | 32 |
| Тавсия этиладиган адабиётлар..... | | | | 33 |
| | | | | 34 |
| II МАВЗУ. КОРХОНА – МУСТАҚИЛ ХЎЖАЛИК ЮРИТУВЧИ БОЗОР СУБЪЕКТИ..... | | | | 35 |
| 2.1. Миллий иқтисодиёт ривожланишида корхонанинг ўрни ва роли..... | | | | 35 |
| 2.2. Корхонанинг белгилари, функциялари ва вазифалари..... | | | | 36 |
| 2.3 Корхоналарни таснифлаш..... | | | | 37 |
| | | | | 38 |
| 2.4. Корхона тузилмаси ва уни белгиловчи омиллар..... | | | | 39 |
| | | | | 40 |
| Кисқача | | | | 40 |
| хулосалар..... | | | | 40 |
| Таянч | | | | 42 |
| иборалар..... | | | | 42 |
| .. | | | | |
| Назорат ва муҳокама учун саволлар..... | | | | 46 |
| | | | | |
| Тавсия этиладиган адабиётлар..... | | | | 51 |
| | | | | 58 |
| III МАВЗУ. КОРХОНАНИ ТАШКИЛ ҚИЛИШ ВА УНИНГ ФАОЛИЯТИНИ ТУГАТИШ..... | | | | 61 |
| | | | | 62 |
| 3.1. Корхонани ташкил қилиш тамойиллари..... | | | | 62 |
| | | | | 63 |
| 3.2. Таъсис ҳужжатлари..... | | | | 64 |
| | | | | |

| | | | | |
|--|-----------|----------|------------|-----|
| Таянч | | | | 130 |
| иборалар..... | | | | 130 |
| .. | | | | 132 |
| Назорат | ва | муҳокама | учун | 132 |
| саволлар..... | | | | 135 |
| Тавсия | | | этиладиган | 138 |
| адабиётлар..... | | | | 140 |
| VI МАВЗУ. ИШЛАБ ЧИҚАРИШНИНГ ИҚТИСОДИЙ ВА ИЖТИМОИЙ | | | | 140 |
| САМАРАДОРЛИГИ..... | | | | 140 |
| 6.1. Самарадорлик – корхона ишлаб чиқариш фаолиятида муҳим ўлчов | | | | 141 |
| бирлигидир..... | | | | 142 |
| 6.2. Хўжалик юритиш самарадорлигининг мезони ва кўрсаткичлари..... | | | | 142 |
| 6.3. Корхона фаолияти самарадорлигини ошириш йўллари ва | | | | 144 |
| омиллари..... | | | | 147 |
| Кисқача | | | | 149 |
| хуласалар..... | | | | 150 |
| Таянч | | | | 150 |
| иборалар..... | | | | 150 |
| .. | | | | 152 |
| Назорат | ва | муҳокама | учун | 152 |
| саволлар..... | | | | 152 |
| Тавсия | | | этиладиган | 153 |
| адабиётлар..... | | | | 153 |
| VII МАВЗУ. КОРХОННИНГ АСОСИЙ ФОНДЛАРИ ВА ИШЛАБ | | | | 156 |
| ЧИҚАРИШ ҚУВВАТИ (мавзу илғор педагогик технологиялар ва ахборот | | | | 161 |
| технологияларини | қўлланган | холда | ўтилади) | 162 |
| | | | | 162 |
| | | | | 162 |
| 7.1. Асосий фондларнинг моҳияти ва уларнинг корхона фаолиятидаги | | | | 165 |
| ўрни..... | | | | 165 |
| 7.2. Корхоналарда асосий фондларнинг эскириши, уларни баҳолаш ва | | | | 166 |
| таъмиrlаш..... | | | | 166 |
| 7.3. Асосий фондлардан фойдаланишни яхшилаш йўллари ва | | | | 168 |
| кўрсаткичлри..... | | | | 170 |
| | | | | 174 |
| 7.4. Корхонанинг | ишлиб | | чиқариш | 174 |
| қуввати..... | | | | 174 |
| Кисқача | | | | 175 |
| хуласалар..... | | | | 176 |
| Таянч | | | | 183 |
| иборалар..... | | | | 187 |
| .. | | | | 190 |
| Назорат | ва | муҳокама | учун | 194 |
| саволлар..... | | | | |

| | | | | | |
|--|-----------------|-----------|-----|---------------|-----|
| Тавсия | | | | этиладиган | 226 |
| адабиётлар..... | | | | | |
| VIII МАВЗУ. КОРХОНАНИНГ АЙЛАНМА МАБЛА/ЛАРИ..... | | | | | 231 |
| 8.1. Айланма маблағлар тушунчаси, иқтисодий табиати ва уларнинг корхона | | | | фаолиятидаги | |
| аҳамияти..... | | | | | |
| 8.2. Айланма маблағларнинг тузилмаси ва харакати ҳамда уларнинг корхона | | | | иктисодиётига | |
| таъсири..... | | | | | |
| 8.3. Айланма | | | | маблағларни | |
| нормалаштириши..... | | | | | |
| 8.4. Айланма маблағлардан фойдаланиш кўрсаткичлари ва уларнинг айланишини | | | | тезлаштириш | |
| йўллари..... | | | | | |
| Кисқача | | | | | |
| хуросалар..... | | | | | |
| Таянч | | | | | |
| иборалар..... | | | | | |
| .. | | | | | |
| Назорат | ва | муҳокама | | учун | |
| саволлар..... | | | | | |
| Тавсия | | | | этиладиган | |
| адабиётлар..... | | | | | |
| IX МАВЗУ. КОРХОНАДА КАДРЛАР ВА МЕҲНАТГА ҲАҚ ТЎЛАШ.... | | | | | |
| 9.1. | Корхонанинг | | | кадрлар | |
| салоҳияти..... | | | | | |
| 9.2. Бозор муносабатлари шароитларида корхонанинг кадрлар сиёсати... | | | | | |
| 9.3. | Корхонада | мехнатга | ҳақ | тўлаш | |
| | | | | | |
| Кисқача | | | | | |
| хуросалар..... | | | | | |
| Таянч | | | | | |
| иборалар..... | | | | | |
| .. | | | | | |
| Назорат | ва | муҳокама | | учун | |
| саволлар..... | | | | | |
| Тавсия | | | | этиладиган | |
| адабиётлар..... | | | | | |
| X МАВЗУ. КОРХОНА РЕНТАБЕЛЛИГИ, ДАРОМАД ВА ХАРАЖАТЛАР..... | | | | | |
| 10.1. | Харажатлар | тушунчаси | | ва | |
| классификацияси..... | | | | | |
| 10.2. Фойда ва унинг шаклланиш манбалари, тақсимланиш тартиби ва кўпайтириш | | | | | |
| йўллари..... | | | | | |
| 10.3. | Рентабелликнинг | моҳияти | | ва | |
| кўрсаткичлари..... | | | | | |
| Кисқача | | | | | |

| | | | | |
|--|----|--------------|--|------------|
| хулосалар..... | | | | |
| Таянч | | | | |
| иборалар..... | | | | |
| .. | | | | |
| Назорат | ва | муҳокама | | учун |
| саволлар..... | | | | |
| Тавсия | | | | этиладиган |
| адабиётлар..... | | | | |
| XI МАВЗУ. КОРХОНАНИНГ ИНВЕСТИЦИОН ФАОЛИЯТИ..... | | | | |
| 11.1. Инвестициялар корхона ишлаб чиқариш салоҳиятини | | | | |
| ривожлантириш | ва | мустаҳкамлаш | | воситаси |
| сифатида..... | | | | |
| 11.2. Корхоналарда инвестициялашнинг асосий манбалари ва | | | | |
| йўналишлари..... | | | | |
| .. | | | | |
| 11.3. Инвестицияларнинг иқтисодий самарадорлигини баҳолаш..... | | | | |
| Кисқача | | | | |
| хулосалар..... | | | | |
| Таянч | | | | |
| иборалар..... | | | | |
| .. | | | | |
| Назорат | ва | муҳокама | | учун |
| саволлар..... | | | | |
| Тавсия | | | | этиладиган |
| адабиётлар..... | | | | |
| XII-БОБ. КОРХОНА ҲАВФСИЗЛИГИ ВА ТИЖОРАТ СИРЛАРИ..... | | | | |
| 12.1. Корхона ҳавфсизлигини таъминлашнинг мақсади, вазифалари ва | | | | |
| тамойиллари..... | | | | |
| .. | | | | |
| 12.2. Корхона ҳавфсизлигини таъминлашни ташкил қилиш ва бошқариш | | | | |
| | | | | |
| 12.3. Корхонанинг ҳавфсизлик хизмати, унинг тузилиши ва | | | | |
| вазифалари..... | | | | |
| | | | | |
| 12.4. Корхонанинг | | тижорат | | сирлари |
| | | | | |
| Кисқача | | | | |
| хулосалар..... | | | | |
| Таянч | | | | |
| иборалар..... | | | | |
| .. | | | | |
| Назорат | ва | муҳокама | | учун |
| саволлар..... | | | | |
| Тавсия | | | | этиладиган |
| адабиётлар..... | | | | |
| Атамалар | | | | |
| лӯғати..... | | | | |
| БМИ | | | | мавзулари |

| | | |
|--|-------------|---------|
| рўйхати..... | адабиётлар | шархи |
| Асосий | | |
| | | |
| Адабиётлар | | |
| рўйхати..... | | |
| Фан бўйича иш дастури..... | | |
| 1-илова. Янги педагогик технологиялар асосидаги | | |
| методик | ишланманинг | қисқача |
| варианти..... | | |
| 2-илова. Ахборот технологиялари асосида ўтиладиган | | |
| машғулотлар | | учун |
| материаллар..... | | |

КИРИШ

Ўзбекистон Республикаси давлат мустақиллигага эришгач, мамлакат ҳаётида ишлаб чиқариш кучларини янада ривожлантириш, фан-техника тараққиётини (ФТТ) жадаллаштириш, ахолининг турмуш тарзини яхшилашга қаратилган улкан ижтимоий-иқтисодий ўзгаришлар рўй берди ва рўй бермоқда. Бунга иқтисодиётга киритилган янги инвестициялар ва мавжуд моддий-техника асосини модернизация қилишдан ташқари бошқарувнинг демократик тамойилларини кучайтириш, корхона, фирма ва уларга тенглаштирилган ишлаб чиқариш тузилмаларининг хўжалик фаолияти билан боғлиқ мустақиллик доирасини кенгайтириш, сиёсатнинг иқтисодиётдан устунлигига барҳам бериш, инсон фаолиятининг барча соҳа ва тармоқларида ташаббускорлик, изланиш ва ҳоказоларнинг ривожланиши ҳам кенг имкониятлар яратмоқда.

Мустақиллик ҳамда барча хўжалик юритиш тизимининг бозор муносабатларига ўтиши иқтисодиётнинг асосий бўғини ҳисобланувчи корхона мақомининг сезиларли равишда ўзгаришига сабаб бўлди. Корхоналар эндиликда давлатга тегишли бўлган пайтлардагидан фарқли ўлароқ маҳсулот ишлаб чиқариш бўйича фаолиятларини директива кўрсаткичлари асосида эмас, балки Ўзбекистон Республикаси “Корхоналар тўғрисида”ги қонуни ва бозор талабларига асосан мустақил равишда юритмоқда. Улар ўзларига керак бўлган ишчи ва ходимлар сонини мустақил белгиламоқда, ишлаб чиқариш техникаси ва технологияси, тежамкорлик режимига риоя қилиш масалалари билан шуғулланмоқда, замонавий маркетинг ва менеджментни йўлга қўймоқдалар ҳамда жорий ишлаб чиқарishни режалаштироқдалар ва ривожланишининг зарурый прогнозларини амалга ошироқдалар.

Шу каби масалалар “**Корхона иқтисодиёти**” курсининг мазмунини ташкил қилиб, уларни ўрганиш иқтисодчилар (мутахассисликлари ва бўлажак иш жойларидан қатъи назар) тайёрловчи кўплаб олий ўқув юртларининг ўқув режаларида кўзда тутилган. Ушбу курс бўйича бир қанча дарсликлар чоп этилган (айниқса Россияда) бўлиб, улар барча ўқувчилар, биринчи навбатда, иқтисодчилар учун жуда қизиқарли ва фойдалидир.

Мазкур маъruzалар матнлари ушбу курс бўйича мавжуд бўлган бошқа дарсликларни алмаштиришни талаб қилмайди. У биринчидан, Тошкент давлат иқтисодиёт университети талабаларига мўлжалланган курс дастурига асосан янада ихчамроқ тайёрланган, иккинчидан, унда келитирилган, айниқса, амалий қисмдаги маълумотлар Ўзбекистон Республикаси корхоналари фаолиятида юзага келувчи иқтисодий ҳолатлар билан боғлиқ, учинчидан эса, у ёки бу муаммони топиш ва ҳал қилишда муаллиф нуқтаи назарини акс эттиради.

Мазкур маъруза матнига “Корхона иқтисодиёти” фани бўйича аввал чоп этилиб, мазкур фан ўқитувчилари ва талабалар ҳамда корхоналар фаолиятининг иқтисодий муаммолари билан қизиқувчилар ўртасида яхши баҳолангандан маъруза матнлари асос қилиб олинган. Шу билан бирга қўлланмага фаннинг у ёки бу масалаларига янгича ёндашилиб, янги бўлимлар ва қўшимчалар киритилган, статистик, амалий ва бошқа ахборот маълумотлари янгиланган.

Бироқ бу маълумотлар ҳам вақт ўтиши билан эскиради, чунки дунё доимо ўзгаришда бўлади: ҳаёт ҳам, ишлаб чиқариш соҳасидаги ҳамда одамлар ўртасидаги муносабатлар ҳам ўзгариб боради. Бундай шароитларда корхоналарнинг яшовчанлиги ёки аникроқ айтганда барқарорлиги қўп жиҳатдан иқтисодий фаолиятнинг ҳолатига, яъни ишлаб чиқаришни режалаштириш ва ташкил этиш усуллари, меҳнатни ташкиллагтириш ва унга ҳақ тўлаш нормаларига риоя қилиш, бозор талабларига ўз вақтида жавоб бериш, техник ва инвестицион қарор қабул қилишда янглишмаслик ва ҳоказоларга боғлиқ бўлади. Ишлаб чиқаришда бу масалаларни ҳал этиш нечоғлик тўғри ва самарали амалга оширилишига корхона ва унинг ҳар бир ходими ҳамда бутун давлатнинг равнақи ва гуллаб-яшнаши ҳам боғлиқ бўлади.

Мазкур маъруза матнининг мақсади - талабаларга барча иқтисодий масалалар ечимини топиш, келажакда иқтисодий билимлар олиш учун ўзига хос пойдевор бўлиб хизмат қилувчи замонавий корхоналар иқтисодиёти асосларини ўрганишга кўмаклашишдир.

I-МАВЗУ. «КОРХОНА ИҚТИСОДИЁТИ» КУРСИННИГ МАЗМУНИ ВА ВАЗИФАЛАРИ

- 1.2. Иқтисодиёт фан ва ишлаб чиқариш фаолиятининг соҳаси сифатида
- 1.3. «Корхона иқтисодиёти» – иқтисодий фаннинг таркибий қисми ва билимлар соҳаси таркибий қисми
- 1.3. «Корхона иқтисодиёти» курсининг мазмуни, вазифалари ва бошқа фанлар билан алоқаси

1.1. Иқтисодиёт фан ва ишлаб чиқариш фаолиятининг соҳаси сифатида

“Борлик онгни белгилайди” ибораси маълум бир жиҳатлари билан ҳар бир инсон ҳамда жамият ҳаёти ва иқтисодиётнинг тузилишини англатади. Шу сабабли иқтисодиётнинг оила ўчоғи миқёсида, шунингдек, корхона, тармоқ ва бутун ҳалқ хўжалиги миқёсида қўриб чиқилиши бежиз эмас. Сўнгти ҳолатда гап макроиктисодиёт ҳақида, унинг тенденциялари, қонуниятлари ҳақида бориб, унда қўриб чиқиладиган муаммолар баъзи ҳолларда корхона иқтисодиётидан сезиларли равишда фарқланади.

“Иқтисодиёт” атамаси биринчи бор Аристотел томонидан киритилган ҳамда одамларнинг товар ишлаб чиқариш ва айирбошлишдаги хўжалик фаолиятини англатган. Товар ишлаб чиқариш, айирбошлиш ва реализация қилиш тизими қанчалик яхши ташкил қилинган бўлса, иқтисодиёт кўрсаткичлари ва аҳолининг турмуш тарзи, ресурслардан оқилона фойдаланиш, баҳони шакллантириш, соликқа тортиш, самарали қўлланувчи бошқарув тизими каби омилларни ҳисобга олган ҳолда, шунчалик юқори бўлади.

Иқтисодиётнинг инсон ва жамият ҳаётидаги ўрни ва аҳамиятига ўз вақтида А.Смит юқори баҳо бериб, у инсонни “*homo economicus*” - “иқтисодий одам” деб атаган. Ҳақиқатдан ҳам, ҳар бир одам иқтисодиётнинг моҳиятини, ҳаёт неъматлари нималар эвазига берилишини англамагунча, маблағларни ишлаб топиш ва улардан самарали фойдаланишни ўрганмагунча, оила миқёси ва ундан юқори даражадаги иқтисодиёт учун маъқул келувчи сифат ва миқдор параметрларига эга бўлади, деб ўйлаш нотўғри бўлар эди. Демак, иқтисодиёт параметрлари (ҳам салбий, ҳам ижобий) аввало инсонлар ҳаракати ва фаолиятининг, оқилона хўжалик юритиш, моддий бойликларни ишлаб чиқариш, айирбошлиш ва тақсимлашни самарали олиб бориш қобилияти натижасида юзага келади.

Иқтисодиёт инсон ҳаётининг моддий, маънавий, физиологик ва бошқа эҳтиёжлари билан боғлиқ бўлган ҳар бир жабҳасини қамраб олади. Оила қуриш, келажак авлодни тарбиялаш, зарурий турмуш тарзини таъминлаш учун одамларга озиқ-овқат, кийим-бош, туаржой ва бошқа воситалар керак бўлади. Бу предметлар, қоидага кўра, иқтисодиётнинг турли тармоқларидағи корхоналарда ишлаб чиқарилади. Шу сабабли иқтисодиётнинг, айниқса, аввалги маъмурий-буйруқбозлиқ тизимидаги режали иқтисодиётдан фарқ қилувчи бозор иқтисодиётининг ривожланиш тенденциялари ва қонунларини

билиш, рўй бераётган ижтимоий-иқтисодий жараёнларни тушуниш ва исталган хўжалик муаммоларини ҳал қилишда муҳим шарт ҳисобланади.

«Иқтисодиёт» фан сифатида табиатда ҳамда инсон, жамият ҳаётида вужудга келувчи турли хил иқтисодий жараён ва ҳодисаларни прогнозлаштириш, таҳлил қилиш ва баҳолаш бўйича билимлар мажмуасини ифода этади. У бир инсон учун ҳам, бутун жамият учун ҳам зарур бўлган моддий ва номоддий объектларнинг катта қисмини ҳамда моддий ва маънавий неъматларни тайёрлаш ва тақсимлаш усуллари ва жараёнларини ўз ичига олади. Агар «Иқтисодиёт» фанининг норматив жиҳатлари корхона, фирма ва давлатнинг иқтисодий сиёсатини таъминласа, позитив жиҳатлари эса реал воқеликни баҳолайди ва таҳлил қиласи ҳамда унинг ривожланишидаги қонуниятларни аниқлайди.

Шу тариқа «Иқтисодиёт» фани изланиш ва услубий вазифаларни бажаради ҳамда жамият ҳаётининг барча соҳа ва тармоқларида қабул қилинувчи амалий қарорлар учун назарий асос бўлиб хизмат қиласи. Фан-техника тараққиёти шароитларида иқтисодиёт фани жамиятда бевосита ишлаб чиқариш кучига айланиб бормоқда. Иқтисодий асослаб берилган ҳисоб-китоб ва прогнозлар «Иқтисодиёт» фанининг муҳим таркибий қисми сифатида хўжалик таваккалчилигининг рискини камайтиришга, ишлаб чиқариш ва ресурслардан фойдаланишини оптималлаштиришга, шунингдек, янги техника ва технологияларни ишлаб чиқаришга татбиқ этишда энг тўғри танлов олиб боришга имкон яратади.

«Иқтисодиёт» фани таркибига *тармоқлар* (саноат, қишлоқ хўжалиги, қурилиш, транспорт ва ҳоказо), *функционал* («Меҳнат социологияси ва иқтисодиёти», «Иқтисодий статистика», «Молия ва кредит», «Баҳони шакллантириш» ва ҳоказо) каби *турли фан* («Иқтисодий география», «Демография», «Иқтисодиёт тарихи» ва бошқалар) тармоқлари тизими киради. «Иқтисодиёт» фанининг бу ва бошқа йўналишларида чуқур билимга эга бўлиш инсонларнинг ижтимоий фаоллигини ошириш, оқилона хўжалик юритиш, кадрларни янги иқтисодий фикрлаш руҳида тарбиялашга катта туртки бўлади.

«Иқтисодиёт» фанининг, жумладан, юқорида санаб ўтилган йўналишларнинг методологик асоси, уларнинг пойдевори бўлиб иқтисодий назария хизмат қиласи. У реал воқелик билан боғлиқ бўлиш бароабрида давлатнинг иқтисодий сиёсатини, унинг кучли ва кучсиз томонларини, шунингдек, иқтисодий тараққиётга эришиш мумкин бўлган йўлларни мос келувчи босқичларида акс эттиради. Бу мақсадда «Иқтисодиёт» фани статистик кузатув, гипотезаларни илгари суриш ва текшириш, таҳлил ва синтез, индукция ва дедукция, иқтисодий жараёнларни моделлаштириш, тажриба (эксперимент)лар ўтказиш каби бир қатор воқеликни англаш усул ва услубларини ишлаб чиқсан ва улардан муваффақиятли равишда фойдаланади. Айтиш жоизки, бу усуллар нафақат иқтисодий, балки предмети ва тавсифига кўра, табиий ва бошқа турдаги фанларда ҳам қўлланиши мумкин.

Иқтисодиёт бозор муносабатлари йўлида ривожланаётган ҳозирги кунда эътиборга молик ва ёчимини топмаган муаммолар талайгина бўлиб, «Иқтисодиёт» фанига қизиқиш ортиб бормоқда. Инсон ҳаёти ва фаолиятига

муносиб, сиёсат ва давлат аралашувидан холи бўлган, ижтимоий-иктисодий тараққиётга йўналтирилган иктиносидиётни барпо этиш вазифаси қўйилмоқда. П.Самуэльсоннинг иктиносидиёт бўйича дарслигида кўрсатиб ўтилишича, “иктиносидиёт фанини мунтазам равишда ўрганиб бормайдиган одам мусиқий асарга ўзининг баҳосини бермоқчи бўлаётган гаранг кишига ўхшайди”.

Шу билан бирга «Иктиносидиёт» фани барча ҳаётий муҳим саволларга тайёр жавоб бермайди, чунки иктиносидиёт ишлаб чиқариш, бошқарув, тартиба солиш, башорат қилиш соҳаси сифатида оддий фан тушунчасидан кўра, мураккаброқ категорияни англатади. У фақатгина илмий восита бўлиб, иктиносидий воқеликни англаш усули хизматини ўтайди. Иктиносидиёт иктиносидий фаннинг ўзига хос синов майдони, асоссиdir. Иктиносидиётнинг ривожланиш тенденциялари ва қонунларини илмий жиҳатдан ўрганиш, «Иктиносидиёт» фани ва унинг алоҳида тармоқларининг муҳим вазифаси хисобланади.

Моддий ишлаб чиқаришдан ажralган ҳолдаги реал иктиносидиёт мавжуд эмас. Моддий ишлаб чиқариш иктиносидиёт ривожланишининг асоси, хўжалик фаолиятининг бошланғич нуқтаси бўлиб келган ва шундайлигича қолади. Шу сабабли иктиносидиётнинг турли даражадаги - корхона, тармоқ ва бутун давлат миқёсидаги ҳолати моддий ишлаб чиқаришнинг ютуқлари, жумладан, моддий ишлаб чиқаришнинг кенг маънода истеъмолга, ёки бугунги тил билан айтганда бозор талабига мос келиши билан тавсифланади ва олдиндан белгилаб берилади.

“Иктиносидиёт доимо моддийдир” ибораси инсоннинг ҳаётий эҳтиёжлари, яъни уй-жой, озиқ-овқат, кийим-кечак, автомобиль ва ҳоказоларга бўлган эҳтиёжларидан ташқари, иктиносидиётнинг аҳоли ва халқ хўжалиги учун зарур бўлган махсулот(товар) тайёрланувчи моддий ишлаб чиқариш соҳаси билан алоқасини ҳам акс эттиради. Айнан моддий ишлаб чиқариш соҳаси (саноат, қишлоқ хўжалиги, қурилиш, транспорт ва ҳоказо) аҳолининг асосий қисмини иш билан таъминлайди. Мехнат билан бандлик кўрсаткичи иктиносидиёт ҳолатининг ўзига хос “барометри” вазифасини бажаради: аҳолининг меҳнат билан бандлиги қанчалик юқори бўлса, ишсизлик суръати шунчалик паст бўлади ва аксинча.

Замонавий фан-техника тараққиёти ишлаб чиқариш ва иктиносидиётнинг узлуксиз ривожланишида *компьютерлаштириши ва информатизация*, интернет тармоғига киришни илгари сурмоқда. Бу эса бошқарув тизимининг энг муҳим бўғинларидан ташқари, ишчи кучининг сифатини ошириш воситаси ҳамда ишлаб чиқариш жараёнини муваффакиятли ташкиллаштириш учун туртки бўлиб хизмат қиласи.

Бироқ моддий ишлаб чиқаришнинг етакчилик ролини инкор қилмаган ҳолда, иктиносидиётнинг ривожланишига *ишлаб чиқариш инфратузилма* (транспорт, алоқа, энергетика ва ахборот хизмати) ва *ижтимоий инфратузилма* (маориф, соғлиқни сақлаш, умуний овқатланиш, уй-жой-коммунал хизмати ва бошқалар)нинг ролини ҳам кўрсатиб ўтишимиз даркор. Бу соҳаларда ҳам аҳолининг катта қисми меҳнат билан банд бўлиб, уларнинг меҳнати моддий ишлаб чиқариш ходимлари меҳнатидан кам фойда келтирмайди. Шундан келиб чиқсан ҳолда айтиш мумкинки, **иктиносидиёт** - илмий категорияга қараганда

ишлаб чиқариш категориясига яқинроқ бўлиб, фан-техника тараққиёти, ишлаб чиқариш ва ноишлаб чиқариш соҳаларининг ўзаро самарали алоқалари, реурслардан оқилона фойдаланиш ва рационал бошқарув туфайли фаолият кўрсатмоқда ва ривожланиб бормоқда.

Иқтисодиёт доимо динамик бўлиб, сифат ва миқдор ўзгаришларига дучор бўлади. Баъзи ҳолларда салбий ҳолатлар (масалан, қишлоқ хўжалигида қургоқчилик, қорамоллар ўлими; уруш, терроризм ва ҳоказо) юзага келса ҳам, иқтисодиётда ижобий силжишларга эришиш мумкин. Фан-техника тараққиёти, малакали кадрлар, хўжалик механизми ва ундан оқилона фойдаланиш, изланиш, тадбиркорлик, ташаббускорлик, рағбатлантириш - буларнинг барчаси иқтисодиётда ижобий силжишларга эришиш учун хизмат қиласи.

Бозор муносабатларига асосланилган ҳозирги даврда иқтисодиётни кўтариш учун бу ва бошқа имкониятлар авваллардагиидек фақатгина давлатнинг қўлида мужассамланган эмас, балки иқтисодиётнинг асосий ишлаб чиқариш бўғинини ташкил қилувчи хўжалик юритувчи субъектлар - корхона, фирма, комбинат ва бошқа ишлаб чиқариш структураси вакилларига ҳам катта имкониятлар берилган.

1.2. «Корхона иқтисодиёти» - иқтисодий фаннинг таркибий қисми ва билимлар соҳаси

Фан тадқиқотлар фаолияти соҳаси бўлиб, асосий мақсад табиат, жамият ва фикрлаш тўғрисида янги билимларни ишлаб чиқишига йўналтирилади. «Иқтисодиёт» фани умумий фанларнинг таркибий қисми бўлиб, унинг ўрни ва аҳамияти тўғрисида аввалги бўлимда қисқача тўхталиб ўтилди. Фан ёрдамисиз, атрофимизни ўраб турган дунё тўғрисидаги билимлар тизимини яратмасдан жамият тараққиётига эришиш мумкин эмас. Илмий ўрганиш воқеликни оддий ҳаётий тарзда қабул қилишдан фарқли равишда, ҳодиса ва жараёнларни чукур англаш, ўзаро алоқаларини очиб бериш, уларнинг ривожланиш сабаблари ва кучларини аниқлаш имконини беради.

«Корхона иқтисодиёти» - аҳоли ва ҳалқ хўжалиги учун зарур бўлган маҳсулот ишлаб чиқариш, иш бажариш ва хизмат кўрсатишнинг ижтимоий-иқтисодий ва маъмурий-хўжалик механизmlарини ўрганувчи ва очиб берувчи фандир. У табиат ва жамиятнинг муайян ишлаб чиқариш шароитларида ривожланишининг обьектив қонунлари намоён бўлиши ва амал қилишига, шунингдек, корхоналар фаолиятига бевосита ва билвосита таъсир кўрсатувчи давлат миқёсида қабул қилинувчи қоида, норматив ва қонун ҳужжатларига таянади.

Иқтисодиёт – бу одамлар жамияти, муайян, чекланган ресурслардан фойдаланиб, керакли маҳсулот ёки хизматларни ишлаб чиқиши, одамлар гурухлари ўртасида тақсимотига айтилади.

Корхона иқтисодиёти - қандай юқорида келтирилган вазифа айрим корхона чегарисида ҳал этилиши ҳақидаги фан.

«Корхона иқтисодиёти» «Иқтисодиёт» фанининг таркибий қисми бўлсада, мустақил билимлар соҳаси ҳисобланади. У бошқа иқтисодий фанлардан, айниқса, «Микроиқтисодиёт»дан мазмуни ва маълумотларни

келтириш мантиқига кўра фарқланади. Афсуски, баъзи бир олимлар «Корхона иқтисодиёти» ва «Микроиқтисодиёт»ни бир-биридан фарқламайдилар. Ҳақиқатдан ҳам, «микро» сўзи иқтисодий ҳодиса ва жараёнларни иқтисодиётнинг бирламчи бўғинлари - корхона ва фирмалар миқёсида кўриб чиқиши кўзда тутади, бироқ уларнинг иккита бир хил предмет эмаслигига микроиқтисодиёт ва корхона иқтисодиёти бўйича дарслкларни қўлга олибоқ амин бўлиш мумкин. «Микроиқтисодиёт» билан таққослаганде «Корхона иқтисодиёти» хўжалик амалиётига яқинроқ, ҳар бир иқтисодчи учун зарур бўлган иқтисодий билимлар мажмуасини шакллантирувчи фан эканлиги кўзга ташланади. Бирламчи бўғин иқтисодиётини яхши билган замонавий мутахассисларни хўжалик юритишда энг хавфсиз ва самарали йўлни топишлари сабабли иқтисодиётнинг “штурманлари” деб аташ мумкин.

Хозирги кунда корхона иқтисодиётига бўлган қизиқиш сезиларли равиша ўсган. Гап шундаки, бозор иқтисодиёти шароитида янги ҳуқукий-ташкилий шаклдаги корхоналар, ҳом ашё, материал ва асбоб-ускуна етказиб берувчилар, шунингдек, бевосита маҳсулот ёки товар истеъмолчилари (харидорлар) билан янгича иқтисодий муносабатлар вужудга келиб, ривожланиб бормоқда. Бундан ташқари, корхона, бу – аввало ишлаб чиқариш жамоаи, одамларнинг турли тарздаги фаолияти бўлиб, улар ўртасидаги ўзаро муносабатлар тизими юзага келади ҳамда маълум бир турмуш тарзи, маънавият ва ахлоқ нормалари шаклланади. Буларнинг барчаси хўжалик юритиш шакл ва усулларини қайта кўриб чиқиши, корхонанинг иқтисодиёт ривожланишидаги ўрни ва ролига янгича ёндашишини талаб қиласи.

Тахлилларнинг кўрсатишича, исталган корхонанинг фаолиятида турлича саволлар юзага келади. Масалан, корхона қай тарзда фаолият юритиши керак ва даромад нимага боғлиқ бўлади? Самарадорлик ва иқтисодий барқарорлик нималарга боғлиқ? «Хом ашё етказиб берувчилар ва истеъмолчилар билан қандай ишлаш керак?» «Маҳсулотни сотища воситачилардан фойдаланиш зарурияти; Ишлаб чиқариш суръатини қандай ошириш мумкин?» «Рақобатчилик курашида нима ва қандай омиллар муваффақият келтиради?» «Ишлаб чиқариш ва сотишини бошқариш тизими қандай бўлиши лозим?» ва ҳоказолар. Корхоналар фаолиятида бирон-бир маҳсулотни **қачон, қаерда, кимга сотиш, нимани, қанча, қандай қилиб** ишлаб чиқариш лозим, деган саволга жавоб бериш муҳим аҳамият касб этади.

Шу ва шунга ўхшаш саволларга жавоб топишни амалиётда хато ва синовлар усули асосида амалга ошириш, ҳозирги пайтда нафақат корхона учун, балки бутун жамият учун ҳам қимматга тушиши мумкин. Бунда корхоналарнинг банкротга учраши ва тугатилиши, иқтисодиётнинг айрим соҳа ва тармоқларида ишлаб чиқариш ва меҳнат фаоллигининг пасайиши, меҳнат самарадорлиги суръатининг пастлиги ва ҳоказолар гувоҳлик бериши мумкин. Худди шу қаторга тўловларнинг амалга оширилмаслиги, муддати ўтиб кетган қарзлар ва корхоналар фаолиятидаги бошқа иқтисодий камчиликларни ҳам киритиш мумкин. Буларнинг барчасига асосий сабаб эса ўрта ва қуий бўғиндаги раҳбарларнинг бозор иқтисодиёти шароитида янгича хўжалик юритиш тизими шакл ва усулларини билмасликларидир.

Афсуски, корхоналар иқтисодий бўлимларининг фаолияти ҳам нуқсонлардан эмас. Кузатувлар шуни кўрсатадики, иқтисодий бўлимлар ўз мавқеини барча корхоналарда ҳам сақлаб қолмаган бўлиб, зарур бўлган маркетинг тадқиқотларини доим ҳам ва тўлиқ ҳолда амалга оширмайдилар, замонавий бизнес стратегиясини яхши тушунавермайдилар. Иқтисодчиларнинг баъзи бир қисми иқтисодиёт “штурманлари” вазифасини бажара олмайдилар, ташаббускорлик ва новаторлик ғоялари ўрнига эскичасига “юқоридан” буйруқ ёки кўрсатма кутадилар, ўтмишда корхоналарнинг иқтисодий барқарорлигини таъминлашда ўз ўрнига эга бўлган ва ҳозирги бозор муносабатлари даврида ҳам инкор қилинмайдиган ташкилий-техник чора-тадбирларни (зарур ҳолларда бошқа категориядаги мутахассисларнинг иштирокида) самарали тарзда ишлаб чиқмайдилар.

Бугунги кунда аксари корхоналар акциядорлик жамиятлари, холдинг ва молия-саноат гурухлари тузиш йўлидан бормоқда. Давлат корхоналарнинг ташаббускорлиги, ижодий изланиш ва тадбиркорлиги учун кенг йўл очиб, уларнинг ишлаб чиқариш функцияларини режали иқтисодиёт давридаги каби назорат, лимит ва қаттиқ нормалар билан чеклаб қўяётгани йўқ. Яъни қонунда тақиқлаб қўйилган ҳоллардан ташқари барча ҳолатларда мустақил хўжалик фаолияти ва эркинлиги замонавий корхоналар фаолиятининг энг асосий хусусияти бўлиб, мазкур ўқув қўлланмада кўриб чиқиладиган барча масалар ушбу асосда юзага келган.

Бироқ бозор иқтисодиёти автоматик равишда муваффақият ва тўкинликни таъминлаб беради, давлат эса барча корхоналар фаолиятига умуман аралашмайди, деб ўйлаш мутлақо хато бўлар эди. Давлат иқтисодиётнинг асосий ислохотчиси бўлиб келган ва ҳозир ҳам шундайлигича қолади. Давлат ўз зиммасидан маъмурий-буйруқбозлик функцияларинигина соқит қилиб, маҳсус иқтисодий таъсир чоралари ёрдамида иқтисодиётни назорат қилиш ва бошқарув функцияларини, шунингдек, иқтисодиётнинг хўжалик юритувчи субъектларнинг тўғридан-тўғри мажбуриятига кирмайдиган ҳамда уларнинг қўлидан келмайдиган соҳаларини ривожланитиришдаги иштирокини сақлаб қолган.

Маълумки, иқтисодиёт жамият ҳолатини, ишлаб чиқариш қучларидан фойдаланиш ва уларнинг ривожланиш даражасини, фан-техника тараққиёти ютуқларидан фойдаланишни, одамларнинг маданияти ва маълумоти даражаси ва ҳоказоларни акс эттиради. «Корхона иқтисодиёти» билимларнинг мустақил соҳаси ва иқтисодиёт фанининг таркибий қисми сифатида масаланинг айнан шу томонига кўпроқ эътибор қаратади. Жамият учун зарур бўлган моддий бойликлардан ташқари миллий даромаднинг ҳам асосий қисми айнан корхоналарда ишлаб чиқарилиши сабабли корхоналар иқтисодиётининг ҳолати бутун халқ хўжалигига тўғридан-тўғри таъсир кўрсатади, деб ҳисобланади. Корхона қайси тармоқка мансублиги ва мулк шаклидан қатъи назар қанчалик яхши ва самарали ишласа, иқтисодиёт кўрсаткичлари ҳамда аҳолининг турмуш тарзи шунчалик юқори бўлади.

Бундай шароитларда хўжалик амалиёти ва фан олдига **биринчи ўринда** ҳар бир корхона, тўғрироғи, ишлаб чиқаришда қатнашувчи бутун жамоанинг

бозор муносабатларига асосланган ҳозирги иқтисодиётнинг ривожланиш тенденциялари ва қонунларини, аввало, унинг асосий кўрсаткичлари - талаб ва таклиф тушунчаларини билиши ва тўғри тушуниши, **иккинчидан**, миллий иқтисодиётнинг ривожланиши ва мамлакатни ривожланган давлатлар қаторига қўшилишида ўз ҳиссасини қўшиши, **учинчидан** эса, ишлаб чиқаришнинг ҳар бир бўғинида юқори самара ва сифат кўрсаткичларига эришиш масаласи қўйилади.

Иқтисодиётнинг ривожланишига керакли билим ва кўникмаларни, маблағ ва кучларни киритмасдан туриб корхона ҳам, жамият ҳам ривожланган иқтисодиётни ҳамда моддий неъматларнинг тўкинлиги ва турмуш тарзининг юқориличигин талаб қила олмайди.

Ҳозирги кунда бозор иқтисодиёти ишлаб чиқариш кучларининг ривожланиши ва корхоналарнинг мустақил фаолият кўрсатишларига кенг имкониятлар очиб бериш билан бирга кадрларга, уларнинг билимлари, кўникмалари ва малакаларига катта талаблар қўймоқда. Бир томондан фан-техника тараққиёти, иккинчи томондан эса бозор муносабатлари ва рақобатчиликнинг ривожланиб бориши шароитларида меҳнат бозорида фақатгина замонавий корхоналар иқтисодиётини яхши билувчи, унинг балансини тўғри тушунувчи, бизнес-режа ишлаб чиқаришга қодир, инвестицион ва бошқа хўжалик фаолияти билан боғлиқ бўлган қарорларни қабул қилишни тўғри амалга оширувчи мутахассислар муваффақиятга эришиши мумкин.

Машҳур иборада айтилишича “даражатларнинг ортида ўрмонни кўра олиш зарур.” Малакали мутахассис корхона иқтисодиётини яхши билишдан ташқари амалиётда тез-тез учраб турувчи нима ёки қайси вариант яхшироқ?; қандай йўл билан даромадни ошириш ва рентабелликни кўтариш мумкин?; корхонанинг ишчи кучига эҳтиёжи қанча ва уларга қандай ҳақ тўлаш керак?; ишлаб чиқарилувчи маҳсулот ёки товарга бўлган талабни қай тарзда ошириш мумкин?; корхона кредит олиши керакми, агар олса қандай шартлар билан олиш мумкин? каби саволларга ўз вақтида ва тўғри жавоб бера олиши лозим. Бошқача қилиб айтганда, гап назарий билимларнинг амалий тажриба ва қўникмалар билан уйғунлашуви, ёш мутахассиснинг турли хўжалик шароитларида тез, тўғри ва аниқ қарор қабул қилиши ҳақида бормоқда. Фақат шу қобилиятларга эга бўлган мутахассисгина тезда жамиятда ўз ўрнини топиб, хизмат пиллапоясида олға қадам ташлаши ва юқори лавозимлар сари ҳаракатини бошлаши мумкин.

1.3. «Корхона иқтисодиёти» фанининг мазмуни, мақсадлари ва бошқа фанлар билан алоқаси

«**Корхона иқтисодиёти**» худди бошқа фанлар каби биринчи ўринда ўрганиш функциясини бажаради. Унинг маҳсулот ишлаб чиқариш моддий-техника ресурсларини сарф қилишни талаб қилиши билан, ходимлар меҳнати уларга ҳақ тўлаш ва рағбатлантиришнинг бошқа шакллари билан, даромад ҳажми эса харажатлар микдори ва баҳони шакллантириш билан боғлиқ бўлган қўшма корхоналарда содир этилувчи ҳодиса ва жараёнларни ўрганиши ва

изоҳлаши мўлжалланган. Бунда гап қандайдир омилларни оддий тарзда констатация қилиш ҳақидагина эмас, балки корхоналар иқтисодий ҳаётининг моҳиятини англаш, уларнинг иқтисодий аҳволини яхшилаш йўлларини танлаш, баҳолаш ва таҳлил қилиш, энг муҳим иқтисодий жараёнларни прогнозлаштириш ва моделлаштириш ҳақида ҳам боради.

Мазкур фаннинг **тадқиқотлари обьекти** бу кичик, ўрта ва йирик корхоналар бўлиб, улар турли мулк шаклига эга бўлади ҳамда Ўзбекистон Республикасининг “Корхоналар тўғрисида” ги қонуни асосида ташкил қилинади. Ҳозирги кунда иқтисодий фаолиятнинг, моддий ишлаб чиқаришнинг жорий ва истиқболли ривожланиш стратегияси ҳамда мамлакат иқтисодий салоҳиятини мустаҳкамлашнинг асосий оғирлиги айнан корхоналар “елкаси” га юклатилмоқда.

Корхона иқтисодиётнинг бир бўғини бўлиб, унда энг малакали кадрлар мужассамланган ҳамда самарали бошқарув - менеджмент қўлланиб, ресурслардан оқилона фойдаланиш ва замонавий техника ва технологиялардан фойдаланиш масалалари ҳал қилинади. Ишлаб чиқарилаётган маҳсулотларнинг юқори сифат кўрсаткичларини сақлаган ҳолда харажатларни минималлаштириш ва даромад(фойда)ни максималлаштириш деярли ҳар бир корхонанинг асосий вазифаси ҳисобланади.

Фаннинг **предмети** бозор муносабатлари шароитларида корхоналар фаолиятининг назарий ва амалий асосларини, корхоналар фаолиятида иқтисодий қонуниятларнинг намоён бўлишини, шунингдек, уларнинг ишлаб чиқариш ва хўжалик фаолияти самарадорлигини реурслардан оқилона фойдаланиш, рационал бошқарув, инвестицион ва тадбиркорлик фаоллиги асосида ошириш йўлларини аниқлаш билан ифодаланади.

Фаннинг предметини ташкил қилувчи энг асосий муаммо ва масалалар қаторига қўйидагиларни киритиш мумкин:

- * бозор муносабатларида корхонанинг роли, ўрни ва хатти-ҳаракатлари ҳамда давлат идоралари билан ўзаро алоқалари;
- * корхонанинг ташкилий структураси ва бошқарув механизми;
- * ишлаб чиқаришни режалаштириш ва прогнозлаштириш;
- * корхонанинг инновацион ва инвестицион фаолияти;
- * ресурс корхонанинг салоҳияти ва ресурслардан фойдаланиш;
- * ишлаб чиқариш фаолияти самарадорлигини баҳолаш ва таҳлил қилиш;
- * корхонанинг тижорат сирлари ва иқтисодий хавфсизлиги.

Корхона иқтисодиёти курсини ўрганиш предмети – корхонанинг тижорат ташкилоти сифатидаги моҳияти асосий ишлаб чиқариш фондлари, айланма маблағлари, ишчи кучи, инвестицияларнинг ўзаро боғланиши, ўзаро ҳаракати ва улардан фойдаланишни яхшилаш йўлларини ўрганади.

Юқоридаги ва бошқа саволлар ўзгарувчанлик динамика асосида ўрганилиб, замонавий корхоналарни бошқаришнинг турли шакл ва усуллари вужудга келиши ва йўқолиб кетишининг тарихий сабаблари аниқланади. Бундай муайян тарихий ёндашув ушбу фанни ўрганишнинг муҳим методологик ҳолатларидан бири ҳисобланади.

Фаннинг мақсади таълим олаётганларга амалий иқтисодий билимларни, шунингдек, мустақил фикрлаш ҳамда олинган ахборотлар ва мустақил ўрганиш ёрдамида корхона иқтисодиёти муаммолари(масалалари) бўйича қарор қабул қилиш кўникмаларини сингдиришдадир. Янаям аниқроқ айтадиган бўлсак, гап бўлажак мутахассисларни ишлаб чиқаришни ташкил қилиш, режалаштириш ва бошқариш вазифаларини малакали тарзда ҳал қилиш, корхонанинг харажат ва даромадлари қандай юзага келиши ҳамда ишлаб чиқариш самарадорлигини ошириш имконияти мавжуд бўлган йўлларни топиш ҳақида бормоқда.

Бироқ шуни ҳам унутмаслик керакки, исталган билимлар доимо тўлдириб ва мукаммалаштириб борилмас экан, эскириб қолиши ҳамда корхоналар ҳаётида вужудга келувчи турли хил вазифаларни ҳал қилишга ярамай қолиши мумкин. Гап шундаки, фан-техника ва иқтисодиётнинг ривожланиши қўшимча билимлар чегарасини кенгайтиради ҳамда корхона ходимларининг ҳозирги кун талабларига жавоб берувчи билим, кўникма ва малакага эга бўлишларини талаб қиласди. Шу сабабли олинган ахборотлар, ўрганилган формула, атама ва категориялар билан чекланиб қолиш ярамайди. Уларни доимий равища тўлдириб, фан ва хўжалик амалиётининг сўнгги ютуқлари асосида ривожлантириб бориш лозим. Олинган билимлар факат шу асосдагина амалиётда қўлланиб, жамиятнинг бевосита ишлаб чиқариш кучига айланиши мумкин.

«Корхона иқтисодиёти» фан сифатида бошқа иқтисодий фанлар билан, жумладан, «Иқтисодий назария», «Микро ва макроиқтисодиёт», «Саноат иқтисодиёти», «Лизинг», «Корхоналарда ишлаб чиқаришни ташкил қилиш», «Хом ашё етказиб бериш ва маҳсулотни сотишни ўрганиш» билан чамбарчас боғлиқ бўлиб, унда корхоналарнинг ташкилий тузилмасидан ташқари жорий ва истиқболдаги ишлаб чиқаришни режалаштириш, меҳнат иқтисодиёти ва социологияси ўрганилади ҳамда меҳнатни ташкил қилиш ва ҳақ тўлашнинг асослари ишлаб чиқиласди.

«Корхона иқтисодиёти» корхоналар фаолияти ва бутун ҳалқ хўжалиги ривожланишининг миқдор кўрсаткичларини сифат кўрсаткичларидан ажralмаган ҳолда ўрганувчи «Иқтисодий статистика» билан, шунингдек, жорий ва истиқболдаги ишлаб чиқаришни ҳамда ишлаб чиқариш технологияларини ривожлантириш учун зарур бўлган «Корхоналар хўжалик фаолиятининг таҳлили» билан ҳам боғлиқ. Гап шундаки, корхоналар ҳаётида рўй бераётган иқтисодий жараёнларни техника ва технологияларни билмасдан ўрганишнинг иложи йўқ. Фан-техника тараққиёти шароитларида техника ва технологияда жадал суръат билан юз бераётган ўзгаришлар нафақат ишлаб чиқариш хусусиятларида, балки айирбошлиш, тақсимлаш ва истеъмол қилиш ҳамда ишлаб чиқаришнинг иқтисодий натижаларида ҳам акс этади ва шу сабабли мазкур фанни ўрганишда ҳисобга олинмаслиги мумкин эмас.

Мазкур фаннинг “Корхоналар хўжалик фаолиятининг таҳлили” фани билан ўзаро алоқасини алоҳида кўрсатиб ўтиш керак. Бунда ишлаб чиқаришнинг молиявий ва бошқа жиҳатларига баҳо бериш, захираларни аниқлашдан ташқари, башоратлаш ёрдамида корхона ривожланишининг истиқболлари аниқланади. Хорижий мамлакатлар амалиётининг гувоҳлик

беришича, корхона, фирма ва компанияларнинг кўпчилиги ишлаб чиқариш менеджерлари ва иқтисодчиларнинг юқори касб малакаси ва ўз соҳасидаги чуқур билимлари эвазига муваффақиятларга эришиб, юқори даромадга ва ишлаб чиқариш имиджига эга бўлмоқда. Шу сабабли корхона иқтисодиётини яхши билишнинг ўзи камлик қилиб, бўлажак мутахассиснинг иқтисодий фикрлаш доирасини кенгайтириш ва унинг халқ хўжалигида ўз ўрнини топишини шакллантирувчи бошқа иқтисодий, техникавий ҳамда технологик фанлар мажмуасини ҳам билиш талаб қилинади.

Қисқача хуносалар

«Корхона иқтисодиёти» - иқтисодий фанларнинг таркибий қисми бўлиб, бозор структуралари фаолиятининг амалий шакллари ва назарий асослари ҳамда иқтисодий фаолият субъектларининг ўзаро алоқалари механизмини ўрганишга қаратилган.

Иқтисодиёт – бу одамлар жамияти, муайян, чекланган ресурслардан фойдаланиб, керакли маҳсулот ёки хизматларни ишлаб чиқиши, одамлар гурухлари ўртасида тақсимотига айтилади.

Корхона иқтисодиёти - қандай юқорида келтирилган вазифа айрим корхона чегарисида ҳал этилиши ҳақидаги фан.

Корхона - иқтисодиётнинг асосий бўғини. Бозор муносабатлари шароитларида иқтисодий фаолиятнинг асосий оғирлиги турли хил маҳсулот ишлаб чиқарувчи, хизмат кўрсатувчи ҳамда малакали кадрлар мужассамланиб, ресурсларнинг турли хилларидан фойдаланиловчи корхоналар зиммасига юклатилган.

«Корхона иқтисодиёти» фан сифатида замонавий мутахассисга ўз соҳасининг билимдони бўлишга, ишлаб чиқаришдаги аҳволнинг ўзгаришига тез мослашиши, қатъий белгиланган мақсадга эга бўлиши ва энг асосийси, замонавий корхоналарнинг хўжалик механизмини билишига кўмаклашади.

«Корхона иқтисодиёти» фан сифатида ташкилотчилик малакасидан ташқари тадбиркорлик рухини, бозор ва рақобатчилик қонунлари ҳақидаги билимларни сингдиради ҳамда корхона ҳаётида энг самарали қарорлар қабул қилинишига хизмат қиласди.

«Корхона иқтисодиёти» кичик, ўрта ва йирик корхоналар ўртасидаги фарқларни, кичик ва ўрта корхоналарнинг йирик корхоналарга нисбатан мослашувчанлиги ва рақобатбардошлигини ҳамда уларнинг бозор талабларига тезроқ жавоб беришларини кўрсатади.

«Корхона иқтисодиёти» муайян иқтисодий фан сифатида корхоналарни алоҳида, атрофдаги воқеликдан ажратган ҳолда эмас, балки жамият ҳаётидаги барча иқтисодий ҳодиса ва жараёнлар иштирокида бутун иқтисодий тизимда ўрганади. Шу сабабли мазкур фаннинг муҳим белгиси сифатида корхоналарнинг рақобатга асосланган бозор муносабатлари шароитларидаги фаолияти ҳамда бўлажак мутахассисларга бозор ва рақобат қонунларини ўргатишини кўрсатиш мумкин.

«Корхона иқтисодиёти» мақсадли вазифа сифатида хўжалик юритувчи субъектларнинг таълим даражасини оширишни кўзда тутсада, муайян

корхоналарда юзага келаётган аҳвол учун жавобгарликни ўз зиммасига олмайди. Мазкур ўқув курси корхона ҳаётида рўй бериши мумкин бўлган иқтисодий ҳодиса ва жараёнларни умумлаштиради ва очиб беради.

Корхона иқтисодиёти курсини ўрганиш предмети – корхонанинг тижорат ташкилоти сифатидаги моҳияти асосий ишлаб чиқариш фондлари, айланма маблағлари, ишчи кучи, инвестицияларнинг ўзаро боғланиши, ўзаро ҳаракати ва улардан фойдаланишни яхшилаш йўлларини ўрганади.

Таянч иборалар

Иқтисодиёт, тармоқлар, моддий ишлаб чиқариш, “Иқтисодиёт доимо моддийдир”, компютерлаштириш, информатизация, интернет тармоғи, ишлаб чиқариш инфратузилмаси, ижтимоий инфратузилма, фан-техника тараққиёти, «Корхона иқтисодиёти», самарадорлик, иқтисодий барқарорлик, рақобатчилик қураши, бошқариш тизими, талаб ва таклиф, фаннинг тадқиқотлари обьекти, фаннинг предмети, фаннинг мақсади.

Назорат ва муҳокама учун саволлар

1. Бозор иқтисодиёти маъмурий-буйруқбозликка асосланган аввалги иқтисодиётдан нимаси билан фарқланади?
2. Иқтисодий фанлар ва айнан “Корхона иқтисодиёти” фани жамият кадрларининг шаклланишида қандай роль ўйнайди?
3. Ишлаб чиқариш (саноат) корхонаси бозорнинг хўжалик юритувчи бошқа субъектларидан қайси хусусиятлари билан фарқланади?
4. Бозор иқтисодиёти шароитларида корхоналар фаолиятининг мақсади нимада?
5. Корхонанинг бозор ва ишлаб чиқариш алоқаларини очиб беринг.
6. Рақобатчилик корхона фаолиятига қай тарзда таъсир ўтказади?
7. Замонавий корхоналарнинг фаолияти қайси қонун хужжатларига асосланган? Корхоналар фаолиятига бевосита таъсир қилувчи муайян қонунларни санаб ўтинг.
8. “Корхоналар иқтисодиёти” фани «Микроиқтисодиёт» ва «Макроиқтисодиёт» фанларидан нимаси билан фарқланади?
9. Иқтисодий сиёsat, иқтисодий муҳит ва иқтисодий фанларнинг ўзаро алоқаларини кўrsатиб беринг.
10. Корхонанинг иқтисодий фаолияти билан шуғулланувчи замонавий мутахассис қандай хислатларга эга бўлиши лозим?

Тавсия этиладиган адабиётлар

1. Ўзбекистон Республикасининг “Хусусий корхоналар тўғрисида”ти Конуни. Қонун ва карорлар. Т., “Ўзбекистон”, 2004., №3
2. И.А. Каримов. Ўзбекистон XXI аср бўсағасида: хавфсизликка таҳдид, тараққиёт шартлари ва кафолатлари. Т., “Ўзбекистон”, 1997.
3. И.А. Каримов. Ўзбекистон – XXI асрга интилмоқда. Т., “Ўзбекистон”, 1999.
4. И.А. Каримов. “Ўзбекистон иқтисодий ислоҳотларни чуқурлаштириш йўлида. Т., “Ўзбекистон”, 1995.

5. Маҳсулот (ишлар, хизматлар)ни ишлаб чиқариш ва сотиш харажатлари таркиби ҳамда молиявий натижаларни шаклантириш тартиби туғрисадаги Низом. -Т.: 1999, 5 февраль.
6. Экономика предприятия. Учебник для ВУЗов. 3-е издание /Под. ред. В.Я.Горфинкеля, В.А.Швандара. - М.: Юнити-Дана, 2003.
7. Основные показатели уровня развития малого и среднего предпринимательства в Республике Узбекистан за 2002 год. Статистический сборник .-Т.; ТДИУ , 2003. –52 с.
8. Махмудов Э.Х. Корхона иқтисодиёти: Ўқув.қўлл. –Т.: Ўзбекистон ёзувчилар ўюшмаси Адабиёт жамғармаси нашриёти, 2004.
9. О.И. Волков, Экономика предприятия, Учебник. М., “ИНФРА-М”, 2000.
10. Сенге Питер М. и др. пер с анг. Танец перемен: новое проблему самообучающихся организаций М.: ЗАО Длимп-Бизнес 2004.
11. «Ўз Ишингизни яратинг ёки тадбиркор нималарни билиши лозим» - Тошкент шаҳри, ЮНИДО, «Бизнес маслаҳат маркази» лойиҳаси, 2003й.
12. Абдукаримов И.Т. ва бошқалар Корхона иқтисодий салоҳияти таҳлили. Т.: «Иқтисодиёт ва ҳуқуқ дунёси» нашриёт уйи, 2003.
13. Аутсорсинг: Создание высокоеффективных и конкурентоспособных организаций. Учебное пособие / Под ред. Б.А.Аникина М.: Инфра – М 2003.
14. <http://www.harvard.edu>
15. <http://www.capitul.ru>
16. <http://www.5b.ru>
17. <http://www.audit-center.ru>

II МАВЗУ. КОРХОНА – МУСТАҚИЛ ХЎЖАЛИК ЮРИТУВЧИ БОЗОР СУБЪЕКТ

- 2.1. Миллий иқтисодиёт ривожланишида корхонанинг ўрни ва роли.
- 2.2. Корхонанинг белгилари, функциялари ва вазифалари.
- 2.3 Корхоналарни таснифлаш.
- 2.4. Корхона тузилмаси ва уни белгиловчи омиллар.

2.1. Миллий иқтисодиёт ривожланишида корхонанинг ўрни ва роли

Аввалги маъмурий-буйруқбозлик тизими шароитларида собиқ СССР иқтисодиёти ягона халқ хўжалиги мажмуаси сифатида тавсифланган. Унда барча иттифоқдош республикаларнинг бутуниттифоқ иқтисодиётини ривожлантиришдаги мажбурий иштироки ва “Марказ” томонидан белгилаб берилган йўналишлар асосида ўз миллий иқтисодиётини ҳам ривожлантириши акс эттирилган.

Бирлик, бирдамлик, яхлитлик аслида ҳаётнинг ижобий категориялари ҳисобланади. Бироқ давлат бошқарув ҳолатидан ва биринчи ўринда республикаларнинг имкониятлари ва манфаатлари нуқтаи назаридан қараганда бундай “бирлик” республикаларга ижтимоий-иқтисодий ривожланишнинг муҳим масалаларини мустақил ҳал қилиш имконини бермасди. Республикаларнинг миллий иқтисодиётларига киритилувчи инвестициялар асосан умумиттифоқ “қозони”дан олинарди ва кўпинча қолдиқ тамойили асосида амалга ошириларди. Бир қанча тармоқлар ва йирик ишлаб чиқариш бирлашмалари бир вақтнинг ўзида ҳам республика, ҳам бутуниттифоқ вазирликларига ва маҳкамаларига бўйсунар эди.

Иттифоқдош республикалар СССРнинг ягона халқ хўжалиги мажмуаси таркибида сўнгти бор қатнашган 1990 йил бўйича статистик маълумотлар Ўзбекистон иқтисодиётининг аҳволи ва тузилмавий тузилиши тўғрисида маълум бир тушунча беради: жами ишлаб чиқарилган саноат маҳсулотларида марказга бўйсинувчи корхоналарда ишлаб чиқарилган маҳсулотлар салмоғи 33%, саноат ва ишлаб чиқаришда машғул бўлган ходимлар миқдорида - 35%, саноат ва ишлаб чиқариш асосий фондларида 65%ни ташкил қилган бўлса, республик ҳукуматига бўйсунувчи корхоналар эса мос равишда 67%, 65% ва 35%ни ташкил этган.

Ўзбекистон Республикасининг мустақилликка эришиши миллий иқтисодиётимизда миқдор ва сифат ўзгаришларига сабаб бўлди. Бугунги кунда мамлакатимиз иқтисодиёти жамиятни демократиялаштириш, иқтисодиёт салоҳиятларини мустаҳкамлаш ва мамлакатни ривожланган давлатлар қаторига киритишга йўналтирилган, бозор муносабатларига ўтишнинг мамлакатимиз учун маҳсус ишлаб чиқилган модели асосида ривожланиб бормоқда. Бу модел Ўзбекистон Республикаси Президенти томонидан илгари сурилган иқтисодиётни ислоҳот қилишнинг бешта муҳим тамойилига асосланган ҳамда хўжалик фаолияти юритувчи субъектларнинг эркинлиги, хусусий мулкчилик ва

тадбиркорликни ҳимоя қилувчи зарурий қонун хужжатлари билан белгилаб берилган.

Иқтисодиётнинг ривожланиши учун талаб қилинувчи ушбу вазифаларнинг амалга оширилишида корхоналарга катта роль ажратилиб, улар иқтисодиётнинг асосий ишлаб чиқариш бўғини бўлиш билан бирга маҳсулот ишлаб чиқариш, ахолига хизмат кўрсатиш туфайли истеъмолчиларнинг талабларини ҳам қондирадилар.

Бозор иқтисодиёти шароитида маъмурий буйруқбозлик хўжалигидан фарқли ўлароқ иқтисодий фаолият маркази барча иқтисодиётнинг асосий бўғини бўлмиш – корхоналар томонига силжиб ўтади.

Корхона – ижтимоий ишлаб чиқаришнинг бош бўғини бўлиб, унда илмий иқтисодиётнинг асосий иқтисодий масалалари ҳал этилади.

Маҳсулотлар яратиш ва хизматлар кўрсатиш муайян технологик жараёнлар, меҳнат куроллари материаллари, одамларнинг билими ва кўникмалари ижтимоий меҳнат тақсимоти ва кооперациялашга асосланган ҳода мустақил амалга ошириладиган тизимга айтилади.

Корхона иш ўринларини беради иш ҳақи тўлайди солиқлар тўлаш йўли билан давлат ва ижтимоий дастурларни амалга оширишда қатнашади.

Айнан корхонада маҳсулот ишлаб чиқариш жараёнлари ва ишчини ишлаб чиқариш воситалари билан ўзаро алоқаси амалга оширилади.

Корхона ўз фаолиятини ўзи бошқаради, ишлаб чиқарилган маҳсулотни олинган соф фойдани солиқ ва бошқа тўловларни тўлагандан сўнг қолган қисмини тасарруф этади.

Корхоналарда ишлаб чиқарилаётган маҳсулотлар ҳажми ва ассортименти, хилма-хиллиги, хом ашё етказиб берувчилар ва ҳаридорлар баҳоларни шакллантириш, ресурслардан тежамли фойдаланиш, кадрларни қўллаш, юқори унумли техника ва технологиядан фойдаланиш масалалари ҳал этилади.

Корхона фаолиятининг самарадорлиги ишлаб чиқаришни қўйидагича ташкил этиш шаклларига эга:

Концентрациялаш, бир жойга жамлаш;

Ихтисослаштириш;

Кооперациялаш;

Ишлаб чиқаришни мураккаблаштириш каби усуллардан фойдаланишга боғлиқ.

Ўзбекистон Республикаси қонунчилигига асосан, **корхона** бу - ҳуқуқий шахс мақомига эга, мустақл равишда хўжалик фаолияти юритувчи субъект бўлиб, ўзига тегишили бўлган мол-мulkидан фойдаланиш асосида истеъмолчилар (харидорлар) талабини қондириши ва даромад (фойда) олии мақсадида маҳсулот (иши, хизмат) ишлаб чиқаради ва сотади ёки айирбошлайди.

Корхона – ижтимоий талабларни қондирувчи ва соф фойда олиш мақсадида маҳсулот ишлаб чиқарувчи, ишлар бажарувчи, хизмат кўрсатувчи мустақил хўжалик юритувчи иқтисодиёт субъектиdir.

Ўзбекистон иқтисодиётининг турли тармоқ ва соҳаларида турли хил мулкчилик шаклига эга бўлган 300 мингта хўжалик фаолияти юритувчи

субъект мавжуд бўлиб, улардан қарийб 280 мингини кичик корхоналар ҳамда микрофирмалар ташкил этади. Корхоналарнинг энг катта қисми савдо ва умумий овқатланиш (34%), қишлоқ хўжалиги (41%), саноат (9,4%) ва қурилиш (56%) соҳаларида рўйхатга олинган. Жами корхоналар миқдорида нодавлат секторининг салмоғи катта бўлиб, 82 %ни ташкил қилади.

Ҳар бир мамлакатнинг саноат қуввати ҳамда фан-техника тараққиёти ва иқтисодиётни модернизациялаш кўрсаткичларини биринчи ўринда йирик корхоналар белгилаб беради. Шу сабабли “кичик” иқтисодиётни ривожлантириш, яъни кичик ва ўрта корхона ҳамда микрофирмаларга кенг йўл очиб беришда йирик корхоналарнинг ўрни ва ролини унутмаслик даркор. Чунки бу корхоналарда ишловчи ходимлар сони катта бўлишдан ташқари, фан-техника ютуқларини ҳаётга татбиқ этиш, юқори сифатли маҳсулот ишлаб чиқариш, меҳнатни рағбатлантириш ҳамда дўстона, шерикчилик алоқаларини (жумладан, хорижий корхона ва фирмалар билан) ривожлантиришга кенг имкониятлар мавжуд. Шу сабабли йирик, ўрта ва кичик корхоналарнинг оптималлиги жамоатчилик ишлаб чиқариши талаблари ва миллий иқтисодиётнинг ривожланиш истиқболларидан келиб чиқсан ҳолда фан ва хўжалик амалиётининг энг муҳим вазифаси ҳисобланади. Бу вазифани иқтисодиётнинг ҳар бир тармоғи ва соҳасида ҳал қилишнинг йўллари ўхшашибўлмаслиги ёки бир хил тавсифга эга бўлмаслиги мумкин. Ҳар бир алоҳида юзага келган иқтисодий ҳолатда мавжуд шароитлар ва ривожланиш афзалликларига мос ҳолда ҳаракат қилиш зарур.

Корхоналарнинг фаолияти миллий иқтисодиёт ва унинг тармоқларига тўғридан-тўғри таъсир кўрсатади. Корхоналар қанчалик яхши, самарали ва рентабелли ишласа, бутун иқтисодиётнинг, жумладан, уларнинг ўзларининг ҳам кўрсаткичлари юқори бўлади. Бозор иқтисодиёти корхоналар фаолиятини эркинлаштиради, уларнинг мустақиллигини мустаҳкамлайди ҳамда ишлаб чиқаришни ташкил этиш ва рентабелликнинг юқори кўрсаткичларига эришишга кенг имкониятлар яратади, деб ҳисобланади. Балки ҳақиқатдан ҳам шундайdir. Бироқ корхона, айниқса, давлатга тегишли бўлган корхона қандай ишлаши, унинг жамиятга келтирувчи фойдаси, рентабеллик даражаси, ходимларнинг бандлиги қандай бўлиши фақат корхоналарнигина эмас, давлатнинг ҳам кўз олдида бўлиши зарур. Худди шунинг учун ҳам давлат корхоналарга катта имкониятлар яратиб бериш билан бирга уларни белгиланган тартибда назорат қилиб ҳам боради. Давлат корхоналар “тақдирига”, уларнинг ишлаб чиқариш фаолияти якуний натижаларига бефарқ қараб тура олмайди. Банкротга учраган корхоналар, зарар келтирувчи ишлаб чиқариш, иқтисодий начорлик - буларнинг барчаси корхона жамоаси учун ҳам, давлат учун ҳам оғир юқ ҳисобланади.

Жаҳон тажрибаси шуни кўрсатадики, бозор иқтисодиёти шароитларида барча корхоналар ҳам рақобатчиликни енгиб, самарали ишлаб кета олмайди ҳамда даромад ёки фойда ололмайди. Натижада минглаб корхоналар ташкил қилиниб, хўжалик фаолияти доирасига қўшилади ва деярли шунчаси турли сабабларга кўра тугатилади. Шу сабабли банкротлик, корхоналарнинг тутатилиши бозор иқтисодиёт шароитларида одатий ҳол бўлиб, бу аҳволга

тушиб қолишдан эҳтиёт бўлиш керак бўлсада, лекин бундан фожеа ҳам ясаш керак эмас.

Халқ орасида “Камбағал ва касал бўлгандан кўра бой ва соғлом бўлган афзал” деган гап бор. Шу гапга амал қиласиган бўлсак, яхшиси корхонани банкот бўлишга олиб келмаслик, унинг иқтисодий мустақиллиги, меҳнат қобилияти ва даромадлигини таъминлаш учун барча зарур чораларни қўллаш зарур. Корхонанинг меҳнат қобилияти ва даромадлиги миллий иқтисодиётга қўшиладиган хисса бўлишдан ташқари республикамиизда тобора кўпайиб бораётган аҳолини иш билан таъминлашда ҳам аҳамият касб этишини унумаслик муҳим. Кўриниб турибдики, исталган корхонанинг миллий иқтисодиётдаги ўрни ва аҳамияти ишлаб чиқарилаётган маҳсулотлар, олинадиган фойда ёки даромад миқдоридан ташқари бу корхонанинг аҳолини иш билан таъминлашдаги иштирокига ҳам боғлиқ бўлади. Аҳолини иш билан таъминлар экан, корхоналар ўзларининг бевосита ишлаб чиқариш функцияларини бажаришдан ташқари ишсизликнинг камайишига, демак, тўғри, меҳнат фаоллигининг ортиши ва ижтимоий аҳволнинг яхшиланишига ҳам сабабчи бўлади.

Бу ерда ҳамма нарса фақат корхонанинг ўзига боғлиқ эмаслиги кўриниб турибди, албатта. Чунки корхона ўз фаолиятини амалга ошириш жараёнида хом ашё, материал, асбоб-ускуна ва бошқа ишлаб чиқариш воситалари етказиб берувчи ёки маҳсулот истеъмолчилари сифатида ҳаракат қилувчи бошқа корхоналар билан ўзаро алокага киришади. Бу муносабатларда ҳар бир камчилик ва нуқсонлар, жумладан, хом ашё, материал ва асбоб-ускуналарни вақтида етказиб бермаслик, ўз вақтида ҳақ тўламаслик, қарзларни тўлаш муддатларининг ўтказиб юборилиши ва бошқа хўжалик юритиш қоидалари ва мажбуриятларининг бузилиши корхона иқтисодий аҳволининг ёмонлашишига, унинг ночорликка учрашига олиб келади. Шу сабабли корхоналар фаолиятини самарали ва юқори рентабелли даражада амалга ошириш зарурияти, барча корхоналар ишлаб чиқаришни керакли тарзда ташкил қилиш ҳамда ўз ҳамкорлари ва давлат олдидаги мажбуриятларни қатъий тарзда бажариш интизоми билан узвий боғлиқдир.

Ўзбекистонда кўплаб кичик, ўрта ва йирик ишлаб чиқариш корхоналари фаолият кўрсатаётган бўлиб, улар иқтисодиётнинг деярли барча тармоқларини – оғир саноатдан енгил саноатгача, қишлоқ хўжалик маҳсулотларини қайта ишлашдан илмий ишлаб чиқаришгача қамраб олган. Улар ўз фаолиятида ишлаб чиқаришнинг барча омилларидан - ер, табиий ва меҳнат ресурслари, техника ва технологиялар, инвестициялар, ҳозирги замон фани томонидан ишлаб чиқаришнинг асоси ёки мамлакатнинг миллий бойлиги деб аталувчи замонавий ахборот тизимидан фойдаланади. Маълумки, бойлик ёки салоҳият бир нечта авлод ва бутун жамиятнинг хатти-ҳаракатлари эвазига яратилади. Корхоналарнинг вазифаси ушбу бойликни асраб-авайлаш ва ундан самарали фойдаланишда ифодаланади. Хўжалик юритишнинг мазкур тамойилларидан бир оз бўлсада четга чиқиши жамоатчилик ишлаб чиқариши самардорлигининг пасайишига, хўжасизлик ва исрофгарчиликка олиб келади. Корхоналар ҳам бундан мустасно эмас.

2.2. Корхонанинг белгилари, функциялари ва вазифалари

Замонавий корхона-мустақил хўжалик юритувчи субъект бўлиб, уларнинг ишлаб чиқариш воситалари ва бошқа мулклари режали иқтисодиёт шароитларидагидек давлатнинг ўзигагина тегишли бўлмайди. Шу сабабли корхоналар *мулкчилик шаклига* кўра, давлат ва нодавлат, *тармоқ белгиларига* кўра, машинасозлик, энергетика, металургия, нефть ва газ саноати, қурилиш комплекси, озиқ-овқат, енгил саноат, савдо ва ҳоказолар, *ишлаб чиқариши миқёси ва ходимлар сонига* кўра, йирик, микрофирма ва кичик, *фаолият юритиши муддатига* кўра, узлуксиз, мавсумий ва узлукли корхоналарга бўлинади.

Бироқ ушбу белгилардан қатъи назар, деярли ҳар бир корхона **Низом** асосида фаолият юритади. Низомда корхонанинг номи, манзилгоҳи, юқори турувчи органи ва бу органнинг номи, Низом жамғармаси, банк муассасаларидаги реквизитлари, корхона раҳбариятининг лавозимлари, раҳбар шахсларнинг мажбуриятлари, тузилмавий бўлинмалар рўйхати, ҳисобот тартиби ва ҳоказолар кўрсатилган бўлади.

Агар Низомда корхонанинг ташкилий-ҳуқуқий функциялари белгиланган бўлса, унинг ишлаб чиқариш ва иқтисодий фаолияти таркибига асосий ва айланма фонтлар, пул маблағлари ва бошқа активлар кирувчи **Низом жамғармасига** таянади. Низом жамғармаси қонунга асосан корхонани ташкил қилиш жараёнида муассислар - давлат, ҳуқуқий ва жисмоний шахслар томонидан шакллантирилади. Корхона ривожланиши ва ишлаб чиқаришнинг кенгайиб бориши, даромад ҳажми ва бошқа молиявий тушумларнинг ортиши натижасида Низом жамғармаси қўпайтирилиши мумкин. Умуман олганда, Низом жамғармаси корхонанинг иқтисодий барқарорлиги ва молиявий жиҳатдан бақувватлигини акс эттиради.

Корхонани турли белгиларига кўра тавсифлаш мумкин:

- *ишлаб-чиқариши ва техника муносабатларида корхона* – бу, ишлаб чиқарилаётган маҳсулотлар ҳажми ва турлари, уларни тайёрлаш технологиясига миқдор ва сифат жиҳатидан мос келувчи машиналар тизими;
- *ижтимоий муносабатларда корхона* – бу, турли категориядаги ходимлар ўртасида уларнинг ҳукуқ ва мажбуриятлари асосида юзага келувчи муносабатлар ;
- *ташкилий-ҳуқуқий муносабатларда корхона* ҳуқуқий шахс сифатида фаолият юритади;
- *молиявий-иктисодий муносабатларда корхона* – бу, тармоқнинг мустақил бўғини бўлиб, ўз-ўзини молия билан таъминлаш, ўз-ўзини бошқариш, яъни бозор муносабатлари тамойилларида фаолият юритади.

Амалдаги қонунчиликка асосан корхона давлат рўйхатидан ўтганидан кейингина ҳуқуқий шахс сифатида тан олинади. Давлат рўйхатидан ўтиш учун

биринчи ўринда қуидаги ҳужжатлар аҳамиятга эга бўлади: муассиснинг аризаси; корхонанинг Низоми; корхонани ташкил қилиш ҳақида қарор ёки муассислар шартномаси; давлат божини тўлаганлик ҳақида квитанция ва бошқалар.

Корхона ўзига хос бўлган маълум хусусиятларга эга:

биринчидан, корхона ўзига тегишли ва хўжалик бошқарувидаги хусусий мулкка эга бўлиб, ушбу мулк унинг фаолияти моддий-техникавий имкониятларини, иқтисодий мустақиллиги ва ишончлилигини таъминлайди;

иккинчидан, корхона кредиторлар, жумладан, давлат билан ўзаро муносабатлардаги мажбуриятлар юзасидан ўз мулки билан жавоб бериш хусусиятига эга бўлади;

учинчидан, корхона хўжалик айланмасида ўз номидан ҳаракат қилиши мумкин, яъни қонунга асосан хўжалик фаолияти юритувчи ҳамкорлар, маҳсулот (иш, хизмат) истеъмолчилари, хом ашё ва асбоб-ускуна етказиб берувчилар ҳамда бошқа ҳуқуқий ва жисмоний шахслар билан шартнома тузиш ҳуқуқига эга;

тўртинчидан, корхона қонунчиликка асосан судда даъвогар ва жавобгар сифатида қатнашиш ҳуқуқига эга;

бешинчидан, корхона мустақил баланс ёки сметага эга бўлиб, ишлаб чиқариш ва маҳсулот савдоси харажатларини ҳисобга олиб боради ҳамда давлат органлари томонидан белгиланган тартибда ўз вақтида ҳисботларни тақдим этади;

олтинчидан, корхона ўз номига эга бўлиб, унда корхонанинг ташкилий-ҳуқуқий шакли ўз аксини топади.

Ҳар бир корхонанинг фаолияти ишлаб чиқариш, қайта ишлаб чиқариш ва муомала жараёнларидан иборат бўлади. Корхонанинг ишлаб чиқариш соҳасидаги фаолияти - янги маҳсулотни ишлаб чиқаришга тайёрлаш ва ишлаб чиқаришни ташкиллаштиришда намоён бўлади. Қайта ишлаб чиқариш соҳасидаги фаолият - ишчи кучини ёллаш, кадрлар тайёрлаш ва уларнинг малакасини ошириш, ишлаб чиқариш воситаларини янгилаш ва кенгайтириш жараёнларида акс этади. Муомала соҳасидаги фаолият эса ишлаб чиқаришнинг моддий-техника таъминотини ташкиллаштириш, маҳсулот (иш, хизмат)ларни сотиш ва фойдаланилган ишлаб чиқариш воситаларининг даромад шаклида қайтиб келишида кўзга кўринади.

Корхоналарни ижтимоий-иқтисодий тизим сифатида тадқиқ этишда уни ташкил қилувчи иккита таркибий қисм - тизимнинг ўзи(корхона) ва ушбу тизим фаолият юритувчи ташқи муҳитни кўриб чиқиш лозим. Корхонанинг ички муҳити ишлаб чиқариш воситалари, пул маблағлари, ахборотлар ва инсон ресурсларидан ташкил топади.

Ички муҳитнинг ўзаро алоқалари натижасида тайёр маҳсулот пайдо бўлади, ишлар бажарилади ва хизмат кўрсатилади, яъни тўғри йўлга қўйилган ишлаб чиқариш ва меҳнатга ҳақ тўлаш фаолияти юзага келади.

Корхоналарнинг ташқи муҳит билан алоқаси уларнинг ташқи тизимга чиқишида рўй берив (ресурсларни жалб қилиш, уларнинг қийматини аниқлаш, хом ашё, материал ва ёқилғининг ўз вақтида етказиб турилиши ва ҳоказо),

ташқи муҳитга ишлаб чиқарилган товар ва хизматлар оқими ёрдамида таъсир кўрсатиш жараёнида намоён бўлади.

Корхоналар фаолияти самарадорлигини аниқлаб берувчи ташқи муҳит – бу, биринчي ўринда маҳсулот истеъмолчилари, хом ашё ва бошқа материал етказиб берувчилар, шунингдек давлат органлари ҳамда корхонага яқин жойда яшовчи аҳоли ҳисобланади.

Бозор иқтисодиёти шароитларида корхоналар **фаолиятининг асосий йўналишлари** қўйидагилар ҳисобланади:

- * бозор ва унинг ривожланиш истиқболларини комплекс равишида ўрганиш ёрдамида, харидорларнинг маҳсулот ва хизмат турларига мавжуд ва юзага келиши мумкин бўлган талабларини аниқлаш;
- * маҳсулотнинг янги моделлари ва намуналарини яратиш бўйича илмий-тадқиқот фаолиятини ташкил қилиш;
- * харидорлар талабларига мос келувчи товарларни ишлаб чиқариш;
- * ишлаб чиқаришни режалаштириш, дастурлаш, мувофиқлаштириш ва молиялаштириш;
- * маҳсулотни тақсимлаш ва сотиш тизимини ташкил қилиш ва уни мукаммаллаштириш;
- * корхонанинг барча фаолиятини, жумладан, ишлаб чиқариш, сотиш, реклама, техник хизмат кўрсатиш ва ҳоказоларни бошқариш.

Албатта, замонавий корхоналарнинг қўп қиррали фаолияти юқорида санаб ўтилган йўналишлар билангина чекланиб қолмайди. Амалиётда улар фан-техника тараққиёти ва давлат томонидан амалга оширилаётган иқтисодий сиёсатнинг янги талаблари билан тўлдирилиши мумкин. Бироқ, юқорида айтиб ўтилганлардан қатъи назар, хўжалик ривожланишининг ҳар бир босқичида корхоналар фаолияти қўйидаги вазифаларни бажаришга қаратилиши зарур:

- корхона эгасининг даромад олиши;
- истеъмолчиларни ишлаб чиқарилаётган маҳсулотлар билан таъминлаш;
- ходимларни иш ҳақи билан таъминлаш;
- корхонага яқин жойларда яшовчи аҳоли учун иш жойлари яратиш;
- атроф-муҳитни муҳофаза қилиш;
- корхона фаолиятида тўхтаб қолишга йўл қўймаслик;
- ишлаб чиқаришни ташкил этиш ва бошқариш шаклларини мукаммаллаштириш;
- ишлаб чиқаришнинг барча босқичларида тежамкорликка риоя қилиш.

Хўжалик фаолиятининг жорий ва истиқболдаги вазифаларини бажариш корхоналардан қўйидаги функцияларни амалга оширишни талаб қиласди:

- * ишлаб чиқариш ва шахсий истеъмол учун маҳсулотларни тайёрлаш;
- * маҳсулотларни истеъмолчиларга етказиб бериш ва сотиш;
- * сотувдан кейин хизмат кўрсатиш;
- * ишлаб чиқаришнинг моддий-техника асосини таъминлаш;
- * ходимлар меҳнатини ташкил қилиш ва бошқариш;

- * солиқларни тұлаш, бюджетта тұланувчи ихтиёрий ёки мажбурий бадал ва тұловларни амалга ошириш ;
- * амалдаги стандартлар, нормативлар ва давлат томонидан чиқарилған қонун-қоидаларга риоя қилиш.

Бу функциялар корхоналарнинг ҳажми, қайси тармоққа мансублиги, ижтимоий инфратузилманинг мавжудлиги, маҳаллий ҳокимият идоралари билан муносабатларга асосланиб аниклаштирилади. Бугунги бозор иқтисодиёти ва фан-техника тараққиёти корхоналарнинг амалга оширувчи функцияларини кенгайтириши ҳамда уларнинг фаолиятидаги ишлаб чиқариш күрсаткичларини янада яхшилаш учун янги вазифалар белгилаб бериши мумкин.

2.3. Корхоналарни таснифлаш

Хар бир корхона бошқа корхоналардан аввало ишлаб чиқараётган маҳсулоти, шунингдек, ишлаб чиқаришнинг тавсифи ва миқёси, жойлашиши, халқ хўжалигининг бошқа тармоқлари билан алоқалари ва бошқа кўрсаткичлари билан фарқ қиласи. Бироқ буларнинг барчаси ишлаб чиқаришни ташкил этиш, режалаштириш ва бошқариш масалаларини ҳар бир корхона учун индивидуал тарзда алоҳида ишлаб чиқиш керак, дегани эмас, албатта. Алоҳида корхоналар гурухига нисбатан қўллаш мумкин бўлган умумий қарорларни тайёрлаш мумкинлиги назарий ва амалий жиҳатдан исботлаб берилган.

Бу билан корхоналарнинг ишлаб чиқариш, меҳнат ва бошқарувни ташкиллаштириш масалаларини бир хил типда ҳал қилиш мумкин бўлган гуруҳларини аниклаш мақсадида уларни таснифлашнинг мақбуллигини изоҳлаш мумкин.

Корхоналарнинг энг муҳим хусусиятлари уларнинг қайси тармоққа қарашлилиги; ҳажми; ишлаб чиқаришнинг турли жабҳаларини қамраб олганлиги; ихтисослаштириш даражаси ва бир типдаги маҳсулотларни ишлаб чиқариш миқёси; ишлаб чиқаришни ташкиллаштириш усули ҳамда уни механизациялаш ва автоматлаштириш; ташкилий-ҳукуқий шаклларини прогнозлаштиришга боғлиқ бўлади.

Қайси тармоққа қарашлилигига кўра корхоналар ишлаб чиқариш ва ноишлаб чиқариш (машинасозлик, кўмир қазиб чиқариш, суғурта ва ҳоказо) соҳаларига мансуб бўлиши мумкин.

Ишлаб чиқарилаётган маҳсулот тури ва кўрининшига кўра, корхоналар саноат, қишлоқ хўжалиги, транспорт, молия-кредит ва бошқаларга бўлинади.

Технологик умумийлигига кўра, корхоналар ишлаб чиқариш жараёнини узлуксиз ва дискрет равища, кимёвий ёки механик жараёнларнинг устунлиги асосида юритувчиларга бўлинади.

Тайёр маҳсулотнинг мақсадларига кўра, барча корхоналар иккита катта гурухга бўлинади: ишлаб чиқариш воситаларини ишлаб чиқарувчилар ва истеъмол маҳсулотларини ишлаб чиқарувчилар.

Фойдаланилувчи хом ашё турига кўра, саноат корхоналари қазиб чиқарувчи ва қайта ишловчи корхоналарга тақсимланади.

Йил давомида ишилаш муддатига кўра, корхоналар мавсумий ва йил бўйи фаолият юритувчиларга бўлинади.

Хажмига кўра, корхоналар йирик, микрофирма ва кичик корхоналарга тақсимланади.

Ўзбекистон Республикаси Президентининг 2003 йил 30 августдаги «Ўзбекистон Республикаси Президентининг 1998 йил 9 апрельдаги «Хусусий тадбиркорлик, кичик ва ўрта бизнесни ривожлантиришни янада рағбатлантириш чора-тадбирлари тўғрисида»ги Фармонига ўзгартиш ва қўшимчалар киритиш ҳақида»ги Фармонига асосан ишлаб чиқариш тармогининг ўртacha йиллик ходимлари сони 20 кишигача бўлган ҳамда хизмат кўрсатиш ва бошқа ноишлаб чиқариш соҳасидаги ўртacha йиллик ходимлари сони 10 кишигача бўлган; улгуржи, чакана савдо ва умумий овқатланиш соҳасида 5 кишидан ошмаган корхоналар **микрофирмалар** қаторига киритилади.

Кичик корхона ҳисобланади:

- енгил ва озиқ-овқат саноати, металга ишлов бериш ва асбобсозлик, ёғочни қайта ишилаш, мебел саноати ва қурилиш материаллари саноатида 100 кишича ишлайдиган;
- машинасозлик, металлургия, ёқилғи-энергетика ва кимё саноати, қурилиш, қишлоқ хўжалиги ва бошқа ишлаб чиқариш тармоқларида 50 кишигача ишлайдиган;
- фан, илмий хизмат кўрсатиш, транспорт, алоқа, хизмат кўрсатиш соҳаси (суғурта компанияларидан ташқари), савдо ва умумий овқатланиш ҳамда бошқа ноишлаб чиқариш соҳаларида 25 кишигача ишлайдиган корхоналар.

Ихтисослашув даражасига кўра, корхоналар ихтисослашган, универсал ва аралаш корхоналарга бўлинади. Ихтисослашган корхоналар қаторига номенклатуроси чекланган маҳсулотлар ишлаб чиқарувчи корхоналар, универсал корхоналар қаторига турли хил маҳсулот ишлаб чиқарувчи корхоналар, аралаш корхоналар таркибига эса ихтисослашган ва универсал корхоналар ўртасидаги оралиқ гурӯхни ташкил қилувчи корхоналар киритилади.

Ишлаб чиқариши жараёнини ташкил этиши усулларига кўра, корхоналар ишлаб чиқаришнинг оқим, партияли ва доналаб ишлаб чиқариш усуллари устувор турувчи корхоналарга бўлиниши мумкин.

Ишлаб чиқаришини механизациялаштириши ва автоматлаштириши даражасига кўра, корхоналар тўлиқ ва қисман автоматлаштирилган ёки механизациялаштирилган, қўл-машина ва фақат қўл меҳнатига асосланган корхоналарга бўлинади.

Хусусийлаштириш ва давлат тасарруфидан чиқариш жараёнларини кенгайтириш ва чукурлаштириш мамлакатимизда янги ташкилий-хуқуқий турдаги - қўшма, ижара, ҳиссадорлик, хусусий, оиласи, кооператив ва бошқа корхоналарнинг пайдо бўлишига олиб келди.

Ўзбекистон Республикаси Конституциясида хусусий мулк мулкчилик шаклининг бошқа қўринишлари билан бир қаторда дахлсизлиги ва давлат

томонидан муҳофаза қилиниши белгилаб қўйилган. Янги қонунчилик ҳужжатларида янги иқтисодий тушунча - корхонанинг ташкилий-ҳуқуқий шакли тушунчаси киритилган.

Корхоналарнинг қонун ҳужжатлари ва бошқа хўжалик ҳуқуқи нормаларида кўзда тутилган мулқчилик шакли, ишлаб чиқарилаётган маҳсулот тури ва ҳажми, капиталнинг шаклланиши, турли хил фирмалараро уюшмаларга аъзо бўлиш усуслари ва олиб борувчи рақобатчилик курашлари билан фарқ қилувчи фаолият тавсифи ва мазмунига боғлиқ бўлган структуравий тузилишининг усул ва кўринишлари **хўжалик юритишнинг ташкилий-ҳуқуқий шаклини** ифодалайди.

Хозирги замон шароитларида давлат, муниципал, жамоа, индивидуал (оиласий, хусусий) турдаги корхоналар мавжуд бўлиб, улар ўзларига бириктириб қўйилган мулк тавсифи ёки тезкор (оператив) бошқарув ҳуқуқига кўра ҳам таснифланади.

Хўжалик фаолияти юритувчи ҳар бир субъект бир қатор ҳуқуқларга эга бўлиб, булар бир томондан, уларнинг ички ташкилотчилигини аниқлаб берса, иккинчи томондан, жисмоний ва ҳуқуқий шахслар ҳамда давлат билан ўзаро муносабатларини амалга оширишга кўмаклашади.

Корхоналар ҳуқуқий шаклининг ҳар бир кўринишида уларнинг эгалари, яъни хусусий мулк эгалари, корхона билан турли даражадаги алоқада бўладилар. Масалан, очик турдаги ҳиссадорлик жамияти эгалари корхона мулкининг бир қисмигагина эгалик қилиш ҳуқуқига эгалар ҳамда бошқарув функцияларини амалга оширишда ҳам ўз акциялари миқёсида иштирок этадилар.

Хўжалик ўртоқликларида (жамиятларида) эса мулк эгаси ва мулк яқинлаштирилган бўлиб, корхонани бошқаришда уларга бевосита иштирок этиш имконияти яратиб берилган.

Кенг тарқалган корхона шаклларидан бири хўжалик ўртоқликлари бўлиб, улар ишонч асосидаги тўлиқ ўртоқлик (командит ўртоқлиги) кўринишида ташкил қилиниши мумкин.

Қонунга асосан иштирокчилари имзоланган шартномалар бўйича тадбиркорлик фаолияти юритувчи ҳамда уларга тегишли мулк жавобгарлигига эга бўлган ўртоқликлар - тўлиқ ўртоқликлар ҳисобланади.

Командит ўртоқлиги бир нечта фуқаролар ёки ҳуқуқий шахсларнинг ўзаро хўжалик фаолияти юритиш мақсадидаги шартномалар асосида бирлашуви натижасида пайдо бўлади.

Жамиятларнинг кўпчилигига капиталлар бирлаштирилган бўлади. Масъулияти чекланган жамият (МЧЖ) бир ёки бир неча шахс томонидан таъсис этилиб, Низом жамғармаси ҳужжатларда (Низом ва таъсис шартномаси) белгилаб қўйилган улушларга бўлинган бўлади.

Бундай жамият муассислари жамиятнинг мажбуриятлари учун жавобгар бўлмайдилар ҳамда жамият фаолиятида ўzlари киритган улушлар доирасида зарар кўришлари мумкин.

Ўзбекистон Республикасида очик ва ёник турдаги ҳиссадорлик жамиятлари мустақилликка эришилгандан кейин кенг фаолият кўрсатмоқда.

Низом жамғармаси акцияларга тақсимланган жамият ҳиссадорлик жамияти ҳисобланади. Ҳиссадорлик жамияти аъзолари жамиятнинг мажбуриятлари бўйича жавобгар бўлмайдилар, бироқ ўзларига тегишли бўлган акциялар қиймати доирасида зарар кўришлари мумкин.

Ҳиссадорлик жамиятларининг ижобий жиҳатлари қаторига қўйидагилар киради: акциядорлик капиталининг тенг тақсимланган, эркин муомаладаги улушлар - акцияларга тақсимланиши; акциядорлар жамият мажбуриятлари учун жавобгарлигининг акциялар қиймати ҳажмида чекланганлиги; акциядорлик капиталининг ҳажми ва аъзолар сонини осонлик билан ўзгартириш имконини берувчи Низом асосида бирлашиш; умумий бошқарув вазфаларининг хўжалик фаолиятини бошқариш вазифаларидан алоҳида юритилиши ва ҳоказолар.

Иқтисодётимиз олдида турган асосий вазифалардан бири саноат ишлаб чиқаришини жаҳон иқтисодиётида ўз ўрнига эга бўлган рақобатбардош корхоналар ташкил қилиш мақсадидаги тузилмавий қайта куришдан иборат. Бунинг учун интеграция ҳамда турли ташкилий-ҳукуқий шаклдаги корхоналарни вақтнчалик ёки доимий равишда кооперация ёки концентрация асосида бирлаштириш амалга оширилади.

Кооперация жараёнида концерн, консорциум, хўжалик асоциацияси каби ташкилий шакллар вақтнчалик ёки доимий равишда тузилиши мумкин. Ушбу тузилмавий бирликларининг моҳиятини қисқача кўриб чиқамиз.

Концерн умумий манфаатларга эга ҳамда шартномалар, капитал ва қўшма фаолиятда иштирок этиш билан боғлиқ бўлган корхоналарнинг йирик бирлашувини акс эттиради.

Консорциум компания ва банкларнинг вақтнчалик бирлашуви натижасида, йирик капитал талаб қилувчи лойиҳаларни амалга ошириш ёки маблағни биргаликда жойлаштириш мақсадлари учун умумий келишувлар асосида юзага келади. Консорциум буюртмачилар олдидаги мажбуриятлар учун жавобгар ҳисобланади.

Хўжалик асоциацияси жисмоний ёки ҳукуқий шахсларнинг ўзаро ҳамкорлик юритиши мақсадида кўнгилли равишда бирлашувини англатади ва унда бирлашувга киравчи субъектлар ўз мустақиллигини сақлаб қоладилар.

Корпорациялар умумий мақсадларга эришиш, ҳамкорликда фаолият юритиши мақсадида бирлашиб, мустақил ҳукуқий субъект - ҳукуқий шахсни ташкил қилувчи шахслар йиғиндисини тавсифлайди. Кўпинча улар акциядорлик (ҳиссадорлик) жамиятлари шаклида ташкил қилинади.

Корхоналарнинг концентрация асосида бирлашуви картел, синдикат, холдинг ва молия-саноат гурухлари кўринишида амалга оширилади.

Ишлаб чиқариш соҳасидаги **картеллар** ишлаб чиқариш масалалари, нархлар, товарларни сотиши, ишчи кучини ёллаш ва шу каби масалалар бўйича келишувга асосланиб фаолият юритади.

Интеграцининг бу шаклида корхоналар мустақилликни сақлаб қолган ҳолда кооперация асосида бирлашадилар.

Синдикат – тижорат фаолиятини (таъминот, сотиши, нархнинг пайдо бўлиши) ҳамкорликда ташкил қилишга асолангандар бирлашмадир. Синдикат

таркибига киравчи корхоналар ҳуқуқий ҳамда хўжалик юритиш мустақилликларини сақлаб қоладилар.

Трестлар юқори даражада марказлашганлиги билан ажралиб туради. Унинг таркибига киравчи корхоналар ишлаб чиқариш, тижорат ва ҳуқуқий мустақилликларини йўқотиб, ягона режа асосида фаолият юритади.

Холдинглар иштирокчиларнинг молиявий имкониятларини бирлаштириш ва мувофиқлаштириш ҳамда ишлаб чиқариш қувватлари билан вазифаларни тезкор равишда амалга ошириш имконини берувчи бошқарувнинг самарали шаклини ифодалайди.

Интеграция жараёнларини амалга оширувчи корхоналар қуидаги мақсадларни кўзладайди:

- * ресурслардан янада самаралироқ фойдаланишга эришиш;
- * кооперация асосидаги алоқаларини янгилаш ва мустаҳкамлаш;
- * мамлакатдаги корхоналарнинг ташқи бозорга чиқиши;
- * ишлаб чиқаришга инвестицияларнинг янги шакларини жалб этиш;
- * ички ва ташқи бозордаги рақобатда муваффақият қозониш мақсадида нарх ва сотиш бўйича ягона сиёsat юритиш.

2.4. Корхона тузилмаси ва уни белгиловчи омиллар

Ҳар бир ишлаб чиқариш корхонаси ишлаб чиқариш бўлинмалари, бошқарув органлари ва корхона ходимларига хизмат кўрсатувчи ташкилотлардан иборат бўлади. Тузилма (структуря) тушунчасини корхонанинг таркиби, тузилиши сифатида кўриб чиқиши мумкин. Корхона қанчалик йирик бўлса, унинг ишлаб чиқариш тузилмаси шунчалик мураккаб бўлади.

Саноат корхоналарининг умумий ва ишлаб чиқариш тузилмалари мавжуд.

Ишлаб чиқариш бўғинлари, корхона бошқаруви ҳамда ходимларга хизмат кўрсатувчи ташкилотлар, уларнинг миқдори, катталиги ва эгаллаб турган майдони, ходимларининг сони ва ишлаб чиқариш имкониятлари корхонанинг умумий тузилмасини ифодалайди.

Ишлаб чиқариш тузилмасига асосий, ёрдамчи ва хизмат кўрсатиш жараёнлари амалга оширилувчи цех ва участкалар киритилади.

Ишлаб чиқариш тузилмаси корхона умумий тузилмасининг бир қисмидир. У цех, участка ва хизмат кўрсатувчи хўжаликлар шаклидаги ишлаб чиқариш бўлинмаларидан иборат бўлади ҳамда уларнинг маҳсулот ишлаб чиқариш жараёнидаги ўзаро муносабатларини, меҳнат билан банд бўлган ходимлари сони, асбоб-ускуналари қиймати, эгаллаб турган майдони ва худудий жойлашувини акс эттиради.

Асосий цехларда ва ишлаб чиқариш участкаларида ишлаб чиқариш жараёнининг асосий – хом ашё ва ярим тайёр маҳсулотларни тайёр маҳсулотга айлантириш босқичи ёки маҳсулот, ё унинг бир қисмини тайёрлашнинг бир қатор босқичлари амалга оширилади (музлаткичлар цехи).

Ёрдамчи цехлар асосий ишлаб чиқаришни асбоб-ускуналар ва энергия билан таъминлайди ҳамда ускуналарни таъмирлаш (таъмирлаш, ускуналар, модел цехлари ва бошқалар) вазифаларини бажаради.

Хизмат кўрсатувчи цех ва хўжаликлар таркибига корхонанинг инфратузилмасини (омбор ва транспорт бўлинмалари, уй-жой-коммунал хўжалиги, ошхона, санаторий ва ҳоказо) ташкил қилувчи бўлинмалар киради.

Саноат корхоналари ишлаб чиқариш тузилмасининг уч хил тури мажуд: **технологик, предметли ва аралаш**.

Технологик тузилмали корхоналарда цехлар ва ишлаб чиқариш участкалари технологик жиҳатдан бир хиллик тамойили асосида ташкил қилинади (масалан, тўқимачилик комбинатларида йигириув ва тўқув цехлари).

Предметли тузилмага асосланган корхоналарда ҳар бир цех маълум бир маҳсулот ёки унинг бир қисмини ишлаб чиқаради (масалан, автомобиль заводида мотор цехи, шасси цехи ва ҳоказо).

Аралаш (предметли-технологик) тузилма тайёрлов цехларини технологик тамойилда (темирчилик, чўян қувиш, пўлат қувиш ва ҳоказо), ишлов бериш ва маҳсулот чиқариш цехларини эса предметли тамойил асосида ташкил этишни кўзда тутади.

Саноат корхонасининг тузилмаси қуидаги омиллар таъсири остида шаклланади:

- * техника ва технологиянинг хусусиятлари;
- * ишлаб чиқариш ҳажми;
- * ишлаб чиқаришни ташкил қилиш шакллари (ихтисослаштириш, кооперация, комбинация, координация);
- * ишлаб чиқарилаётган маҳсулот ва кўрсатилаётган хизматларнинг мураккаблиги ва номенклатураси;
- * ишлаб чиқаришни автоматлаштириш, механизациялаштириш ва роботлаштириш даражаси;
- * мулк шакли;
- * рақобат олиб бориш усуллари ҳамда шакллари ва ҳоказо.

Амалиётда ишлаб чиқариш тузилмасини мукаммаллаштиришнинг асосий йўналишлари ишлаб чиқилган. Улар қаторига корхона ва цехларни йириклиштириш; алоҳида корхоналар интеграцияси; корхона ичидаги барча бўлинмалар орасида мутаносибликни таъминлаш; цехсиз структура кабиларни киритиши мумкин.

Корхонанинг рақобатбардошлигини ошириш, яъни бошқарув сифатини кўтариш ва ишлаб чиқариш фаолиятидаги яқуний натижаларнинг юқорилигига эришиш корхона тузилмасини мукаммаллаштириш самарадорлигини баҳоловчи мезон бўлиб хизмат қиласди.

Қисқача хulosалар

Ўзбекистон Республикасининг миллий иқтисодиёти ижтимоий меҳнат тақсимоти натижасида юзага келган ҳамда умумиқтисодий қонун ва қонуниятлар асосида ривожланиб бормоқда. Бугунги кунда иқтисодиётимиз

бозор муносабатларига ўтишнинг ўзига хос йўлидан бормоқда. Президентимизнинг бешта тамойили асос қилиб олинган бу модел ҳозирда жаҳон мамлакатлари томонидан ҳам тан олинди.

Ўзбекистон Республикаси миллий иқтисодиётининг муҳим субъекти **корхона** - иқтисодиётнинг бирламчи бўғини бўлиб, инсон ҳаёт фаолияти учун зарур бўлган моддий бойликларни ишлаб чиқаришда бевосита қатнашади.

Ҳар бир корхона ишлаб чиқариш омилларидан фойдаланиш, уларни истеъмол учун тайёр маҳсулот (иш, хизмат) ҳолига келтириш йўли билан мамлакат иқтисодиётига ўз ҳиссасини қўшади.

Бозор иқтисодиётининг ривожланиш шароитларида мулкдорлар синфининг вужудга келиши ва корхоналарнинг янги ташкилий-хуқуқий шаклларини ташкил қилиш имконини берувчи хуқуқий ҳужжатлар яратилди.

Корхоналарнинг ҳар бири бошқасидан ўзига хос хусусиятларига қўра фарқланади. Шу сабабли ишлаб чиқариш ва меҳнатни ташкил этиш, режалаштириш, бошқариш ҳамда ишлаб чиқариш тузилмасини яратиш учун корхоналар таснифини билиш зарур.

Исталган бир саноат корхонаси кўплаб бўғинлардан иборат бўлиб, уларнинг таркиби ва тузилиши ҳамда ўзаро муносабатларини тузилма сифатида қўриб чиқиш мумкин. Корхоналар тузилмасини ўрганиш уларнинг саноат мажмуасида тутган ўрни, роли ва аҳамиятини аниқлаш имконини беради.

Ўз навбатида ишлаб чиқариш тузилмасини лойиҳалаштиришда унинг шакланишига таъсир кўрсатувчи омилларни инобатга олиш муҳимдир. Корхона тузилмасини белгилаб берувчи омиллар таҳлили уларни мукаммалаштириш бўйича муайян чора-тадбирлар ишлаб чиқиш имконини яратади.

Таянч иборалар

Корхонанинг белгилари, низом жамғармаси, низом, корхона, маъмурий-буйруқбозлик тизими, тузилмавий бўлинмалар, ишлаб-чиқариш ва техника муносабатларида корхона, ижтимоий муносабатларда корхона, ташкилий-хуқуқий муносабатлар ва молиявий-иктисодий муносабатларда корхона, корхонанинг ўзига хос бўлган хусусиятлари, корхоналар фаолиятининг асосий йўналишлари, корхоналар фаолияти вазифалари, корхоналар функциялари, микрофирмалар, кичик корхона, ихтисослашув даражаси, ишлаб чиқариш жараёнини ташкил этиш усуслари, хусусийлаштириш ва давлат тасарруфидан чиқариш, коммандит ўртоқлиги, масъулияти чекланган жамият, концерн, консорциум, хўжалик ассоциацияси, корпорациялар, синдикат, трестлар, холдинглар, тузилма.

Назорат ва муҳокама учун саволлар

1. Миллий иқтисодиёт тушунчаси ва корхоналарнинг мамлакат халқ хўжалиги мажмуасидаги роли.
2. Саноат корхоналарига хос бўлган белгилар.
3. Саноат корхоналарининг вазифалари ва бажарадиган ишлари.
4. Ўзбекистон Республикасининг “Корхоналар тўғрисида”ги қонуни ва унинг мазмуни.

5. Корхонанинг давлат рўйхатидан ўтиш учун қандай ҳужжатлар талаб қилинади?
6. Саноат корхоналарининг таснифи.
7. Корхоналарни тавсифлашда ишлатилувчи мезонлар.
8. Корхоналарнинг умумий ва ишлаб чиқариш тузилмаси тушунчалари.
9. Корхона тузилмасини белгилаб берувчи омиллар.
10. Корхона тузилмасини мукаммалаштириш йўллари.

Тавсия этиладиган адабиётлар

1. Ўзбекистон Республикасининг “Хусусий корхоналар тўғрисида”ги Қонуни. Қонун ва қарорлар. Т., “Ўзбекистон”, 2004., №3
2. И.А. Каримов. Ўзбекистон XXI аср бўсағасида: хавфсизликка таҳдид, тараққиёт шартлари ва кафолатлари. Т., “Ўзбекистон”, 1997.
3. Махсулот (ишлар, хизматлар)ни ишлаб чиқариш ва сотиш харажатлари таркиби ҳамда молиявий натижаларни шаклантириш тартиби туғрисадаги Низом. -Т.: 1999, 5 февраль.
4. Махмудов Э.Х. Корхона иқтисодиёти: Ўқув.қўлл. –Т.: Ўзбекистон ёзувчилар уюшмаси Адабиёт жамғармаси нашриёти, 2004.
5. Основнўе показатели уровня развития малого и среднего предпринимательства в республике Узбекистан за 2002 год. Статистический сборник .-Т.; ТДИУ , 2003. –52 с.
6. В. Г. Грузинов. Экономика предприятия Учебник 2-е изд. М.: «Юнити Дана» 2003.
7. Абдукаримов И.Т. ва бошқалар Корхона иқтисодий салоҳияти таҳлили. Т.: «Иқтисодиёт ва ҳуқуқ дунёси» нашриёт уйи, 2003.
8. В.Д Грибов, В.П. Грузиков Экономика предприятия. Практикум. 3-е изд. перераб. и доп. Учебник М.: ФиС 2004.
9. «Ўз Ишингизни яратинг ёки тадбиркор нималарни билиши лозим» - Тошкент шаҳри, ЮНИДО, «Бизнес маслаҳат маркази» лойиҳаси, 2003й.
10. Ақромов Э.А Корхоналарнинг молиявий холати таҳлили. – Т.: Молия, 2003.-223 б.
11. Экономика предприятия Конспект лекций в списках М.: Приор-издат 2003.
12. Экономика предприятия. 3-е изд., перераб. и доп. Учебник для вузов / Под ред. проф. В.Я. Горфинкеля, проф. В.А.Швандара М.: ЮНИТИ-ДАНА 2004.
13. <http://www.harvard.edu>
14. <http://www.capitul.ru>
15. <http://www.5b.ru>

III МАВЗУ. КОРХОНАНИ ТАШКИЛ ҚИЛИШ ВА УНИНГ ФАОЛИЯТИНИ ТҮХТАТИШ

- 3.1. Корхонани ташкил қилиш тамойиллари.
- 3.2. Таъсис хужжатлари.
- 3.3. Корхоналарнинг давлат томонидан рўйхатга олиниши.
- 3.4. Корхоналарни тугатиш ва қайта ташкил қилиш.

3.1. Корхонани ташкил қилиш тамойиллари

Иқтисодиётнинг жадал ривожланиши ва ишлаб чиқариш кучларининг ўсиши фаолият юритаётган корхоналардан ташқари, янги корхоналарни ташкил қилиш ва ишга туширишга таянади. Бундай қадам иқтисодий жиҳатдан мақбулликка, ресурслар имконияти ва корхона маҳсулотларига бўлган талабга асосланади. Бирон-бир маҳсулотнинг тақчиллиги ёки умуман йўқ бўлиши ҳам, янги корхона ёки ишлаб чиқаришни ташкил қилишга сабаб бўлиши мумкин.

Янги корхонани ташкил қилиш қўйидаги ташкилий тамойиллар асосида амалга оширилади:

- корхонани ташкил қилиш фикрининг пайдо бўлиши;
- корхона муассисларини танлаш;
- таклиф қилинаётган маҳсулотга бозордаги талабни ўрганиш;
- корхона Низом жамғармасини тузиш учун молия манбаларини аниқлаш;
- корхонанинг таъсис хужжатлари ва бизнес-режасини тайёрлаш;
- давлат рўйхатидан ўтиш;
- муҳр, штамп ва бошқа реквизитларни тайёрлаш;
- солиқ идораларида рўйхатдан ўтиш.

Ўзбекистон Республикасининг “Корхоналар тўғрисида”ги қонунига асосан, корхоналар мулк эгаси (эгалари) ёки у (улар) тайинлаган вакиллик органи, меҳнат жамоай ёки муассислар гуруҳининг қарори бўйича белгиланган қонун-қоидаларга асосан ташкил қилиниши мумкин.

Шунингдек, корхоналар агар корхона мулки эгаси ёки у тайинлаган вакиллик органининг розилиги бўлса, фаолият юритаётган корхона таркибидан бир ёки бир нечта таркибий бўлинмаларни, ушбу бўлинмаларнинг меҳнат жамоалари ташаббусига кўра, ажратиб чиқариш натижасида ҳам ташкил топиши мумкин.

Корхона жорий ва ҳисоб-китоб рақамлари очиш ва улар тўғрисидаги ҳолатларни тасдиқлаш ҳуқуқига эга бўлган, мустақил ҳуқуқий шахс мақомидаги шўъба корхоналари, филиаллар, ваколатхоналар, бўлим ва бошқа ташкилий бўлинмаларни ташкил қилиши мумкин.

Корхона қонун ҳужжатларида белгилаб қўйилган тартибда маҳсус давлат органларида рўйхатга олинган кундан бошлаб ташкил қилинган ҳисобланади ва ҳуқуқий шахс мақомига эга бўлади.

Корхонани ташкил қилишдан ташқари, унинг молиявий барқарорлиги ва самарали фаолиятини таъминлаш, бозор муносабатлари ва рақобатчилик шароитларида жуда муҳимдир. Амалиётдан кўриниб турибдики, бу қоидаларга

риоя қилмаслик натижасида корхонани ташкил қилишга кетган барча саъй-ҳаракатлар ўзини оқламайди ҳамда ижтимоий ишлаб чиқариш ривожланишининг микро ва макроиқтисодий қўрсаткичларига салбий таъсир қўрсатади. Яъни молиявий жиҳатдан барқарор бўлмаган корхоналар энди ташкил қилинган ёки фаолият юритаётганилигидан қатъи назар, банкрот корхоналар ҳисобланади.

Янги корхона ташкил қилишдан асосан қўйидаги мақсадлар кўзланади:

- истеъмолчилар талаб қилаётган маҳсулот ишлаб чиқаришни кўпайтириш ва уни сотишдан фойда (даромад) олиш;
- ишлаб чиқаришга иш билан банд бўлмаган аҳолини жалб қилиш ва шу орқали иш билан таъминлашдаги ижтимоий муаммоларни ҳал қилиш;
- ишлаб чиқаришга мавжуд қушимча ресурсларни жалб қилиш;
- фан-техника ютуқларидан фойдаланган ҳолда янги саноат маҳсулотларини ишлаб чиқариш;
- якка тарзда ёки ҳамкорликда фаолият юритиш учун кичик корхона (ўртоқчилик каби) ташкил қилувчи алоҳида фуқаролар ёки шахслар гуруҳи аъзоларининг шаҳсий эҳтиёжларини қондириш;
- ишлаб чиқаришни мустаҳкамлаш ва ривожлантириш ҳамда бозор мухитини кенгайтириш.

3.2. Таъсис ҳужжатлари

Таъсис ҳужжатларини тайёрлаш корхонани ташкил этиш ва кейинги фаолият юритиш жараёнидаги муҳим босқичларидан бири ҳисобланади. Таъсис ҳужжатлари фаолият юритувчи корхоналарнинг хуқуқ ва мажбуриятларини ҳамда шароитларини ифодалайди.

Корхоналар фаолиятини тартибга солувчи қонун ҳужжатларида икки хил таъсис ҳужжатлари белгилаб берилган:

корхона Низоми;

Таъсис шартномаси.

Амалиётда корхона фақат Низом ёки фақат таъсис шартномаси асосида, шунингдек, бир вақтнинг ўзида Низом ва таъсис шартномасига асосан фаолият юритиш ҳоллари мавжуд.

Шуни қайд қилиб ўтиш керакки, корхонанинг (хуқуқий шахснинг) таъсис шартномаси келишув асосида тузилади, Низом эса муассис (муассислар) томонидан тасдиқланади. Битта таъсисчи томонидан тузилган хуқуқий шахс шу таъсисчи томонидан тасдиқланган Низом асосида фаолият юритади.

Корхона Низоми асосий таъсис ҳужжати бўлиб, унда корхонанинг ташкилий-хуқуқий шакли, номи ва манзилгоҳи, Низом жамғармасининг миқдори, даромадларининг таркиби ва тақсимланиш тартиби ҳамда корхона фонdlарини ташкил қилиш тартиби, корхонани тугатиш ва қайта ташкил қилиш тартиби қўрсатилиши шарт. Бошқача қилиб айтганда, корхона Низоми унинг хуқуқий мақомини, хуқуқ ва мажбуриятларини белгилаб беради.

Низомда шунингдек, корхона фаолият кўрсатувчи соҳа ва тармоқ, атроф-мухит ва одамлар соғлигини муҳофаза қилиш кафолати, бошқарув шакли, ҳисобга олиш ва ҳисобот тизими ҳам акс эттирилиши лозим.

Корхона тўғри ва тўлиқ тайёрланган Низом асосида маҳаллий ҳокимият органларида рўйхатга олинади, кейин эса ўз муҳрига эга бўлиш ва банкда ҳисоб рақами очиш хуқуқини қўлга киритади. Ўз муҳри ва ҳисоб рақамига эга бўлмаган корхона, хуқуқий шахс ҳисобланмайди ва мустақил корхоналар қаторига киритилмайди.

Таъсис шартномаси корхонанинг ташкил қилиниши ва якка тарзда ёки ҳамкорликдаги фаолиятнинг бошланишини тавсифловчи хужжатdir. У шунингдек, ташкил этилаётган корхонанинг Низомини тўлдирувчи хужжат ҳам ҳисобланади. Таъсис шартномасида корхонани ташкил қилиш тартиби, даромад ва харажатларни қатнашчилар ўртасида тақсимлаш шартлари, корхона ташкилотчилари (муассислар) таркибидан чиқиши шартлари белгилаб қўйилади.

Таъсис шартномаси асосида кўпинча кичик корхоналар, хўжалик ўртоқликлари ва шу каби субъектлар фаолият юритади. Масалан, ўртоқлик ёки корхонанинг таъсис шартномасида бошқарув фақат барча иштирокчиларнинг розилиги билангина эмас, балки қарор кўпчилик овоз билан қабул қилиниши мумкинлиги ҳам белгилаб қўйилиши мумкин. Бироқ таъсис шартномасида иштирокчилар овозини аниқлашнинг бошқа тартиби ҳам кўрсатиб ўтилиши мумкин. Тўлиқ ўртоқчилик корхоналарининг даромад ва харажатлари агар шартномада бошқа тартиб кўрсатилмаган бўлса, иштирокчилар ўртасида уларнинг умумий капиталдаги улушига мос равища тақсимланади.

Корхона мулкини шакллантириш ва ундан фойдаланиш Низом ва Таъсис шартномасининг муҳим қисми ҳисобланади. “Корхоналар тўғрисида” ги қонунга асосан қўйидагилар корхона мулкини шакллантиришнинг манбалари ҳисобланади:

- муассисларнинг пул ва моддий қўринишдаги бадаллари;
- маҳсулот (иш, хизмат) сотишдан ва бошқа турдаги фаолиятдан олинган даромадлар;
- қимматбаҳо қофозлардан олинган даромадлар;
- банклар ва бошқа кредиторлардан олинган кредитлар;
- бюджетдан олинувчи маблағлар (дотация), капитал қўйилмалар;
- корхона, ташкилот ва фуқароларнинг беғараз ва хайрия бадаллари, шунингдек, алмашиб, мерос ва совға тариқасида олинувчи мулк;
- қонун билан тақиқланмаган бошқа манбалар.

Давлат корхоналарнинг мулкий хуқуқларини кафолатлади. Давлатнинг корхоналар мулкини (асосий фондлар, айланма маблағлар ва ҳоказо) тортиб олишига йўл қўйилмайди, қонунчиликда кўзда тутилган ҳоллар бундан мустасно.

3.3. Корхоналарнинг давлат томонидан рўйхатга олиниши

Юқорида айтиб ўтилганидек, корхона жойлашган манзилгоҳи бўйича давлат органларида рўйхатга олинган кундан бошлаб ташкил қилинган

хисобланади. Бу вазифани асосан ҳокимиятлар бажариб, улар корхонани рўйхатга олиш тўғрисидаги малумотларни 10 кун мобайнида Молия Вазирлигига ягона давлат реестрига киритиш учун тақдим этишлари шарт.

Давлат рўйхатидан ўтиш учун корхонани ташкил қилиш тўғрисидаги қарор, корхона Низоми (таъсис шартномаси) ва Вазирлар Маҳкамаси томонидан белгилаб берилувчи рўйхатдаги бошқа хужжатлар тақдим этилади.

Корхонани давлат томонидан рўйхатга олиш зарур хужжатлар илова қилинган ариза берилган кундан бошлаб 30 кун мобайнида амалга оширилиш лозим. Корхоналарни рўйхатга олишдан, уларни ташкил қилиш мақсадга мувофиқ эмас, деган сабаб билан бош тортишга йўл қўйилмайди.

Агар корхонани рўйхатга олиш ўз вақтида амалга оширилмаса ёки таъсисчи рўйхатга олинмаслик сабабларини асоссиз деб ҳисоблаган тақдирда таъсисчи судга мурожаат қилиши мумкин. Корхонани рўйхатга олишдан асоссиз равишда бош тортиш маҳаллий ҳокимият органларининг моддий жавобгарликка тортилишига олиб келиши мумкин.

Корхонани рўйхатга олиш учун қуйидаги **хужжатлар** талаб қиласади:

1. Корхонани рўйхатга олиш тўғрисидаги ариза.
2. Таъсис шартномаси ёки корхонани ташкил қилиш тўғрисидаги қарор.
3. Корхона Низоми.
4. Таъсис шартномаси ёки корхонани ташкил қилиш тўғрисидаги қарорда кўрсатилган Низом жамғармасининг камидаги 50% миқдоридаги қисми тўланганлигини тасдиқловчи хужжатлар.
5. Давлат божини тўлаганлик ҳақида гувоҳнома.
6. Монополияга қарши муассасанинг корхонани ташкил қилишга розилигини тасдиқловчи хужжат.
7. Давлат мулкини бошқариш ва тадбиркорликни қўллаб-қуватлаш қўмитаси ёки унинг қуи идоралари розилиги ҳақида хужжат.

Рўйхатга олиш корхонага келиб тушувчи хужжатларни қайд қилиш китобида тартиб рақами бериш орқали амалга оширилади. Кўрсатилган жараёнлар амалга оширилгач, корхона жойлашган манзилгоҳи бўйича солиқ идораларида ҳисобда туриши ва буни тасдиқловчи хужжат олиши ҳамда банкда ҳисоб рақами очиши мумкин.

3.4. Корхонани тугатиш ва қайта ташкил қилиш

Корхона фаолиятини тўхтатиш уни тугатиш ёки қайта ташкил қилиш шаклида амалга оширилиши мумкин. Ишлаб чиқаришнинг барқарор эмаслиги, молиявий қийинчиликлар, сурункали зарар кўриш ва тўлов қобилиятининг йўқолишини корхоналарни тугатиш ёки қайта ташкил қилишга асосий сабаб қилиб кўрсатиш мумкин.

Корхонани **қайта ташкил қилиш** – бу, унинг бирлашиб кетиши, қўшилиши, бўлинниши, ажralиб чиқиш ва шаклини ўзгартириши дегани. Корхонани қайта ташкил қилиш таъсисчи (таъсисчилар) ёки корхона бошқаруви қарорига мувофиқ амалга оширилади. Қайта ташкил қилиш

корхонанинг ишлаб чиқариш кўрсаткичлари, молиявий ва иқтисодий кўрсаткичлари аввалгига нисбатан яхшиланишига хизмат қилиши лозим.

Корхонани **тугатии** хукуқий хатти-ҳаракат бўлиб, ишлаб чиқариш ва хўжалик юритиш фаолиятининг тўхтатилишини англатади. Корхона тугатилганда у давлат рўйхатидан чиқарилади, унинг банқдаги ҳисоб рақами ёпилади ҳамда муҳр, штамп ва бошқа реквизитлари ҳақиқий эмас деб ҳисобланади.

Корхонани тугатишга қўйидагилар сабаб бўлиши мумкин:

- * ишлаб чиқарилаётган маҳсулот(иш, хизмат)га бўлган талабнинг пасайиб кетиши ёки умуман йўқолиши;
- * ишлаб чиқаришнинг зарар келтириши;
- * ишлаб чиқаришнинг атроф-мухит ҳамда аҳоли ҳаётига хавф туғдириши;
- * корхонанинг бино ва иншоатлари, асбоб-ускуналари ва бошқа воситаларидан иқтисодий жиҳатдан унумлироқ, янада сифатли ва истеъмолчилар талабига жавоб берувчи маҳсулотлар ишлаб чиқаришда фойдаланиш имкониятининг юзага келиши.

Корхонани тугатишда тугатиш комиссияси тузилиб, унга кредиторларга корхона тугатилганини хабар қилиш, кредиторларни аниқлаш ва дебиторлик қарзини ундириш чораларини кўриш, шунингдек, корхонанинг тугатилиши сабабли ишсиз қолган ходимлар иш билан таъминланишига ёрдамлашиш вазифаси юкланди. Корхонани тугатиш жараёнида оралиқ тугатиш баланси тузилиб, унга тугатилаётган корхонанинг мулки, кредиторларнинг талаблари ва уларни кўриб чиқиши натижалари рўйхати киритилиши лозим. Ушбу баланс корхонанинг таъсисчиси (таъсисчилари) ёки корхонани тугатиш тўғрисида қарор чиқарган идора томонидан тасдиқланади. Тугатиш комиссияси унинг айби билан келтирилган зарар учун жавобгар ҳисобланади.

Қисқача хulosалар

Корхоналарни ташкил қилиш ва тугатиш бозор муносабатлари шароитларида одатий ва қонуний ҳолдир. Корхонани ташкил қилиш ишлаб чиқаришни кенгайтириш ва бирон-бир маҳсулотга бўлган талабнинг ортиши натижасида юзага келса, корхоналарни тугатиш эса талабнинг мавжуд эмаслиги ҳамда банкротликка боғлиқ бўлади.

Корхоналарни ташкил қилгандан сўнг уларни келажақда самарали фаолият юритишини ҳам таъминлаш зарур. Шу сабабли бирон-бир корхонани ташкил қилиш асосланган бўлиши ва илмий тамойилларга таяниши лозим.

Корхоналар ташкил қилинишини тартибга солувчи асосий хужжатлар бу корхона Низоми ва таъсис шартномаси бўлиб, баъзи ҳолларда корхоналар кўрсатилган хужжатларнинг биттаси асосида ҳам фаолият юритиши мумкин.

Корхонани ташкил қилиш жараёни бошқарув органларида рўйхатга олиш билан боғлиқдир. Конунчилик томонидан корхоналарни давлат рўйхатидан ўтказишнинг қатъий белгиланган муддатлари мавжуд.

Корхонани тугатиш хукуқий хатти-ҳаракат бўлиб, ишлаб чиқариш ва хўжалик юритиш фаолиятининг тўхтатилишини англатади. Бунга асосий сабаб қилиб корхонанинг тўлов қобилиятини йўқотишини кўрсатиш мумкин.

Санация давлат, банк ёки бошқа муассаса томонидан банкрот бўлишнинг олдини олиш ва рақобатбардошлиқ даражасини ошириш мақсадида корхоналарнинг молиявий аҳволини яхшилашни англатади.

Санация корхоналарнинг шартнома ва бошқа мажбуриятларини бузишнинг олдини олишга қаратилган иқтисодий ва молиявий чора-тадбирлар тизимиdir.

Таянч иборалар

ташкил қилиш тамойиллари, корхона мулки эгаси, шўъба корхоналари, филиаллар, ваколатхоналар, ҳукуқий шахс мақоми, корхона Низоми, таъсис шартномаси, корхона мулкини шакллантириш, корхоналарнинг давлат томонидан рўйхатга олиниши, рўйхатга олиш учун хужжатлар, корхонани қайта ташкил қилиш, корхонани тугатиш, тугатиш комиссияси.

Назорат ва муҳокама учун саволлар

1. Янги корхоналарни ташкил қилиш асосида нима ётади?
2. Қайси омиллар янги корхона ташкил қилиш заруриятини асослаб беради?
3. Янги корхоналарни ташкил қилишдан мақсад нима?
4. Корхона ташкил қилишнинг асосий тамойилларини санаб ўтинг.
5. Корхона қачондан бошлаб ташкил қилинган деб ҳисобланиши мумкин?
6. Корхона Низоми нимани англатади?
7. Таъсис шартномаси нимани англатади?
8. «Тинчлик келишуви» нима дегани?
9. Корхонани тугатишга нима сабаб бўлади?
10. Корхонани қайта ташкил қилишдан мақсад нима ва у қандай амалга оширилади?
11. Корхона банкротлигининг асосий сабабларини санаб ўтинг.
12. Корхонани молиявий жиҳатдан соғломлаштириш нимани англатади?

Тавсия этиладиган адабиётлар

1. Ўзбекистон Республикасининг “Хусусий корхоналар тўғрисида”ги Қонуни. Қонун ва қарорлар. Т., “Ўзбекистон”, 2004, №3.
2. И.А. Каримов. Ўзбекистон – бозор муносабатларига ўтишнинг ўзига хос йўли. Т., “Ўзбекистон”, 1993.
3. Махсулот (ишлар, хизматлар)ни ишлаб чиқариш ва сотиш харажатлари таркиби ҳамда молиявий натижаларни шакллантириш тартиби тутрисадаги Низом. -Т.: 1999, 5 февраль.
4. Экономика предприятияя. Учебник для ВУЗов. 3-е издание /Под. ред. В.Я.Горфинкеля, В.А.Швандара. - М.: Юнити-Дана, 2003.
5. Махмудов Э.Х. Корхона иқтисодиёти: Ўқув.қўлл. –Т.: Ўзбекистон ёзувчилар ўюшмаси Адабиёт жамғармаси нашриёти, 2004.
6. Акромов Э.А Корхоналарнинг молиявий холати таҳлили. – Т.: Молия, 2003.-223 б.
7. «Ўз Ишингизни яратинг ёки тадбиркор нималарни билиши лозим» - Тошкент шаҳри, ЮНИДО, «Бизнес маслаҳат маркази» лойиҳаси, 2003й.
8. Абдукаримов И.Т. ва бошқалар Корхона иқтисодий салоҳияти таҳлили. Т.: «Иқтисодиёт ва ҳукуқ дунёси» нашриёт уйи, 2003.
9. О.И. Волков, Экономика предприятияя, Учебник. М., “ИНФРА-М”, 2000.

10. В. Г. Грузинов. Экономика предприятия Учебник 2-е изд. М.: «Юнити Дана» 2003.
11. Экономика предприятия Конспект лекций в списках М.: Приор-издат 2003.
12. Экономика предприятия. 3-е изд., перераб. и доп. Учебник для вузов / Под ред. проф. В.Я. Горфиннелия, проф. В.А.Швандара М.: ЮНИТИ-ДАНА 2004.
13. Экономика предприятия Конспект лекций М.: Изд-во ПРИОР 2002.
14. «Экономика фирмў и отраслевўх рўнков» // Программа М.: Экономический факультет МГУ, ТЕИС 2000.
15. Сергеев И.В Экономика предприятия. 2-е изд. перраб. и доп. Учебное пособие М.: ФиС 2004.
16. <http://www.harvard.edu>
17. <http://www.capitul.ru>
18. <http://www.5b.ru>
19. <http://www.audit-center.ru>

IV МАВЗУ. КОРХОНАНИ БОШҚАРИШ

- 4.1. Бошқарув замонавий корхоналар фаолиятида объектив зарурият сифатида.
- 4.2. Бозор муносабатлари шароитларида корхонани бошқаришнинг тамойиллари мақсад ва вазифалари.
- 4.3. Бошқарувнинг ташкилий тузилмалари ва функциялари.
- 4.4. Корхонани бошқаришнинг ўзига хос хусусиятлари.
- 4.5. Корхонани бошқаришни такомиллаштиришнинг асосий йўналишлари.

4.1. Бошқарув замонавий корхоналар фаолиятида объектив зарурият сифатида

Бошқарув жамият муносабатларининг муҳим кўрсаткичи сифатида жамият ҳаётининг барча жабҳаларига тегишилдири. У инсоннинг жамиятдаги моҳияти, меҳнати тақсимоти, кооперация ва муомала зарурати, иқтисодий, ижтимоий ва сиёсий муносабатлардан келиб чиқади. Бошқарувсиз табиатни ўзгартириш, меҳнат қуроллари ва предметларини ягона ишлаб чиқариш жараёнида бирлаштиришга йўналтирилган фаолият юритишнинг иложи йўқ. Бошқача қилиб айтганда, бошқарув ишлаб чиқаришнинг барча қатнашчилари ва элементлари ўртасида келишувни йўлга қўйиб, юзага келган муносабатларнинг мазмуни ва меъёрини тартибга солади ҳамда ресурслардан фойдаланишининг самарали йўлларини топишга ўз ҳиссасини қўшади.

Бошқарувнинг моҳияти ва объектив заруриятини янада осонроқ ва тезроқ тушуниш учун адабиётда машҳур бўлган мисол - оркестр ва дирижерга мурожаат қилиш лозим. Оркестр ва дирижернинг ўзаро алоқасини илғаб олиш учун мусиқий қобилият талаб қилинмайди.

Концерт томошаларида бўлган ҳар бир киши дирижернинг саҳнада пайдо бўлиш чоғини кўрган, албатта. Оркестр томон ўгирилгач, дирижер таёқчасини кўтаради ва мусиқачилар мусиқа чалишни бошлайдилар. Шунга ўхшаш ҳолат бошқарувда ҳам рўй беради - йўлга қўйилган ташкилотчилик тизими бошқарув командалари асосида ишлайди.

Бундан келиб чиққан ҳолда *бошқарув* - ижтимоий меҳнат жараёнига ишлаб чиқариш ривожланишининг объектив қонунлари асосида йўналтирилган тарзда таъсир ўтказиш тизими, ҳар бир ишчининг ва бутун жамоанинг меҳнатини бир вақтнинг ўзида назорат қилиш, мотивация ва тартибга солиш усулидир. Моддий бойликлар ва неъматлар ҳамда уларга тенглаштирилган қадриятларни тақсимлаш, истеъмол қилиш ва айирбошлиш ҳам бошқарувни талаб қиласди.

Хозирги пайтда, иқтисодий ва илмий-техник ўзгаришлар даврида бошқарув усуллари, тамойиллари ва техникасида сезиларли ўзгаришлар рўй бермоқда. Бошқарув алоҳида тизим сифатида тобора қўпроқ тажриба алмашиш соҳаси, реклама, ишлаб чиқариш вазифаларини тезкор ҳал қилиш воситаси бўлиб бормоқда. Бунга эса бошқарувни професионаллаштириш, бизнес ва тадбиркорлик мактаблари ҳамда маслаҳат марказларининг очилиши сабаб

бўлмоқда. Маъмурй-буйруқбозлик тизими борган сари хўжалик юритишнинг иқтисодий усулларига асосланган бошқарув тизимига ўрнини бўшатиб бермоқда.

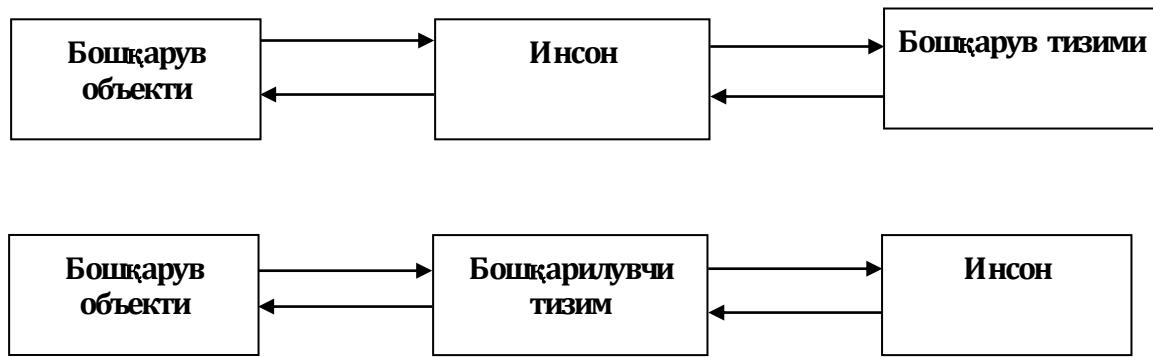
Бошқарувга ёндашишдаги замонавий усулларнинг муҳим аҳамияти инсон омилини фаоллаштириш, ўз-ўзини бошқариш ва ташаббускорликни ривожлантириш, бозор иқтисодиёти талабларига жавоб берувчи янги ташкилий тузилмаларни яратишда намоён бўлади. Маълумки, ўз корхонаси ёки щеҳида, ўз иш ёки хизмат жойининг “хўжайини” бўлмай туриб иқтисодиётнинг ҳар томонлама ривожланишини талаб қилиб бўлмайди. Инсоният ҳаётида шу нарса исботлаб берилганки, моддий тўкин-сочинлик ўзидан-ўзи пайдо бўлмайди, уни меҳнат фаолияти ва оқилона бошқарув ёрдамида юзага келтириш мумин. Бу ҳолатни аниқ тушуниш ва унга тўғри баҳо бериш замонавий менеджментни бошқарув тўғрисидаги фан сифатида қабул қилишни асослаб беради.

Меҳнат тақсимоти ва унинг ижтимоий тавсифини кучайтиришда бошқарувни, мустақил фаолият шаклида алоҳида ажратиб кўрсатиш мумкин. Бундан корхоналар ва халқ хўжалиги миқёсида маҳсус бошқарув тизимларининг вужудга келиши ва фаолият юритишига объектив зарурият келиб чиқади. Бундай тизим ўзининг горизонтал ва вертикал алоқалари билан бирга фан-техника тараққиёти ва ишлаб чиқариш кучларининг ривожланиши, шунингдек, сиёсий кайфиятлар ва ишлаб чиқариш муносабатларидаги ўзгаришлар таъсири остида доимий ҳаракатда ва янгиланишда бўлади. Шу сабабли, бошқарувни баҳолаш ва таҳлил қилиш жараёнида, биз халқ хўжалиги ривожланишининг ҳар бир тарихий босқичида шаклланувчи бошқарув тизимини ўрганамиз.

Бошқарув тизими деганда нимани тушуниш лозим? Агар жамиятнинг бутун иқтисодий тизимини оладиган бўлсак, унинг таркибига киравчи кўплаб кичик тизимларни - тармоқлар, корхоналар, бирлашмалар ва ҳоказоларни кўришимиз мумкин. Уларнинг ҳар бирини икки жиҳатидан: мустақил фаолият юритиши нуқтаи назаридан ёки бутун бирликнинг таркибий қисми сифатида кўриб чиқиши мумкин. Масалан, корхона (фирма) мустақил бошқарув тизими ёки тармоқнинг (ишлаб чиқаришнинг) бўлинмаси, бўғини сифатида фаолият юритиши мумкин. Бунга боғлиқ бўлган ҳолда бошқарувнинг ташкилий тузилмаси, унинг вазифалари ва функциялари шакллантирилади

Амалиётда шу нарса исбот қилинганки, бошқарувнинг жуда ҳам йирик ташкилий структураси бозор иқтисодиётида мақсадга мувофиқ бўлмайди. У кутилган натижаларни бермасликдан ташқари, бошқарув қарорларини бажаришда муаммоларнинг юзага келишига, бошқарувнинг яқуний мақсадини оралиқ вазифалар билан алмасиб кетиш хавфи кучайишига олиб келади.

Ўзаро алоқада ва маълум жиҳатдан бир-бирига бўйсинувчи бўлган бошқарув **объектлари** ва **субъектлари** фаолиятнинг алоҳида кўриниши сифатида бошқарувнинг муҳим элементлари ҳисобланади. Бу алоқани қўйидаги тарзда чизма ёрдамида кўрсатиш мумкин:



4.1.-чизма. Бошқарув объекти ва субъектининг ўзаро алоқаси.

Корхонада бошқарувнинг таъсири **бошқарув обьектига** йўналтирилган бўлиб, ишлаб чиқариш ва хўжалик юритиш жараёнлари, ишаб чиқариш ускуналарини эксплуатация қилиш, турли миқёсдаги меҳнат кооперацияси ва ҳоказолар **бошқарув объекти** бўлиши мумкин. **Бошқарув субъекти** эса қоидага кўра, **корхона раҳбари** ёки бошқарув объектларини мақсадли равишда бошқаришни амалга оширувчи **хизмат раҳбарлари**дир. Агар юқорида келтирилган мисолга қайтадиган бўлсак, оркестр, бу – бошқарув объекти, дирижер эса, бошқарув субъектидир.

Бошқарув объектлари ва субъектлари доимо ўзаро алоқада бўлиб, бунда асосий ўрин бошқарув объектига, яъни бошқарувчи тизимга ажратилади. Бошқарув объектининг мазмуни, унда юз бераётган ўзгаришлар бошқарув субъекти вазифалари ва ҳаракатларини белгилаб беради. Бу эса бошқарув шакллари ва усулларини мукаммаллаштиришда акс этади. Албатта, бу бошқарув субъектларининг пассивлигини англатмайди, аксинча, бошқарув тизимининг бўлимлари шу бошқарув тизимининг энг фаол қисмини ташкил этади ва тавсифлайди. Айнан бошқарув субъекти ишлаб чиқариш ресурслари ва асбоб-ускуналардан фойдаланиш сиёсатини белгилайди, ишлаб чиқариш воситаларининг ишчи кучи билан бирлашувига кўмаклашади. Яъни корхонанинг **nima, қачон, қаерда, кимга ишлаб чиқариши** билан боғлиқ бўлган сиёсати, биринчи ўринда бошқарув субъекти томонидан ҳал қилинади. Шу сабабли, бошқарув объектлари ва субъектлари орасидаги алоқа, жумладан, уларнинг ички ташкил қилиниши қанчалик мустаҳкам бўлса, бир хил шароитларда ишлаб чиқариш ҳамда бошқарув тизимининг самарадорлиги шунчалик юқори бўлади.

Бошқарув фаолияти - бошқарувчи шахс ёки орган томонидан бошқарув амалларини бевосита ва билвосита командалар (буйруқ, тавсия ва кўрсатмалар) шаклида ишлаб чиқиш ва амалга оширишдир. Бошқарув амаллари ишлаб чиқариш жараёнининг якунланиши учун моддий шарт-шароит вазифасини бажаради. Айтиш мумкинки, бошқарув амаллари бошқарув фаолияти ва натижалари ўртасидаги боғловчи бўғин бўлиб хизмат қиласи.

Фаолиятнинг ушбу тури аҳамияти, айнан бошқарув қарорларини қабул қилиш жараёнида корхонанинг жорий ва истиқболдаги сиёсати шаклланишида намоён бўлади. Шу жиҳатдан кадрларни тўғри танлаш ва жойлаштириш, уларнинг малакаси, ўзларига юқлатилган вазифаларни тўғри тушунишлари ҳам муҳим аҳамиятга эгадир. Амалиёт шуни кўрсатадики, ҳозирги бошқарувчилар

учун яхши мұхандис, технолог, конструктор бўлишнинг ўзигина камлик қилиб, ишлаб чиқариш иқтисодиёти, бизнес-стратегия, маркетинг, хўжалик ҳуқуки ва шу кабиларни билиш ҳам мұхим аҳамият касб этади. Фақат ушбу билимлар мажмуасига ва бой меҳнат тажрибасига эга бўлган тақдирдагина бошқарувчилар бозор иқтисодёти вазифаларини муваффакиятли равишда бажаришлари мумкин.

Шуни ҳам эътиборга олиш керакки, бошқарув фаолияти бошқарув аппарати (органи) тушунчасига қараганда кенг талқин қилинади. Бошқарув фаолияти таркибиға жамоатчилик ташкилотларидағи фаолият, иш жойларида ижодий ташаббускорликнинг юзага келиши ҳамда ишлаб чиқаришда банд бўлган ходимларнинг таклиф ва маслаҳатларини ҳам киритиш мумкин. Бу эса бошқарув фаолиятини, **бевосита бошқарув** (корхона бошқарув аппаратининг фаолияти) ва **ўзини-ўзи бошқариш** (бошқарув фаолиятининг жамоатчилик шакли) турларига ажратилган ҳолда таснифлаш имконини яратади. Фаолиятнинг иккала тури ҳам амалда биргалиқда юритилиб, уларнинг ўзаро алоқалари ишлаб чиқаришни бошқаришнинг самарадорлигини оширишда мұхим аҳамият касб этади.

Ишлаб чиқаришнинг, жумладан, бошқарув фолиятининг ўзининг самарадорлигини оширишда, ишлаб чиқаришнинг аллоҳида элементлари ва бўғинлари ўртасида юзага келувчи **бошқарув муносабатлари** мұхим ўрин эгаллайди. Бу ерда бошқарув органи (субъекти) ёки бошқарувчи шахс томонидан бошқарилув органига нисбатан таъсир кўрсатишининг ўзигина камлик қиласи. Бошқарилаётган обьектдан бошқарув обьектига жавоб тариқасида тескари алоқа ҳам бўлиши зарур. Агар бунда тескари алоқа бўлмаса ёки бошқарув органи томонидан қабул қилинмаса, бошқарилаётган обьект назорат остидан чиқиши ҳамда бошқарилмайдиган обьектга айланиши мумкин.

Бу вазифа амалда бошқарувнинг ҳар бир элементи ёки бўғини томонидан маълум бир вазифани бажаришни кўзда тутувчи бир-бирига бўйсинувчанлик тизими ёрдамида бажарилади. Яъни гап корхона директори, бош мұхандиси ва бошқалардан, то цех бошлиқлари ва бошқа ишлаб чиқариш бўлинмаларининг бошлиқларигача - корхонанинг бошқарувчилари ёки маҳсус хизматларига юклатилувчи функционал вазифалар ҳақида бормоқда. Муносабатларнинг бундай кўринишдаги бир-бирига бўйсинувчанлиги бошқарув тизимининг самарали тарзда фаолият юритиши учун мұхим шарт ҳисобланади.

Шу тариқа, **бошқарув тизими** ишлаб чиқариш самарадорлигига эришиш ва корхонанинг иқтисодий салоҳиятини мустаҳкамлашда мұхим омиллардан бири бўлиб хизмат қиласи. Шу билан бир пайтда ишлаб чиқариш самарадорлигининг ўсиш суръати, қабул қилинган ёки амалга оширилаётган бошқарув тизими прогрессивлигининг ўлчови хизматини ҳам ўтайди. Бундан келиб чиқкан ҳолда, қўйилган мақсадга қисқа муддатда ва ишлаб чиқариш ресурсларидан унумли фойдаланган ҳолда яқинлашиш даражасини корхонани бошқариш самарадорлигининг бевосита мезони сифатида кўрсатиш мумкин. Бугунги бозор муносабатлари шароитида бошқарув тизими биринчи ўринда корхонанинг барқарорлигини таъминлаши, хўжалик таваккалчилигини камайтириши, сифатли ва рақобатбардош маҳсулот ишлаб чиқаришга

кўмаклашиши зарур. Шунингдек, у ходимларнинг ўз меҳнатлари натижасига қизиқиш даражаси ортишига, ишлаб чиқариш билан боғлиқ бўлмаган харажатлар ва йўқотишлиарга йўл қўймасликка ҳамда меҳнат ва ишлаб чиқариш интизомини мустаҳкамлашга хизмат қилиши лозим.

Корхона ёпиқ тизим бўлмаганлиги сабабли, бошқарув тизимида корхонада юзага келувчи ички муҳитдан ташқари, ташқи муҳит, аввало, аҳолининг турмуш тарзи, жамият қурилмаси, давлат сиёсати ва ҳоказолар таъсири қўрсатиши мумкин. Бироқ ҳар қандай ҳолда ҳам бошқарув тизими, хўжалик ҳаётининг замонавий талаблари ва корхонанинг рақобатчилик муҳитидаги барқарорлигига жавоб бериши лозим.

4.2. Бозор муносабатлари шароитларида корхонани бошқаришнинг тамойиллари, мақсад ва вазифалари

Корхонани бошқаришда самарадорликка эришиш учун, аввало, бошқарувнинг мақсадлари, шунингдек, воситалари ва унга эришиш усусларини аниқ белгилаб олиш зарур. Шу билан бир пайтда бошқарув мақсадлари тушунарли бўлишдан ташқари, улар барча бажарувчилар томонидан амалга оширилишига ҳам эътибор бериш лозим. Тўғри қўйилган мақсад корхона раҳбарининг, шунингдек, бутун жамоа ва ҳар бир ходимнинг манфаатларини ифодалайди. Бундай натижага мақсад корхонанинг жорий ва истиқболдаги ривожланиши бўйича вазифалар мажмуасининг бир бўлагига айланган ҳолда эришиш мумкин. Бундай ёндашув, ишлаб чиқариш мақсадининг ишлаб чиқаришни бошқариш билан мослашувини таъминловчи энг қисқа йўлга олиб келади. Бундай мослашув эса, бошқарувнинг ҳам тизим сифатида, ҳам алоҳида фаолият тури сифатида мақсадга мувофиқлигидан дарак беради.

Деярли ҳар бир корхонанинг мақсад ва вазифалари бугунги кунда “Корхоналар тўғрисида”ти қонунда белгилаб берилган ва шу қонун асосида тартибга солиб турилади. Юқори сифатли ва рақботбардош маҳсулотларни энг кам харажатлар асосида ишлаб чиқариш энг кўп даромад олишни таъминлаб, инқирозга учрашдан сақлайди ҳамда ҳар бир корхонанинг асосий вазифаси ҳисобланади. Бошқарувнинг барча вазифалари ушбу мақсад амалга ошишига хизмат қилиши лозим. Бошқарувнинг самарадорлигига кўп жиҳатдан корхона олдига қўйилган мақсадлар ва бажарилувчи вазифаларнинг ўзаро муносабатлари ёрдамида эришилади.

Корхонани **бошқаришнинг мақсадларини** қуидаги турларга бўлиб таснифлашимиз мумкин:

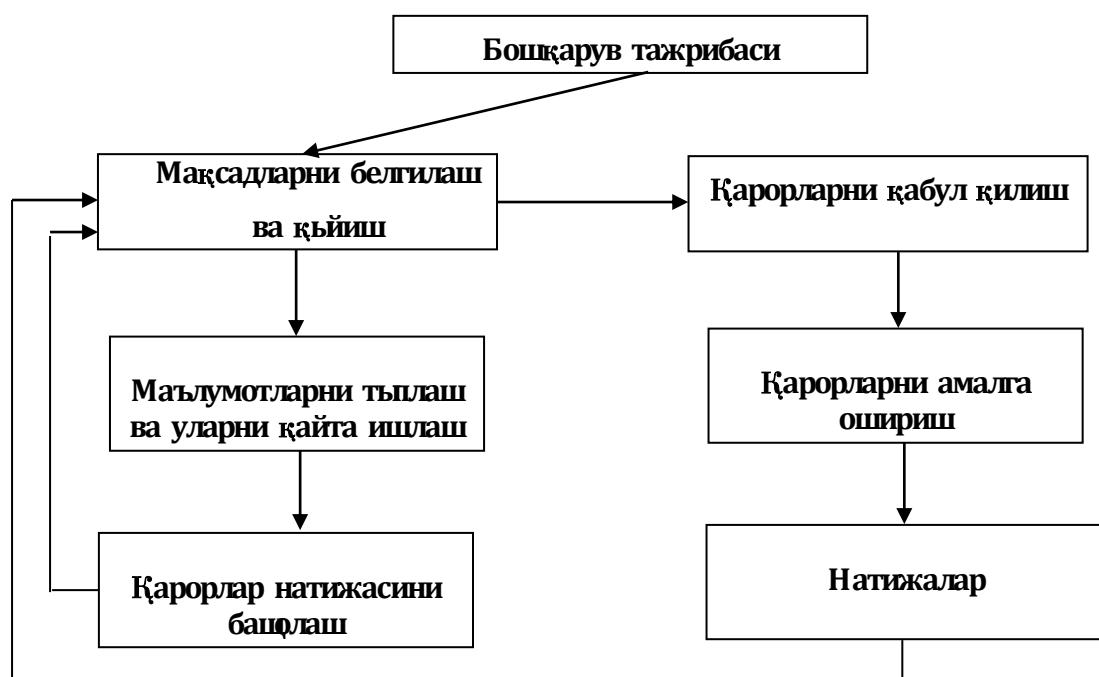
- * амалга ошириш муддатига кўра - жорий ва истиқболли;
- * аҳамият даражасига кўра - асосий (стратегик) ва иккинчи даражали (тактик);
- * бошқарув обьектига муносабатига кўра - хусусий ва умумий;
- * натижага эришиш даражасига кўра - якуний ва оралиқ ёки босқичли.

Бошқарув жараёнида жорий мақсадларни истиқболдаги мақсадларга, хусусий мақсадларни умумий мақсадларга, оралиқ мақсадларни якуний мақсадларга мос келиши ва бўйсенишини таъминлаш зарур. Асосий

мақсадларни амалга оширишга кўпроқ эътибор қаратиш керак. Корхона ёки унга тенглаштирилган хўжалик субъектларини бошқариш фаолияти тўлалигича шу вазифаларни бажаришга қаратилиши лозим. Асосий мақсадни иккинчи даражали вазифалардан ажрата олиш қобилияти, замонавий менеджерларнинг энг муҳим профессионал кўрсаткичларидан биридир.

Бошқарув жараёни асосан даврий (циклик) характерга эга бўлади. У мақсад ва вазифаларни белгилаш билан бошланиб, уларни бажариш, яъни муайян бир натижаларга эришиш билан тугалланади. Натижалар тўғрисида (мақсадга эришиш даражаси) олинган ахборотлар асосида янги вазифалар белгиланади ва бошқарув цикли қайтадан бошланади. Бундай циклларнинг сони бир нечта бўлиб, улар биринчи ўринда бошқарув объектининг ўзига хос хусусиятлари ва бошқа кўрсаткичлар билан ифодаланади.

Амалиётда турли хил сабабларга кўра, ишлаб чиқариш белгиланган параметрлардан четга оғиши, бошқарув эса қўйилган мақсадга эришмаслиги мумкин. Бундай ҳолларда оператив тартибга солиш йўли билан четга оғишлиар олиб ташланади ва ишлаб чиқариш жараёнининг меъёрий тарзда фаолият юритиши таъминланади. Умуман олганда, бошқарув циклини - мақсад ва вазифаларни белгилашдан то натижаларга эришишгача қуидаги чизма шаклида кўрсатиш мумкин (4.2.-расм)



4.2.-чизма. Бошқарув цикли

Корхонани бошқаришнинг самарадорлиги, мақсадларни шакллантириш ва амалга оширишга қанчалик кам вақт сарфланса, шунчалик юқори бўлади. Бунга корхона раҳбари (менеджери) ва бошқарув функцияларини бажаришга масъул бўлган бошқа шахсларнинг тажрибаси ва малакасидан ташқари, бошқарув амалиёти ва иш тартибига сарфланувчи вақтнинг қисқартирилиши, бошқарув жараёнларини механизациялаштириш ва автоматлаштириш,

бошқарув қарорларини қабул қилиш ва амалга оширишни оқилона ташкил қилиш бўйича ташкилий-техникавий чора-тадбирлар мажмуасини қўллаш ҳисобига эришилади.

Ижобий натижага эришишга қаратилган қарорни тўғри қабул қилиш учун бу қарорни қабул қилиш оқибатида юзага келиши мумкин бўлган натижаларни олдиндан қўра билиш, ривожланиш истиқболларининг турли варианtlарига тўғри баҳо бериш зарур. Бу эса корхонани бошқаришнинг асосий стратегик вазифаларини белгилаб беради. Улар қаторига нафақат максимал даромад олишни, балки ишлаб чиқаришни қайта таъмирлаш ва модернизациялаштириш, истеъмолчилар талабига жавоб берувчи замонавий маҳсулотларни ишлаб чиқариш, фаолият йўналишларини бугунги кун ва келажақдаги истиқболарини эътиборга олиб белгилаш ҳам киритилади. Санаб ўтилганларнинг охиргиси ўз навбатида ижодий ёндашувни ва бошқарув қарорларининг янги йўналишларини излашни талаб қиласди.

Бошқарув қарори - бошқарув фаолияти технологиясидаги муҳим бўғиндир. Бошқарувнинг мақсад ва вазифаларини амалга ошириш кўп жиҳатдан қарорларнинг тўғри қабул қилинишига боғлиқ бўлади. Бошқарув қарори бир томондан асосан корхонанинг раҳбарлари томонидан амалга оширилувчи мантиқий-фикрий фаолият бўлса, иккинчи томондан, эмоционал-психологик хатти-ҳаракатdir. У инсоннинг бошқарув қарорларини қабул қилиш жараёнларида тўплаган тажрибаси, билими ва фикрлаш доирасининг чуқурлигига боғлиқ бўлади.

Бошқарув қарорлари қуйидаги белгилар бўйича таснифланади:

- * *компетентлик ва масъулият бўйича* - якка тарзда ёки коллегиал (жамоа) бошқарув қарорлари;
- * *мазмуни бўйича* - илмий-техник, иқтисодий, ташкилий, ижтимоий бошқарув қарорлари;
- * *характери бўйича* - оператив-тақсимловчи, хўжалик-раҳбарлик ва меъёрий бошқарув қарорлари;
- * *таъсир кўрсатиш даражаси бўйича* - бир ва кўп даражали бошқарув қарорлари;
- * *таъсир кўрсатиш йўналиши бўйича* - ички ва ташқи;
- * *таъсир кўрсатиш миқёси бўйича* - хусусий ва умумий (мажмуавий);
- * *таъсир кўрсатиш даври бўйича* - бир марталик ва кўп марталик.

Бошқарув қарорлари амалга ошириш имкониятлари, ўз вақтида амалга ошириш, аниқлик, қонунийлик ва шу каби талабларга жавоб бериши лозим. Бажариш жараённада энг кам ўзгартириш ва тузатишларга учрайдиган қарор энг яхши қарор ҳисобланади. Амалиёт шуни кўрсатадики, ҳозирги пайтда кўплаб корхоналарнинг раҳбарлари бошқарув фаолияти жараённада тўғри қарор қабул қилиш учун етарли билим ва тажрибаларга эга.

Маълумки, бошқарув қарорлари ишлаб чиқариш воситаларига қараганда, кўпроқ муайян шахсларга йўналтирилган бўлади. Шу сабабли бошқарув ва бошқарув қарорлари - биринчи ўринда ишлаб чиқариш жараённада одамлар ўртасида юзага келувчи муносабатлардир. Бу ерда ўз ваколатлари доирасида

бошқарув қарорини қабул қилувчи шахс ёки бошқарув идорасининг қандай тамойилларга таяниб иш кўриши муҳим аҳамиятга эга.

Тамойил - махсус категория бўлиб, алоҳида шахс ёки жамоа қарор қабул қилишда унга таянади. Тамойил фақат инсонгагина хосдир. Машиналар ва жониворлар бирон-бир тамойилга эга бўлмайди. Маълум бир тамойиллардан келиб чиқсан ҳолда айнан инсон ўзини ўраб турган дунё билан муносабатларини яратади (уй, кўприк қуради, кемасозлик ва ҳоказоларни амалга оширади).

Корхонадаги бошқарув фаолияти шунингдек, маълум бир тамойиллар асосида амалга оширилади. Бу тамойиллар биринчидан, ишлаб чиқариш қатнашчилари орасидаги келишувларни ўрнатса, иккинчидан, юзага келиши мумкин бўлган хатоларнинг олдини олади ҳамда бошқарув меҳнатининг самарадорлигини оширади.

Замонавий фан ва менеджмент амалиёти корхоналарни бошқаришнинг қўйидаги тамойилларини энг асосийлари сифатида қабул қиласди:

- 1) илмийлик;
- 2) тизимлилик ва комплекслик;
- 3) якка бошқарув ва коллегиаллик;
- 4) тартиб ваadolat;
- 5) ходимларни моддий ва маънавий рағбатлантириш;
- 6) тежамкорлик ва самарадорлик;
- 7) ташаббускорлик ва корпоратив руҳият;
- 8) ваколат ва мажбурият.

Бошқарувнинг **илмийлик** тамойили ўзакларнинг ўзагидир. Амалда бу тамойил, аввало жамият ривожланишининг объектив қонунлари ва фан-техника ютуқларидан хабардор бўлишни талаб қиласди. Унинг ёрдами билан ишлаб чиқариш ва бошқарувнинг зарурӣ мутаносиблиги таъминланади, бошқарув қарорларидаги хатолар камайтирилади, оғирлик маркази энг катта сифат ва миқдор ютуқларига эришишга ўтказилади.

Илмийлик тамойили ишлаб чиқариш масалаларини ҳал қилишда иқтисодий-математик усуллардан кенг фойдаланиш, бошқарувнинг мақсадли-дастурӣ усулларини амалга киритиш, замонавий электрон-ҳисоблаш техникаси ва бошқарувнинг автоматлаштирилган тизимларидан фойдаланишини кўзда тутади.

Тизимлилик ва **комплекслилик** тамойили илмийлик тамойилининг давоми бўлиш билан бирга, ўзининг мустақил аҳамиятига ҳам эга. У бошқарилаётган тизимнинг вертикал ва горизонтал йўналишлари бўйича барча хусусиятларини қамраб олишни кўзда тутади. Тизимлилик ва комплекслилик тамойили бошқарув усулларининг тарқоқлиқдаги тамойилларига ҳамда бир дақиқалик фойда ва эҳтирос туфайли юзага келувчи қарорларга қарши қўйилади. У ишлаб чиқаришнинг бир маромда амалга оширилишини таъминлашга хизмат қиласди, ишлаб чиқариш учун қулай шароит яратади.

Якка бошқарув ва коллегиаллик корхонани бошқаришнинг муҳим тамойилларидан биридир. Бу тамойил, айниқса, акционерлик шароитларида фаолият юритувчи корхоналарда аниқ кўзга қўринади.

Якка бошқарув ҳар бир хўжалик раҳбари ўз ваколати доирасидаги масалаларни ҳал қилишда қонун томонидан берилган хукуқларга асосан бир ўзи (якка тарзда) қарор қабул қилишини ҳамда корхона фаолияти учун шахсан жавобгарлигини англатади. Бундан ташқари, якка бошқарув ходим буйруқларни фақат битта бевосита (тўғридан-тўғри) бошлиқдан олиши мумкин ёки шарт бўлган ҳолларни ҳам англатади.

Коллегиаллик корхона жамоасининг ишлаб чиқариш билан боғлиқ бўлган қарорларни қабул қилишдаги фаол иштирокида ифодаланади. Маълум бир маънода, айниқса, бошқарувнинг ирода билан боғлиқ бўлган усулларида коллегиаллик якка бошқарув қарама-қаршиликни англатади. Бозор иқтисодиёти шароитларида ушбу тамойилнинг имкониятлари сезиларли равишда кенгайтирилган.

Тартиб ваadolat – бу, бошқарувнинг ҳар бир қадамда ўзини эслатиб турувчи тамойилидир. Кўп ҳолларда айнан шу тамойилга кўра корхона ва унинг раҳбарига тавсифнома берилади. Корхона раҳбари қанчалик билимли ва тажрибали, унинг касб маҳорати ва маданияти қанчалик юқори бўлса ҳамда у жамоа тўғрисида қанчалик кўп қайғурса, тартиб ваadolat кўрсаткичлари шунчалик юқори бўлади. Қисқароқ қилиб айтганда, тартиб – бу, ҳар бир киши ва ҳамма нарса ўз жойида бўлишини,adolat эса раҳмдиллик ва одилликнинг уйғунлигини англатади. Бошқарувнинг тартиб ваadolat тамойили кадрлар тез-тез алмашишини олдининг олиб, корхона обрўсининг ўсишига ҳамда бунга корхона жамосини қизиктиришга хизмат қиласди.

Ходимларни моддий ва маънавий рағбатлантириш тамойили меҳнат унумдорлигини оширишда муҳим туртки ҳисобланади ва бошқарув тизимининг самарадорлигини акс эттиради. Ходимларнинг садоқати ва қўллаб-қувватлашига эришиш мақсадида улар ўз хизматлари учун, ишчилар эса бажарилган ишнинг сифати ва миқдори учунadolatли тарзда ҳақ олишлари зарур. Бундан ташқари, маънавий рағбатлантириш моддий рағбатлантиришдан кам аҳамиятга эга эмас. Раҳбарнинг иқтидори, ходим (ходимлар, ишчилар)нинг ташабbus ва ютуқларини ўз вақтида илғаб олиб, муносиб баҳолаш ҳамда уларни ҳам моддий ҳам маънавий рағбатлантириш тизимини моҳирона қўллашида кўзга ташланади.

Тежамкорлик ва самарадорлик тамойили – бу, корхона бошқарувининг барча бўғинларида амалга оширилиши лозим бўлган тамойиллар. Бу тамойилнинг моҳияти моддий ва меҳнат ресурсларидан тежамкорлик билан фойдаланиш, энг кам харажатлар билан энг кўп натижаларга эришиш, ишлаб чиқариш заҳираларидан тўлиқ фойдаланишда ифодаланади. Бироқ бу тамойил истисно тарикасида қўлланмай, фақат корхона раҳбарининг эмас, балки бутун жамоа ва биринчи ўринда хом ашё ва материаллардан тайёр масулот яратувчи ишчиларнинг меҳнат қоидасига айланган тақдирдагина ҳақиқий тасдиғини топади.

Ташаббускорлик ва корпоратив руҳият бошқарувнинг муҳим тамойили бўлиш билан бирга, корхонанинг бозор тизимида муваффақиятли фаолият юритишига туртки ҳамдир. Умуман олганда, бошқарув ташаббускорликсиз, истиқболни кўрмасдан, ижодий ёндашувсиз муваффақиятларга эришиши амримаҳолдир. Бошқарув ижодий негизни, ташаббускорликни корпоративлик билан боғлаган ҳолда бойитади.

Агар корпоратив руҳият ишлаб чиқариш билан шуғулланувчи жамоа уйғунлигининг натижаси, иттифоқи бўлса, **ташаббускорлик** фаол ҳаракатларни англатиб, корхона жамоасига ва ҳар бир ходимга ишлаб чиқаришни ривожлантиришнинг турли хил дастурларини ишлаб чиқиш ва амалга оширишда қўшимча куч-қувват баҳш этади.

Ваколат ва мажбурият тамойили бошқарувнинг рационал, аниқ ва йўлга қўйилган ташкилий тизимини яратиш, лавозимларга оид йўриқнома ҳамда раҳбар ва мутахассисларнинг хуқук ва бурчлари тўғрисидаги ҳужжатларни ишлаб чиқиш, бажарилган иш учун моддий жавобгарликни белгилаш, буйруқ ва кўрсатмаларни ўз вақтида тайёрлашни англатади. Ҳар бир лавозим эгаси - бўлим ёки хизмат бошлиғидан, то корхона раҳбаригача - бошқарув фаолиятидаги ўз ваколатларини яширмаслиги ва мажбуриятларини камайтирмаслиги - бошқаларнинг, яъни унга бўйсинувчи шахсларнинг зиммасига юкламаслиги лозим.

Юқорида қўрсатилган тамойиллар ҳам алоҳида, ҳам биргаликда бошқарув тизимининг ишончлилигига ва корхона раҳбари ҳамда ҳар бир бошқарув тузилмасининг обрўсини ўстиришга хизмат қилиши лозим. Бундан ташқари, улар доимий равишида мукаммаллаштириб борилиши ҳамда замон руҳи ва хўжалик юритиш механизми талабларига жавоб берувчи янги тамойиллар билан тўлдирилиши зарур. Бу эса бошқарув тизими ва жараёнларининг янги шакл ва усувларини ривожлантиришга имкон яратади.

4.3. Бошқарувнинг ташкилий тузилмалари ва функциялари

Ташкилий тузилма деганда корхона бошқаруви функцияларини бажарувчи турли хил бўлим, хизмат ва бўлинмалар таркиби, ўзаро муносабатлари ва бир-бирига бўйсенишини тушуниш лозим. Ташкилий тузилма бошқарувнинг тизим ва алоҳида фаолият тури сифатидаги бир бутунлигини ифодалайди. У бошқарув органларининг маълум бир тартибини, ҳокимият ва бўйсениш алоқаларини, вертикал ва горизонтал меҳнат тақсимотининг интеграциялашувини этади.

Бошқарув тузилмаси динамик тарзда бўлади. У ишлаб чиқариш қучлари ва муносабатларининг ривожланиши, бошқарув объектларининг қарама-қаршиликлари ва қонуниятлари ҳақидаги билимларимиз даражасининг ўсишига боғлиқ ҳолда ўзгариб боради. Бошқарувнинг ташкилий тузилмасига корхонанинг ҳажми, унинг ихтисослашуви ва кооперация алоқалари, мулкчилик шакли, қайси тармоққа тегишлилиги, жойлашган худуди каби омиллар катта таъсир кўрсатади.

Бошқарувнинг ташкилий тузилмаси корхонанинг ишлаб чиқариш тузилмаси билан алоқада ва кўп жихатдан унга боғлик бўлади. Корхона қанчалик катта, ишлаб чиқариш ва унда фойдаланувчи меҳнат қуроллари ва технологиялар қанчалик муракқаб бўлса, бошқарувнинг ишлаб чиқариш ва ташкилий тузилмаси, шунингдек, корхона бошқарув аппаратининг функциялари шунчалик мураккаблашади.

Бошқарув элементлари ва бўғинлари ўртасидаги алоқаларнинг шакли, тузилмавий бўлинмаларнинг мослашувчанлиги ва бир-бирига бўйисинувчанлигига кўра, бошқарувнинг қуидаги ташкилий тузилмалари мавжуд:

- чизиқли;
- функционал;
- аралаш (чизиқли-функционал);
- матрициали.

Чизиқли тузилма бошқарув тузилмасининг энг кўп тарқалган тури бўлиб, унга кўра бошқарувнинг ҳар бир бўғини ўзидан юқори турувчи фақат битта бошқармага эга бўлади ва барча масалалар битта алоқа канали орқали ҳал этилади. Бундай тузилмада бошқарув бўғинлари тизими тўлалигича ишлаб чиқариш бўғинлари тизими билан мос тушади. Ҳар бир ишлаб чиқариш жамоаси тепасида раҳбар туроди ва корхона ходимлари унга бевосита бўйисинадилар. Барча бошқарув функциялари раҳбар қўлида мужассамланади.

Бошқарувнинг чизиқли тузилмаси ҳал қилинаётган масалалар қўлами унчалик катта бўлмаганида самаралироқ бўлади. Шу сабабли бундай тузилмадан асосан цех, ишлаб чиқариш участкалари ва кичик корхоналарни бошқаришда фойдаланилади. Бундай тузилманинг қуидаги афзалликлари мавжуд:

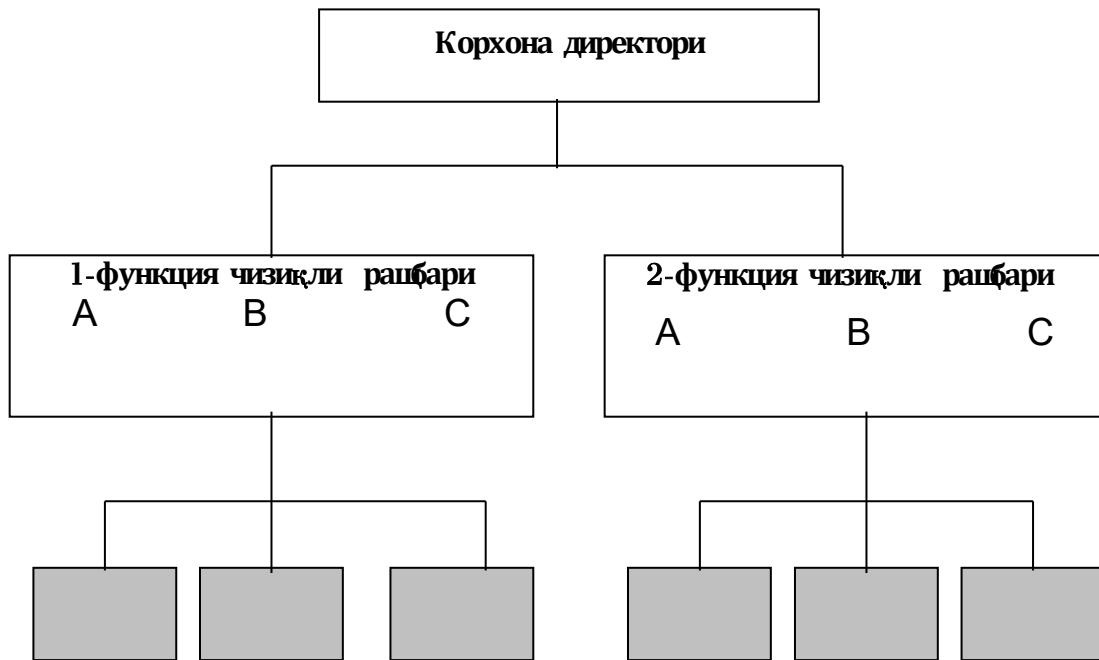
- бошқарувнинг ҳар бир бўғини учун раҳбар тайинлашнинг нисбатан осонлиги
- бошқарув қарорларини тайёрлаш ва бажаришнинг тезкор (оператив) амалга оширилиши
- бошқарув функцияларини бажаришнинг нисбатан осонлиги.

Бироқ бошқарувнинг бу тизимида бир қанча камчиликлар ҳам мавжуд бўлиб, уларнинг асосийлари горизонтал алоқаларнинг тарқоқлиги, бошқарувдаги ҳаддан ташқари қаттиқлик ва ишлаб чиқаришнинг диверсификацияси шароитларидаги чекланган имкониятларида намоён бўлади.

Бошқарувнинг чизиқли тизими қуидаги ҳолларда қўлланади:

- ходимлар сони 300-500 кишини ташкил қилувчи ҳамда предметли ва технологик ихтисослашув даражаси юқори корхоналарда (металлга ишлов бериш, ярим тайёр маҳсулот ишлаб чиқариш, йиғиш, бир турдаги хизмат кўрсатиш ва ҳоказо);
- маҳаллий саноат корхоналарида (масалан, ёғочни қайта ишлаш, маҳаллий хом ашёдан маҳсулот тайёрлаш ва ҳоказо).

Бошқарувнинг мазкур структураси тавсифистикасини қўйидаги схема шаклида кўрсатиш мумкин:



Ишлаб чиқариш бўлинмасидаги
бажарувчилар

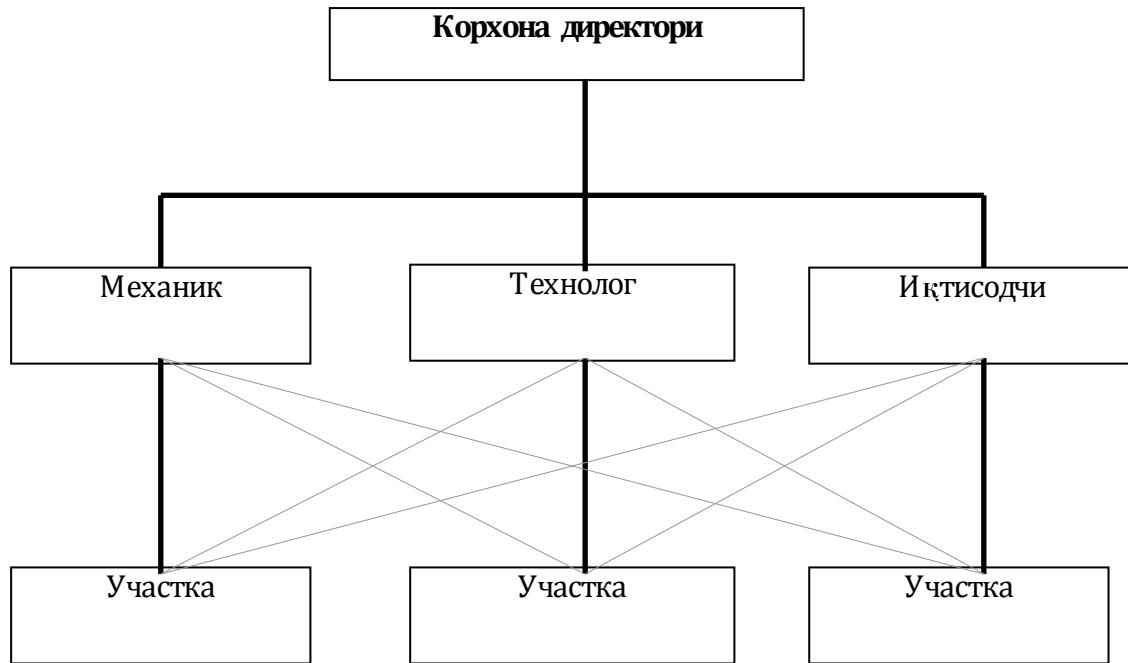
Ишлаб чиқариш бўлинмасидаги
бажарувчилар

4.3.-чизма. Корхона бошқарувининг чизиқли ташкил этиши тузилмаси

Бошқарувнинг функционал тузилмаси учун бошқарув ва объект функциялари бўйича бошқарув ячейкалари яратиш тавсифидир. Бу ячейкалар бажарилиши шарт бўлган қарорларни бошқарувнинг қути поғонасига ёки бевосита ишлаб чиқариш бўғинларига етказиб беради. Демак, бошқарув функциялар бўйича тақсимланади ва функционал бўғинлар томонидан амалга оширилади, улар томонидан тайёрланувчи бошқарув қарорлари эса бажарувчиларга кесишувчан алоқа каналлари бўйича етказилади. Бошқарувнинг функционал тузилмасига мисол қилиб бош мутахассисларнинг, яъни бош иқтисодчи, бош механик, бош технолог, бош металлург, бош конструктор хизматлари(бўлимлари, гуруҳлари), шунингдек, корхона бош бухгалтериясини кўрсатиш мумкин.

Бошқарувнинг функционал тузилмаси амалда чизиқли тузилма билан кесишиб ўтади. Бундай синтез чизиқли ёки функционал тузилмага қараганда **бошқарувнинг чизиқли-функционал тузилмасини** самаралироқ бўлиши ва кенг тарқалишига сабаб бўлади. Бу ҳолда бошқарув ҳам чизиқли, ҳам функционал раҳбарлар томонидан амалга оширилади.

Бошқарувнинг функционал структурасини қуидаги чизма орқали акс эттириш мумкин:



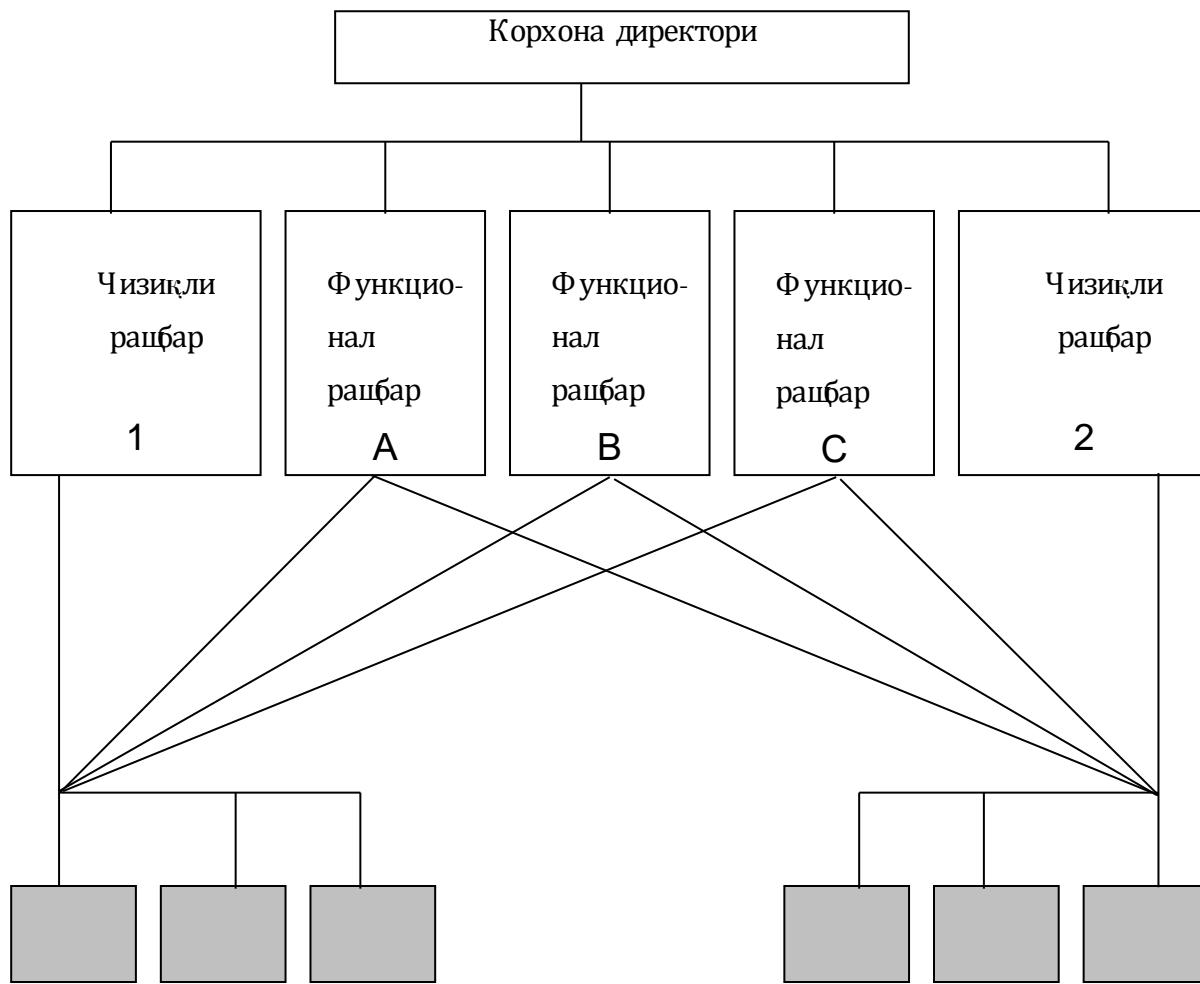
4.4.-чизма. Бошқарувнинг функционал тузилмаси

Бошқарувнинг ушбу тузилмаси афзалликлари қуидагилар:

- * бошқарув фаолиятини ихтисослаштириш даражасининг юқорилиги;
- * бошқарув фаолиятининг деярли барча соҳаларини ваколат доирасида қамраб олиш;
- * ишлаб чиқариш диверсификациясининг турли талаб ва шартшароитларига мослашиш имкониятлари;
- * бошқарув хизматлари ёки бўлимларига ходимлар танлашнинг нисбатан осонлиги.

Унинг камчиликлари қаторига эса қуидагиларни киритиш мумкин:

- яккаҳокимлик тамойилининг бузилиши;
- келишилган бошқарув қарорларини қабул қилиш ва бажариш ҳамда уларнинг комплекслигини таъминлаш қийинлиги;
- бошқарувнинг юқори поғоналари учун раҳбар танлашнинг мураккаблиги.



Шартли белгилар:

----- чизиқли раҳбарият муносабатлари
функционал муносабатлар

4.6.-чизма. Бошқарувнинг чизиқли-функционал тузилмаси

Чизиқли-штабли тузилма бошқарув аралаш тузилмасининг бир кўриниши бўлиб, унга чизиқли структура асос қилиб олинган. Бошқарувнинг ҳар бир бўғинида штаблар тузилиб, унинг таркибига муаммоларни ечиш учун малакали мутахассислар таклиф этилади. Масалан, штабли тузилмалар табиий оғат, ҳалокат ва кулфатларнинг оқибатларини бартараф қилиш, янги маҳсулот ёки технологияни ўзлаштириш, тўсатдан юзага келган, одатий бўлмаган вазифаларни ечишда тузилиши мумкин. Бундай ҳолларда бошқарув штабига раҳбарларнинг ваколатларидан кам бўлмаган ҳақ-хукуқлар, ваколатлар берилади.

Бошқарувнинг матрицали тузилмалари турли хил бўлиб, уларнинг барчаси битта тамойилда - ишлаб чиқаришни вертикал ва горизонтал бошқаришда бошқарув функцияларини ташкилий тузилмалар ўртасида қайта тақсимлаш асосида яратилган. Бу тузилмалар илмий тадқиқот институтлари, конструкторлик бюrolари, технологик бюrolар, шунингдек, илмий-тадқиқот ва

конструкторлик изланишлари олиб борилувчи йирик корхоналарда кенг қўлланилади.

Бошқарувнинг матрицали тузилмалари раҳбарлардан жуда юқори бошқарув ваколатини талаб қиласди. Бундай тузилмадан фойдаланганда юзага келувчи муаммо ва вазифаларни ечиш учун вақтингчалик ижодий гуруҳларни тузиш мумкин. Тўғри, бунинг учун жамоа олдида юзага келувчи лойиҳа топшириқларни бажариш учун қўшимча харажатлар талаб қилиниши мумкин.

Бошқарувнинг исталган ташкилий тузилмасини лойиҳалаштиришда ҳамда амалиётда қўллашда тезкорлик, оптималлик, ишончлилик ва тежамкорлик каби асосий талабларга жавоб бера олишига эътибор қаратилиш лозим. Бу талаблар қанчалик тўлиқ ва яхши бажарилса, корхонани бошқариш тизимининг сифат қўрсаткичлари шунчалик юқори бўлади.

Амалиёт шуни қўрсатадики, бошқарув обьекти ва бошқарувчи тизим (бошқарув аппарати) ўртасида, бошқарув функциялари ёрдамида тартибга солинувчи маълум бир муносабатлар юзага келади.

Бошқарув функциялари обьектив жиҳатдан зарур ва албатта қайтарилувчи хатти-харакатлар мажмуаси бўлиб, мазмuni ва йўналиш мақсадларининг бир хиллиги туфайли бирлашиб туради. Бошқарув функциялари бутун бошқарув жараёни давомида узлуксиз тарзда амалга оширилади ҳамда бошқарув қарорларини қабул қилиш ва бажаришнинг турли босқичларида турли хил салмоқقا эга бўлади.

Амалдаги таснифга асосан бошқарувнинг қуйидаги функцияларини ажратиб қўрсатиш мумкин:

1. *Режалаштириши* – ишлаб чиқаришни кенгайтириш ва корхонанинг гуллаб-яшнаши учун ишлаб чиқариш мақсадларини белгилаш ва унинг натижаларига эришиш.

2. *Истиқболни белгилаш (прогнозлаштириши)* – жорий фаолиятни самарали тарзда олиб бориш ҳамда истиқболни кўра олиш ва бошқарув тизимини истиқболга мослаштириш. Режалаштиришдан фарқли равища прогнозлаштириш эҳтимоллик тавсифига эга бўлади.

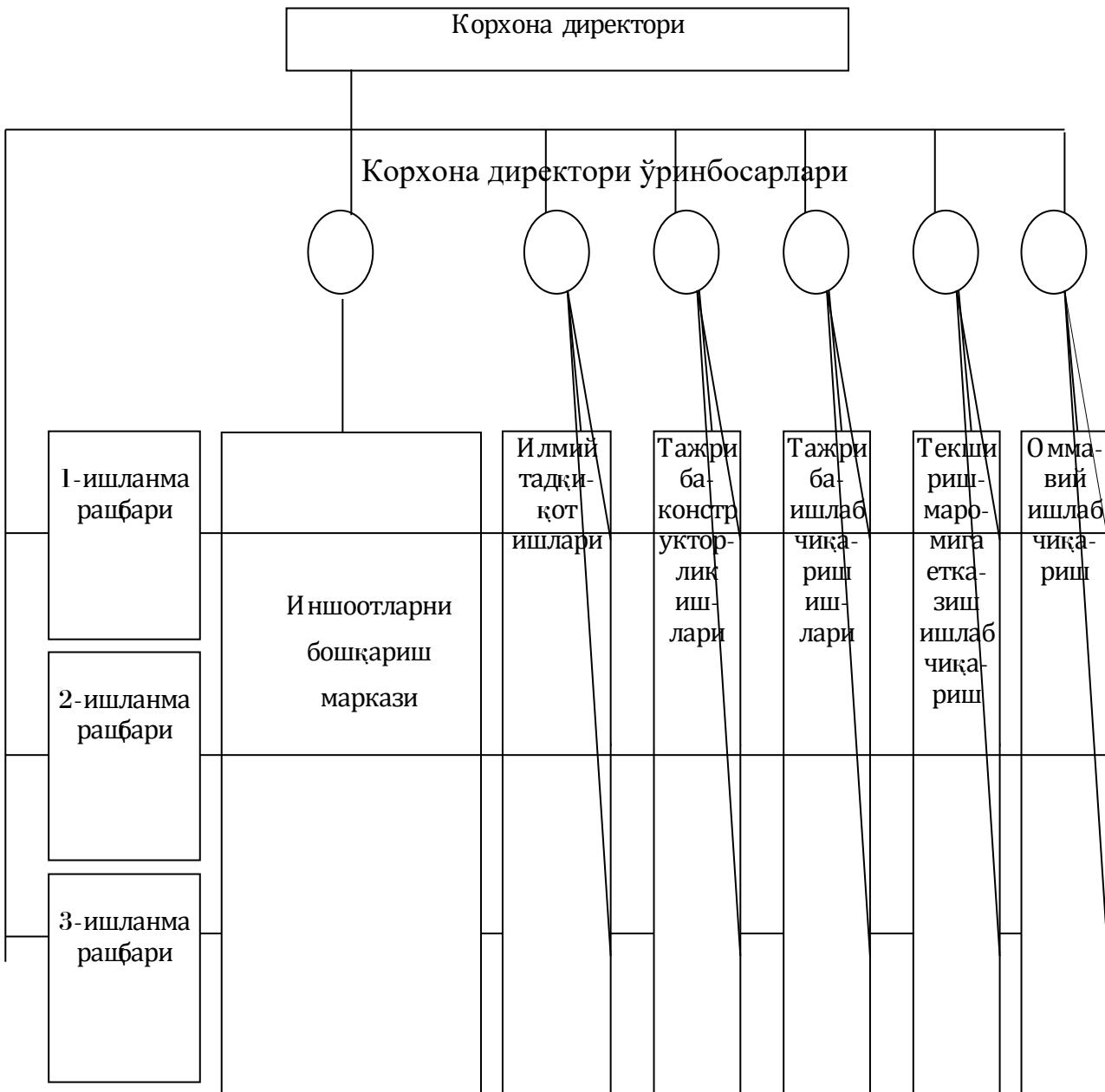
3. *Тартибга солиш* – ишлаб чиқаришни, жамоани бошқаришда белгиланган қўрсаткичлардан четга оғишларни тўғрилаб бориш.

4. *Ташкиллаштириши* – куч-қувват ва воситаларни ишлаб чиқариш дастурини минимал харажатлар асосида ва бу харажатларнинг юқори самарадорлиги орқали амалга оширишга йўналтириш, амалдаги ташкилотчилик тизимини янги ютуқларга эришиш ва янги вазифаларни бажаришга йўналтириш.

5. *Назорат* – жорий қўрсаткичларнинг белгиланган (дастурий) вазифа(норма)ларга мос келиш даражасини аниқлаш.

6. *Ҳисобга олиш* – корхонанинг маълум бир вақт давомида бажарган ишларига якун ясаш.

7. *Таҳлил* – маълумотларни йиғиши, сақлаш, қайта ишлаш ҳамда улардан бошқарувни асослаш ва бошқа вазифалари учун фойдаланиш.



Б ў л и н м а л а р

4.6.-чизма. Бошқарувнинг матрицали структураси

Шуни қайд қилиб ўтиш керакки, бошқарув функциялари ўртасида қатъий чегара йўқ. Бошқарув фаолиятининг битта тури бошқарувнинг бир нечта функциялари белгиларига эга бўлиши ва улар ўзаро чамбарчас боғланиб кетиши мумкин. Шу билан бирга ҳар бир функция ўзига хос хусусиятларга эга бўлиб, уларни билиш раҳбарнинг профессионал маҳорати шаклланишида муҳим роль ўйнайди.

4.4. Корхонани бошқаришнинг ўзига хос хусусиятлари

Бозор иқтисодиётига ўтиш ва жамиятнинг демократик тамойиллари кучайиши, турли корхоналарнинг - йирик ва кичик корхоналарнинг, шунингдек, ходимлар сони 20 кишигача бўлган микро фирмаларнинг муваффақиятли фаолиши учун зарур шароитларни яратиб бермоқда.

Амалиётдан шу нарса маълумки, корхона тури бошқарув аппаратининг шаклланиши ва ташкилий тузилмасига сезиларли равишда таъсир кўрсатади. Масалан, ўрта ва айниқса, кичик корхоналар учун йирик корхоналарнинг бошқарув тузилмасини кўр-кўронада кўчириб олиш мақсадга мувофиқ эмас. Бу қимматга тушиши ва кўп меҳнат талаб қилишидан ташқари маъносиз ҳамдир. Шу сабабли ўрта ва кичик корхоналарнинг мослашувчанлиги, ҳаракаатчанлиги ва бозор конъюнктурасига таъсири уларнинг ташкилий тузилмаси соддороқ ва оптимал тарздалиги билан асослаб берилади. Кичик корхоналарда асосан йирик корхоналарга хос бўлган катта функционал бўлим ва хизматлар мавжуд бўлмайди.

Хусусийлаштириш ва давлат тасарруфидан чиқариш шароитларида акционерлик корхоналарини (жамиятларини) бошқаришга катта қизиқиш уйғонган. Бундай корхоналарнинг жамоалари ишлаб чиқариш ва ташкилий тузилмани бошқаришда иштирок этади. Якка бошқарув тамойилларига асосланган давлат корхоналаридан фарқли равишда акционерлик корхоналари (жамиятлари) бошқарув шакли, усули ва тузилмасини ўзлари мустақил равишда танлайдилар, ишлаб чиқариш фаолияти сиёсати ва штатларини белгилайдилар.

Акциядорлик корхоналари (жамиятлари)да кузатув кенгаши, бошқарма ва акционерларнинг умумий йиғилиши бошқарув органи вазифасини бажаради. Уларнинг фаолияти Ўзбекистон Республикасининг “Акционерлик жамиятлари ва акциядорлар ҳуқуқини ҳимоя қилиш тўғрисида”ги қонунига, шунингдек, бошқа ҳуқуқий-норматив ҳужжатларга, жумладан, акциядорлик жамиятининг ички тартиб ва қоидаларига асосан юритилади.

Акциядорлик корхонасини бошқаришнинг ташкилий тузилмасида таъсисчилар таркибига боғлиқ бўлган-таъсисчилар кенгаши муҳим ўрин эгаллайди. Масалан, очик турдаги акциядорлик корхоналарида таъсисчининг энг кам сони белгиланмаган, ёпиқ турдаги акциядорлик корхоналарида эса таъсисларнинг энг кам миқдори уч киши қилиб белгиланган. Бундан ташқари уларнинг ҳар бири акциядор бўлиши шарт.

Таъсисчилар акциядорлик корхоналари (жамиятлари)нинг раҳбарини тайинлайдилар ҳамда бу раҳбар кейинчалик акциядорлар номидан ишлаб чиқариш ва хўжалик фаолияти бўйича барча хатти-ҳаракатларни бажаради ва бунинг учун жавобгар ҳисобланади. Акциядорлик корхоналари (жамиятлари)ни бошқаришда кузатувчилар кенгаши муҳим ўрин тутади ҳамда қўйидаги ҳуқуқларга эга бўлади:

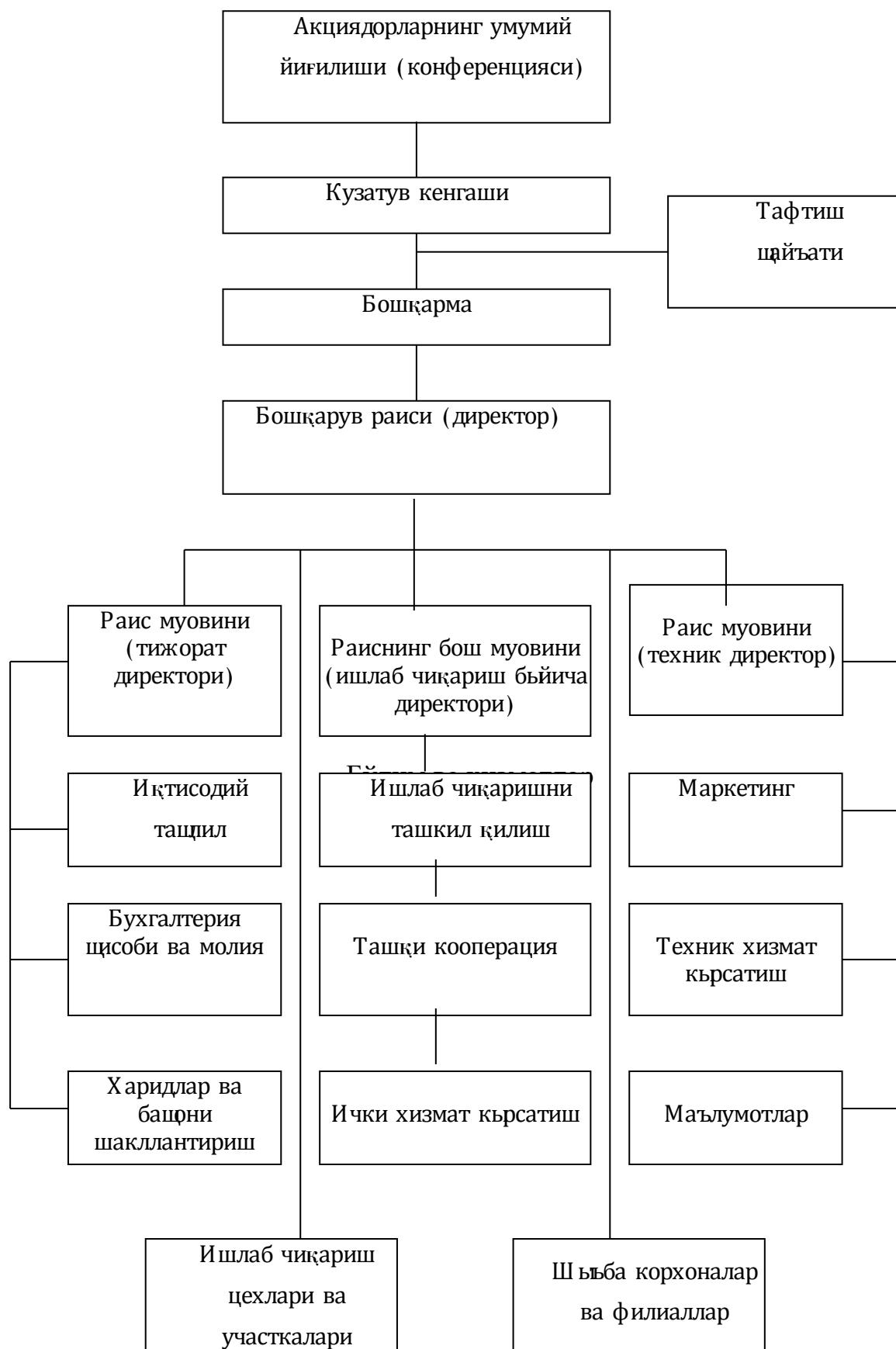
- * корхона фаолиятининг устувор йўналишларини белгилаш;
- * акциядорларнинг йиллик ва навбатдан ташқари умумий йиғилишларини чакириш;
- * акциядорларнинг умумий йиғилиши кун тартибини тайёрлаш;

- * умумий йиғилишда қатнашиш хуқуқига эга бўлган акциядорлар рўйхатини тузиш;
- * корхона (жамият) Низомига қўшимча ва ўзгартеришлар киритиш масаласини киритиш;
- * корхонанинг Низом жамғармасини эълон қилинган акциялар тури ва миқдорига кўра, акцияларнинг номинал қийматини ошириш ёрдамида кўпайтириш;
- * облигация ва қимматбаҳо қоғозларни жойлаштириш;
- * корхона мулкининг бозор қийматини белгилаш;
- * ижроия органи раҳбари (директор, бошқарма раиси) ва аъзоларини тайинлаш;
- * жамият номидан ходимларни ишга ёллаш бўйича меҳнат шартномаларини тузиш;
- * ижроия органига тўланувчи мукофот, рағбатлантириш ва компенсациялар ҳажмини белгилаш;
- * жамиятнинг заҳира ва бошқа жамғармаларидан фойдаланиш;
- * акциядорлик корхонаси(жамияти)нинг шўъба бўлимлари ва ваколатхоналарини очиш;
- * жамият Низомида белгиланган, кузатув кенгаши ваколатлари доирасига киритилган бошқа масалаларни ҳал қилиш.

Кузатув кенгаши ваколатлари доирасига киритилган вазифаларни ечиш жамиятнинг ижроия органига ўтказилиши ижроия органи аъзолари кузатув кенгашига сайданиши мумкин эмас. Кузатув кенгаши асосан сайлов асосида тузилади ҳамда сайлов давомида энг кўп овоз олган шахс кенгаш аъзолигига номзод ҳисобланади.

Жамиятнинг молиявий ва хўжалик фаолиятини назорат қилишда тафтиш ҳайъати муҳим ўрин эгаллади. Ушбу ҳайъат аъзолари умумий йиғилиш томонидан акциядорлар ҳамда корхонанинг акцияларини сотиб олмаган бошқа ходимлар орасидан сайланади. Ҳайъат бошқарувнинг молиявий-хўжалик фаолияти назоратини доимий равишда ёки умумий йиғилиш, кузатув кенгаши, корхона акцияларининг 10% дан кўпроғига биргаликда эгалик қилувчи бир гурӯҳ акциядорларнинг, шунингдек, ўз ташаббуси билан амалга ошириши мумкин. Тафтиш ҳайъатининг хulosалари акциядорлик корхонасининг йиллик ҳисботи ва балансини тасдиқлашда катта аҳамиятга эга.

Очиқ турдаги акциядорлик корхонаси(жамияти)ни бошқаришнинг намунавий тузилмасини 4.7. - чизма кўринишида акс эттириш мумкин.



4.7.-чизма. Акциядорлик корхонасини бошқарушининг наъмунавий тузилмаси

4.5. Корхонани бошқаришни такомиллаштиришнинг асосий йўналишлари

Ишлаб чиқаришни бошқариш тизимини такомиллаштириб бориш мулкчилик шакли, фаолият натижаси ва юзага келган ташкилий тузилманинг қандайлигидан қатъи назар, ҳар бир корхона учун муҳим вазифа ҳисобланади. Ушбу вазифани муваффақиятли ҳал қилиш корхоналарга, биринчи ўринда, бошқарув тизимининг самарадорлигини оширишга, иккинчидан, харажатларни камайтириш ва ишлаб чиқариш фаолиятининг иқтисодий кўрсаткичларини яхшилашга имкон яратади.

Бугунги кунда бошқарув тизимини мукаммаллаштириш соҳасида қўйидаги тенденциялар юзага келмоқда: бошқарув фаолиятининг мақсадли тавсифини кучайтириш; бошқарувнинг мослашувчан тузилмаларини яратиш ва бошқарув аппаратининг фаолиятини яхшилаш, жумладан, ортиқча бошқарув бўғинларини қисқартириш ҳисобига; ишлаб чиқаришни бошқаришда жамоалар ролининг ўсиши ва уларнинг юқори натижаларга эришишга йўналтирилиганини; меҳнат фаолияти ижтимоий шароитларининг яхшиланиши. Бу тенденцияларга асосан корхоналарнинг бошқарув органлари тузилмаларини такомиллаштириш йўналишлари ҳам аниқланиб, уларга аввало сифат кўрсаткичлари асос қилиб олинган. Бу кўрсаткичлар қаторига қўйидагиларни киритиш мумкин:

Оптималлик – тузилма бўлинмалари ўртасида энг кам бошқарув бўғинларига эга бўлган ҳолда ўзаро алоқаларни рационал тарзда ўрнатишидир. Шу сабабли кўп бўғинлиликни қисқартириш бошқарув тизимини такомиллаштириш олдига қўйилувчи асосий талаблардан бири ҳисобланади.

Тезкорлик (оперативлик) – барча функционал бўлинмаларнинг, зарур ҳолларда ишлаб чиқариш бўлинмаларининг, бошқарув қарорлари ўз вақтида ва сифатли бажарилишини таъминлаш учун ўзаро алоқалар аниқлик билан олиб борилиши.

Ишончлилик – ахборотларни ўз вақтида олиш ва бошқарув қарорларини бажарувчиларга ва бажарish жойларига ўз вақтида етказишни таъминлайди. Ишончлилик ва тезкорлик жорий ва истиқболдаги бошқарув тизимининг самарадорлигига муҳим туртки ҳисобланади.

Тежамкорлик – бу, асосан бошқарув тизимида максимал самараага эришган ҳолда бошқарув аппарати ва унинг харажатларини камайтиришга, яъни ишлаб чиқариш самарадорлигининг ўсишига эришишидир.

Айтиб ўтиш керакки, корхона жамоаси ва ишлаб чиқаришни бошқаришни такомиллаштириш соҳасида барча учун бир хил йўл мавжуд эмас.

Мазкур вазифа муайян шароит, ҳолат ва имкониятлардан келиб чиқсан ҳолда юзага келади ва ҳал қилинади. Бироқ бунда ҳам ўзгармас бир қоида мавжуд бўлиб, унга қўра, ҳар бир ўзгартириш, яхшиланиш ва шакл ўзгартиришлар аввалдан ўйлаб чиқилиши ҳамда илмий жиҳатдан асослаб берилиши зарур. Масалан, ҳозирги пайтда корхоналарни бошқаришни такомиллаштиришнинг муҳим йўналишларидан бири сифатида автоматлаштирилган бошқарув тизимини (АБТ) яратиш ва амалиётга киритиш ҳамда иш вақт йўқотилишининг олдини олиш, ускуналарнинг бекор туриб

қолишини қисқартириш, меҳнат ва моддий ресурслардан оқилона фойдаланишга кўмаклашувчи компьютер техникасидан фойдаланишни кўрсатиш мумкин.

Амалиётдан шу нарса маълумки, корхоналарни бошқаришнинг цехсиз тузилмаси юқори даражада самарали бўлиб, бошқарувни марказлаштиришни қисқартириш ҳамда кичик ва ўрта корхоналарнинг ижтимоий ишлаб чиқаришни ривожлантиришдаги аҳамиятини оширишда муҳим аҳамият касб этади.

Бошқарув тизимини ткаомиллаштиришнинг муҳим йўналишларидан бири - корхонанинг функционал хизматлари ва бўлимлари фаолиятини ортиқча тузилмавий бўлинмаларни тутатиш, хизмат кўрсатувчи бўлимларни оптималлаштириш, бирламчи ҳисобга олиш ҳамда ҳисоб-китоб ва бошқа бошқарув амалларини соддалаштириш йўли орқали мувофиқлаштиришdir.

Бу ерда ишлаб чиқаришни тезкор бошқаришнинг кўплаб функцияларини автоматлаштириш ва механизациялаштириш имконини берувчи, бошқарувнинг янги техникасидан, ишлаб чиқариш кўрсаткичлари юқори бўлган турли хил ҳисоб-китоб ва таҳлил воситаларидан фойдаланиш катта аҳамиятга эга.

Бошқарув тизимини такомиллаштиришда техник воситалар, бошқарув жараёнларини механизациялаштириш, жумладан, АБТ асосидаги фаолият, бошқарув тадқиқотлари ва лойиҳалари ўз-ўзидан ёки автоматик равишда керакли натижаларга олиб келмайди. Бу ерда кўп нарса инсонларнинг, айниқса, менеджерларнинг фаолиятига боғлиқ бўлади. Шу сабабли ижтимоий омилларнинг ривожланиши, ишлаб чиқариш жамоасининг ишлаб чиқаришни бошқаришдаги роли кучайиши, айниқса, корхоналарга бошқаришнинг рационал шаклларини танлашга кенг имкониятлар яратиб берилган ҳозирги пайтда муҳим аҳамиятга эга. Мустақилликни кенгайтириш ва ишлаб чиқариш жамоасининг ишлаб чиқаришни бошқаришдаги роли ўсиши иқтисодий фикрлашнинг керакли томонга йўналтирилишига хизмат қиласи ҳамда бошқаришни яхшилашни корхона раҳбаридан ташқари бутун жамоанинг вазифаси қилиб белгилайди.

Замонавий техника воситалари ва янги усуллардан ташқари корхоналарни бошқаришда ишлаб чиқариш жамоаларида зарур бўлган **ижтимоий-психологик муҳитни** шакллантириш ҳам катта аҳамиятга эга. Амалиёт кўрсатадики, ижтимоий-психологик муҳит бошқарувнинг натижалари ва амалийлигини йўққа чиқариши ёки аксинча кучайтириши мумкин.

Психологик муҳит нодир ва қайтарилиш ҳолатдир. Иккита бир хил жамоа бўлмагани каби, бир-бирига мос келувчи психологик муҳитнинг ҳам мавжуд бўлиши мумкин эмас: жамоадаги ҳар бир шахс жамоани бойитади ва бир вақтда ўзи ҳам бойиб, унга нодирлик ва қайтарилишликни баҳш этади. Психологик муҳит орқали зарур бўлган ишлаб чиқариш руҳияти шаклланади ва бошқарувнинг мақсадли функциялари муваффақиятли амалга оширилади.

Қисқача хулоса

Хўжалик механизмининг мазмуни жамият иқтисодий ҳаётининг шаклига боғлиқ бўлади. Бозор муносабатларининг ривожланиши хўжалик юритишнинг янги шакл ва усуллари шаклланиши билан боғлиқдир. Ишлаб чиқаришни бошқаришни субъектлар ва органлар томонидан одамлар ва иқтисодий обьектларга, ресурслардан иложи борича оқилона фойдаланиш ва энг қўп даромад олиш мақсадида, таъсир ўтказиш жараёни сифатида кўриб чиқиш мумкин.

Бошқарув тизими қўйидагилардан иборат бўлади: бошқарувнинг мақсад ва вазифаларини белгилаш, бошқарувнинг оптимал ташкилий -структурасини яратиш, ходимларни танлаш ва жой-жойига қўйиш, ахборот билан таъминлаш, ахборотга техник ишлов бериш воситалари, таҳлил, бошқарув қарорларини бажариш устидан назорат. Бошқарув режалаштириш, ташкиллаштириш, маркетинг, мувофиқлаштириш, меҳнат мотивацияси, назорат қаби бир қатор функцияларни бажаради.

Қарор қабул қилиш тизими ва уни ўз қўл остидагиларга нисбатан қўллаш қобилияти бошқарув стилини ифодалайди.

Ташкилий, тақсимот ва ижтимоий-психологик усуллардан ташқари бозор шароитларида иқтисодий воситалар (кредитлар, даромад ва харажатлар, фойда, солиқлар ва ҳоказо) ҳам кенг тарқалмоқда.

Замонавий ишлаб чиқариш корхонаси мураккаб, динамик тизим бўлиб, унинг муваффақиятли фаолият юритишига корхонадаги ишчидан та раҳбаргача бўлган барча бўғинлар фаолиятини ҳисобга олувчи бошқарувнинг ташкилий тузилмаларини яратиш орқали эришилади. Бошқарувнинг ташкилий тузилмаси бошқарилаётган обьектларнинг функционал вазифаларига ва миқёсига мос келиши лозим.

Таянч иборалар

Бошқарув, меҳнат тақсимоти, бошқарув тизими, бошқарув обьекти, бошқарув субъекти, корхона раҳбари, хизмат раҳбарлари, бошқарув фаолияти, бевосита бошқарув, ўзини-ўзи бошқариш, бошқарув муносабатлари, бошқаришнинг мақсадлари, бошқарув цикли, бошқарув қарори, тамойил, ташкилий тузилма, чизиқли тузилма, бошқарувнинг функционал тузилмаси, бошқарувнинг матрициали тузилмалари, бошқарув функциялари, оптималлик, тезкорлик, ишончлилик, тежамкорлик, ижтимоий-психологик муҳит.

Назорат ва муҳокама учун саволлар

1. “Бошқарув” ва ишлаб чиқаришни бошқариш тушунчаларининг моҳиятини очиб беринг.
2. Ишлаб чиқаришни ташкил этишда менеджментнинг асосий мақсади қандай?
3. Корхонада хўжалик юритиш механизми нимани англатади?
4. Корхона бошқарув органларининг асосий вазифаларини санаб беринг.

5. Ишлаб чиқаришни бошқаришнинг асосий техник қоидалари (талаблари) ва уларнинг замонавий босқичда қандай тарзда ўзгаришини тушунтириб беринг.

6. Ишлаб чиқаришни бошқаришнинг қандай стил ва усулларини биласиз?

7. Корхонада ишлаб чиқаришни бошқаришнинг ҳар хил тузилмаларини тавсифлаб беринг.

8. Бошқарув органларининг корхоналардаги асосий функцияларини кўрсатиб беринг.

Тавсия этиладиган адабиётлар

1. Ўзбекистон Республикасининг “Хусусий корхоналар тўғрисида”ги Қонуни. Қонун ва қарорлар. Т., “Ўзбекистон”, 2004., №3

2. И.А. Каримов. Ўзбекистон XXI аср бўсағасида: хавфсизликка таҳдид, тараққиёт шартлари ва кафолатлари. Т., “Ўзбекистон”, 1997.

3. И.А. Каримов “Ўзбекистон иқтисодий ислохотларни чуқурлаштириш йўлида. Т., “Ўзбекистон”, 1995.

4. И.А. Каримов. Ўзбекистон – бозор муносабатларига ўтишнинг ўзига хос йўли. Т., “Ўзбекистон”, 1993

5. Махсулот (ишлар, хизматлар)ни ишлаб чиқариш ва сотиш харажатлари таркиби ҳамда молиявий натижаларни шаклантириш тартиби туғрисадаги Низом. -Т.: 1999, 5 февраль.

6. Экономика предприятия. Учебник для ВУЗов. 3-е издание /Под. ред. В.Я.Горфинкеля, В.А.Швандара. - М.: Юнити-Дана, 2003.

7. Махмудов Э.Х. Корхона иқтисодиёти: Ўқув.қўлл. –Т.: Ўзбекистон ёзувчилар уюшмаси Адабиёт жамғармаси нашриёти, 2004.

8. Г.И. Шепеленко. Экономика, организация и планирование производства на предприятии. Учебное пособие. Ростов-на-Дону, Изд. Центр “МАРТ”, 2000.

9. Акромов Э.А. Корхоналарнинг молиявий холати таҳлили. – Т.: Молия, 2003.-223 б.

10. «Ўз Ишингизни яратинг ёки тадбиркор нималарни билиши лозим» - Тошкент шаҳри, ЮНИДО, «Бизнес маслаҳат маркази» лойиҳаси, 2003й.

11. Абдукаримов И.Т. ва бошқалар Корхона иқтисодий салоҳияти таҳлили. Т.: «Иқтисодиёт ва ҳуқуқ дунёси» нашриёт уйи, 2003.

12. В. Г. Грузинов. Экономика предприятия Учебник 2-е изд. М.: «Юнити Дана» 2003.

13. Сенге Питер М. и др. пер с англ. Танец перемен: новўе проблемў самообучаюхихся организаций М.: ЗАО Длимп-Бизнес 2004.

14. Котте Д./ Пер. С англ. Управление инфраструктурой организаций М.: ОАО Типография «НОВОСТИ» 2001.

15. Экономика предприятия. 3-е изд., перераб. и доп. Учебник для вузов / Под ред. проф. В.Я. Горфиннелия, проф. В.А.Швандара М.: ЮНИТИ-ДАНА 2004.

16. Сергеев И.В Экономика предприятия. 2-е изд. пераб. и доп. Учебное пособие М.: ФиС 2004.

17. Кристенсен Клейтон М. Как из-за новўх технологий погибают сильнўе компании /Дилемма инноватора Пер.с англ. М.: Альгина Бизнес Бука 2004.

18. Мескон М.Х., Альберт М. и др. Основў менеджмента: Пер с англ. – М.: Дело,2000.-704с.

19. Смирнов Э.А. Управленческие решения М.: ИНФРА-М, 2001.-264с

20. <http://www.harvard.edu>

21. <http://www.capitul.ru>

22. <http://www.5b.ru>

В МАВЗУ. КОРХОНА ФАОЛИЯТИНИ РЕЖАЛАШТИРИШ ВА БАШОРАТ ҚИЛИШ

- 5.1. Бозор иқтисодиёти шароитларида режалаштириш ва башорат қилишнинг иқтисодий табиати ва объектив зарурияти.
- 5.2. Корхонада режалаштиришнинг услугубий асослари, тамойиллари ва вазифалари.
- 5.3. Корхоналарда режалаштириш ва башорат қилиш.
- 5.4. Режалаштириш технологияси ва корхона режалари тузилмаси.
- 5.5. Бизнес-режа, унинг мазмуни ва ишлаб чиқиши тартиби.

5.1. Бозор иқтисодиёти шароитларида режалаштириш ва башорат қилишнинг иқтисодий табиати ва объектив зарурияти

Иқтисодиёт бўйича замонавий адабиётларда ва қўлланмаларда **режалаштиришига** мўлжалланган иш ёки маълум бир харакатларни бажариш муддати, тартиби ва кетма-кетлигини кўзда тутувчи чора-тадбирлар тизими сифатида изоҳ берилган. Ҳар бир инсон ўз иш куни, дам олиш куни, байрамлар, ёзги таътил, тўй ва бошқа тадбирларни қандай ўтказишни режалаштиради. Айнан режалаштириш ва башорат қилиш йўли билан корхоналар **нимани, ким учун, қачон ва қанча** маҳсулот ишлаб чиқариш, қайси ҳамкорлар ёки шериклар билан шартнома тузиш ёки кооперацияни ривожлантириш, зарур бўлган моддий-товар бойликлари заҳирасини яратиш каби бир қатор масалаларни ҳал қиласди.

Бозор муносабатларига ўтгандан сўнг режалаштириш бир оз ёддан кўтарилиб қолди. Ҳаттоқи режалаштириш хўжалик юритишининг бозор механизмига тўғри келмайди ёки бозор режалаштиришга зиддир, деган фикрлар ҳам пайдо бўлди.

Деярли ҳар бир корхонага “юқоридан” директива вазифалари, назорат рақамлари, қатъий норматив ва лимитларни белгилаб берувчи режалаштириш, ҳақиқатдан ҳам бозор механизмига тўғри келмайди ва корхоналарнинг мустақиллигини йўқка чиқаради. Шу сабабли Ўзбекистон Республикасининг “Корхоналар тўғрисида”ги қонунида, корхоналарнинг истеъмолчилар талаби, фойда ёки даромад олиш нуқтаи назаридан ўз фаолиятини мустақил равища танлаши ва ишлаб чиқаришни ривожлантириш истиқболларини белгилаб олиши кўрсатилган.

Халқ мақолларида айтилганидек, “тоғорадаги сувни ичидаги бола билан бирга сепиб юбориш ярамайди”. Аввалги хўжалик юритиши тизимида мавжуд бўлган, “марказ”дан бошқарилувчи марказлашган режалаштиришни инкор қилиш билан режалаштиришдан умуман воз кечиш мумкин эмас. Режалаштириш туфайлигина корхоналар ишлаб чиқаришни ташкил этиш ва технологияларнинг оптимал варианatlарини танлайди, ресурслар билан ўз вақтида таъминлаш вазифасини бажаради, асосий ва айланма воситаларга эҳтиёжни белгилаб беради, маҳсулотни сотиш каналлари ва усувларини аниқлайди. Бундан ташқари, режалаштириш ишлаб чиқариш заҳиралари ва

рақобатдаги устунликлардан максимал даражада фойдаланиш, иқтисодиётдаги янги оқимларни англаб олиш, корхона фаолиятидаги камчиликларни йўқотиш ва турли хил таваккалчиликларни камайтиришга имкон беради. Ҳар бир корхонани ташкил қилиниши ва фаолият юритиши айнан режалаштиришдан бошланади.

Режалаштириши тартибга солувчи жараён сифатида корхона фаолиятини яқин ва узок истиқбол сари илгари суриш, асослаб бериш, муайянлаштириш ва изоҳлаб беришни ифодалайди. Охирги ҳолатда гап корхона фаолиятини башорат қилиш ҳақида бориши мумкин. Башорат қилишни режалаштиришнинг бошланиши ва узок муддатли истиқболга мўлжалланган давоми сифатида кўриб чиқиш мумкин. Режалаштириш ва прогнозлаштириш ўзаро алоқада бўлган иккита жараён бўлиб, хўжалик фаолиятини аввалдан бажарилган ҳисобкитоблар, энг кам таваккалчилик ва энг юқори натижаларга эришиш асосида юритишини кўзда тутади.

Режалаштириш корхона томонидан бажарилувчи вазифалар муайянлаштирилган режаларда ўз аксини топади. Бозор иқтисодиётида режа “ёт унсур” ёки “юқоридан” келувчи буйруқ сифатида қабул қилиниши сабабли, ҳозирги хўжалик юритиши фаолиятида **индикатив режа ва прогноз** деб номланувчи, лекин моҳиятига кўра режалаштиришнинг барча ҳолларда объектив заруриятини тасдиқловчи тушунчалардан фойдаланилади. Демак, **режалаштириш**, жумладан, индикатив режа ва прогноз – бу, корхоналарнинг хўжалик фаолияти учун маҳсулот ишлаб чиқариш ва уни сотиш учун барча омиллардан фойдаланиш ва тайёргарликнинг ўз вақтида бўлиши билан боғлиқ бўлган қулай шароитларни яратишдир.

Режа ва режалаштириш орасидаги фарқни англаш муҳим аҳамият касб этади. **Режалаштириши** индикатив режа ёки прогноз каби режаларни ишлаб чиқиш жараёни бўлса, **режа** корхонанинг маълум бир вақт мобайнида амалга оширувчи техник-иқтисодий кўрсаткичларини ўзида акс эттирувчи ҳужжатни ифодалайди. Бошқача қилиб айтганда, режа – бу, корхонанинг мақсадли функциялари ва уларни амалга ошириш йўлларини белгилаб берувчи режалаштиришнинг моддийлашган шаклидир.

Шу тариқа режалаштириш бозор ва бозор механизмига қарама-қарши бўлмасдан, аксинча, ишлаб чиқаришнинг мақбул йўналишларини аниқлаш, фойдаланилмаган заҳира ва имкониятларни қўллаш, корхонанинг оқилона баҳо сиёсатини шакллантириш ҳамда хўжалик юритиши алоқаларининг самарали шаклларини ўрнатишга кўмаклашади. Режалаштириш ва башорат қилиш ёрдами билан ички ва ташқи бозордаги истеъмолчилар талаби аниқланади, корхонанинг ташқи иқтисодий фаолияти кучайтирилади.

Бироқ режалаштириш имкониятларини мобилизация қилиш режалаштиришнинг ўзидагина ифодаланмайди. Режалаштириш одамлар, биринчи ўринда мутахассислар томонидан амалга оширилиши сабабли исталган режа ёки прогнознинг хаётга татбиқ этилиши кўп жиҳатдан иқтисодчиларнинг малакасига, улар режалаштиришнинг услубий асосларини яхши билишига, шунингдек, ишлаб чиқариш режаларининг бозор талабларини ҳамда корхонанинг мўлжалланган даромадга эришишини ҳисобга олишига ҳам

боғлиқ. Режани ишлаб чиқиши қанчалик асослаб берилган бўлса, унинг ҳақиқийлиги ва иқтисодиётдаги аҳвол билан боғлиқлиги шунчалик юқори бўлади.

Корхоналар фаолияти ва иқтисодиётда режалаштиришдан ташқари **башорат қилиш** ҳам катта роль ўйнайди. Башорат қилиш хўжалик фаолияти юритувчи субъектнинг истиқболда юзага келиши мумкин бўлган ҳолатларни илмий асослаган ҳолда аввалдан кўра билишини ифодалайди. У юзага келаётган ёки келажакда юзага келиши мумкин бўлган иқтисодий, илмий-техник ва ижтимоий ҳолатларни баҳолаш ва таҳлил қилиш асосида яратилади ҳамда муқобил қарорларни танлашга имкон яратади.

Аввалги маъмурий-буйруқбозлик тизимининг хўжалик юритиш шароитларида, кўп йиллар давомида фан-техника тараққиёти ва унинг ижтимоий-иктисодий оқибатларининг узоқ муддатли истиқболи ишлаб чиқилган. Унинг асосида ҳалқ хўжалигининг алоҳида тармоқлари, шунингдек, республикалардаги ишлаб чиқариш кучларининг ривожланиш истиқболлари шакллантирилар эди. Бироқ бу башоратлар доим ҳам ишончли эмасди ва асосийси, доим ҳам амалиётда қўлланавермас эди. Бу эса бошқа сабаблар билан бирга ўтган асрнинг 80-йиллари охирида иқтисодиёт инқирозга учрашига олиб келди. Бошқача қилиб айтганда, хўжалик амалиёти режалаштириш ва башорат қилишнинг устунликларидан етарлича фойдалана олмади. Шу сабабли иқтисодий фаолият башоратларини ишлаб чиқиши ва қўллаш бўйича жаҳон тажрибасини ўрганиш ва унинг ўзига хос хусусиятларини мамлакатимиздаги ишлаб чиқариш ва юзага келаётган бозор муносабатлари шароитларида қўллаш жуда муҳимдир.

Башорат қилиш режалаштириш тавсифида ўз аксини топади: ишлаб чиқариш ва корхона иқтисодий ҳаётининг бошқа жиҳатларини **стратегик режалаштириши** - ўрта ва узоқ муддатли башоратлар асосида ҳамда **жорий режалаштириши** - қисқа муддатли башоратлар асосида ишлаб чиқилади. Бу йўналишларнинг иккаласи ҳам ўзаро узвий алоқада бўлиб, ишлаб чиқариш стратегиясини фан-техника тараққиёти ва ҳаётининг реал воқелиги билан боғлайди.

Башоратнинг мақсади - бозорга таъсир қилувчи омилларни, шу билан бирга, хўжаликнинг умумий аҳволи, тузилмавий силжишлар, инвестицион фаоллик, фан-техника тараққиётининг истеъмолчи ва ишлаб чиқарувчиларга таъсир кўрсатиши, анъанавий маҳсулотлардан ташқари корхонанинг барқарорлиги ва рақобатбардошлигига олиб келувчи «пионер» (янги) маҳсулот ишлаб чиқариш истиқболида юзага келиши мумкин бўлган ҳолатларини белгилашдадир. Корхоналар учун талабни прогнозлаштириш муҳим аҳамиятга эга бўлиб, у ишлаб чиқарилаётган маҳсулотлар тури ва миқдорининг ўзгаришини аввалдан аниқлаб беради. Умуман олганда, прогноз режалаштиришнинг илмий асосидир.

5.2. Корхонада режалаштиришнинг услубий асослари, тамойиллари ва вазифалари

Режалаштириш услубияти – бу иқтисодиётни бошқаришнинг турли бўғинларида, жумладан, корхоналарни бошқаришда режаларни ишлаб чиқиш усуллари мажмуасидир. Аввалги режали иқтисодиёт шароитларида у аввало режа органларининг, ҳам собиқ иттифоқ миқёсида, ҳам алоҳида республикалар миқёсида амал қилган *иқтисодий ва ижтимоий ривожланишинг асосий йўналишларини ишлаб чиқши бўйича услубий кўрсатмаларга* таянар эди. Иқтисодиётнинг муҳим соҳа ва тармоқларини жорий ва истиқболли режалаштириш ушбу кўрсатмалар асосида амалга оширилади.

Мазкур ҳолатда режалаштириш услубиятига кўра, “юқоридан пастга” тамойили асосида назорат рақамлари, лимит ва нормативлар туширилар, кейин эса “пастдан юқорига” тамойили асосида, яъни корхоналардан юқори турувчи органларга қайта узатилар эди. “Юқори” даражада режа кўрсаткичлари йириклишган тавсифли бўлса, корхоналар миқёсида эса ишлаб чиқариш билан боғлиқ ҳолда муайян ва деталли тавсифга эга бўлади. Режалаштиришда ушбу тизимнинг камчилиги шунда эдики, деярли ҳар бир корхонанинг фаолият режаси мажбурий тарзда “юқоридан” тасдиқланиши зарур эди. Бусиз режа ўз реалигини йўқотар эди.

Бозор иқтисодиёти шароитларида корхоналар ўз фаолиятини режалаштиришни мустақил равишда амалга оширади. Бироқ бу режалаштиришнинг текшириб кўрилган ва фойдали усулларидан воз кечишни англашмайди. Бугунги шароитларда ҳам корхоналар фаолиятини режалаштириш-техник-иктисодий ҳисоб-китоблар, прогрессив норма ва нормативлар, иқтисодий таҳлил, муқобил варианtlарни танлашга асосланади.

Режалаштиришнинг энг кўп тарқалган усуллари қаторига қуйидагиларни: баланс, норматив, иқтисодий-математик, статистик, омиллар бўйича, кўп вариантли ҳисоб-китоб усули кабиларни киритиш мумкин. Режаларнинг асосланганлик даражасини оширувчи ва уларни тезда амалга оширилишига хизмат қилувчи, шунингдек, таваккалчилик ва вужудга келиши мумкин бўлган талофатларни камайтирувчи усул энг самарали усул ҳисобланади.

Хозирги пайтда *баланс усули*нинг аҳамияти ошиб бормоқда. Ушбу усулнинг моҳияти, ўзаро алоқада бўлган кўрсаткичларни солишишириш билан ифодаланади. Баланс усули асосида корхонанинг ишлаб чиқариш воситалари, ишчи кучи, ишлаб чиқариш қувватига бўлган талаблари ва уларнинг манбалари аниқланади. Бундан келиб чиқсан ҳолда *моддий баланс, ишлаб чиқариш қувватлари баланси, ишчи кучи баланси, иш вақти баланси, қиймат балансини* ажратиб кўрсатиш мумкин. Баланслар, қоидага кўра, эҳтиёжлар ва уларга мос келувчи ресурсларнинг мавжудлиги ёки манбаларини ўз ичига оловчи, ўзаро мослашувчи жадвал тузилади.

Баланс усули *норматив усули* билан биргаликда қўлланади. Норматив усулида ресурсларни сарфлашнинг йўл қўйиши мумкин бўлган энг юқори ва энг қўйи чегаралари аниқланади. Бунда ишлаб чиқаришни режалаштириш ва ташкил этишда норма ва норматив каби тушунчалардан фойдаланилади.

Норма (меъёр) – бу, белгиланган сифатдаги маҳсулот бирлиги (иш, хизмат) тайёрлаш учун сарфланувчи хом ашё, материал, ёқилғи, энергия ва бошқа ресурслардан фойдаланишинг йўл қўйилиши мумкин бўлган максимал

ёки минимал чегарасидир. Агар ресурслардан фойдаланиш нормаларини камайтириш маҳсулот сифатининг пасайишига ёки белгиланган стандартлар талабарининг бузилишига олиб келадиган бўлса, у ҳолда бу нормаларни камайтириш мумкин эмас.

Норматив – бу, нисбий катталик бўлиб, асосан фоизлар ёки коэффициентлар ёрдамида акс эттирилади. У меҳнат воситалари ва предметларидан фойдаланиш даражасини, уларнинг ҳар бир майдон бирлиги, оғирлик бирлиги, ҳажм бирлигига сарфланишини тавсифлаб беради. Масалан, асосий фондларнинг бирлик қийматига маҳсулот ишлаб чиқариш (фонд қайтими), сутнинг мойлилик, винонинг спиртлилик даражаси (фоизларда), автомашинанинг босиб ўтган йўли, автомобиль шинасининг эксплуатацияси ва ҳоказо.

Норма ва нормативлар прогрессив тавсифга эга бўлиши, яъни уларни ишлаб чиқишида замонавий фан, техника ва технология ривожланишининг даражаси, меҳнат ва ишлаб чиқаришни ташкил этиш, ишлаб чиқариш қувватларидан тўлиқ фойдаланиш ҳамда илғор корхоналарнинг тажрибаларини ҳисобга олиш зарур. Шунингдек, улар доимий равишда қайта кўриб чиқилиши, эскирган норма ва нормативлар янги, хўжалик ҳаёти ва давр талабларига жавоб берувчи норма ва нормативлар билан алмаштирилиши лозим.

Норма ва нормативлар қуидаги асосий групкалар асосида ишлаб чиқилади:

- * **тирик меҳнат харажати нормалари** (маҳсулот бирилигига сарфланувчи иш вақти нормаси, вақт бирилигига ишлаб чиқариш нормаси, хизмат кўрсатиш нормаси, миқдор нормативи);
- * **моддий харажат нормалари** (хом ашё, материал, ёқилғи, энергия, бутловчи қисмлар);
- * **ишлаб чиқариш жараёнини ташкил этиши нормативлари** (ишлаб чиқариш циклининг давомийлиги, тугалланмаган ишлаб чиқариш ҳажми, ишлаб чиқариш заҳиралари ва ҳоказо);
- * **меҳнат воситаларидан фойдаланиши нормалари** (машиналар, асбоб-ускуналар, механизмлар, курилмалар);
- * **корхона, цех, асбоб-ускуналарнинг лойиҳа қувватига чиқиши вақти нормалари.**

Кўриниб турибдики, режалаштириш жуда мураккаб ва меҳнат талаб қилувчи жараён бўлиб, корхона фаолиятининг ресурслар харажатини нормалаштиришдан то маҳсулот ишлаб чиқариш ва реализация қилишгача барча кўрсаткичларини инобатга олади. Режалаштиришнинг **асосий вазифалари** қуидагилар:

- * мақсадни белгилаш;
- * корхона фаолиятининг турли хил йўналишлари, айниқса, халқ хўжалиги ва аҳоли учун зарур бўлган масулот ишлаб чиқаришнинг иқтисодий жиҳатдан мақсадга мувофиқлигини асослаб бериш;
- * зарурий моддий-техника асосини шакллантириш;
- * молиялаштириш манбаларини аниқлаш;

* якуний натижаларнинг ижобий бўлишига эришиш.

Амалиётда бу вазифаларни корхона директори ёки иқтисодий-режалаш хизматининг ўзи бажармайди ёки бажариши лозим эмас. Бунда бутун жамоа, айниқса, агар бу корхона акциядорлик жамияти шаклида фаолият кўрсатаётган бўлса, иштирок этиши зарур. Афсуски, корхона ходимлари кўпинча “раҳбарга кўпроқ нарса кўринади” тамойили асосида ишлайдилар ва яхшироқ натижаларга эришиш учун ташаббускорлик кўрсатмайдилар. Тажрибалар эса корхона муаммоларини ҳал қилиш барча ходимлар, жумладан, ишчиларга ҳам бўлган ҳолдагина бу корхоналар гуллаб-яшнаши мумкинлигини кўрсатади.

Бугунги кунда бозор иқтисодиёти корхонанинг ишлаб чиқариш фаолиятини режалаштириш ва рационал бошқариш тизими ҳамда максимал равища қулай шароитларни яратмоқда. Бундай шароитларда режалаштириш бозор иқтисодиёти ва бозор муносабатларининг барча имкониятларидан фойдаланишга хизмат қилиши лозим. Корхона фаолиятини умуман эмас, балки ҳар бир муайян ҳолдаги вазифаларни ҳал қилишга йўналтирган ҳолда режалаштириш зарур. Бунинг учун режалаштиришнинг илмийлик, комплекслилик, узлуксизлик, оптималлик, мослашувчанлик каби тамойилларига таяниш зарур.

Корхона, айниқса, агар у йирик бўлса, асосий, ёрдамчи ва хизмат кўрсатувчи цехлардан иборат бўлиб, уларнинг ҳар бири фақат ўзига хос бўлган вазифани бажаради ва шунга мос ҳолда фаолиятни режалаштириш ва тартиба солишининг ўзига хос хусусиятига эга бўлади. Шундан келиб чиқсан ҳолда **етакчи бўгинни ажратиб кўрсатиш** режалаштиришнинг асосий тамойилларидан бири бўлиб хизмат қиласди. Бунда корхонанинг асосий ишлаб чиқариш вазифалари бажарилишини таъминловчи бўлинмасини ривожлантиришга кўпроқ эътибор қаратилади. Масалан, бундай бўғин сифатида машинасозлик заводида йиғув цехи, тўқимачилик комбинатида йигирув ва тўқув цехлари, қандолатчилик фабрикасида тайёр масулот цехини кўрсатиш мумкин.

Етакчи бўгинни ажратиб кўрсатиш корхонанинг барча бўлинмаларини биргаликда комплекс равища ривожлантиришни кўзда тутади. Чунки бусиз режалаштириш бир томонлама бўлиб қолиши ҳамда ишлаб чиқаришни ташкил этишда “тор жойлар” ва диспропорциянинг вужудга келишига олиб келиши мумкин. Шу сабабли корхона фаолиятининг иқтисодий-ишлаб чиқариш режаси кўрсаткичлари ва бўлимларининг ўзаро алоқада бўлишини ҳамда комплекс режалаштиришни таъминлаш муҳим аҳамият касб этади. Бу ерда ҳам режалаштиришнинг баланс усули катта аҳамиятга эга.

Режалаштиришнинг яна бир муҳим тамойили **илмийлик** бўлиб, у аввало тайёрланаётган режалар ва ишлаб чиқаришни ривожлантириш дастурларига, шунингдек, фан-техника тараққиёти талаблари, рақобатчилик ва бозор талабларини ҳисобга олишга асосланади. Режалаштиришнинг илмийлиги, жонли меҳнат ва маҳсулотга айланган меҳнат харажатларининг энг кам миқдорида иложи борича юқори натижаларга эришишга, шунингдек, корхона ходимлари манфаатдорлигини оширишга кўмаклашади.

Комплекслилик тамойили ишлаб чиқаришни, биринчидан, замон ва маконда, иккинчидан, ишлаб чиқаришни бошқаришнинг горизонтал ва вертикалида, учинчидан, ишлаб чиқаришнинг ресурс асосларини таъминлашда, тўртинчидан, ишлаб чиқаришдаги “тор жойларни” ҳисобга олиш ва уларни йўқотиш чора-тадбиралрида, бешинчидан, ходимларнинг ўз меҳнатлари натижасидан моддий ва маънавий қониқишида, олтинчидан, корхонанинг мўлжалланаётган даромад ёки фойда ошишини амалга оширишни кўзда тутади.

Пропорционаллик нафақат ишлаб чиқаришни режалаштиришда, балки ишлаб чиқаришни бошқаришда ҳам муҳим аҳамият касб этади. Зарур пропорцияларга амал қилиш ишлаб чиқариш воситалари ва ишчи кучининг цехлар ва иш жойлари бўйича ҳамда ишлаб чиқариш босқичларида тўғри тақсимланишига ва улардан тўғри фойдаланишга кўмаклашади. Пропорцияларга амал қиласлик эса, аксинча, ишлаб чиқаришнинг баъзи участкаларда кучайиб, бошқаларида пасайишига, яъни диспропорцияларнинг вужудга келишига ҳамда корхоналарнинг норитмик тарзда фаолият юритишига сабаб бўлади. Зарурий пропорционалликни таъминлашда ишлаб чиқаришни ташкил этишни техник-иктисодий нормалаштириш катта роль ўйнайди.

Режалаштиришнинг узлуксизлиги ишлаб чиқаришни ва умуман, корхона фаолиятини ташкил этишнинг муҳим тамойили ҳисобланади. Бу тамойил амалда жорий режаларнинг истиқболдаги режалар билан, истиқболдаги режаларнинг эса башоратлар (прогноз) билан боғлиқ бўлишида ўз аксини топади. Бошқача қилиб айтганда, режалаштириш қисқа муддатли тавсифга эга бўлган индикатив режа табиатига мос келмовчи, январдан марта гача ёки мартдан декабргача, яъни “...дан” “...гача” тамойили асосида амалга оширилмаслиги лозим. Режалаштиришнинг “...дан” “...гача” тамойилини инкор қилганда биз аввало вақт бўйича режалаштириш узилишининг олдини олишни кўзда тутамиз. Масалан, ўша индикатив режа ўз давомига эга бўлиши, яъни корхона ўз фаолитини январь-март ойларига режалаштирганда кейинги даврларда юзага келиши мумкин бўлган вазифаларни ҳам, албатта, бозор конъюнктураси, истеъмолчилар манфаати ва ишлаб чиқариш ҳолатларининг ўзгаришини кўзда тутиши лозим. Бу вазифа асосан йил давомида амалга оширилувчи режаларни аниқлаштириш ва муайянлаштириш йўли билан бажарилади.

Оптималлик ҳам режалаштириш тамойиллари қаторига киради. Режалар барча ишлаб чиқариш ресурсларидан чиқитлар ва йўлдош маҳсулотлардан кенг фойдаланишни инобатга олган ҳолда иложи борича рационал ва унумли фойдаланишни таъминлаши ҳамда юқори натижаларга эришиш учун энг самарали йўлларни танлаши керак.

Режалаштиришнинг оптималлигига иқтисодий-математик усуллар ва электрон ҳисоблаш машиналарини қўллаш, режаларнинг бир нечта вариантларини ишлаб чиқиши ёрдамида эришилади. Кўп вариантлилик энг тежамкор режа варианти ёки корхона фаолияти дастурини танлашга имкон яратади.

Мослашувчаник режалаштиришнинг бозор шароитларидаги муҳим тамойили ҳисобланади. У ишлаб чиқариш режаларига ўз вақтида

ўзгартеришлар киритиш, истеъмолчилар ва харидорлар талабларини ҳисобга олиш, ишлаб чиқаришнинг юзага келиши мумкин бўлган пасайиши ва инқирозларнинг олдини олишга ёрдам беради. “Корхоналар тўғрисида”ги қонун ишлаб чиқаришни режалаштиришда ушбу тамойилни амалга ошириш учун зарур бўлган шароитларни яратади.

Бироқ ҳеч қандай тамойил, жумладан, юқорида санаб ўтилган тамойиллар ҳам, ўзидан-ўзи, яъни шу тамойиллар учунгина керак эмас. Агар амалиётда қўлланмаса бу тамойиллар фақат қофозда қолиб кетиши ёки оддий чақириқ бўлиб қолиши мумкин. Шу сабабли корхона раҳбарининг режалаштириш жараёнини, аниқроғи, режанинг бажарилиши ҳамда режалаштиришнинг белгиланган ва бошқа тамойиллари қандай акс эттирилганлигини **назорат қилиши** муҳим аҳамият касб этади. Назорат керакли натижаларга эришиш, юзага келиши мумкин бўлган диспропорцияларни аниқлаш ва уларнинг олдини олиш, шунингдек, заҳираларни аниқлаш ва улардан фойдаланиш йўлларини белгилашга имкон берди.

5.3. Корхоналарда режалаштириш ва башорат қилиш

Хўжалик юритишининг бозор тизимиға хос бўлган иқтисодий муносабатлар ривожланишининг ноаниқлиги, корхона иқтисодиёти ривожланишининг мос келувчи йўналишларини ишлаб чиқиш заруриятини белгилаб беради. Бу вазифа амалда режалаштириш ва башорат қилиш ёрдамида амалга оширилади.

Башарот – бу, корхона, объект ёки ҳодисанинг келажақдаги аҳволи ва уларни амалга ошириш варианtlари ва муддати тўғрисидаги илмий жиҳатдан асосланган мулоҳазадир. Башоратларни ишлаб чиқиш жараёни башорат қилиш, яъни келажакни ҳозирги пайтдан келиб чиқсан ҳолда олдиндан кўра билиш деб аталади.

Корхона ҳамда бутун иқтисодиёт миқёсида башорат қилишининг обьектлари сифатида иқтисодий, ижтимоий, фан-техника ва бошқа жараён ва ҳодисаларни кўрсатиш мумкин. Корхоналар фаолиятида **иқтисодий башоратлар** алоҳида ва етакчи ўрин эгаллайди. Уларнинг асосий вазифалари қаторига қуидагиларни киритиш мумкин: ривожланиш мақсадларини белгилаш, оптимал йўналишлар ва уларга эришиш воситаларини излаб топиш, ресурсларни ва қўйилган вазифаларни бажариш муддатларини белгилаш, корхона ривожланишига таъсири кўрсатиши мумкин бўлган чеклашларни аниқлаш.

Режалаштириш – қарор қабул қилишининг узлуксиз бир жараёни бўлиб, бу жараён давомида корхона фаолияти ва ривожланишининг мақсад ва вазифалари атрофда рўй бераётган ўзгаришларни инобатга олган ҳолда вақт бўйича аниқланади ва белгиланади ҳамда уларни амалга ошириш учун ресурслар аниқланади. Мазмунига кўра, режалаштириш техник-иктисодий ва тезкор-ишлаб чиқариш турларига бўлинади.

Техник-иктисодий режалаштириш корхона фаолиятининг барча (иктисодий, техник, ижтимоий ва ҳоказо) жиҳатларини қамраб оловчи режалаштириш тури бўлиб, асосан бир йилга мўлжалланган иқтисодий ва

ижтимоий ривожланиш режаси шаклида амалга оширилади. Мазкур режалаштириш турининг соддалаштирилган кўриниши кўпинча корхона фаолиятининг йиллик режаси деб аталади.

Тезкор-ишлаб чиқариш режалаштириш техник-иктисодий режалаштиришнинг давоми бўлиб, корхона фаолияти йиллик режасини янада қисқароқ муддатга - сутка, ўн кунлик, ойга бўлиб муайянлаштириш билан тавсифланади. Тезкор-ишлаб чиқариш режалаштириш-календарь режалаштириш ва диспетчерлашдан иборат бўлади.

Календарь режалаштиришда корхона йиллик режасида ва биринчи ўринда ишлаб чиқариш дастури(маҳсулот тайёрлаш режаси)ни ўн кунлик, ҳафта, кун ва смена бўйича аниқлаштириш ҳамда бу кўрсаткичларни бажарувчиларга етказиш кўзда тутилган.

Диспетчерлаштириш ойлик, ўн кунлик, кунлик сутка-сменалик режаларни бажаришни тезкор бошқаришда ифодаланади.

Шуни қайд қилиш керакки, юкорида кўрсатиб ўтилган режалаштириш турлари асосан машинасозлик, самолётсозлик, автомобильсозлик каби соҳаларнинг йирик ва баъзи ҳолларда ўрта корхоналари учун хосдир. Гарчи, бизнес-режа ҳозирги кунда “оммавий” бўлиб йирик ва ўрта корхоналарда қўллансада, асосан ишлаб чиқариш ҳажми катта бўлмаган ҳамда ходимлар сони 100 кишигача бўлган кичик корхона ва микро фирмалар бизнес-режалар асосида фаолият юритади.

Яна бир муҳим нарсани айтиб ўтиш лозим. Ҳозирги пайтда иктиносидиётга оид бўлган адабиётларда режалаштиришга нисбатан **стратегик, узоқ муддатли, қисқа муддатли ва жорий режалаштириши** каби тушунчалар қўлланмоқда. Уларнинг ҳар бири ўз шакли, кўрсаткичларни ишлаб чикиш ва ҳисоблаш усулларига эга.

Стратегик режалаштириши хўжалик юритишнинг бозор тизимида гина вужудга келиб, 10-15 йиллик даврни ўз ичига олади. У корхона раҳбариятининг масъулиятли вазифаси ҳисобланади ҳамда ривожланишнинг устивор йўналишларини топиш ва бозорда юзага келиши мумкин бўлган талабни инобатга олган ҳолда ресурс билан таъминлашга қаратилган.

Стратегик режалаштириш асосида яқин 3-5 йилга мўлжалланган **узоқ муддатли режалаштириши** амалга оширилади. У корхона фаолиятининг ишлаб чиқариш, сотиш, харажатлар, молия каби турларини ўз ичига олади ҳамда ўз мазмуни ва мақсадли функцияларига кўра, стратегик режалаштиришдан фарқ қилмайди.

Қисқа муддатли режалаштиришида корхона фаолияти ва ривожланиши 1-3 йилга мўлжаллаб режалаштирилади. Унинг ўзига хослиги шундаки, биринчи йил кўрсаткичлари ҳар чорақда, иккинчи ва учинчи йил кўрсаткичлари эса ҳар ярим йил ёки бир йилда аниқлаштирилади ва тўғрилашлар киритилиб борилади. Бунинг мақсади сифатида эса, режа кўрсаткичларининг иктиносидий муҳит, бозор ва фан-техника тараққиётида юз бераётган ўзгаришларни тўлароқ акс эттиришга интилишни кўрсатиш мумкин.

Бозор муносабатларида рақобатчиликни кучайтириш ҳамда хўжалик юритиш ва ҳаётий жараёнлар динамикаси ҳисобига **жорий режалаштириши**

амалга оширилиб, унга чоракларга бўлинган йиллик режалар асос қилиб олинади. Ушбу режалар қоидага кўра, ўзгарувчан бўлиб, жорий йилнинг биринчи уч ойи учун **қатъий, ҳаётий кўрсаткичлар** белгиланиб, кейинги тўққиз ой давомида уларга тўғрилашлар (корректировка) киритилади. Улар қисқа муддатли режаларга қараганда, айниқса, ишлаб чиқариш ҳаракати ва моддий-товар бойликлари заҳираси, баҳони шакллантириш қисмида янада аникроқ ҳисобланади. Умуман олганда, корхонанинг турли бўлим ва хизматлари вазифалари бундай режаларда ўзаро боғланади.

Режалаштиришнинг исталган тури корхона фаолиятининг бирон-бир жиҳатини акс эттирувчи, умумий ва хусусий, сифат ва миқдор кўрсаткичларига асосланади.

Умумий ва умумлаштирувчи кўрсаткичлар корхонада ишлаб чиқариш ривожланишининг йўналиши ва даражасини акс эттиради. Бундай кўрсаткичлар қаторига ишлаб чиқарилаётган маҳсулот ҳажми, меҳнат, таннарх ва жамғармалар бўйича кўрсаткичларни киритиш мумкин.

Хусусий кўрсаткичлар умумлаштирувчи кўрсаткичлар асосини ташкил қилувчи алоҳида элементларни, масалан, материал, ёқилғи, энергия ва шу кабиларнинг маҳсулот таннархидаги салмоғини тавсифлайди. Шунингдек, бу кўрсаткичлар асосий кўрсаткичлар даражасига таъсир ўтказувчи алоҳида омилларни ҳам тавсифлаб беради. Масалан, ёрдам кўрсатувчи ишчилар салмоғининг меҳнат, ишлаб чиқариши даражасига таъсири; асбоб-ускуналарни иш билан таъминлаш коэффициентининг ишлаб чиқарилаётган маҳсулот ҳажми ва корхона ишлаб чиқариш дастурининг бажарилишига таъсири; хом ашё ва материаллардан фойдаланиш коэффициентининг маҳсулот таннархи пасайишига таъсири ва ҳоказолар.

Умумлаштирувчи ҳамда хусусий кўрсаткичлар иккита категорияга - миқдор (абсолют) ва сифат (нисбий) категорияларига бўлиниши мумкин.

Миқдор кўрсаткичлари корхонанинг ишлаб чиқариш ва хўжалик юритиш фаолиятини ҳажм ўлчамида изоҳлайди. Бундай кўрсаткичлар қаторига ишлаб чиқарилаётган маҳсулотлар миқдори, ишлаётган ходимлар сони ва меҳнатга ҳақ тўлаш фонди, машина ва асбоб-ускуналар парки, ишлаб чиқариш дастурини амалга ошириш учун зарур бўлган материаллар миқдори, цех ҳамда иш жойлари сони ва ҳоказоларни киритиш мумкин.

Сифат кўрсаткичлари корхонанинг ишлаб чиқариш фаолиятидаги ўзгаришларни нисбий катталиклар: меҳнат маҳсулдорлигининг ўсиши, маҳсулот таннархининг базис даврга (ёки режа ҳисботига) нисбатан фоизларда камайиши, маҳсулотнинг тўлиқ таннархига нисбатан фоизларда даромад ҳажми, корхона рентабеллик даражасининг ўсиши ва шу кабилар ёрдамида тавсифлайди.

Сифат кўрсаткичлари аксари ҳолларда пул қийматида ифодаланиши сабабли, корхоналарнинг хўжалик фаолиятини режалаштириш ва таҳлил қилиш амалиётида асосий ва айланма фондлар, асбоб-ускуналар, сарфланаётган ёқилғи, энергия ва бошқа материаллар каби **қиймат кўрсаткичларидан** фойдаланилади. Қиймат кўрсаткичлари корхона фаолиятида қўлланилувчи турли хилдаги воситаларни статика ва динамикада таққослаш имконини

беради. Бундан ташқари, соликлар ва турли хил тўловлар ҳамда корхона даромади фоизлардан ташқари пул кўринишида ҳам ўлчанади.

Корхона фаолиятини режалаштириш корхона ва унинг бўлинмалари фаолиятини таҳлил қилишдан бошланишини айтиб ўтиш муҳим. Мазкур таҳлил давомида режанинг сифат, миқдор ва қиймат кўрсаткичлари бўйича бажарилишига баҳо берилади ҳамда талофат ва йўқотишлар аниқланиб, корхона фаолиятини яхшилаш бўйича чора-тадбирлар ишлаб чиқлади. Айнан шу чора-тадбирлар ва янги мақсадлардан келиб чиқсан ҳолда жорий режалаштириш амалга оширилади ҳамда янги режа даврига корхона фаолияти режалари ишлаб чиқлади.

5.4. Режалаштириш технологияси ва корхона режалари тузилмаси

Режалаштириш корхонани бошқариш жараёни сифатида ўз технологиясига эга бўлиб, бу технология корхонанинг режалаштирилаётган даврдаги мақсад ва вазифаларини аниқлаш, бажарувчиларга муайян вазифаларни белгилаш, вазифаларни тури, катталиги ва муддатига кўра, аниқлаштириш, шунингдек, ишлаб чиқариш фаолияти натижаси - даромад ёки фойда олишни ўз ичига олади. Кичик корхоналарда бу вазифаларни бажариш катта корхоналарга нисбатан енгилроқ бўлсада, барча ҳолларда қуйидаги омилларни ҳисобга олиш талаб қилинади:

- * ишлаб чиқариш қувватининг мавжудлиги ва тузилмаси;
- * ходимлар сони, ихтисос таркиби ва малакаси;
- * молиявий ресурслар;
- * айланма маблағлар мавжудлиги ва унга бўлган эҳтиёжлар, жумладан, моддий-товар бойликлари заҳиралари;
- * илмий-техник тадқиқотлар тузилмаси ва тайёрлик даражаси;
- * маҳсулотни сотиш каналлари.

Режалаштириш, режа лойиҳасини унинг маҳсулот ишлаб чиқариш ва сотиш режаси, моддий-техника таъминоти режаси, кадрлар ва ойлик маош бўйича режа, янги техника ва капитал қўйилмалар режаси, молиявий режа қаби асосий қисмлари доирасида тайёрлаш билан боғлиқ бўлган **режадан аввалги даврни** ўз ичига олади. Уларнинг моддий ва молиявий ресурслар ҳамда бажариш муддати бўйича тўлиқ ўзаро боғлиқлиги ва баланслашганлиги режалаштириш жараёни ва корхона режасининг ишончлилигини таъминловчи муҳим жиҳатдир. Ўз навбатида, маҳсулот ишлаб чиқариш ишчи кучининг мавжудлиги, шартномалар бўйича маҳсулот етказиш режалари ва ишлаб чиқариш қувватлари билан, таннарх режалари эса ишлаб чиқариш дастурлари ва молиявий режа билан боғлиқ бўлади.

Режаларни ишлаб чиқишида корхонанинг барча цехлари ва функционал бўлинмалари, жумладан, молия ва режа бўлими, меҳнат ва иш ҳақи бўлими, маркетинг хизмати, бухгалтерия, техник бўлим, цех раҳбарлари иштирок этишлари зарур. Корхона режаси ва унинг бўлимлари қанчалик синчковлик билан ишлаб чиқилган бўлса, уни бажариш шунчалик енгиллашади, ресурслар камроқ талаб қилинади ҳамда иш сифати юқори даражада бўлади. Афсуски,

режанинг баланслаштирилмаганлиги, унда хатолар мавжудлиги, шунингдек, режани бажарувчиларнинг интизомсизлиги (амалга оширишни суст назорат қилиш натижасида) туфайли кўп вақт ҳамда маблағлар исроф қилинмоқда. Худди шу сабабли маҳсулот сифати пасайиб, даромад олиш ўрнига харажатлар юзага келмоқда. Бундан келиб чиқсан ҳолда режалаштиришни корхона жамоасининг функцияси деб аташимиз мумкин.

Режалаштириш табиатини 5.1 - чизма ёрдамида акс эттириш мумкин:

Режалаштириш тизими қўйидаги талабларга жавоб берган тақдирдагина самарали ва ишончли ҳисобланади:

1. Режалаштиришнинг ҳар бир элементи ва босқичи қатъий равища асослаб берилиши.

2. Режадаги вазифаларнинг аниқ ва ўз вақтида бажарилиши, яъни режанинг адреслилиги.

3. Режа бажарилишини доимий ва узлуксиз равища ҳисобга олиш, назорат қилиш ва унга зарур ҳолларда ўзгартиришлар киритиши.

4. Ички ва ташқи муҳитдаги ўзгаришларни ижобий қабул қилиш, шунингдек, корхона фаолиятини рўй берган ўзгаришларга мос равища, ўз вақтида қайта ташкил қилиш (режалаштиришнинг мослашувчанлиги).

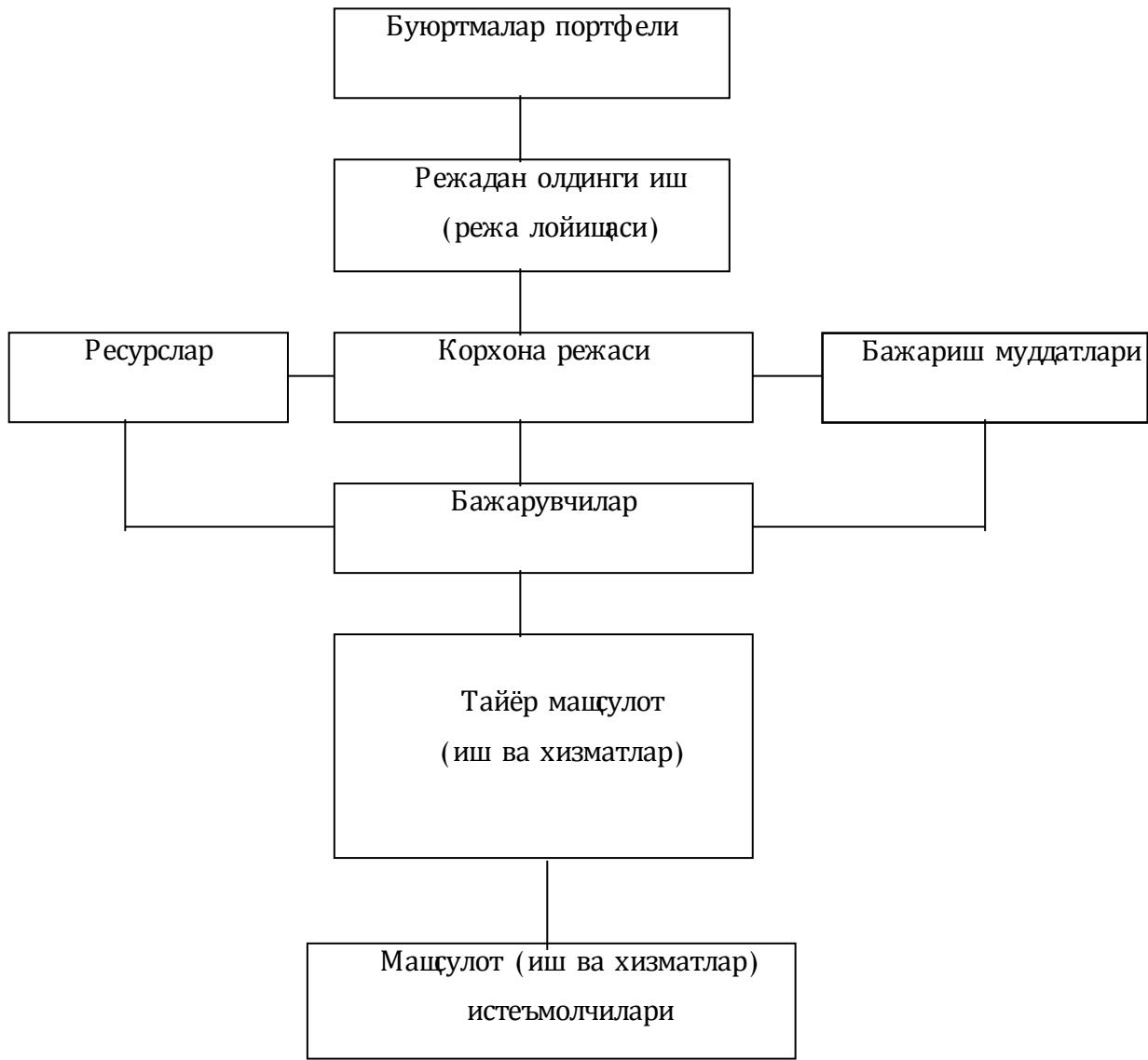
5. Фан-техника тараққиёти ва хўжалик юритишнинг илғор тажрибаларига таяниш.

Режалаштириш давомида бугунги кундан ташқари, келажакни, эртанги кунни ҳам инобатга олиш зарур. Корхона истиқболи ва бозордаги ҳолатининг барқарорлиги, кўп жиҳатдан унинг илғор техника ва фан ёрдамида яратилган энг яхши маҳсулотлар намунасини тезлик билан ўзлаштириб олиш қобилиятига боғлиқ бўлади. Шу сабабли корхоналарда ахборот тизимини яхши йўлга қўйиш ҳамда реклама фаолиятини ривожлантириш лозим. Реклама истеъмолчиларни (харидорларни) мавжуд маҳсулот билан таништиришдан ташқари, худди хориждаги каби, уларни айнан шу маҳсулотни сотиб олишга ундаши керак.

Режалаштиришнинг ҳар бир тури ўзига хос хусусиятларга эга бўлиб, бу хусусиятлар қаторига қўйидагиларни киритиши мумкин:

- * белгиланган режалаштириш оралигининг аниқлиги;
- * интеграция ва дифференциация даражаси, шунингдек, режалаштирилаётган кўрсаткичлар миқдори;
- * ишлаб чиқариш харажатлари ва натижаларини ҳисоб-китоб қилиш даражасининг аниқлиги;
- * режани тайёрловчилар ва амалга оширувчилар ўртасида мажбуриятларни тақсимлаш тартиби.

Режалаштиришда “корхона-муҳит-ҳолат” муносабатлари асосий ўринга эгадир. Бунда ишлаб чиқариш шундай режалаштириладики, натижада корхонанинг бозордаги барқарорлигини сақлаб қолиш, юзага келадиган ҳолат ва ташқи муҳитни ҳисобга олишдан ташқари, маҳсулотни тезда сотиш ва ишлаб чиқариш рентабеллигининг ўсишига имкон яратилади. Бунинг учун корхона анчадан бери ишлаб чиқарилаётган анъанавий маҳсулотлардан ташқари, янги маҳсулот турларини, жумладан, ўхшashi бўлмаган маҳсулотларни ишлаб чиқариши, маҳсулотлар турини кўпайтириши зарур.



5.1.- чизма. Корхонада режалаштириши жараёни технологияси

Барча ходимлар, айниқса, раҳбарлар, бугунги кунда келажақдаги фаолият учун қулай истиқбол яратиш нисбатан осон бўлсада, худди шу ишни 3-5 йилдан сўнг, яъни истиқболдаги кунга айланган пайтда бажариш қийинлашади ёки бунга умуман имкон бўлмайди. Шу сабабли режалаштириш жорий ҳолатдан ташқари иқтисодиёт ва фан-техника тараққиёти соҳаларидаги рўй бериши мумкин бўлган ўзгаришларни қанчалик кўп ҳисобга олса, унинг натижалари шунчалик юқори бўлади. Бу ерда корхонанинг йўлга қўйилган маркетинг хизмати, ходимлар малакаси ҳамда мамлакатимизда ва чет элда ишлаб чиқарилаётган турли маҳсулотлар ҳақидаги илмий-техник маълумотлар муҳим ўрин эгаллайди.

Умуман олганда корхонада режалаштириш тузилмаси ва мазмунини қўйидаги модел кўринишида акс эттириш мумкин (5.2 - чизма):

Режалаштириш корхонани бошқариш тизими сифатида

И ш л а б ч и қ а р и ш н и р е ж а л а ш т и р и ш т у р л а р и

| Узок муддатли режалаштириш | Жорий режалаштириш | Календарь режалаштириш | Диспетчерлаштириш ва кузатув |
|---|--|---|---|
| Узок муддатли режалар | Жорий режалар | Ҳаракатлар | Календарь дастурларини муюфикалаштириш |
| Сотиш ҳажми башорати | Махсулотлар номи ва турлари бўйича | Деталлар рўйхати (таснифи) | Материалларга бўлган талаб |
| Ишлаб чиқариш воситаларига эҳтиёжлар | Сотиш башорати Заводнинг ишлаб чиқариш қуввати | Моддий таснифлар | Ускуналарга бўлган талаб |
| Айланма воситалар(маб- лағлар)нинг моддий-товар | Заҳиралар даражаси. | Техник назорат учун маълумотлар | Ишни бажариш бўйича йўриқнома |
| бойликлари захираларига киритилиши | Ишлаб чиқариш даражаси | Операциялар | Назорат ҳужжатлари Ахборот етказиши |
| Қисқа муддатли режалар | Истеъмолчи буюртмаси билин ишлаш | кетма-кетлиги Созлашга | Фойдаланган материаллар |
| Сотиш ҳажми башорати | Бандлик | ажратилувчи вақт | Фойдаланган материаллар |
| Ишлаб чиқариш қуввати | даражаси | Операцияларни | Фойдаланган ускуналар |
| Моддий-товар | Истеъмолчи | бажариш ва | Ишлаб чиқариш: |
| бойликлари | буюртмаси | ҳаракатланиш | ишлаб чиқаришнинг |
| захиралари | билин ишлаш | Ишлаб чиқариш | бориши ва тўхтаб |
| микдори | Жорий | буюртмалари | қолишлар |
| Ишлаб чиқариш даражаси | буюртмалар | билин ишлаш | Меҳнат харажатлари |
| Янги маҳсулот ишлаб чиқаришни йўлга қўйиши | ҳажмини | Детал ва | Тайёрланган маҳсулотлар |
| Реализация ҳажмини | солишириш | қисмларга эҳтиёж | сони, (дона) |
| | Башорат | Йиғув деталлари | Вақт, ускуналар ва |
| | Ўтган йиллар | ва қисмлари | станоклардан |
| | учун буюртмалар | Хом ашё ва | фойдаланиш |
| | ҳажми | материаллар | Махсулот тайёрлаш устидан бевосита назорат |
| | Тайёр маҳсулот | Режали | Тайёрланадиган маҳсулотлар ҳисоби |
| | захираларини | бошқариш | ва яроқлилиги |
| | бошқариш | Тугалланмаган | Операциялар |
| | Махсулотни | ишлаб чиқариш | |
| | тақсимлаш | Тайёр маҳсулот | |
| | Юқлаш муддати | захиралари. | |
| | бўйича | Бош (асосий) календарь дастури | |
| | мажбуриятлар | | |
| | Буюртма қабул | | |

| | | | |
|---------------------------|----------------------|------------------------|--------------------------|
| баҳолаш | қилинганини | | оралиғида |
| Ишлаб чиқариш | тасдиқлаш | Деталлар бўйича | материалларнинг |
| воситаларига | Юклашга | календарь | деталлар дастгоҳига |
| эҳтиёж | санкция бериш | дастурлар | Жисмоний |
| Айланма | Ишлаб | | харакатланиш: |
| воситалар(маб-лағлар)нинг | чиқаришга | Асбоб- | Кўзда тутилмаган |
| моддий-товар | буюртма бериш | ускуналарни иш | тўхтаб қолишларни |
| бойликлари | Буюртма ҳажми | билан | бартараф этиш |
| захираларига | Буюртмани | таъминлаш | Тўхтаб қолиш ва |
| киритилиши | бажариш | | заиф жойларни |
| Координация ва | вақтини танлаш | | йўқотиш |
| вақт муддатини | | | Тўхтаб |
| танлаш | | | қолишларнинг |
| | | | олдини олиш |

Хозирги пайтда корхоналарнинг аксари қисми асосан жорий режалар (бизнес-режалар) тайёрлаш билан шуғулланмоқда. Бизнес-режаларда энг муҳим режалаштириш кўрсаткичлари қўйида келтирилган:

- * ишлаб чиқарилаётган маҳсулот (иш, хизмат) номенклатураси ва ҳажми (натурал кўринишида);
- * маҳсулот сотиши ҳажми (пул кўринишида);
- * маҳсулот бирлигининг таннархи;
- * фойда (даромад);
- * категориялар бўйича ходимлар сони;
- * меҳнатга ҳақ тўлаш фонди ва ўртача иш ҳақи даражаси;
- * омборлардаги хом ашё ва материаллар, тугалланмаган ишлаб чиқариш ва тайёр маҳсулот захиралари;
- * айланма воситалар ҳажми - умумий ва гуруҳлар бўйича;
- * капитал қўйилмалар ҳажми, жумладан, қўйилма обьектлари ва йўналишлари бўйича;
- * янги техника ва технологияга оид чора-тадбирлар;
- * бошқа кўрсаткичлар (зарурлиги ва аниқланишига кўра).

Янги маҳсулотлар ва технологияларни қўллаш лойиҳалари, шунингдек, инвестициялар ва қурилиш билан боғлиқ бўлган чора-тадбирларнинг бир қисми алоҳида режаларга киритилади. Улар чора-тадбирларни амалга оширишнинг бутун даврига тузилади.

Режалаштириш тизими мақбул йўлга қўйилганда режада белгиланган кўрсаткичларнинг рақамларда белгиланиши киритилган мутлақ катталик сифатида кўриб чиқилиши лозим. Режаларнинг бажарилиши устидан назорат қилиш кўп ҳолларда четга оғишларга нисбатан юритилиб, улар таҳлил қилинади, четга оғишнинг сабаблари аниқланади ҳамда четга оғишлар салбий характерли бўлса, уларга нисбатан зарурий чоралар қўлланади. Режалаштиришда моҳиятига кўра, корхона олдида турган ишлаб чиқариш вазифалари ва корхонанинг истеъмолчилар талабига муносабатига тавсифловчи буюртмалар “портфели”ни шакллантиришга алоҳида эътибор қаратилади.

5.5. Бизнес-режа, унинг мазмуни ва ишлаб чиқиши тартиби

Тадбиркорлик - корхоналар хўжалик юритиши фаолиятининг узлуксиз қисми бўлиб, фойда (даромад) олиш ва уни қўпайтиришга қаратилган бўлади. Корхоналар ҳаётида у, боқибекамликка берилиш, турғунлик ва исрофгарчиликни инкор қилишни англатади. Корхона раҳбари ёки мутахассис тадбиркорлик ва ташаббускорлик “руҳига” эга бўлмаса, демак, у бўш ёки ёмон ходим, хизматда белгиланган соатларни ўтказиб ўтирувчи шахс ҳисобланади. Аксинча, тадбиркорлик ва ташаббускорлик “руҳига” эга бўлган мутахассис ёки мансабдор шахслар ишлаб чиқариш самарадорлигини ошириш ва ривожлантириш, меҳнат сифатини кўтариш ва корхонанинг оладиган даромадларини қўпайтириш йўлларини излаб топадилар.

Тадбиркорликни қўпинча муайян шахсга “боғлаб қўядилар” ҳамда бу шахсни тадбиркор ёки бизнесмен деб атайдилар. Бундан ташқари бир гуруҳ шахслардан ташкил топувчи жамоа тадбиркорлиги ҳам мавжуд. Бу ҳолатни жамоа бизнеси ёки жамоа тадбиркорлиги деб аташ мумкин.

Агар якка шахс индивидуал тарзда ёки кичик бир жамоа воситачилик, олди-сотди, маслаҳат ва бошқа хизматлар билан шуғулланса, у ҳолда бизнес-режа талаб қилинмайди. Бошқа ҳолларда **бизнес-режа** янги корхона ташкил қилиш ёки бирон-бир тижорат лойиҳасини амалга ошириш учун мўлжалланаётган асосланган хатти-ҳаракатларни ўз ичига оловчи хужжат ҳисобланади. Унинг асосий вазифаси, корхонага ўз имкониятларини баҳолаш, бозордаги истиқболни, зарурий харажатларни аниқлаш, корхона фаолиятининг биринчи йилларида “сув остидаги тошлар”ни аниқлаш ҳамда мазкур фаолият турининг фойдали ёки заарли эканлигини баҳолаш кўрсаткичлари ёрдамида ҳисоблашга ёрдам беришда деб белгиланади.

Бизнес-режани тайёрлаш натижасида «*Ишини нимадан бошлиши керак?*»; «*Самарали ишлаб чиқаришни қандай ташкил қилиши лозим?*» «*Биринчи фойда ёки даромад қачон олинади?*», «*Инвесторлар ва кредиторлар билан қачон ҳисоб-китоб қилиши мумкин?*», «*Юзага келиши мумкин бўлган хавф-хатарни қандай камайтириши мумкин?*», «*Рақобатчилар билан курашда қандай чоралардан фойдаланиши мумкин?*» каби саволларга жавоб олинади.

Бизнес-режани тузишда қуйидаги шартларга алоҳида эътибор қаратиш зарур:

- * бизнес-режа профессионал ва шу билан бир пайтда содда, бажариш учун тушунарли ва осон бўлиши лозим;
- * бизнес-режа инвестор ёки бошқа манфаатдор шахс ўзига керакли маълумотларни қидириб топиши учун бўлимларга (БОЛларга) бўлиниши лозим;
- * бизнес-режани тайёрлашда корхонанинг бош раҳбари албатта қатнашиши шарт, чунки инвестор, банк ёки бошқа молия идораси корхона раҳбари қатнашмаганлиги ёки бошқа шахсга топширилганлиги хақида хабар топса, бизнес-режанинг ишончлилигига шубҳа уйғониши мумкин;

- * бизнес-режанинг объектив баҳоланишига эришиш керак, яъни унда хатолар ва нотўғри ҳисоб-китоблар бўлмаслиги лозим;
- * бизнес-режанинг тарқатиб юборилмаслигини назорат қилиш зарур, чунки унда бизнес тўғрисидаги маҳфий маҳсулотлар жой олган бўлади.

Режаларнинг ҳар бир тури каби, бизнес-режа ҳам, бўлим ва кўрсаткичлардан иборат бўлади. Ўнтағача бўлимни ўз ичига олувчи бизнес-режа мазмуни ва тузилишига кўра, энг мақбул ҳисобланади. Мавжуд адабиётларда қўйидаги бўлимларни ўз ичига олувчи бизнес-режалар таклиф қилинади:

1. Танланган бизнес концепцияси.
2. Ҳозирги пайтдаги ҳолат (мақсад, вазифа ва ниятлар).
3. Ташкил қилинаётган корхона ва унинг маҳсулот ҳамда хизматлари тавсифномаси.
4. Бошқарув (менеджмент).
5. Бозор тадқиқоти ва таҳлили.
6. Маркетинг ҳаракатлари режаси.
7. Ишлаб чиқариш режаси.
8. Таваккалчиликни баҳолаш.
9. Молиявий режа.
10. Бизнес-лойиҳанинг самарадорлиги.

Танланган бизнес йўналишининг концепциясини тузишда унинг рақобатбардошлиги (сифат, нарх, истеъмолчига етказиб бериш шакли, тайёрлаш технологияси ва ҳоказо); маблағларга бўлган эҳтиёжлар; ўзига жалб қилишнинг асосланганлиги(таклиф қилинаётган маҳсулотнинг бошқа маҳсулотлардан афзаллilikлари, маҳсулот ишлаб чиқаришнинг қайси босқичда эканлиги ва ҳоказо)га катта эътибор қаратиш лозим.

Концепцияда танланган товар бозоридаги аҳвол; корхонанинг танланган бизнес соҳасидаги кучли ва кучсиз томонлари; бошқа бозорга чиқиш имкониятлари; бозорга таъсир ўтказувчи қонунчилик, сиёsat, демографик ҳолат каби омиллар акс эттирилади. Бундан ташқари концепция баҳонинг ўзгариши, инфляциянинг ўсиши, капитал олиб чиқиш ёки маҳсулот олиб киришни чекловчи қонун ҳужжатларини қабул қилиниши каби шароитларда, маҳсулотни сотишни кўпайтириш учун зарур бўлган чора-тадбирларни ҳам ўз ичига олади. Ушбу бўлим танланган бизнес йўналиши мақсадлари ва ниятларининг шаклланиши билан яқунланади.

Корхона, унинг маҳсулот ва хизматлари тавсифномаси бўлимида корхонанинг жойлашган манзили, бозорга чиқиш шакли, бозордаги улуши, асосий рақобатчилари ва уларнинг кучли томонлари, технология даражаси ва харажатлар таҳлили акс эттирилади.

Мулкчилик шакли, ходимларнинг малакаси, ташқи муҳит билан муносабатлар “**Бошқарув**” бўлимида қўрсатилади.

“Бозор тадқиқоти ва таҳлили” бўлимида танланган бозор асослаб берилади, харидорларни корхона маҳсулотларига жалб этувчи рақобатчилик усуслари ҳамда бозорда баҳони шакллантириш ва ҳоказолар кўриб чиқилади.

Маркетинг режасининг асосий вазифаси корхонанинг бозордаги имкониятларига баҳо беришдадир. Маркетинг режасининг асосий элементлари сифатида товарларни тарқатиш тизими, баҳони шакллантириш, реклама, савдони рағбатлантириш усуллари, сотилгандан кейинги хизмат кўрсатишни ташкил қилиш, корхона (фирма) ва унинг маҳсулотлари ҳақида жамоатчилик фикрини шакллантириш кабиларни кўрсатиб ўтиш мумкин.

“Ишлаб чиқариш режаси” потенциал харидорларга керакли маҳсулотлар ҳажмини ўз вақтида ишлаб чиқариш имкониятининг мавжудлигини кўрсатади. Мазкур бўлимда қўйидагилар ўз аксини топади: янги ташкил қилинган ёки фаолият юритаётган корхонада товар ишлаб чиқариш жойи; бунинг учун зарур бўлган ишлаб чиқариш қувватлари ва уларнинг ўсиш истиқболлари; хом ашё ва материал етказиб берувчилар; ишлаб чиқариш кооперацияси; ишлаб чиқариш оқимлари тизимини тузиш; сифатни назорат қилиш жараёни; фойдаланиладиган стандартлар; вужудга келиши мумкин бўлган ишлаб чиқариш харажатлари.

“Тавакалчилик ва суғурталашни баҳолаш” бўлими икки қисмга бўлинади. Биринчи қисмда таваккалчиликнинг барча турлари (ёнғин, зилзила, солиқни бошқаришдаги ўзгаришлар ва валюта курсининг тебраниши) олдиндан ҳисоблаб чиқилади. Иккинчи қисмда эса таваккалчилик хавфининг олдини олиш, яъни таваккалчилик ва заарларни қисқартириш чора-тадбирлари кўрсатилади, шунингдек, таваккалчилик хавфидан суғурталаш дастури амалга оширилади.

Молиявий режа бизнес-режанинг якунловчи бўлими бўлиб, корхона фаолиятининг натижаларини тавсифлайди. У қўйидаги бўлимларни ўз ичига олади:

- * савдо ҳажмининг башорати;
- * пул даромадлари ва харажатлари баланси;
- * фойда ва зарар бўйича режа.

Мазкур режанинг кўрсаткичлари сифатида қўйидагиларни кўрсатиш мумкин:

- * товарларни сотишдан тушган даромад;
- * ишлаб чиқариш харажатлари;
- * савдодан тушган умумий фойда;
- * соф фойда;
- * корхона актив ва пассивининг солиштирма баланси;
- * заарсизликка эришиш графиги.

Шунингдек, мазкур бўлимда ишлаб чиқаришни ташкил қилиш ёки кегайтириш учун маблағ жалб қилиш режалари ҳам ифодаланади. Бўлимда корхонанинг моливий барқарорлиги ёки начорлигини аниқлаш имконини берувчи маҳсус кўрсаткичлар ҳисоб-китоби ҳам келтирилади.

Қисқача хulosалар

Тадбиркорлик фаолиятининг муваффақиятга эришиши кўп жиҳатдан ишлаб чиқарishни ички режалашишининг сифатига боғлиқ бўлади. У ҳар бир корхонани бошқаришда энг муҳим вазифа ҳисобланади. Бозор шароитларида

корхоналар режалаштиришнинг устунликларидан рақобатчилик курашида фойдаланадилар. Режалаштиришнинг турли тарзда белгиланиши орасидан режа, бизнес-режа, лойиҳа, техник-иқтисодий асослаш ва умумий режалаштиришни ажратиб кўрсатиш мумкин.

Режалаштириш ёрдамида бошқарув қарорларини амалга оширишнинг мақсад, вазифа ва усувлари аниқланади.

Режалаштириш *илмийлик, мослашувчанлик, узлуксизлик, оптималлик* каби тамойилларга асосланади. Ўз мазмунига кўра, режалаштириш техник-иқтисодий ва тезкор-ишлаб чиқариш, режа ҳисоб-китобларини аниқлаштириш даражаси ва муддатига кўра эса, стратегик ва тактик турларга бўлинади.

Бозор шароитларида корхона ҳамда инвесторлар ва ҳамкорлар учун бизнес-режани тайёрлаш муҳим аҳамият касб этади. Бунда бозорни тадқиқ этишдан тортиб то харидорларга сотувдан кейинги хизмат кўрсатишгacha бўлган кўплаб саволларга жавоб топилади.

Бизнес-режа корхонанинг турли тузилмавий бўлинмалари олдига кўйилувчи бир қатор вазифаларни комплекс равишда ҳал қилиш имкониятини яратувчи кўрсаткичлар ва бўлимлардан иборат бўлади.

Иқтисодиётни режа асосида бошқаришни мукаммаллаштиришнинг муҳим вазифалари қаторида норма ва нормативларни тайёрлаш, зарурий кўрсаткичлар тизими ҳамда уларнинг режадаги даражасини танлаш ва яратишни кўрсатиб ўтиш мумкин.

Таянч иборалар

Режалаштириш, индикатив режа, прогноз, стратегик режалаштириш, жорий режалаштириш, башоратнинг мақсади, режалаштириш услубияти, баланс усули, норматив усули, норма, норматив, режалаштиришнинг асосий вазифалари, режалаштиришнинг тамойили, техник-иқтисодий режалаштириш, тезкор-ишлаб чиқариш режалаштириш Календарь режалаштириш Диспетчерлаштириш Умумий ва умумлаштирувчи кўрсаткичлар Хусусий кўрсаткичлар Микдор кўрсаткичлари Сифат кўрсаткичлари Режаларни ишлаб чиқиши бизнес-режа Тадбиркорлик

Назорат ва муҳокама учун саволлар

1. Корхона фаолиятининг самарадорлигини қандай сабаб ва омиллар белгилайди?
2. Режа, режалаштириш каби тушунчалар нимани англатади?
3. Бозор ва режа ўзаро қандай келишувга келади?
4. Бозор шароитларида режалаштириш вазифалари ва аҳамияти.
5. Режалаштиришдан талаб қилинувчи асосий талабларни санаб ўтинг.
6. Режалаштиришнинг қайси таркибий элементалри сизга маълум?
7. Режа билан башоратнинг фарқи нимада?
8. Лойиҳа билан техник-иқтисодий асослашнинг фарқи нимада?
9. Бизнес-режа нима ва унинг тузилмаси қандай?
10. Бизнес-режани тайёрлашнинг мақсад ва вазифаларини айтиб ўтинг.
11. Бизнес-режа бўлим ва кўрсаткичларига қисқача тавсиф беринг.

12. Режалаштириш усуллари ва уларнинг моҳияти.
13. “Норма”, “норматив”, “нормалаштириш” тушунчаларининг моҳиятини очиб беринг.
14. Нормалаштиришнинг усул ва тамойиллари.

Тавсия этиладиган адабиётлар

1. Ўзбекистон Республикасининг “Хусусий корхоналар тўғрисида”ги Қонуни. Қонун ва қарорлар. Т., “Ўзбекистон”, 2004., №3
2. Маҳсулот (ишлар, хизматлар)ни ишлаб чиқариш ва сотиш харажатлари таркиби ҳамда молиявий натижаларни шаклантириш тартиби тугрисадаги Низом. -Т.: 1999, 5 февраль.
3. Экономика предприятия. Учебник для ВУЗов. 3-е издание /Под. ред. В.Я.Горфинкеля, В.А.Швандара. - М.: Юнити-Дана, 2003.
4. Махмудов Э.Х. Корхона иқтисодиёти: Ўқув.қўлл. –Т.: Ўзбекистон ёзувчилар уюшмаси Адабиёт жамғармаси нашриёти, 2004.
5. Акромов Э.А Корхоналарнинг молиявий холати таҳлили. – Т.: Молия, 2003.-223 б.
6. «Ўз Ишингизни яратинг ёки тадбиркор нималарни билиши лозим» - Тошкент шахри, ЮНИДО, «Бизнес маслаҳат маркази» лойиҳаси, 2003й.
7. Абдукаримов И.Т. ва бошқалар Корхона иқтисодий салоҳияти таҳлили. Т.: «Иқтисодиёт ва ҳуқуқ дунёси» нашриёт уйи, 2003.
8. Гурков И.Б. Инновационное развитие и конкурентоспособность: Очерки развития 333 российских предприятий. – М.: ТЕИС, 2003.
9. Фомин Я.А. Диагностика кризисного состояния предприятия: Учеб. пособие для вузов. – М.: ЮНИТИ-ДАНА, 2003. 439 с.
10. О.И. Волков, Экономика предприятия, Учебник. М., “ИНФРА-М”, 2000.
11. Г.И. Шепеленко. Экономика, организация и планирование производства на предприятиях. Учебное пособие. Ростов-на-Дону, Изд. Центр “МАРТ”, 2000.
12. В. Г. Грузинов. Экономика предприятия Учебник 2-е изд. М.: «Юнити Дана» 2003.
13. В.Д Грибов, В.П. Грузиков Экономика предприятия. Практикум. 3-е изд. перераб. и доп. Учебник М.: ФиС 2004.
14. Экономика предприятия Конспект лекций в списках М.: Приор-издат 2003.
15. Экономика предприятия. 3-е изд., перераб. и доп. Учебник для вузов / Под ред. проф. В.Я. Горфиннелия, проф. В.А.Швандара М.: ЮНИТИ-ДАНА 2004.
16. Аутсорсинг: Создание вўсокоэффективнўх и конкурентоспособнўх организаций. Учебное пособие / Под ред. Б.А.Аникина М.: Инфра – М 2003.
17. Экономика предприятия Конспект лекций М.: Изд-во ПРИОР 2002.
18. Сергеев И.В Экономика предприятия. 2-е изд. пераб. и доп. Учебное пособие М.: ФиС 2004.
19. Вумек Джеймс П., Джонс Дениел Т. Пер. с англ. Бережливое производство; Как избавиться от потерь и добиться процветания вашей компании; М.. Альпина Бизнес БУКС 2004.
20. Кристенсен Клейтон М. Как из-за новўх технологий погибают сильнўе компании /Дилемма инноватора Пер.с англ. М.: Альгина Бизнес Бука 2004.
21. Мескон М.Х., Альберт М. и др. Основў менеджмента: Пер с англ. – М.: Дело,2000.-704с.
22. “Создайте свое Дело или что необходимо знать предпринимателю” г. Ташкент, ЮНИДО, Проект “Бизнес-консультативнўй центр”, 2003г.
23. Сборник бизнес-планов деловўх ситуаций с рекомендациями и комментариями: Учеб. прак. пос. /Под ред. В.М.Попова, С.И.Ляпунова . –М.: КноРус , 2003

24. Махмудов Э.Х., Исаков М.Ю. Бизнес планирование. (Учебное пособие). – Т.: Издательство Литературного фонда Союза писателей Узбекистана, 2004.
25. <http://www.harvard.edu>
26. <http://www.capitul.ru>
27. [http://www.audit - center. ru](http://www.audit-center.ru)

VI МАВЗУ. ИШЛАБ ЧИҚАРИШНИНГ ИҚТИСОДИЙ ВА ИЖТИМОИЙ САМАРАДОРЛИГИ

6.1. Самарадорлик – корхона ишлаб чиқариш фаолиятида муҳим ўлчов бирлигидир.

6.2 Хўжалик юритиш самарадорлигининг мезони ва кўрсаткичлари.

6.3 Корхона фаолияти самарадорлигини ошириш йўллари ва омиллар.

6.1. Самарадорлик корхона ишлаб чиқариш фаолиятида муҳим ўлчов бирлигидир

Ишлаб чиқариш самарадорлиги ҳар бир корхона фаолиятининг энг асосий вазифаси ҳисобланади. У хўжалик юритишнинг сифат ва миқдор кўрсаткичларини, шунингдек, буюмлашган ва жонли меҳнат харажатлари ҳамда олинган натижалар ўртасидаги муносабатни ифодалайди.

Афсуски, бозор шароитларида “самарадорлик” тушунчаси, гарчи, даромад олиш, харажатларни камайтириш, меҳнат самарадорлигининг ўсиши, фонд қайтими, рентабеллик ва ҳоказолар самарадорлик табиатига мос келиб, бозор иқтисодиёти талабларига зид келмасада, баҳо, фойда, даромад, харажат каби тушунчаларга қараганда кам қўлланилмоқда. Самарали ишлаш дегани ўз моҳиятига кўра, мўлжалланган (режалаштирилган) фойдани олиш, ноишлаб чиқариш харажатлари ва йўқотишларни камайтириш, ишлаб чиқариш қувватлари ва ишчи кучидан яхшироқ фойдаланиш, меҳнат самарадорлигини ошириш, ишлаб чиқарилаётган маҳсулотнинг сифатини яхшилашни англалади.

“Самара”, “самарадорлик”, “ижтимоий-иқтисодий самарадорлик” каби тушунчаларнинг орасидаги фарқни англаб олиш зарур.

Самара – бу, ишлаб чиқарилаётган маҳсулот (иш, хизмат), фойда ва даромад ҳажмини ошириш, маҳсулот таннархини камайтириш, сифатсиз маҳсулот ишлаб чиқариши камайтириш ёки умуман, йўқ қилиш билан боғлиқ бўлган корхона фаолиятининг ижобий натижалариdir. Бу ютуқлар натурал шаклда *ишлаб чиқариши самарасини*, пул шаклида эса *иқтисодий самарани тавсифлайди*.

Самарадорлик, аввало, корхона фаолиятининг сифат жиҳатларини тавсифловчи тушунчадир. У “самара” тоифасидан келиб чиқади ҳамда унга қараганда мураккаб ва комплекс тавсифга эга.

Самарадорлик чора сифатида кўплаб техник, иқтисодий, лойиҳа ва хўжалик қарорларини аввалдан белгилаб беради. Корхона ўзининг хўжалик, илмий-техник ва инвестицион сиёсатини белгилашда самарадорлиқдан келиб чиқади.

Иқтисодий самарадорлик самарадорликка қараганда бир мунча тор маънони англалади. У қабул қилинаётган қарорларнинг хўжалик юритишда мақсадга мувофиқлигини тавсифлайди ҳамда барча ҳолларда самаранинг унга эришиш учун кетган харажатлар(ишлаб чиқариш ресурслари)га нисбати сифатида аниқланади. Харажатлар қанчалик кам бўлса (маҳсулот сифатига таъсир қилмаган ҳолда), самара шунчалик ортади, демак, иқтисодий самарадорлик ҳам ортади.

Ижтимоий-иқтисодий самарадорлик ишлаб чиқариш самарадорлигини меҳнат шароитларини, унинг ижодкорлик мазмунини бойитиш, ақлий ва жисмоний меҳнат ўртасидаги фарқни йўқотиши инобатга олган ҳолда тавсифлайди. Ижтимоий-иқтисодий самарадорлик бир вақтнинг ўзида, ишлаб чиқариш самарадорлигини қучайтириш, корхонанинг муваффақиятли фаолият юритиши, шахснинг ҳар томонлама ривожланиши ва унинг барча қобилиятларидан фойдаланишининг сабаб ва натижаси ҳисобланади. Бевосита ижтимоий самара, ходимларнинг билим ва малакаси, тажриба ва маданиятининг ўсиши, аҳоли соғлигининг яхшиланиши ва умр кўришининг узайишида акс эттирилади.

Ишлаб чиқариш самарадорлиги ижтимоий самарадорликка нисбатан бирламчи ҳисобланади: иқтисодий ютуқлар корхонанинг ижтимоий муаммоларини ҳал қилишга ёрдамлашади. Масалан, фойданинг ўсиши, жамғармаларнинг ортиши корхонага ижтимоий вазифалар доирасини кенгайтириш ва уларни ҳал қилиш имконини беради.

Бироқ самарадорлик ва унинг асосий кўрсаткичи - фойда (даромад) ўз-ўзидан, автоматик равишда юзага келмайди. Турли корхоналарда самарадорликка эришиш учун мавжуд ишлаб чиқариш қувватлари ва бошқа хусусиятлардан келиб чиқсан ҳолда, турли восита ва йўллардан фойдаланилади. Бунда вақт омили, яъни самарадорликка қисқа ёки узоқ муддатларда эришишни мўлжаллаш, асосий роллардан бирини ўйнайди. Масалан, корхона олаётган фойдасини қисқа вақт мобайнида маҳсулот сифатини яхшилашни маблағ билан таъминлаш, ишлаб чиқаришни қайта қуроллантириш ва модернизация қилиш, ходимлар малакасини оширишга ажратилаётган маблағларни камайтириш йўли билан кўпайтириши мумкин. Узоқ муддатли режаларда эса бу, фойданинг камайишига ва ҳаттоқи корхонанинг бозордаги ўрнини йўқотиши натижасида банкротга учрашига олиб келиши мумкин.

Хорижий фирма ва корхоналар ўз фаолиятларида самарадорликка эришиш учун ишлаб чиқариш техника ва технологияларига эътиборни қучайтиришдан ташқари, маҳсулот сифатини ошириш ва уни реклама қилишга алоҳида эътибор қаратмоқдалар. Масалан, Япониянинг “Омрон” фирмаси ўзига “Барчанинг яхши ҳаёти, яхши дунё учун” деган иборани шиор қилиб олган. Американинг “Катерпиллер” компаниясининг шиори “Дунёнинг ҳар бир бурчагида 48 соат хизмат кўрсатиш” бўлса, “Рибок” фирмаси “Яхши баҳодаги нарх” иборасини шиор қилиб олган. Бундай мисоллардан яна бир нечтасини келтириб ўтиш мумкин.

Юқорида айтилганлардан келиб чиқадики, самара ва самарадорлик қотиб қолган категориялар қаторига кирмайди ҳамда фақатгина пул кўринишида ўлчанмайди. Самарадорлик ва сифатли меҳнат туфайли корхона *биринчидан*, ўзининг иқтисодий барқарорлиги ва бозордаги рақобатчиликка бардош беришини таъминлайди, *иккинчидан*, ўз имиджини яхшилайди ва ҳамкорлар билан алоқаларини мустаҳкамлайди, учинчидан, ходимларнинг иқтисодий ва ижтимоий аҳволини яхшилайди. Демак, ишлаб чиқариш самарадорлигини ошириш йўлларини қидириш, харажат ва натижаларни тўғри солиштириш,

мулкчилик шакли, қайси тармоқقا тегишлилиги, худудий жойлашиши ва фаолият туридан қатын назар, ҳар бир корхона учун мухим вазифа ҳисобланади.

6.2. Хўжалик юритиш самарадорлигининг мезон ва кўрсаткичлари

Ишлаб чиқариш самарадорлигини ошириш – корхона раҳбариятининг доимий вазифасидир. Бу вазифани ечиш амалиётда қўйидаги омиллар билан боғлиқ бўлади:

- * бозор талабларига жавоб берувчи юқори сифатли маҳсулот ишлаб чиқаришда энг кам харажатлар билан ишлаб чиқаришнинг максимал ҳажмини таъминловчи, оптимал ишлаб чиқариш жараёнини танлаш;
- * истеъмолчилар талабини қондиришга йўналтирилган маҳсулотни сотиш ва юқори даромад (фойда) олиш;
- * айланма воситаларни тежаш имкониятини яратувчи оптимал ишлаб чиқариш заҳираларини яратиш.

Хўжалик самарадорлигини ошириш омилларининг юқорида санаб ўтилган ҳар бири, фаолият юритишнинг турли шакл ва қўринишлари ёрдамида, ишлаб чиқариш самарадорлиги асосида ётувчи харажатлар ва ресурсларнинг ўзаро алоқасини инобатга олган ҳолда амалга оширилади (6.1.-жадвал).

6.1 - жадвал

Маҳсулот ишлаб чиқариш ва уни сотишдаги харажатлар ва ресурсларнинг ўзаро алоқаси

| Моддий ва буюмлашган шаклда | | Пул шаклида | |
|--|---|-------------------|---|
| <i>Ресурслар</i> | <i>Харажатлар</i> | <i>Ресурслар</i> | <i>харажатлар</i> |
| Ишчи кучи сони | Мехнат (сифат ва миқдор) | Мехнат ҳақи фонди | Тўланган ойлик миқдори, жумладан, мукофот ва қўшимчалар |
| Бино, иншоот, машина ва ускуналар (мехнат қуроллари) | Мехнат қуролларининг эскириши | Асосий капитал | Амортизация ажратмалар |
| Мехнат предметлари | Истеъмол, талаб, материаллар, ёқилги, энергия ва ҳоказо | Айланма капитал | Сарфланган хом ашё, материал ва ҳоказолар киймати |
| Тайёр маҳсулот | Дизайн, реклама, кадоқлаш, товар йўқотишлари | Муомала фондлари | Қўшимча харажатлар (қиймат) |
| - | - | Пул маблағлари | Кредит учун фоиз |

Хўжалик самарадорлигини баҳолаш, корхонада фойдаланиладиган ресурс турлари бўйича амалга оширилиши ва миқдор жиҳатидан ўлчаниши мумкин. Масалан, *иичи кучидан* фойдаланиш самарадорлигини меҳнат унумдорлиги ва маҳсулотнинг меҳнат сифими кўрсаткичлари ёрдамида қўйидаги формула асосида баҳолаш мумкин:

$$\Pi T = \frac{Q}{\mathcal{Q}}$$

Бу ерда:

ПТ - меҳнат унумдорлиги;

Q - маҳсулот ҳажми қиймат кўринишида;

Ч - ишловчилар (ишчилик) сони.

Маҳсулотнинг меҳнат сифими меҳнат унумдорлигига тескари катталик бўлиб, сарфланган меҳнат миқдорининг ишлаб чиқарилган маҳсулот ҳажмига нисбати сифатида аниқланади:

$$T = \frac{Q}{\Phi}$$

Меҳнат қуроллари(асосий фондлар)дан фойдаланиш самарадорлиги маҳсулотнинг фонд сифими ва фонд қайтими кўрсаткичлари ёрдамида аниқланади. Бунда фонд қайтими корхона асосий фондларининг бир бирлигига тўғри келувчи ишлаб чиқарилган маҳсулотни англатса, фонд сифими эса фонд қайтимига тескари катталик бўлиб, янги асосий фондларни ташкил қилиш учун зарур бўлган капитал қўйилмаларни аниқлаш вазифасини бажаради.

Фонд қайтими (f_o) ва фонд сифимини (f_e) аниқлаш формуласи қўйидагича:

$$f_o = \frac{\Phi}{Q}$$

Бу ерда:

Q - маҳсулот ҳажми, қиймат пул кўринишида;

Φ – асосий ишлаб чиқариш фондлари қиймати.

$$f_e = \frac{\Phi}{Q}$$

Фонд қайтими қанчалик юқори ва фонд сифими қанчалик паст бўлса, ишлаб чиқариш ва меҳнат қуролларидан фойдаланиш самарадорлиги шунчалик юқори бўлади ва аксинча. Машина ва ускуналардан унумли фойдаланиш, ишлаб чиқариш технологияларини такомиллаштириш ҳамда ходимлар малакасини ошириш, фонд қайтимини кўпайтиришнинг муҳим захираси ҳисобланади.

Меҳнат қуролларидан фойдаланиш самарадорлиги, маҳсулотларнинг материал сифими ёрдамида сарфланган хом ашё, материал, ёқилғи, энергия ва меҳнат предметларининг умумий қийматини ишлаб чиқарилган маҳсулот ҳажмига нисбати орқали аниқланади. Унинг формуласи қўйидагича:

$$m = \frac{M}{Q}$$

Бу ерда:

m - маҳсулотларнинг материал сифими;

M - маҳсулот ишлаб чиқариш учун кетган моддий харажатларнинг умумий миқдори пул кўринишида;

Q - ишлаб чиқарилган маҳсулот ҳажми, қиймат кўринишида.

Маҳсулотнинг материал сифими қанчалик паст бўлса, ишлаб чиқариш самарадорлиги шунчалик юқори бўлади. Бироқ маҳсулот материал сифимини камайтириш, унинг сифатини пасайтириш ёки технология норма ва қоидаларини бузиш ҳисобига амалга оширилмаслиги лозим. Материал

сигимининг бу тарзда камайтирилиши иқтисодий жиноят ҳисобланади ва қонунга асосан жазога тортилади.

Бозор шароитларида корхона хўжалик фаолияти самарадорлигининг умумлаштирувчи ёки мезон кўрсаткичи сифатида рентабеллик ёки капиталнинг даромадлигини қабул қилиш мумкин. Бу кўрсаткич қуидаги формула асосида ҳисобланади:

$$R = \frac{P}{A} * 100$$

Бу ерда:

R - рентабеллик, хўжалик фаолиятининг натижасини фойда шаклида кўрсатади ва фоизларда ўлчанади;

P - корхонанинг баланс фойдаси;

A - авансланган капитал(асосий ва айланма).

Нисбатнинг катталашиши меҳнат, молия, технология ва моддий ресурсларидан унумлироқ фойдаланишини англатади. Чунки айнан улар ишлаб чиқариш ҳажми ва харажатлари, маҳсулот баҳосига таъсир ўтказади. Хўжалик фаолияти минимал харажатлар билан юқори сифатли маҳсулот ишлаб чиқариш йўлга қўйилган жойларда самаралироқ бўлади.

Корхона рентабеллигини аниқлашда баъзида корхона олган умумий фойда эмас, балки маҳсулот таннархини пасайтириш ҳисобига олинувчи фойда улусидан фойдаланилади. Бундай ёндашув корхонани ишлаб чиқариш маҳсулдорлигини ошириш, ишлаб чиқариш қувватларидан тежамкорлик билан рационал тарзда фойдаланиш, натижада эса маҳсулот ишлаб чиқаришга сарфланувчи барча харажатларни камайтиришга йўналтирилган чора-тадбирлар сари чорлайди. Юқорида келтирилган хўжалик самарадорлигини баҳолаш усувлари ва кўрсаткичларидан ташқари бугунги кунда амалиётда Ўзбекистон Республикаси Давлат Мулк Кўмитаси томонидан ишлаб чиқилган корхоналарнинг иқтисодий начорлик белгиларини аниқлаш учун мезонлар тизими ҳам қўлланилади. Уларнинг қаторига қуидагиларни киритиш мумкин:

- * тўлов қобилияти коэффициенти (K_{pl});
- * хусусий ва қарзга олинган маблағлар нисбати коэффициенти (K_{cc});
- * молиявий мустақиллик коэффициенти (K_{fh});
- * хусусий айланма маблағлар билан таъминланганлик коэффициенти (K_{oc});

Бу кўрсаткичлар бир қарашда маҳсулот ишлаб чиқариш соҳасига, демак, ишлаб чиқариш самарадорлигига алоқаси йўқдай туюлади. Аслида эса айнан улар орқали корхонанинг самарали фаолиятини англатувчи иқтисодий ва молиявий барқарорлик акс эттирилади. Бундан ташқари, маҳсулотнинг материал сифими, фонд қайтими, меҳнат унумдорлиги ва рентабеллик кўрсаткичлари, ишлаб чиқаришни режалаштириш ва таҳлил қилишда қўлланса, мезонлар тизими ёрдамида эса корхоналар ўзларининг фаолият юритиш қобилиятини кўрсатади ҳамда турли хил муаммоли вазиятларда хўжалик судларида ўз манфаатларини ҳимоя қиласади.

Тўлов қобилияти коэффициенти (K_{pl}) корхонанинг дебиторлар билан ўз вақтида ҳисоб-китоб қилиш ҳамда тайёр маҳсулот ва бошқа моддий

воситаларини сотишнинг қулай шароитларда сотиш орқали баҳоланадиган тўлиқ имкониятларини кўрсатади. У қўйидаги формула асосида ҳисобланади:

$$K_{n\pi} = \frac{A_2 - \Pi_{\text{дз}}}{\Pi_2 - \Delta_{\text{зк}}}$$

Бу ерда:

A_2 – айланма активлар (ишлаб чиқариш заҳиралари, тайёр маҳсулот, пул маблағлари, дебиторлик қарзлари ва ҳоказолар);

Π_2 – мажбуриятлар (қисқа муддатли қарзлар, қисқа муддатли кредитлар, бюджет олдидаги қарзлар, кредиторлик қарзлари ва ҳоказо);

$\Pi_{\text{дз}}$ – муддати ўтиб кетган дебиторлик қарзлари;

$\Delta_{\text{зк}}$ – узоқ муддатли қарз ва кредитлар.

Хусусий ва қарзга олинган маблағлар нисбати коэффициенти (K_{cc}) уларнинг шаклланиш манбаларини инобатга олган ҳолда, пул маблағлари билан таъминланганлик даражасини аниқлайди. У қўйидаги формула асосида ҳисобланади:

$$K_{cc} = \frac{\Pi_1}{\Pi_2 - \Delta_{\text{зк}}}$$

Бу ерда:

Π_1 – хусусий маблағлар манбалари (Низом жамғармаси, қўшилган капитал, тақсимланмаган фойда ва ҳоказо).

Молиявий мустақиллик коэффициенти (K_{ϕ_n}) корхона молиявий мустақиллигининг камайиши (кўпайиши), келажакда молиявий қийинчиликларга учраш хавфининг қучайиши (пасайиши) ҳақида маълумот беради ҳамда корхона ўз мажбуриятлари олдида жавоб беришининг кафолатларини белгилаб беради. У қўйидаги формула асосида ҳисобланади:

$$K_{\phi_n} = \frac{\Pi_1}{ИБ}$$

Бу ерда:

ИБ - корхона баланси активи ёки пассивининг яқуни.

Хусусий айланма маблағлар билан таъминланганлик коэффициенти (K_{oc}) корхонанинг барқарор ишлаб чиқариш-хўжалик фаолиятини юритиш учун зарур бўлган айланма воситалар мавжудлигини тавсифлайди. Шунингдек у, корхона эгалари ва кредиторлар манфаатларидаги муносабатларни ҳам акс эттиради. Мазкур коэффициент қўйидаги формула асосида ҳисобланади:

$$K_{oc} = \frac{\Pi_1 - A_1}{A_2}$$

Бу ерда:

A_1 – узоқ муддатли активлар (асосий воситалар, капитал қўйилмалар, номоддий активлар ва ҳоказо).

Кўрсаткичлар тизимини тайёрлаган муаллифлар томонидан корхонанинг тўловга қобилиятлиги ёки ночорлигини аниқловчи параметрлар белгилаб

берилган. Масалан, тўлов қобилияти коэффициенти ҳамда хусусий ва қарзга олинган маблағлар нисбати коэффициенти 2 дан кичик бўлса ($K_{пл} < 2$; $K_{сс} < 2$), молиявий мустақиллик коэффициенти 0,5 дан кичик бўлса ($K_{фн} < 0,5$), хусусий айланма маблағлар билан таъминланганлик коэффициенти 0,1 дан кичик бўлса ($K_{ос} < 0,1$) корхоналар ночор деб топилади. Корхона ночорлиги, демак, хўжалик фаолиятининг самарасизлиги тўғрисидаги якуний қарор, ночорлик параметрларининг умумий суммаси 4,6 дан кичик бўлган ҳолда қабул қилинади.

Хўжалик фаолияти самарадорлигини ошириш жуда ҳам мураккаб жараён бўлиб, бунинг ҳамма учун тўғри келувчи ягона йўли мавжуд эмас. Ҳар бир корхона бу масалани ечишда ўз имкониятлари ва юзага келган иқтисодий шарт-шароитларидан келиб чиқсан ҳолда ҳаракат қиласи. Бироқ барча ҳолларда ҳам самарадорликнинг асосида **фойдани максималлаштириши ёки харажатларни минималлаштириши** ётади.

Шартли мисол келтириб ўтамиз. Айтайлик, корхонанинг 10 млн сўм миқдорида маблағи бўлиб, бу маблағларни ишлаб чиқаришни кенгайтиришга сарфлаш мўлжалланган. Ҳисоб-китоблар шуни қўрсатадики, корхона 10 млн сўм сарф қилганда қўшимча 11 млн сўмлик маҳсулот ишлаб чиқаради, яъни фойда 1 млн сўмни ёки қўшилган капиталнинг 10 % қисмини ташкил қиласи.

Агарда корхона ушба маблағни банкка йилига 12 %ли депозит ҳисобига қўйганида, фоизлар учун 1,2 млн сўм фойда олган бўлар эди. Демак, муқобил харажатларни ҳисоблаганда корхона 0,2 млн сўм миқдоридаги қўлдан чиқариб юборилган фойдани ҳам ҳисобга олиши лозим. Бироқ ишга бундай ёндашишнинг, бугунги бозор муносабатлари шароитларida кенг тарқалган бундай усулида, яъни энг кўп фойдага эга бўлиш тамойили асосидаги усулда, корхона фойдани максимал даражага чиқарсада, ишлаб чиқаришни кенгайтиришга эриша олмайди. Ишлаб чиқаришни кенгайтириш эса, барчага маълум бўлганидек, иқтисодиётнинг ривожланиши учун энг муҳим талаблардан бири ҳисобланади.

6.3. Корхона фаолияти самарадорлигини ошириш йўллари ва омиллари

Ишлаб чиқариш самарадорлигини ошириш, хўжалик юритишнинг бозор тизими ҳамда ҳар қандай даврнинг муҳим талабидир. Самарадорлик исталган корхонанинг иқтисодий барқарорлиги ва фаолият юритиш қобилиятини акс эттиради. Ҳар қандай ишда, жумладан, корхоналар фаолиятида самарадорликнинг, ижобий натижаларнинг мавжуд бўлмаслигини, образли қилиб айтганда, оворагарчилик, вақт, куч ва ресурсларни йўқотиш билан изоҳлаш мумкин.

Фан-техника тараққиёти корхоналарнинг ишлаб чиқариш фаолияти самарадорлигини оширишда муҳим омил бўлиб келган ва ҳозирда ҳам ўз аҳамиятини йўқотмаган. Мазкур омилдан қўйидаги йўллар билан фойдаланиш мумкин:

- * ишлаб чиқариш ва меҳнатни механизациялаштириш, автоматлаштириш ҳамда комплекс равишдаги механизациялаштириш;
- * асосий технологик жараёнларни роботлаштириш;

- * прогрессив, меҳнат ҳамда ресурсларни тежашга йўналтирилган технологик жараёнларни амалиётга киритиш ва улардан кенг фойдаланиш;
- * хом ашё ва материаллар (меҳнат предметлари) замонавий турларини яратиш ва улардан фойдаланиш;
- * ишлаб чиқаришни ташкил қилиш, режалаштириш ва бошқариш жараёнларида замонавий ахборот технологияларидан, ҳисоблаш техникасидан фойдаланиш;
- * ишлаб чиқариш ва меҳнатни илмий ташкил қилиш.

Амалиётда фан-техника тараққиётининг, жумладан, унинг таркибий қисмларининг аҳамияти ва ролини инкор қилувчи ёки тушунмовчи корхонани топиш амримаҳол. Бироқ ушбу омилни амалга ошириш учун фақатгина ҳоҳиш ва истакларнинг ўзигина етарли эмас. Бунинг учун *биринчидан*, фан-техника тараққиётининг айни пайтда зарур бўлган йўналишларини излаш ва аниқлаш, *иккинчидан*, пул маблағларини ва бошқа зарур бўлган ресурслар (инвестициялар) излаб топиш, *учинчидан*, замонавий илмий-техникавий ишламаларга ихтисослашган илмий-тадқиқот институтлари, конструкторлик, технологик ва бошқа илмий муассасалар билан керакли алоқаларни “боғлаш”, *тўртинчидан*, ўз илмий-техникавий мақсадларининг самаралилигини ҳисоблаб чиқиш талаб қилинади.

Фан-техника тараққиёти сўнгги пайтларгача эволюцион равища ривожланиб келмоқда эди. Асосий эътибор амалдаги технологияларни такомиллаштириш, машина ва ускуналарни қисман замонавийлаштиришга қаратилган эди. Бундай чора-тадбирлар маълум бир чекланган натижаларга олиб келарди.

Янги техникаларни ишлаб чиқиш ва амалиётга киритишдан манфаатдорлик талаб даражасида эмасди. Ишлаб чиқариш ва меҳнатни ташкил қилишнинг хорижий прогрессив технологиялари “эксплуаторлик белгиси” сифатида, ишлаб чиқаришни автоматлаштириш ва механизациялаштириш эса ишсизликнинг асоси сифатида қабул қилинар эди. Хориж тажрибаларига капиталистик тажриба деб қараларди ҳамда бу тажрибаларнинг кенг тарқалишига йўл қўйилмас эди.

Бозор муносабатлари шакланаётган ҳозирги шароитларда, чуқур сифат ўзгаришлари, тамойиллари янги технологиялар ва сўнгти авлод техникасига ўтиш, иқтисодиётнинг барча тармоқларини фан ва техниканинг энг янги ютуқлари асосида қайта қуроллантириш зарур. Шу билан бир қаторда олимлар, конструкторлар, мухандис ва ишчиларнинг ижодий руҳда меҳнат қилишлари учун иқтисодий ва ижтимоий манфаатдорликни яратиш муҳим аҳамият касб этади. Масалан, Япония корхона ва фирмаларида ижодий гуруҳлар, сифат гуруҳлари ташкил қилинган, яъни фан-техника тараққиёти билан узвий боғлиқ бўлмиш университетлар, илмий марказ ва лабораториялар билан алоқалар ривожлантирилмоқда. Япониянинг бугунги кунда роботлар ҳамда замонавий техника ва технологияларнинг бошқа турларини яратишида биринчи ўринларда туриши ҳам бежиз эмас.

Корхоналар ишлаб чиқариш фаолиятининг самарадорлигини оширишнинг муҳим омилларидан яна бири сифатида *мавжуд ишлаб чиқариш*

салоҳияти - асосий ва айланма фондлар, ишчи кучидан тежамкорлик асосида, иложи борича унумлироқ фойдаланиши кўрсатиш мумкин. Бундан ташқари уларга буюмлашган меҳнат сарфланганлиги, яъни корхонанинг бугунги эгаларидан ташқари аввалги авлод вакилларининг ҳам меҳнати мавжудлиги билан изоҳлаш мумкин.

Бозор шароитларида ишлаб чиқариш салоҳиятидан унумли фойдаланиш зарурияти ҳақида қайта таъкидлашга эҳтиёж йўқ: биринчидан, бозор “вакуумни”, ҳаракатсизликни, хўжасизликни ва йўқотишларни кечирмайди, иккинчидан, ўз имкониятлари ва ресурсларидан етарлича фойдаланмайдиган корхона истиқболга эга бўлмайди ҳамда банкротга учрашга асос яратади. Шу сабабли барча турдаги ресурслардан самарали фойдаланиш ва айниқса ишлаб чиқаришнинг барча бўғинларида тежамкорликка риоя қилиш ҳар бир корхона фаолиятининг муваффақият қозонишининг гарови ҳисобланади.

Корхоналар ишлаб чиқариш фаолиятининг самарадорлигини оширишда *ташиклий-иктисодий омиллар*, жумладан, бошқарув ҳам муҳим ўринга эга. Уларнинг аҳмияти ишлаб чиқариш миқёсининг ўсиши ва хўжалик алоқаларининг мураккаблашиши билан ортиб боради. Бу омиллар қаторига биринчи ўринда, оқилона ишлаб чиқариш шаклларини яратиш ва мавжудларини такомиллаштириш - концентрация, ихтисослаштириш, кооперация ва комбинация қилишни киритиш мумкин.

Бошқарувда эса, бошқариш, режалаштириш, иқтисодий рағбатлантиришнинг усул ва шаклларини, яъни корхона фаолиятининг бутун хўжалик механизмини такомиллаштиришда ифодаланади. Корхона раҳбарининг иш стили ва усуллари фан-техника тараққиёти ва бозор иқтисодиётiga мос келиши зарур. Масалан, корхона директори билими, тажрибаси ва профессионал малакасига кўра, оддий ходимлар ва бўлинма (хизмат) раҳбарларидан юқори туриши лозим. Акс ҳолда у жамоани керакли тарзда бошқара олиши ҳамда муваффақиятга эришиши ва имиджга эга бўлиши қийин.

Режалаштиришида режаларнинг баланслаштирилиши, кўрсаткичлар тизимини оптимал шакллантириш, режалаштирилаётган мақсадлар ресурслар билан таъминланиши муҳим аҳамият касб этади. Бу эса ўз навбатида корхонадаги иқтисодий фаолиятни кучайтиришни, режалаштириш ва иқтисодий ҳисоб-китобларни ҳамда замонавий компьютер техникаси ва унинг режа иқтисодий ҳисоб-китобларини амалга оширишдаги имкониятларини яхши билувчи, саводли ва малакали иқтисодчиларни танлашни талаб қиласди.

Корхона фаолиятининг самарали бўлишида ишлаб чиқаришни *интенсивлаштириши*, ишлаб чиқарилаётган маҳсулотларнинг тури ва сифатини ошириш ҳамда жаҳон стандартлари даражасига етказиш, корхонанинг ишлаб чиқариш тузилмасини яхшилаши каби омиллар ҳам муҳим ўринни эгаллайди. Бунга эса замонавий машина ва асбоб-ускуналар, замонавий технологиялар, ишлаб чиқариш ва меҳнатни ташкил қилишнинг илфор усулларидан фойдаланиш орқали эришилади.

Албатта, юқорида келтириб ўтилган омилларни амалга ошириш маълум бир ресурслар ва вақт сарфлашни талаб қиласди. Бироқ бу муаммоларнинг

моҳияти ва аҳамиятини ўзгартирмайди. Амалиёт шуни кўрсатадики, замон билан ҳамнафас ҳолда ҳаракат қилувчи, барча фаолият турларида тежамкорликка риоя этувчи, ўз салоҳиятидан унумлироқ фойдаланувчи, замонавий фан ва техника ютуқларига таянувчи корхона ўзининг бугунги кундаги муваффақиятларидан ташқари, келажакда ҳам муваффақиятларга эришишини, жумладан, бозордаги ўз ўрни ва рақобатчилик мухитида қулай аҳволда бўлишини таъминлайди.

Қисқача хulosалар

Ишлаб чиқариш ва корхона фаолиятининг самарадорлиги «мода»га эргашиш ёки аввалги режали иқтисодиётнинг акс-садоси эмас. Корхонанинг муваффақияти ва иқтисодий жиҳатдан барқарорлиги самарали хўжалик юритишга асосланади.

Самарадорлик - хўжасизлик, исрофгарчилик ва бошқа талофатларнинг антиподидир. Бироқ самарадорлик ўз-ўзидан автоматик равища келмайди. Фан-техника тараққиёти, ишлаб чиқариш қувватлари ва ресурслардан оқилона фойдаланиш, тежамкорликка риоя қилиш, ишлаб чиқаришни интенсивлаштириш, бошқарув тизимини такомиллаштириш ва оқилона инвестицион сиёsat самарадорликни оширишнинг муҳим омили ва йўналиши бўлиб хизмат қиласи.

Самарадорликнинг асоси харажатларни минималлаштириш ва фойдани максималлаштиришдадир. Корхона хўжалик юритишининг самарадорлигини тавсифловчи асосий кўрсаткичлар сифатида меҳнат маҳсулдорлиги, фонд қайтими ва фонд сифими, материал сифими, меҳнат сифими, рентабеллик ва ҳоказоларни кўрсатиш мумкин.

Корхонанинг барқарорлиги ёки начорлиги унинг самарали ёки самарасиз фаолият юритишини мос равища акс эттиради. Бу жиҳатдан бугунги хўжалик юритиш амалиёти тўлов қобилияти коэффициенти, хусусий ва қарзга олинган айланма маблағлар нисбати коэффициенти, молиявий мустақиллик коэффициенти ва хусусий айланма воситалар билан таъминланганлик коэффициенти каби кўрсаткичлар тизимидан фойдаланади.

Турли корхоналарда хўжалик юритиш самарадорлигига ўз имкониятлари ва юзага келувчи иқтисодий имкониятлардан келиб чиқсан ҳолда турли усуллар ёрдамида эришилади. Самарадорликка эришишнинг ҳамма учун тўғри келувчи ягона йўли мавжуд эмас. Корхонанинг вазифаси барча фаолият турларида самарадорликка эришиш йўлларини қидиришдир.

Таянч иборалари

Ишлаб чиқариш самарадорлиги, самара, самарадорлик, иқтисодий самарадорлик, ижтимоий-иктисодий самарадорлик, хўжалик самарадорлигини ошириш омиллари, ишчи кучидан фойдаланиш самарадорлиги, меҳнат қуроллари(асосий фондлар)дан фойдаланиш самарадорлиги, рентабеллик ёки капиталнинг даромадлилиги, корхоналарнинг иқтисодий начорлик белгилари, тўлов қобилияти коэффициенти, хусусий ва қарзга олинган маблағлар нисбати коэффициенти, молиявий мустақиллик коэффициенти, хусусий айланма

маблағлар билан таъминланганлик коэффициенти, корхона фаолияти самарадорлигини ошириш йўллари ва омиллари, фан-техника тараққиёти, ташкилий-иктисодий омиллар.

Назорат ва мухокама учун саволлар

1. Ишлаб чиқариш самарадорлигининг моҳияти нимада ва у корхона умумий фаолияти самарадорлигидан қандай фарқ қиласди?
2. Самарадорликнинг қандай турларини биласиз? Самаранинг самарадорликдан фарқи нимада?
3. Корхона ишлаб чиқариш фаолияти самарадорлигининг муҳим кўрсаткичлари мазмунини очиб беринг. Бу кўрсаткичларни ҳисоблаш усули қандай?
4. Сизнинг фикрингизча, қайси кўрсаткич корхона фаолияти самарадорлигини кўпроқ акс этитради?
5. Корхона фаолияти самарадорлигини оширишнинг асосий йўллари ва омилларини санаб беринг.
6. Бозор шароитларида самарадорликни иктисодий кўрсаткич ҳамда тушунча сифатида қабул қилиш мумкинми?
7. Ишлаб чиқариш самарадорлигини оширишда асосий ўрин кимга тегишли: инсонларгами, ресурсларгами ёки фан-техника тараққиётигами?

Тавсия этиладиган адабиётлар

1. Ўзбекистон Республикасининг “Хусусий корхоналар тўғрисида”ги Конуни. Қонун ва қарорлар. Т., “Ўзбекистон”, 2004., №3
2. И.А. Каримов. Ўзбекистон XXI аср бўсағасида: хавфсизликка таҳдид, тараққиёт шартлари ва кафолатлари. Т., “Ўзбекистон”, 1997.
3. Махмудов Э.Х. Корхона иктисодиёти: Ўкув.кўлл. –Т.: Ўзбекистон ёзувчилар ўюшмаси Адабиёт жамғармаси нашриёти, 2004.
4. Акромов Э.А Корхоналарнинг молиявий холати таҳлили. – Т.: Молия, 2003.-223 б.
5. «Ўз Ишингизни яратинг ёки тадбиркор нималарни билиши лозим» - Тошкент шаҳри, ЮНИДО, «Бизнес маслаҳат маркази» лойиҳаси, 2003й.
6. Абдукаримов И.Т. ва бошқалар Корхона иктисодий салоҳияти таҳлили. Т.: «Иктисолиёт ва ҳуқуқ дунёси» нашриёт уйи, 2003.
7. Экономика предприятия. Учебник для ВУЗов. 3-е издание /Под. ред. В.Я.Горфинкеля, В.А.Швандара. - М.: Юнити-Дана, 2003.
8. Методические рекомендации по оценке эффективности инвестиционных проектов и их отбору для финансирования. Издание официальное - М.: ОАО «НПО», издательство «Экономика», 2000
9. Гурков И.Б. Инновационное развитие и конкурентоспособность: Очерки развития 333 российских предприятий. – М.: ТЕИС, 2003.
10. Фомин Я.А. Диагностика кризисного состояния предприятия: Учеб. пособие для вузов. – М.: ЮНИТИ-ДАНА, 2003. 439 с.
11. Гиляровская Л.Т., Вехорова А.А. Анализ и оценка финансовой устойчивости коммерческого предприятия. – СПб: Питер, 2003. –249 с.
12. Крёлов Э.И. Анализ эффективности инвестиционной и инновационной деятельности предприятий / Учеб. пос. 2е изд. пере раб и доп.. –М.: Финансў и статистика, 2003. –605 с.
13. Фомин Я.А. Диагностика кризисного состояния предприятия: Учеб. пос. для вузов. – М.: ЮНИТИ_ДАНА, 2003. –349 с.

14. О.И. Волков, Экономика предприятия, Учебник. М., “ИНФРА-М”, 2000.
15. Г.И. Шепеленко. Экономика, организация и планирование производства на предприятии. Учебное пособие. Ростов-на-Дону, Изд. Центр “МАРТ”, 2000.
16. В. Г. Грузинов. Экономика предприятия Учебник 2-е изд. М.: «Юнити Дана» 2003.
17. Сенге Питер М. и др. пер с англ. Танец перемен: новёе проблему самообучающихся организаций М.: ЗАО Длимп-Бизнес 2004.
18. Экономика предприятия. 3-е изд., перераб. и доп. Учебник для вузов / Под ред. проф. В.Я. Горфинкеля, проф. В.А.Швандара М.: ЮНИТИ-ДАНА 2004.
19. Экономика предприятия Конспект лекций М.: Изд-во ПРИОР 2002.
20. Сергеев И.В Экономика предприятия. 2-е изд. пераб. и доп. Учебное пособие М.: ФиС 2004.
21. Сбалансированная система Показателей – шаг за шагом: максимальное повышение эффективности и закреплении полученных результатов Пер. с англ. Днепропетровск: Баланс-Клуб 2003.
22. Вумек Джеймс П., Джонс Дениел Т. Пер. с англ. Бережливое производство; Как избавиться от потерь и добиться процветания вашей компании; М.. Альпина Бизнес БУКС 2004.
23. Кристенсен Клейтон М. Как из-за новых технологий погибают сильные компании /Дилемма инноватора Пер.с англ. М.: Альгина Бизнес Бука 2004.
24. Мескон М.Х., Альберт М. и др. Основы менеджмента: Пер с англ. – М.: Дело,2000.-704с.
25. <http://www.harvard.edu>
26. <http://www.capitul.ru>
27. <http://www.5b.ru>
28. <http://www.auditcenter.ru>

VII МАВЗУ. КОРХОНАНИНГ АСОСИЙ ФОНДЛАРИ ВА ИШЛАБ ЧИҚАРИШ ҚУВВАТИ (мавзу янги педагогик ва ахборот технологиялари асосида олиб борилади)*

- 7.1 Асосий фондларнинг моҳияти ва уларнинг корхона фаолиятидаги ўрни.
- 7.2. Корхоналарда асосий фондларнинг эскириши, уларни баҳолаш ва таъмирлаш.
- 7.3. Асосий фондлардан фойдаланишни яхшилаш йўллари ва кўрсаткичлри.
- 7.4. Корхонанинг ишлаб чиқариш қуввати.

7.1. Асосий фондларнинг моҳияти ва уларнинг корхона фаолиятидаги ўрни

Замонавий иқтисодиёт фани **асосий фондларни** маълум бир истеъмол қиймати кўринишида ижтимоий меҳнат асосида яратилувчи, ишлаб чиқаришнинг моддий-буюмлашган материал омиллари қаторига киритади. Ҳозирги бозор шароитларида корхона кучи ва воситалари ёрдамида яратилган асосий фондлар ишлаб чиқариш қувватларини шакллантириш ва улардан фойдаланишга фаол равишда таъсир кўрсатувчи мулк ҳисобланади. Бутун халқ хўжалиги миқёсида асосий фондлар мамлақатнинг миллий бойлигини ташкил қиласди.

Асосий фондлар корхона ишлаб чиқариши воситаларининг бир қисми бўлиб, ишлаб чиқариши жараёнда узоқ вақт иштирок этада ва ўзининг натурал-моддий ҳолатини йўқотмайди ҳамда ўз қийматини тайёрланаётган маҳсулотларга қисмлаб ўtkазиб беради. Асосий фондлар қийматини тайёрланаётган маҳсулотга ўтказиш жараёни амортизация деб, ушбу жараёнда тўпланган маблағлар эса амортизация ажратмалари деб аталади.

Иқтисодий мақсадларига кўра, асосий фондлар ишлаб чиқариш ва ноишлаб чиқариш фондларига тақсимланади. Ишлаб чиқариш асосий фондлари ўз моҳиятига кўра, корхонанинг ишлаб чиқариш потенциалини ташкил қилиб, уларнинг таркибига қўйидагилар киради:

- * ишлаб чиқариш бинолари ва иншоатлари;
- * узатиш қурилмалари;
- * қувват машиналари ва ускуналари;
- * ишчи машиналар ва ускуналар;
- * транспорт воситалари;
- * ўлчов ва тартибга солиш асбоблари ва қурилмалари;
- * фойдаланиш муддати бир йилдан кам бўлмаган ва қонунчиликда белгилаб қўйилган қийматлардаги асбоблар ва ишлаб чиқариш инвентари.

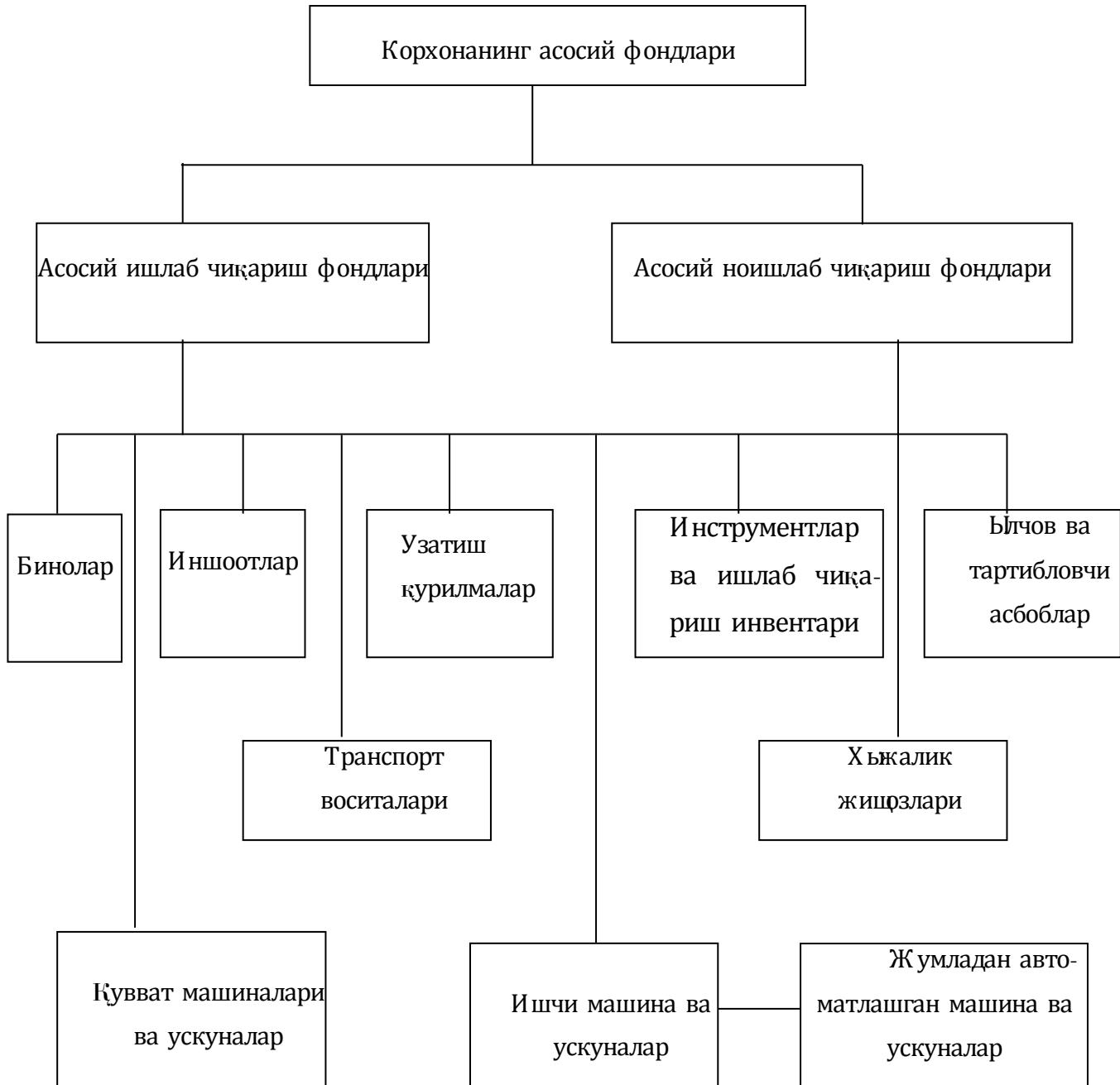
Асосий ишлаб чиқариш фондлари ишлаб чиқаришда банд бўлган барча мутахассис ва ходимлар сони билан биргалиқда, **корхонанинг ишлаб чиқариш аппарати** деб аталади.

Ноишлаб чиқариш асосий фондлари корхона асосий фондларининг ишлаб чиқаришида бевосита иштирок этмайдиган қисми бўлиб, шу сабабли ўз

* Методик ишланманинг қисқачи варианти I-иловада келтирилган

қийматини тайёр маҳсулотга ўтказмайди. Булар қаторига асосан корхона балансида турувчи тураржой (уй-жой фонди), ошхона, профилактория, клуб, болалар боғчаси ва яслилар, спорт-соғломлаштириш ва бошқа объектлар киритилади. Маданий-маиший ва соғломлаштириш йўналишидаги ноишлаб чиқариш асосий фондлари ишлаб чиқариш асосий фондлари билан фойдаланиш муддати, натуранал шаклнинг сақланиши, ўз қийматини секин-аста йўқотиши каби кўп жиҳатлари билан ўхшашидир.

Корхона асосий фондлари таркибини қуидаги 7.1 - чизма кўринишида акс эттириш мумкин*.



7.1 - чизма. Корхона асосий фондларининг таркиби.

* Ушбу расмни матннинг электрон версияси орқали слайд шаклида диапроектор орқали намойиш этиш мумкин. 2-илова

Меҳнат предметига ўтказувчи таъсирига кўра, асосий ишлаб чиқариш фондлари **актив** ва **пассив** турларга бўлинади. Асосий ишлаб чиқариш фондларининг пассив турига бино ва иншоатлар, актив турига эса қувват машина ва ускуналари, ишчи машина ва ускуналар, транспорт воситалари, технологик линиялар, яъни бирон-бир турдаги маҳсулот яратишида фойдаланилувчи меҳнат қуроллари киритилади.

Корхонанинг актив асосий ишлаб чиқариш фондлари энг ҳаракатчан ва аҳамиятли ҳисобланади. Фан-техника тараққиёти давомида кўплаб корхоналарда актив ишлаб чиқариш фондларининг салмоғи ортади, уларнинг таркиби ва кўриниши ўзгаради, асосий фондлар гуруҳ ва турларининг маънавий эскириш туфайли алмашиниш суръати тезлашади.

Ишлаб чиқариш миқёсининг ўсиши ва бошқа ижобий ўзгаришлар шароитларида, баъзан корхонанинг асосий фондлари, жумладан, ишчи машиналар ва ускуналар, ишлаб чиқариш бинолари, қурилмалар ва ҳоказолар етмай қолади. Бундай ҳоллар рўй бергандан корхона шартнома асосида ўзига керакли бўлган асосий фондларни ёллайди ва улар ижарага олинган ҳисобланади. Ижарага берувчи ва ижарага оловучи ўртасида юзага келувчи мулк муносабатлари **лизинг** деб аталади (ингл. Lease - ижара).

Асосий фондларнинг умумий ҳажмида алоҳида гуруҳларининг қиймат бўйича ўзаро нисбати *асосий фондларнинг турлар бўйича тузилмасини* акс эттиради ҳамда амалиётда фоизларда ўлчанади. Корхона асосий ишлаб чиқариш фондлари тузилмасининг, биринчи ўринда унинг актив қисмини - машина ва асбоб-ускуналарни кўпайтиришга йўналтирилган такомиллаштиришдан манфаатдор бўлиши лозим. Уларнинг улуши қанчалик юқори бўлса, ишлаб чиқарилаётган маҳсулотлар миқдори шунчалик катта бўлади ва аксинча.

Корхона асосий фондларининг турлар бўйича тузилмаси, кўп жиҳатдан капитал қўйилмаларнинг технологик тузилмаси орқали, жумладан, уларнинг янги қурилиш ва қайта таъмирлаш, амалдаги ишлаб чиқаришни кенгайтириш ва қайта қуроллантириш билан аввалдан белгилаб қўйилган бўлади. Асосий фондларнинг турлар бўйича тузилмасига ишлаб чиқаришни ихтисослаштириш ва концентрация қилиш даражаси ҳам катта таъсир ўтказади. Йирик корхоналар, ишлаб чиқаришни фондлар билан таъминлашда ва фан-техника тараққиёти ютуқларидан кенг фойдаланишда кичик ва ўрта корхоналарга қараганда кўпроқ имкониятга эга. Бироқ кичик корхоналар ҳаракатчанроқ, уларнинг бошқаруви мослашувчанроқ бўлиб, натижада ишлаб чиқаришни техник жиҳатдан қайта қуроллантириш осонроқ кечади.

«Корхона иқтисодиёти»га **эксплуатация қилинаётган асосий фондларнинг ёши**, биринчи ўринда машина ва асбоб-ускуналарнинг ёши катта таъсир кўрсатади. Ҳозирги пайтда машина ва саноат ускуналарини ёш бўйича гуруҳлашда тахминан қуйидаги муддатлардан келиб чиқилади: 5 йилгача, 5 йилдан 10 йилгача, 10 йилдан 15 йилгача, 15 йилдан 20 йилгача, 20 йилдан 25 йилгача ва ҳоказо. Машина ва ускуналарнинг эксплуатация муддати қанчалик юқори бўлса, корхонанинг ишлаб чиқариш қувватлари шунчалик паст бўлади, маҳсулотлар сифати пасаяди, бекор турив қолиш ва талофатлар кўпаяди ҳамда

аксинча. Бундан ташқари, корхона асбоб-ускуналаридан узоқ вақт мобайнида фойдаланилганида таъмирлаш учун ҳам кўп харажатлар сарфланади.

7.2. Корхоналарда асосий фондларни эскириши, уларни баҳолаш ва таъмирлаш

Хўжалик амалиётида асосий фондлар натурал ва қиймат кўринишида ҳисобга олинади. Агар асосий фондларни *натурал баҳолаши*-ишлаб чиқаришни техник жиҳатдан қайта қуроллантириш ва замонавийлаштириш масалаларини ҳал қилиш, асбоб-ускуналарни таъмирлаш учун уларнинг гуруҳ ва турлари бўйича графиклар тузиш, шунингдек, таъмирлаш воситаларига бўлган эҳтиёжни аниқлаш имконини берса, *қиймат бўйича баҳолаши* эса, асосий фондларни қайта ишлаб чиқаришни режалаштириш, уларнинг мавжуд ҳажмини аниқлаш, амортизация ҳажмини белгилаш, асосий фондлар ва ишлаб чиқариш қувватларидан фойдаланиш даражасини таҳлил қилиш ва ҳоказоларда муҳим аҳамият касб этади.

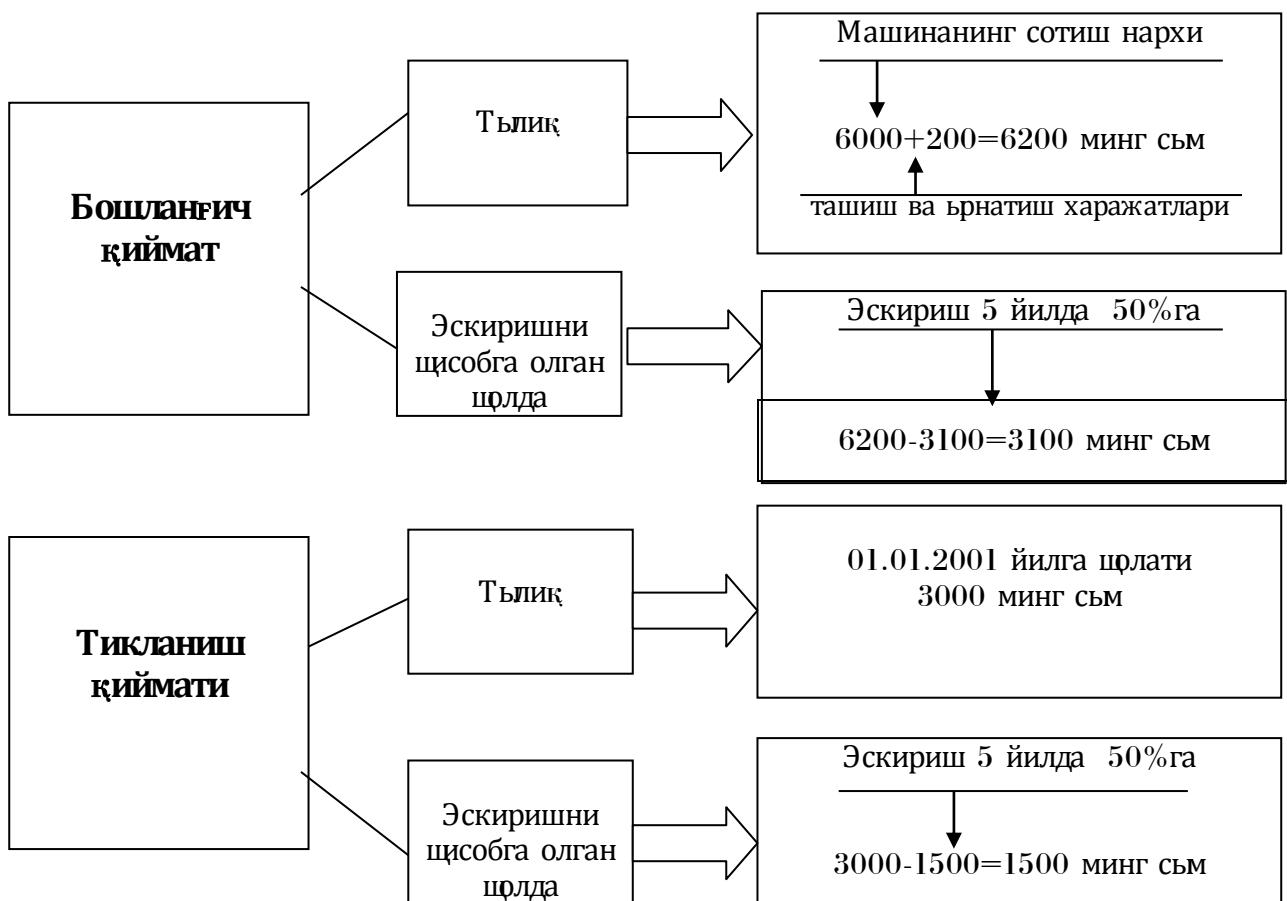
Асосий фондларни баҳолашнинг қуйидаги усуллари мавжуд:
бошланғич қиймат бўйича - асосий воситаларни яратиш ёки сотиб олиш учун сарфланган харажатлар мажмуудан иборат бўлиб, асосий фондлар ёки уларнинг алоҳида қисмларини фойдаланишга топшириш учун яроқли ҳолга келтириш билан боғлиқ бўлган-уларни келтириш, ўрнатиш каби харажатларни ҳисобга олган ҳолда юзага келувчи қиймат.

Масалан, битта машина ёки ускунанинг бошланғич қиймати – бу, корхонанинг мазкур машина ёки ускунани мълум бир санада сотиб олган ва бу ҳақда бухгалтерия ҳужжатларида қайд қилинган сотиб олиш нархидир.

Тикланиш қиймати бўйича - асосий фондлар ёки уларнинг бирон-бир қисмини (бинолар, қурилмалар, машиналар, ишлаб чиқариш ускуналари ва ҳоказо) ҳозирги пайтдаги инфляция ва бошқа омилларни ҳисобга олган ҳолда баҳолаш. Баҳолашнинг бу усули обьектнинг ҳозирги пайтдаги қайта ишлаб чиқариш даврида қанча туришини кўрсатади. Корхона асосий фондларининг тикланиш қиймати, тафтиш ва инвентаризация пайтида, мамлакат миқёсида ва давлат чора-тадбiri сифатида эса, асосий фондларни қайта баҳолаш пайтида амалга оширилади.

Қолдиқ қиймати бўйича - асосий фондларнинг эскиришини инобатга олган ҳолда, бирламчи ва қайта тиклаш қийматлари ўртасидаги фарқ кўринишидаги баҳолашдир. Бошқача қилиб айтганда, бу асосий фондларнинг ишлаб чиқарилаётган маҳсулотларга ҳали ўтказилмаган қисмидир. Корхоналар томонидан фойдаланилмайдиган ҳамда ҳисобдан чиқариш ёки сотиб юбориш мўлжалланган асосий фондлар ҳам, кўпинча қолдиқ қиймати бўйича, мазкур хўжалик йилидаги нархларда баҳоланади.

Корхона асосий фондларини баҳолашнинг турларини қўйидаги чизма кўринишда акс эттириш мумкин*: (7.2.-чизма)



7.2. -чизма. Корхона асосий фондларини баҳолашнинг турлари

Иқтисодиётнинг глобаллашуви ҳамда ҳисоб ва ҳисботларнинг мукаммаллашуви, жумладан, миллий ҳисоб стандартларининг жаҳон стандартлари талаблари даражасига келтирилиши туфайли, гарчи асосий воситалар, асосий фондларнинг пул кўринишидаги ифодаси сифатида аввалдан қўлланиб келган бўлсада, ҳаётилизга “асосий капитал”, “асосий воситалар” каби атамалар эндиликда кенг равища кириб келмоқда.

Ҳозириги кунда амалиётда асосий воситаларнинг корхона баланси ва ҳисботларида акс эттирилувчи (яъни, бошланғич, белгиланган тартибда ўтказилувчи қайта баҳолашдан кейин эса тикланиш), ҳисобга олиш қиймати **баланс қиймати** деб аталади. Бундан асосий воситаларнинг қолдиқ қийматини асосий воситаларнинг баланс қийматидан эскириш суммасини айириб ташлаш ёрдамида топиш мумкинлиги англашалади.

Қабул қилинган баҳолаш усули ва корхона балансида акс эттирилувчи бухгалтерия ҳисботи маълумотлари асосида, **корхона асосий ишлаб**

* Ушбу расмни матннинг электрон версияси орқали слайд шаклида диапроектор орқали намойиш этиш мумкин. 2-илова

чиқариш фондларининг ўртача йиллик қиймати (Φ_{cp}) белгиланиб, у қуидаги формула асосида аниқланади:

$$\Phi_{\text{yr}} = \Phi_n + \frac{\Phi_n T_1 - \Phi_b T_2}{12};$$

Бу ерда:

Φ_n – асосий ишлаб чиқариш фондларининг йил бошидаги қиймати;

Φ_n – йил давомида келиб тушган (фойдаланишга топширилган) асосий ишлаб чиқариш фондлари қиймати;

Φ_b – йил давомида ишлаб чиқаришдан чиқарилган (йўқ қилинган) асосий фондлар қиймати;

T_1 - фойдаланишга топшириувчи асосий ишлаб чиқариш фондлари амалда бўлувчи ўртача муддати (ойларда), қабул қилингандан кейинги ойдан бошлаб;

T_2 – ишлаб чиқаришдан чиқарилган (йўқ қилинган) асосий ишлаб чиқариш фондлари фойдаланилмайдиган ўртача муддат (оилар) чиқарилган ойдан то йил охиригача).

Асосий фондларни бошланғич ёки тикланиш қиймати бўйича баҳолашдан ташқари эскириш суммаси ҳам ҳисобга олинади. Асосий фондлар жисмоний ва маънавий жиҳатдан эскириши мумкин.

Жисмоний (моддий) эскириши асосий фондларнинг бирламчи хислатларини ишлаб чиқаришда фойдаланиш ва табиий эскириш натижасида йўқотишдан юзага келади. У асосан бир хилда кечмайди ҳамда кўп жиҳатдан иқлиминг таъсири, асосий фондлардан фойдаланиш қоидаларига риоя қилиш, жумладан, ходимларнинг малакасига ҳам боғлиқ бўлади.

Жисмоний эскиришни (ИФ) қуидаги формула асосида ҳисоблаб топиш мумкин:

$$IF = \frac{T_\phi}{T_n} \times 100; \quad \text{ёки} \quad IF = \frac{I}{\Pi_c} \times 100.$$

Бу ерда:

T_ϕ - асосий фондларнинг ҳақиқий хизмат қилувчи муддати;

T_n - асосий фондлар хизмат қилиши керак бўлган норматив муддат;

I - ҳисобланган амортизация суммаси (эскириш суммаси);

Π_c – асосий фондларнинг бошланғич(қайта ташкил қилиш) қиймати.

Маънавий эскириши - асосий фондларнинг қадрсизланиши ёки техник жиҳатдан муддатидан аввал иш қобилиятини йўқотилишидир. У икки шаклда юзага келади: биринчи шаклда асосий фондлар уларнинг ишлаб чиқариш қийматлари пасайиши натижасида қадрсизланса, иккинчи шаклда асосий фондларнинг қадрсизланиши янги, фан-техника тараққиёти таъсири остида, янада самаралироқ фондларнинг пайдо бўлиши натижасида рўй беради. Асосий фондлар маънавий эскиришининг юқорида келтирилган шаклларини қуидаги тарзда аниқлаш мумкин:

$$ИМ_1 = \frac{\Pi - B}{\Pi} \times 100;$$

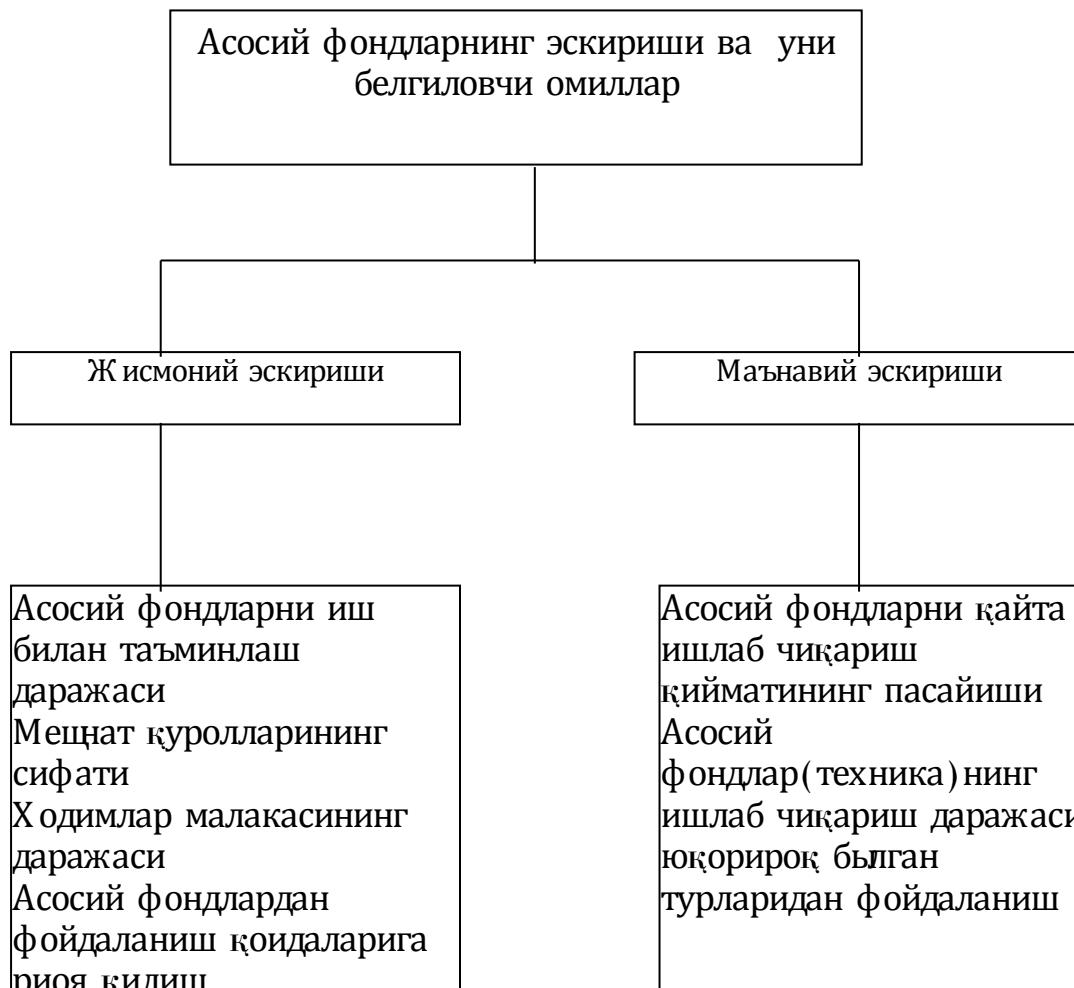
$$ИМ_2 = \frac{\Pi_h - \Pi_c}{\Pi_h} \times 100.$$

Бу ерда:

Π - асосий фондларнинг тўлиқ бошланғич қиймати;

B - асосий фондларнинг тикланиш қиймати;

Π_h - янги техниканинг унумдорлиги.



7.3.-чизма. Асосий фондларнинг эскириши турлари*

Асосий фондларни қайта ишлаб чиқариш, яъни жисмоний ва маънавий жиҳатдан эскирган асосий фондларнинг ўрнини иқтисодий тўлдириш учун корхона бу воситалар қийматидан *амортизация ажратмаларни* айириб ташлайди ҳамда бу ажратмалар кейинчалик харажатлар сифатида маҳсулот таннархига киритилади.

* Ушбу расмни матннинг электрон версияси орқали слайд шаклида диапроектор орқали намойиш этиш мумкин. 2-илова

Амортизация ажратмалари қуйидаги формула асосида аниқланувчи амортизация нормалари (H_a) асосида амалга оширилади:

$$H_a = \frac{A}{\Pi} * 100$$

Бу ерда:

A - амортизация ажратмалари;

Π - асосий фондларнинг тўлиқ бошланғич қиймати.

Йиллик амортизация ажратмалари (АО) миқдори қуйидаги формула асосида аниқланади:

$$A = \frac{\Pi + P_\kappa + M - O}{T}$$

Бу ерда:

P_κ – асосий фондлар хизмат қилган муддат давомида капитал таъмирлашга сарфланган харажатлар;

M - ускуна, машина ва қурилмаларни, улар хизмат қилган давр мобайнида модернизация қилишга сарфланган харажатлар;

O - асосий фондларнинг қолдиқ (ликвидацион) қиймати;

T - асосий фондларнинг хизмат қилиш муддати, йил.

Амалда амортизация маблағлари асосий фондларни тўлиқ қайта тиклаш (реновация), капитал таъмирлаш ва ускуналарни модернизация қилиш учун алоҳида равишда йўналтирилади. Бундан келиб чиқсан ҳолда амортизация нормаси икки қисмдан - фондларни реновация қилиш (H_b) ҳамда капитал таъмирлаш ва модернизация қилиш (H_p) учун ажратилувчи маблағдан иборат бўлади.

Биринчи ҳолда амортизация нормаси қуйидаги формула:

$$H_b = \frac{\Pi - O}{T\Pi} \times 100;$$

иккинчи ҳолда эса:

$$H_p = \frac{P_\kappa + M}{T\Pi}$$

асосида аниқланади

Ишлаб чиқариш жараёнида асосий фондлар аста-секинлик билан эскириши сабабли, уларнинг иш қобилиягини таъмирлаш орқали тиклаш зарурияти туғилади. Ўз вақтида таъмирлаш асосий фондлар муддатидан олдин ишдан чиқишининг олдини олади ҳамда уларнинг хизмат қилиш муддати ва унумдорлигини оширади. Асосий фондларни таъмирлаш капитал, ўрта ва жорий турларга бўлинади. Бино ва иншоотларни таъмирлаш ўз мазмуни, талаб қилинувчи муддат ва маблағларга кўра, машина ва ускуналарни таъмирлашдан фарқ қиласи.

Масалан, машина ва асбоб-ускуналарни **капитал таъмирлашда** улар тўлиқ қисмларга бўлинади ва эскирган қисмлар алмаштирилади. Ускуналарни

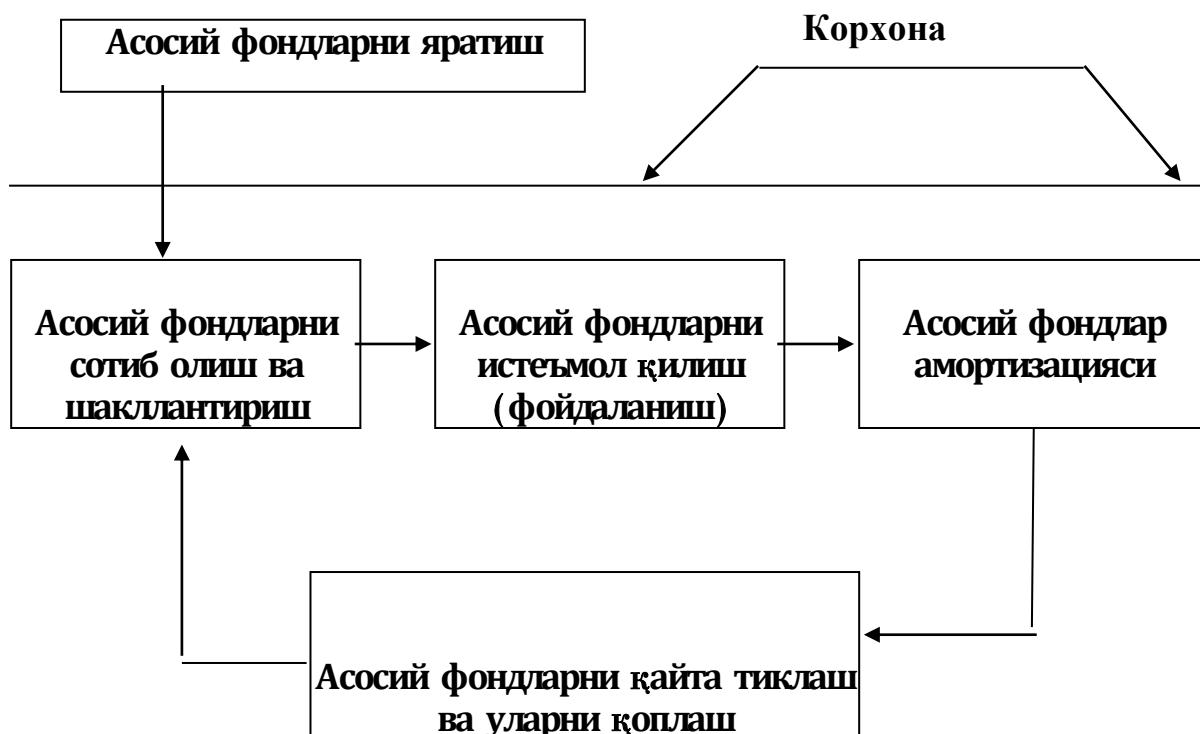
икки марта капитал таъмирлаш орасидаги муддат *таъмирлаши цикли* деб аталади. Машина ва ускуналар, қоидага кўра, маҳсус заводларда таъмирланади.

Ўртacha таъмирлаш техник мазмуни, мураккаблиги, бажариладиган иш ҳажми ва даврийлигига кўра, капитал таъмирлашдан фарқ қиласи ҳамда сарфланувчи маблағ, вақт ва кучни нисбатан камроқ талаб этади. Жорий таъмирлаш каби у ҳам машина ёки ускунадан фойдаланувчи корхонанинг ўзида амалга оширилиши мумкин.

Жорий таъмирлашда асосан асбоб-ускуналар тозаланади, мойланади, текширилади, майда камчиликлари бартараф қилинади, яъни ускуналарнинг фойдаланишга доимий тайёрлиги таъминланади.

Асосий фондларни таъмирлаш ва уларга хизмат кўрсатиш мажмуаси *режали-олдини оловчи таъмирлаш тизимиға* (РООТ) бирлаштирилади ва корхона бош механизми томонидан бошқарилади. Деярли ҳар бир корхонада РООТ ўtkазилишини қайд қилиш журналлари мавжуд бўлиб, уларда профилактика ва таъмирлаш тадбирларини ўtkазиш тартиби ва графиги белгилаб қўйилади.

Таъмирлаш ишлари туфайли корхона асосий фондларнинг жорий эксплуатацияга тайёрлигини таъминлайди. Бироқ шу билан бир қаторда корхона асосий фондларни яратиш, фойдаланиш, амортизация, қайта тиклаш каби босқичларни ўз ичига оловчи такрор ишлаб чиқариш амалларини доимий равишда бажаришга интилиши лозим. Бу босқичларни қўйидаги чизма ёрдамида акс эттириш мумкин (7.4 - чизма)*.



* Ушбу расмни матннинг электрон версияси орқали слайд шаклида диапроектор орқали намойиш этиши мумкин. 2-илова

7.4-чизма. Корхона асосий фондларини қайта ишлаб чиқариши босқичлари

Такрор ишлаб чиқариш циклида асосий фондларни яратиш жараёни корхонадан ташқарида амалга оширилади ҳамда асосан қурилиш соҳаси, машинасозлик, асбобсозлик ҳамда асосий фондларни яратиш билан шуғулланувчи бошқа соҳалар билан боғлиқ бўлади. Асосий воситаларни такрор ишлаб чиқаришнинг қолган босқичлари корхона худудида амалга оширилади. Бироқ барча ҳолларда ҳам асосий фондларни такрор ишлаб чиқариш туфайли корхоналар ишлаб чиқаришни модернизация қилиш ҳамда ривожланиб бораётган бозор муносабатлари шароитларида иқтисодий ва техник барқарорликка эришишларини таъминлайди.

7.3. Асосий фондлардан фойдаланишни яхшилаш йўллари ва кўрсаткичлари

Асосий ишлаб чиқариш фондларидан фойдаланишнинг турли хил кўрсаткичлари мавжуд бўлиб, уларни шартли равишда икки групга бўлиш мумкин:

биринчи груп - умумлаштирувчи ва қиймат кўрсаткичлари бўлиб, улар асосий фондларнинг турли групларини динамика ва статикада баҳолаш, таҳлил қилиш, заҳираларни аниқлаш ва башорат қилиш имконини яратади. Бундай кўрсаткичларга фонд қайтими, фонд сигими, фонд рентабеллиги ва бошқаларни киритиш мумкин.

иккинчи груп - хусусий ва натурал кўрсаткичлар бўлиб, кўпроқ асосий ишлаб чиқариш фондларининг фаол қисми - ишчилар, машина ва асбоб-ускуналардан фойдаланиш билан боғлиқ.

Кўрсаткичларнинг бу групни таркибига қуйидагилар киради:

* асосий ишлаб чиқариш фондлари(машина ва асбоб-ускуналар)дан экстенсив фойдаланиш коэффициенти, улардан вақт бўйича фойдаланганлик даражасини акс эттиради;

* асосий ишлаб чиқариш фондлари(машина ва асбоб-ускуналар)дан интенсив фойдаланиш коэффициенти, улардан қувват бўйича фойдаланганлик (унумдорлик) даражасини акс эттиради;

* асосий ишлаб чиқариш фондларидан интеграл фойдаланиш коэффициенти, барча экстенсив ва интенсив омиллардан биргаликда фойдаланишни ҳисобга олади.

Кўрсатилган кўрсаткичларнинг ҳар бири амалиётда мустақил маънога эга бўлиб, турли мақсадларга эришиш учун фойдаланилади. Масалан, асосий ишлаб чиқариш фондларидан вақт бўйича қандай фойдаланилганлигини (экстенсив фойдаланиш) баҳолаш асбоб-ускуналарнинг сменалик коэффициенти, ускуналарни коэффициенти, смена давомида ускуналарнинг бекор туриб қолиши, ускуналардан сменаларда фойдаланиш коэффициенти каби кўрсаткичлар кўлланилади.

Асбоб-ускуналардан экстенсив фойдаланиш коэффициенти мазкур ускуналардан амалда ҳақиқий фойдаланилган вақтнинг улардан режа бўйича фойдаланиш муддатига нисбати орқали аниқланади.

$$K_{ек} = \frac{t_{хак}}{t_{реж}}$$

Бу ерда:

$t_{хак}$ – ускуналардан ҳақиқий фойдаланилган вақт, соатлар;

$t_{реж}$ – ускуналарнинг нормага асосан фойдаланиш муддати, соатлар.

Мисол. Агар 8 соатлик смена мобайнида таъмирлаш учун 1 соат режалаштирилиб, амалда 5 соат сарфланган бўлса, у ҳолда экстенсив фойдаланиш коэффициенти 0,71 (5/(8-1)) ни ташкил қиласди. Бу эса асбоб-ускуналардан смена давомида фақат 71 % фойдаланилганлигини англатади.

Корхоналарда бундай ускуналарнинг бир эмас, бир нечта – ўнта ёки юзтасидан фойдаланилади. Шу муносабат билан ускуналарнинг сменалик коэффициенти - сутка давомида машина-сменаларнинг ўрнатилган ускуналарнинг умумий сони ёки ишчи ўринларига нисбатини аниқлаш зарурияти туғилади. Бу ҳолда сменалик коэффициенти қўйидаги формула асосида аниқланади:

$$K_{см} = \frac{MC}{KO}$$

Бу ерда:

МС - сутка давомида ҳақиқий ишланган машина-сменалар йифиндиси;

Ко - ўрнатилган асбоб-ускуналарнинг умумий сони.

Мисол. Корхонада 200 дона металл қирқувчи станок сутка мобайнида 360 машина-смена, 60 та темир прессловчи станок 50 машина-смена, 40 та қуюв станоклари эса 30 машина-смена ишлаган. Ушбу ҳолда барча станоклардан фойдаланишнинг сменалик коэффициенти қўйидагича топилади:

$$K_{см} = \frac{360 + 50 + 30}{200 + 60 + 40} = 1,47$$

Ускуналарнинг сменалик коэффициентини аниқлашнинг яна бир йўли бўлиб, унга кўра корхоналарнинг бир эмас, икки ёки уч сменада ишлаши ва бунда ускуналарнинг барчасидан ҳам тўлиқ фойдаланилмаслиги кўзда тутилади. Масалан, цехда 270 дона ускуна ўрнатилган бўлиб, биринчи сменада улардан 200 таси, иккинчи сменада эса 190 таси ишлаган. Бу ҳолда ускуналарнинг сменалик коэффициенти 1,44 (200+190)/270) ни ташкил қиласди.

Ускуналарни юкланиш коэффициенти ҳам ускуналардан вақт бўйича фойдаланишни тавсифлайди. Сменалик коэффициентидан фарқли равишда, у маҳсулотнинг меҳнат сифимини ҳисобга олади. У мазкур ускунада тайёрланган барча маҳсулотлар меҳнат сифимининг унинг ишлаш вақти фондига нисбати орқали аниқланади. Мазкур мисолда ушбу коэффициент қўйидагича бўлади:

$$K_{\text{юк}} = \frac{1,44}{2} = 0,72$$

Корхонада асосий ишлаб чиқариш фондларидан фойдаланишни түлип баҳолаш учун экстенсив кўрсаткичлардан ташқари, уларнинг қувват бўйича юкланиш табиатини ўрганиш ҳам мухим аҳамият касб этади. Бу ерда юқорида айтиб ўтилганидек, технологик ускуналар амалдаги унумдорлигининг, яъни техник асосланган прогрессив унумдорликнинг норматив унумдорликка нисбати асосида, яъни **ускуналардан интенсив фойдаланиш коэффициентидан** фойдаланиш, уни қўйидаги формула бўйича хисоблаш мумкин:

$$K_{\text{инт}} = \frac{B_{\Phi}}{B_{\Pi}};$$

Бу ерда: B_{Φ} – вақт бирлигида ускунада ишлаб чиқарилган ҳақақий маҳсулот миқдори;

B_{Π} – вақт бирлигида ускунада техник жиҳатдан асосланган маҳсулот ишлаб чиқариш нормаси.

Мисол. Паспорт маълумотлари бўйича дастгоҳда бир соатда 100 та деталь ясаш мумкин, амалда эса шу вақт ичидаги фақат 80 та деталь тайёрланди. У ҳолда $K_{\text{инт}}=0,8$ (80:100), яъни дастгоҳдан қувват бўйича фойдаланиш 80 фоизни ташкил қилди.

Ускунадан интеграл фойдаланиш коэффициенти ускунадан экстенсив ва интенсив фойдаланиш коэффициентларининг кўпайтмаси орқали аниқланаб, унинг вақт ва қувват бўйича банд бўлишини (фойдаланишишини) комплекс характеристлайди.

Бизнинг мисолимизда $K_{\text{экс}}=0,71$ ва $K_{\text{инт}}=0,8$ бўлганлиги туфайли, ускунадан интеграл фойдаланиш коэффициенти қўйидагига teng бўлади:

$$K_{\text{интегр.}} = K_{\text{экс}} * K_{\text{инт}} = 0,71 * 0,8 = 0,57$$

Корхонанинг асосий ишлаб чиқариш фондларидан фойдаланишнинг умумий ва қиймат кўрсаткичлари нуқтаи назаридан келиб чиқсан ҳолда, аввало **фонд қайтими** ҳакида тўхталиб ўтиш керак. У асосий фонdlар бирлигига (қиймати бўйича) тўғри келган маҳсулот ишлаб чиқаришни характеристлайди.

У маҳсулот сотишдан тушган бир йиллик тушумнинг (B) асосий ишлаб чиқариш фонdlарининг ўртача йиллик қийматига нисбати сифатида аниқланади:

$$\Phi_c = \frac{B}{\Phi_c}$$

Маҳсулотнинг фонд сифими - фонд қайтимига тескари қиймат бўлиб, қўйидаги формула асосида аниқланади:

$$\Phi_c = \frac{\Phi_{\text{юР}}}{B}$$

Фонд сифими капитал қўйилмалари (инвестициялар)ни тежаш ёки кўпайтириш билан узвий равишда боғлиқ бўлади. Масалан, маҳсулот фонд сифими пасайиб, унинг ишлаб чиқариш ҳажми доимий ёки ўсувчи бўлганда асосий ишлаб чиқариш фонdlаридан фойдаланиш шароитлари яхшиланади, демак, капитал қўйилмаларини тежаш учун имконият туғилади. Уни топиш учун қўйидаги формуладан фойдаланилади:

$$\mathcal{E}_k = \Phi_e \times \mathbf{B}$$

Бу ерда:

\mathcal{E}_k – капитал қўйилмаларни тежаш, сўм;

Φ_e – ҳисобот йилида маҳсулот фонд сифимининг ўтган йилдагига нисбатан ўзгариши, сўм.

Ҳар бир корхона ўз тасарруфидаги асосий ишлаб чиқариш фонdlаридан иложи борича унумли фойдаланишга интилиши лозим. Бунга фонdlарни иш билан таъминлашни яхшилаш туфайли ишлаб чиқариш ва маҳсулотларни сотиш ҳажмини ошириш, нисбий харажатларни камайтириш, фойдани оширишдан ташқари асосий фонdlарда жамиятнинг ўтмишда нарса ҳолига айланган меҳнати мужассамланганлиги ҳам зарурят туғдиради.

Корхона асосий ишлаб чиқариш фонdlаридан фойдаланишни яхшилашнинг асосий йўналишлари сифатида қўйидагиларни кўрсатиш мумкин:

- смена давомида ускуналар бекор туриб қолишини қисқартириш ва унинг олдини олиш;
- ускуналарнинг сменалик коэффициентини ошириш;
- бекор турувчи ускуналарни қисқартириш ва тугатиш;
- таъмирлаш ва профилактика тадбирларини ўз вақтида ва сифатли равишда амалга ошириш;
- ускуналарни эксплуатация қилувчи ходимларнинг малакасини ошириш;
- ишлаб чиқаришни ташкил этишни ва ресурслар билан таъминлашни яхшилаш.

7.4. Корхонанинг ишлаб чиқариш қуввати

Асосий ишлаб чиқариш фонdlари ҳажми ва улардан фойдаланиш даражаси корхонанинг ишлаб чиқариш қуввати катталигини белгилайди. У ишлаб чиқариш дастурини асослашда катта роль ўйнайди ҳамда корхонанинг белгиланган номенклатура ва сифатли маҳсулот ишлаб чиқариш бўйича потенциал имкониятларини тавсифлайди.

Бундан келиб чиқадики, **ишлаб чиқариш қуввати** – бу, маълум бир вақт давомида илғор технологиялардан фойдаланиш, ишлаб чиқариш ва меҳнатни ташкил қилишнинг илғор шароитларида ишлаб чиқариш мумкин бўлган маҳсулотларнинг максимал даражасидир. У қоидага кўра, ишлаб чиқарилган маҳсулотлар ҳажмининг натурал кўринишда, ушбу корхонанинг ихтисослашганлиги ва маҳсулотнинг алохида турлари ўртасидаги ўзаро нисбатига кўра аниқланади.

Корхонанинг ишлаб чиқариш қуввати илғор (асосий) цехлар қуввати билан, цехлар қуввати бош участкалар қуввати билан, участкалар қуввати эса бош ускуналар қувватига асосан аниқланади. Корхона ишлаб чиқариш қуввати

катталигини белгилаб берувчи кўрсаткичлар қаторига қўйидагиларни киритиш мумкин:

- * ускуналар таркиби ва турлар бўйича сони;
- * ускуна, агрегат ва дастгоҳлардан фойдаланишнинг техник-иктисодий норма (норматив) лари;
- * ускуналарнинг ишлаш вақти фонди;
- * ишчилар сони;
- * ишлаб чиқарилаётган маҳсулот номенклатураси ва ассортименти (турлари ва хилма-хиллиги).

Корхона ишлаб чиқариш қувватининг **бошлангич** (йил бошида), **якуний** (йил охирида), **ўртacha** йиллик ҳамда **лойиҳа қуввати** турлари мавжуд. Лойиҳа қуввати қурилиш лойиҳасида кўзда тутилган бўлади. Қайта тиклаш, кенгайтириш ва техник жиҳатдан қайта қуроллантириш давомида лойиҳа қуввати катталаштирилиши мумкин. Шу сабабли амалиётда лойиҳа қуввати кўпинча корхонанинг амалдаги қуввати билан солиширилади. Корхонанинг амалдаги қуввати корхона ишлаб чиқариш дастурини тайёрлаш учун асос бўлиб хизмат қиласи.

Корхона ишлаб чиқариш қувватини аниқлашда заҳирадаги ускуналардан ташқари, барча ўрнатилган ускуналар ҳисобга олинади. Баъзи бир цехларда (йигув, қуюв ва бошқа цехларда) ишлаб чиқариш қуввати ишлаб чиқариш майдонларига асосан ҳисобланади.

Ишлаб чиқариш қувватини аниқлашда маҳсулот бирлигига сарфланувчи вақт нормаси ёки ҳар бир ускунанинг унумдорлик нормалари муҳим аҳамиятга эга бўлиб, улар илғор ҳамда прогрессив бўлиши талаб қилинади.

Корхона бош бўғинининг (асосий цехининг) ишлаб чиқариш қуввати қўйидаги формула асосида ҳисобланади:

$$M = \frac{n \times \Phi_{\max}}{M_t}$$

Бу ерда:

M - цех ёки участканинг қабул қилинган ўлчов бирлигидаги ишлаб чиқариш қуввати;

n - цех ёки участкадаги илғор ускуналар сони;

Φ_{\max} –бош ускунадан фойдаланиш мумкин бўлган максимал муддат, соат;

M_t –бош ускунада маҳсулот тайёрлашнинг прогрессив меҳнат сифими, соат.

Амалиётда ишлаб чиқариш қуввати ва ускуналарнинг юкланишини ҳисоблашда баъзида хатолар, улар ўртасидаги фарқни сезмаслик ҳоллари ҳам учраб туради. Корхона қуввати асосий ишлаб чиқариш фондлари, янги техника ва аниқланган заҳиралардан фойдаланган ҳолда маҳсулот ишлаб чиқариш мумкин бўлган максимал даражани тавсифлайди, ускуналарнинг юкланишини ҳисоблаш натижалари эса, ушбу қувватлардан режадаги даврда фойдаланишнинг даражасини аниқлайди.

Демак, улар ўртасидаги принципиал фарқ шундаки, биринчи ҳолатда корхона ишлаб чиқариши мумкин бўлган маҳсулотларнинг максимал даражаси

аниқланса, иккинчи ҳолда мазкур давр мобайнида ускуналардан қанчалик фойдаланилиши аниқланади.

Ишлаб чиқариш дастурининг корхонада мавжуд бўлган қувватларга мос келишини аниқлаш учун, ўртacha ишлаб чиқариши қуввати ҳисоблаб топилади. Уни ҳисоблаш учун куйидаги формуладан фойдаланилади:

$$M_{\text{ўр.йил}} = M_h + \frac{M_v \times n_1}{12} - \frac{M_l \times n_2}{12}$$

Бу ерда:

$M_{\text{ўр.йил}}$ – корхонанинг ўртача йиллик қуввати;

M_h – корхонанинг йил бошидаги қуввати;

M_v – йил мобайнида киритилувчи қуввати;

M_l – йил давомида ишлаб чиқаришдан чиқарилувчи (йўқ қилинувчи) қувват;

n_1 , n_2 – ишлаб чиқариш қувватларини ишга туширишдан ёки тугатилган ишлаб чиқариш қувватлари йўқ қилингандан то йил охиригача ўтган тўлиқ ойлар сони.

Асосий ишлаб чиқариш фондларидан фойдаланишни яхшилаш билан боғлиқ бўлган мазкур чора-тадбирлар, кўпинча ишлаб чиқариш қувватлари балансини тузиш йўли билан амалга оширилиб, корхонанинг ишлаб чиқариш қувватлари ва уларни таъминлаш манбаларига бўлган эҳтиёжи аниқланади.

Қисқача хулосалар

Бино, иншоот, машина, қурилма, асбоб-ускуна ва бошқа меҳнат воситаларидан иборат бўлган асосий ишлаб чиқариш фондлари ишлаб чиқариш жараёнида узоқ вақт мобайнида иштирок этиб, натурал шаклини сақлаб қолади ҳамда уларнинг қиймати ишлаб чиқарилаётган маҳсулотга аста-секинлик билан қисмларга бўлиб ўтказилади.

Асосий фондлар ишлаб чиқариш моддий-техника базасининг асоси ҳисобланади. Корхонанинг ишлаб чиқариш қуввати ва меҳнатнинг техник жиҳатдан қуролланиш даражаси асосий фондларга боғлиқ бўлади.

Корхонанинг ишлаб чиқариш қуввати – бу, ишлаб чиқаришнинг барча заҳираларидан фойдаланган ҳолда ишлаб чиқариш мумкин бўлган маҳсулотнинг максимал ҳажмидир.

Эксплуатация жараёнида асосий фондлар жисмоний ва маънавий эскиришга учраб, бу корхона учун маълум бир йўқотишларни келтириб чиқаради.

Асосий фондларнинг эскириши билан боғлиқ бўлган йўқотишларни, улардан фойдаланишини яхшилаш, фонд қайтими, сменалик коэффициенти, ишлаб чиқариш қувватларидан фойдаланиш коэффициенти каби асосий кўрсаткичлар даражасини ошириш ёрдамида камайтириш мумкин.

Бу кўрсаткичларни фан-техника тараққиёти ҳисобига, асосий фондлар тузилмасини мукаммаллаштириш, ускуналар бекор туриб қолишини

камайтириш, меҳнат ва ишлаб чиқаришни такомиллаштириш, хўжалик юритишининг янги шаклларини ривожлантириш ёрдамида яхшилаш мумкин.

Фойда билан бир қаторда амортизация ажратмалар ҳам корхона асосий фондларини такомиллаштириш манбаи бўлиб хизмат қиласди.

Таянч иборалар

Асосий фондлар, корхонанинг ишлаб чиқариш аппарати, ноишлаб чиқариш асосий фондлари, актив ва пассив, лизинг, корхона асосий фондлари таркиби, эксплуатация қилинаётган асосий фондларнинг ёши, натурал баҳолаш, қиймат бўйича баҳолаш, бошланғич қиймат, тикланиш қиймати, қолдиқ қиймати, баланс қиймати, асосий ишлаб чиқариш фондларининг ўртacha йиллик қиймати, жисмоний (моддий) эскириш, маънавий эскириш, амортизация ажратмалари, амортизация нормалари, капитал таъмирлаш, ўртacha таъмирлаш, жорий таъмирлаш, ишлаб чиқариш қуввати.

Назорат ва муҳокама учун саволлар

1. Асосий фондлар нима ва уларнинг кенгайтирилган ишлаб чиқаришдаги роли қандай?
2. Асосий ишлаб чиқариш фондлари тузилмаси деганда нима тушунилади ҳамда уларнинг саноат тармоқлари бўйича фарқланишига нима сабаб бўлади?
3. Замонавий амортизация сиёсатининг моҳияти ва аҳамияти нимада?
4. Асосий ишлаб чиқариш фондларидан фойдаланишининг экстенсив ва интенсив кўрсаткичлари қандай?
5. Корхона ва саноат тармоғининг ишлаб чиқариш қувватларини ҳисоблаш усули, тури ва тушунчалари қандай?
6. Замонавий шароитларда асосий фондлар ва корхона ишлаб чиқариш қувватидан фойдаланишини яхшилашнинг қандай йўналишлари мавжуд?

Тавсия этиладиган адабиётлар

1. Ўзбекистон Республикасининг “Хусусий корхоналар тўғрисида”ги Конуни. Қонун ва қарорлар. Т., “Ўзбекистон”, 2004., №3
2. И.А. Каримов. Ўзбекистон XXI аср бўсағасида: хавфсизликка таҳдид, тараққиёт шартлари ва кафолатлари. Т., “Ўзбекистон”, 1997.
3. Маҳсулот (ишлар, хизматлар)ни ишлаб чиқариш ва сотиш харажатлари таркиби ҳамда молиявий натижаларни шаклантириш тартиби түғрисадаги Низом. -Т.: 1999, 5 февраль.
4. Махмудов Э.Х. Корхона иқтисодиёти: Ўқув.қўлл. –Т.: Ўзбекистон ёзувчилар уюшмаси Адабиёт жамғармаси нашриёти, 2004.
5. Акромов Э.А Корхоналарнинг молиявий холати таҳлили. – Т.: Молия, 2003.-223 б.
6. «Ўз Ишингизни яратинг ёки тадбиркор нималарни билиши лозим» - Тошкент шаҳри, ЮНИДО, «Бизнес маслаҳат маркази» лойиҳаси, 2003й.

7. Абдукаримов И.Т. ва бошқалар Корхона иқтисодий салоҳияти таҳлили. Т.: «Иқтисодиёт ва хуқук дунёси» нашриёт уйи, 2003.
8. Экономика предприятия. Учебник для ВУЗов. 3-е издание /Под. ред. В.Я.Горфинкеля, В.А.Швандара. - М.: Юнити-Дана, 2003.
9. О.И. Волков, Экономика предприятия, Учебник. М., “ИНФРА-М”, 2000.
10. Г.И. Шепеленко. Экономика, организация и планирование производства на предприятии. Учебное пособие. Ростов-на-Дону, Изд. Центр “МАРТ”, 2000.
11. В. Г. Грузинов. Экономика предприятия Учебник 2-е изд. М.: «Юнити Дана» 2003.
12. Экономика предприятия Конспект лекций в списках М.: Приор-издат 2003.
13. Аутсорсинг: Создание вўсокоэфективнўх и конкурентоспособнўх организаций. Учебное пособие / Под ред. Б.А.Аникина М.: Инфра – М 2003.
14. Экономика предприятия Конспект лекций М.: Изд-во ПРИОР 2002.
15. Сергеев И.В Экономика предприятия. 2-е изд. пераб. и доп. Учебное пособие М.: ФиС 2004.
16. Вумек Джеймс П., Джонс Дениел Т. Пер. с англ. Бережливое производство; Как избавиться от потерь и добиться процветания вашей компании; М.. Альпина Бизнес БУКС 2004.
17. Кристенсен Клейтон М. Как из-за новўх технологий погибают сильнўе компании /Дилемма инноватора Пер.с анг. М.: Альгина Бизнес Бука 2004.
18. <http://www.harvard.edu>
19. <http://www.capitul.ru>
20. <http://www.5b.ru>
21. <http://www.audit-center.ru>

VIII МАВЗУ. КОРХОНАНИНГ АЙЛАНМА МАБЛАГЛАРИ

- 8.1. Айланма маблағлар тушунчаси, иқтисодий табиати ва уларнинг корхона фаолиятидаги аҳамияти.
- 8.2. Айланма маблағларнинг тузилмаси ва ҳаракати ҳамда уларнинг корхона иқтисодиётига таъсири.
- 8.3. Айланма маблағларни нормалаштириш.
- 8.4. Айланма маблағлардан фойдаланиш қўрсаткичлари ва уларнинг айланнишини тезлаштириш йўллари.

8.1. Айланма маблағлар тушунчаси, иқтисодий табиати ва уларнинг корхона фаолиятидаги аҳамияти

Корхоналар ишлаб чиқариш фаолиятини ташкил қилишда меҳнат қуроллари (асосий фондлар) ва ишчи кучидан ташқари, **айланма маблағларга** ҳам эга бўлишлари зарур. Айланма маблағлар ишлаб чиқаришнинг айланма фондлари ва муомала фондларини ташкил қилишга мўлжалланган пул маблағларидан иборат. Айланма маблағлар, қоидага кўра, корхонанинг ҳисоб рақамида нақд пул кўринишида жамғарилади. Ҳар бир корхонанинг айланма маблағлари асосий фондларнинг техник ҳолати ва маҳсулот ишлаб чиқариш дастури билан боғлиқ. Корхона қанчалик катта ва унинг ишлаб чиқараётган маҳсулотлари турлари кўп бўлса, айланма маблағлар шунчалик кўп талаб қилинади. Айланма маблағлар ишлаб чиқариш ва унинг узлуксизлигини таъминлашнинг моддий асоси ҳисобланади.

“Айланма маблағлар” атамасидан ташқари “айланма капитал” ибораси ҳам кўп қўлланилиб, асосан иқтисодий назария ва хўжалик юритишнинг хорижий тажрибасидан олинади. Моҳиятига кўра, **айланма капитал** корхона ишлаб чиқариш капиталининг бир қисми бўлиб, унинг қиймати ишлаб чиқаришнинг ҳар бир циклида ишлаб чиқарилган маҳсулотга ўтказилади ҳамда ушбу товарни сотгандан сўнг корхонага қайтарилади. Айланма капитал кўпинча корхонанинг пул маблағлари ҳисобланувчи ёки ишлаб чиқариш жараёнида пул маблағларига айлантирилувчи ҳаракатчан активлари қаторига киритилади.

Иқтисодий табиати, бажарувчи вазифалари ва ишлаб чиқариш жараёнидаги ўрнига кўра, “айланма маблағлар” ва “айланма капитал” ўртасида сезиларли фарқ йўқ. Корхона доимий капиталининг таркибий қисми сифатида улар хом ашё, ёқилғи, энергия ресурслари, ёрдамчи ва бошқа материалларда юзага келади, шунингдек, ишчи кучларини ёллаш ва уларнинг меҳнатига ҳақ тўлашга бўнак (аванс) тариқасида берилади. Айланма маблағларга бўлган қўшимча талаб банклардан олинадиган кредитлар ҳисобига қопланади.

Бозор иқтисодиёти шароитларида корхоналарнинг айланма маблағларга етарли тарзда эга бўлиши уларнинг нормал фаолият юритиши гарови ҳисобланади. Шуни ҳам унутмаслик зарурки, ишлаб чиқараётган маҳсулот бирлигига сарфланувчи хом ашё, материал, ёқилғи ва энергия микдори маҳсулот сифатига таъсири кўрсатмаган ҳолда қанчалик кам бўлса, маҳсулот

шунчалик арzonлашади ҳамда айланма маблағлар камроқ сарфланиб, улардан фойдаланиш самарадорлиги юқори бўлади.

Корхоналарнинг айланма маблағлари айланма фондлари ва муомала фондларига тақсимланади. Бундай тақсимлаш уларнинг моддий–буюмлашган тузилишидан ташқари, ишлаб чиқариш жараёни ва умуман, корхонанинг иқтисодий фаолиятидаги иштироки асосида амалга оширилади. Бундан ташқари, тақсимлаш режалаштиришни ташкил қилишда ҳамда корхонанинг ишлаб чиқариш ва ноишлаб чиқариш соҳаларида айланма маблағларга бўлган эҳтиёжини аниқлашда катта роль ўйнайди.

Айланма ишлаб чиқариш фондлари–корхона ишлаб чиқариш фондларининг бир қисми бўлиб, битта ишлаб чиқариш цикли давомида сарфланади ҳамда натурал шаклини ўзгартириб, ўз қийматини тўлигича тайёр маҳсулот таннархига ўтказади. Шу сабабли айланма ишлаб чиқариш фондлари ишлаб чиқариш жараёнининг мажбурий элементи ва ишлаб чиқариш харажатларининг асосий қисми ҳисобланади.

Корхона айланма ишлаб чиқариш фондлари қаторига хом ашё ва материаллар заҳираси, ярим тайёр маҳсулотлар, ёқилғи ва энергетика ресурслари, қадоқлаш ва ўров материаллари, эҳтиёт қисмлар, тугалланмаган ишлаб чиқариш ва келажакдаги харажатларни киритиш мумкин. Режалаштириш, системали ҳисоб ва ҳисботни ташкил қилиш учун қулайлик яратиш мақсадида айланма ишлаб чиқариш фондлари уч гурухга бўлинади:

- * ишлаб чиқариш заҳиралари;
- * тугалланмаган ишлаб чиқариш ва корхонада тайёрланган ярим тайёр маҳсулотлар;
- * келгуси давр харажатлари.

Муомала фондлари корхонанинг тайёр маҳсулот заҳирасини яратиш учун мўлжалланган пул маблағлари, шунингдек, чек ва векселлар, акциядорларнинг қарзлари, турли хил дебиторлик қарзлари, банк ва кассаларнинг ҳисоб рақамларидағи маблағлардан иборат бўлади. Муомала фондлари ва айланма ишлаб чиқариш фондлари мажмуаси, корхонанинг айланма маблағлари(капитали)ни ташкил қиласи.

Ишлаб чиқаришда банд бўлган айланма маблағлар катталигини белгиловчи асосий омиллар – бу, маҳсулот тайёрлашнинг ишлаб чиқариш цикли узунлиги, меҳнатни ташкил қилиш, техника ва технологиянинг ривожланиш даражаси, меҳнат предметлари ва қуролларидан фойдаланиш нормалариdir. Айланма маблағлар катталиги, шунингдек, маҳсулотларни сотиш шароитлари, таъминот ва маҳсулотни сотиш тизимини ташкил қилиш даражаси билан ҳам боғлиқ бўлади.

Юқорида келтирилган ҳолатлардан келиб чиқсан ҳолда шуни айтиш мумкинки, айланма маблағлардан қуйидаги ҳолларда фойдаланилади:

- хом ашё, материал, эҳтиёт қисмлар ҳамда ишлаб чиқаришни ташкил қилишда зарур бўлган бошқа меҳнат предметлари;
- ишлаб чиқариш жараёнида истеъмол қилинувчи электр энергияси, ёқилғи каби ресурслар учун ҳақ тўлаш;

- корхонани ташкил этиш ва фаолият юритиш даврида ойлик иш ҳақи тұланиши;
- солиқ ва бошқа мажбурий түловларни тұлаш.

Бозор муносабатлари ва деярли барча ресурслар тақчиллиги шароитларида айланма маблағлар, биринчи үринде моддий ресурслардан рационал фойдаланиш ва уларни шакллантириш захираларини излаб топиш ҳар бир корхона олдида турган мұхим вазифа ҳисобланади. Бунда **захира** деганда, моддий ва пул ресурсларини яхшилашнинг юзага келган ёки юзага келаётган, лекин ҳали фойдаланилмаган (түлиқ ёки қисман) имкониятларини тушуниш лозим.

Бу захиралар келиб чиқиши ва фойдаланилишига кўра халқ хўжалигига ва тармоқларга тегишли ёки тармоқлараро, ишлаб чиқариш ичидағи (завод, цех ва ҳоказо) турларига бўлинади. «Корхона иқтисодиёти»да **ички ишлаб чиқариш захиралари** - ишлаб чиқариш жараёнларини ташкил қилиш ҳамда техника ва технологияни такомиллаштириш, маҳсулотларнинг янги ва янада мукаммал турларини ўзлаштириш, ишлаб чиқарилаётган маҳсулот сифатини ошириш билан бевосита боғлиқ бўлган моддий ресурслардан фойдаланишни яхшилаш имкониятлари, катта аҳамият касб этади. Захиралар шунингдек, моддий ресурсларни сарфлашни нормаллаштириш, ишлаб чиқарилаётган маҳсулотларнинг меҳнат сифимини камайтириш, меҳнатни ташкил қилишнинг рационал усулларини қўллаш натижасида ҳам аниқланади. Қисқача айтганда ҳар бир корхона, айниқса, йирик ва машинасозлик корхоналари ҳамда уларга яқин бўлган корхоналар, моддий ва пул ресурсларидан, яъни хусусий капитал ва бошқа активлардан рационал фойдаланиш бўйича пухта ишлаб чиқилган чора-тадбирлар мажмуасига эга бўлиши зарур.

Ресурслардан самарали фойдаланишнинг техник-ишлаб чиқариш йўналишлари қаторига, бирламчи хом ашёни ишлаб чиқаришда фойдаланишга сифатли равища тайёрлаш, машина ва ускуналар конструкциясини такомиллаштириш, хом ашё, материал, ёқилғиларнинг тежамкор турларидан фойдаланиш, ишлаб чиқариш чиқитларини камайтирувчи ҳамда иккиламчи ресурслардан максимал даражада фойдаланиш ва барча турдаги йўқотишларнинг олдини олишни таъминловчи янги техника ва технологияларни жорий қилишни киритиш мумкин.

Ресурслардан оқилона фойдаланишнинг ташкилий-иктисодий йўналишлари қаторига, маҳсулотлар материал сифимини режалаштириш ва нормалаштиришнинг илмий даражасини ошириш, ресурсларни сарфлашнинг техник жиҳатдан асослаб берилган норма ва нормативларини ишлаб чиқиш, “эски” ва “янги” маҳсулот ишлаб чиқариш ўртасида прогрессив пропорцияларни белгилаш, меҳнатни ташкил қилишнинг самарали усулларини рағбатлантириш билан боғлиқ бўлган чора-тадбирлар киритилади.

Айланма маблағлар ва уларнинг таркибий қисмларидан самарали фойдаланишнинг асосий йўналишлари иш жойларида (бригада, цех ва ишлаб чиқариш участкаларида) битта микдордаги хом ашё ва материаллардан тайёрланувчи якуний маҳсулотларни кўпайтиришдадир. У ишлаб чиқаришни техник жиҳатдан таъминлаш, ходимларнинг малакаси, моддий-техника

таъминоти, моддий ресурслар заҳираларини сарфлаш нормалариға боғлиқ бўлади.

8.2. Айланма маблағларнинг тузилмаси ва ҳаракати ҳамда уларнинг корхона иқтисодиётига таъсири

Айланма тузилмаларни режалаштириш ва бошқаришнинг ҳозирги пайтдаги амалиётида ушбу маблағларнинг таркиби ва тузилмасини баҳолаш ва таҳлил қилишга, шунингдек, уларнинг функционал роли ва ҳаракатига катта эътибор қаратилади. Айланма ишлаб чиқариш фондлари корхона айланма маблағларининг энг фаол қисми бўлса, муомала фондлари ишлаб чиқариш жараёнида бевосита иштирок этмайди ҳамда янги истеъмол қийматини яратмайди. Бу ерда умумий қоида шундайки, айланма маблағлар доимо айланишда бўлиши зарур - уларнинг самарадорлиги ва корхона иқтисодиётига таъсири айнан шунда кўзга ташланади.

Айланма ишлаб чиқариш фондлари корхона айланма маблағларининг асосий ва салмоқли қисми сифатида ўз таркибига қуидагиларни қамраб олади:

* **ишлаб чиқариш заҳиралари** – бу ишлаб чиқариш жараёнида ишлаб чиқаришга киритиш учун тайёрланган ҳамда хом ашё, асосий ва ёрдамчи материаллар, ёқилғи, харид қилинувчи ярим тайёр маҳсулотлар, бутловчи қисмлар, қадоқлаш ва ўров материаллари, асосий фондларни таъмирлаш учун эҳтиёт қисмлар, ёқилғи-мойлаш материалларидан ташкил топувчи меҳнат предметлари;

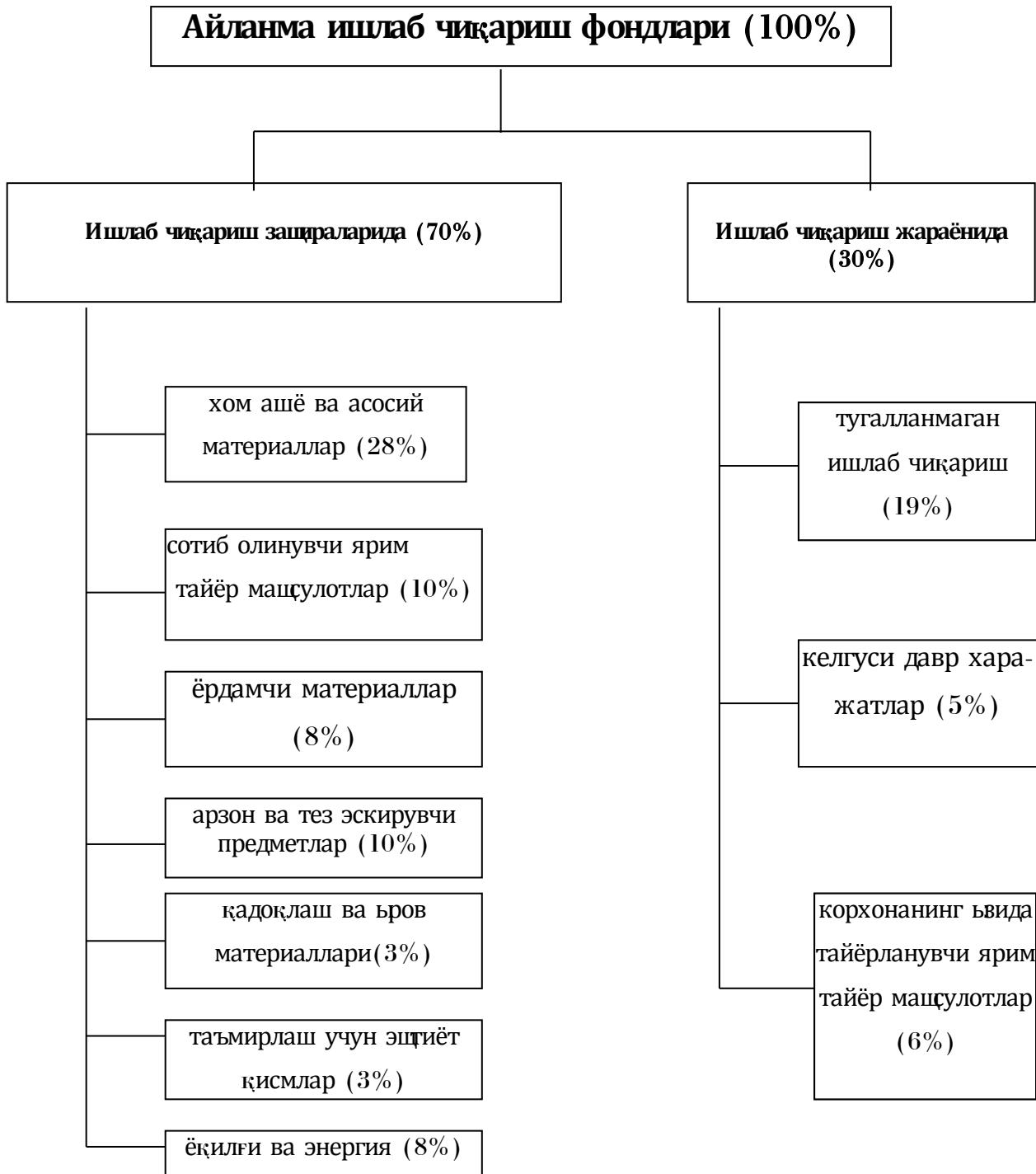
* **тугалланмаган ишлаб чиқариш ва корхонада тайёрланган ярим тайёр маҳсулотлар** – бу, ишлаб чиқариш жараёнида фойдаланишга топширилган ҳамда ишлов бериш ва йиғув жараёнида бўлган, лекин ишлаб чиқариш жараёни тўлиқ тугалланмаган ҳамда ушбу корхонада кейинчалик ишлов берилиши лозим бўлган меҳнат предметлари;

* **келгуси давр харажатлари** - айни пайтда ишлаб чиқарилаётган, лекин келажақдаги маҳсулотларга мансуб бўлган янги турдаги маҳсулотларни тайёрлаш ва ўзлаштириш харажатлари (масалан, асбоб-ускуналарни қайта режалаштириш, маҳсулотларнинг янги турларини тайёрлаш ва лойиҳалаштиришга сарфланувчи харажатлар ва бошқалар).

Айланма ишлаб чиқариш фондлари алоҳида таркибий қисмлари ёки элементлари ўртасидаги фоизларда ифодаланувчи ўзаро муносабатлар **айланма ишлаб чиқариш фондларининг тузилмасини** ташкил қиласди. Айланма ишлаб чиқариш фондлари ва муомала фондлари ўртасидаги худди шундай фоизлардаги муносабатлар корхона айланма маблағларининг тузилмаси деб аталади. 8.1 - чизмада корхона айланма маблағларининг тахминий (намунавий) тузилмаси кўрсатилган.

Чизмадан кўриш мумкинки, ишлаб чиқариш заҳиралари айланма ишлаб чиқариш фондларининг асосий қисмини ташкил қиласди. Бироқ бозор иқтисодиёти, айниқса, барча ресурслар тақчиллиги шароитларида ишлаб чиқариш заҳираларининг ҳаддан ташқари ошириб юборилиши корхона иқтисодиётига салбий таъсир қилишидан ташқари, ресурсларни “боғлаб” кўяди

ҳамда уларнинг йўқотилишига олиб келади. Шу сабабли айланма маблағлар хажмини оптималлаштириш ва уларни маҳсулот ишлаб чиқариш дастурларига мос ҳолга келтириш корхонанинг тежамкорлик режимида фаолият юритиши катта аҳамиятга эга бўлади.



8.1 -чизма. Корхона айланма маблағларининг намунавий тузилмаси

Иқтисодиётнинг турли тармоқларидағи корхоналарнинг айланма маблағлари ишлаб чиқаришнинг технологик ташкил этиш хусусиятларига кўра, бир-биридан фарқ қиласи. Бу хусусиятларнинг характеристири ишлаб чиқарилаётган

маҳсулот тури ва мураккаблиги, ихтисисослаштириш даражаси, маҳсулотни реализация қилиш шароитлари ва шу кабилар билан изоҳланади. Айланма маблағлар тузилмасининг тармоқлар бўйича фарқланишини қуидаги жадвал орқали билиб олиш мумкин (8.1-жадвал).

8.1-жадвал

Айланма маблағларниң тармоқлар бўйича

тақсимланishi

| Айланма фондларнинг гурӯҳ ва элементлари | Бутун саноат | Қора металлургия | Машина -созлик | Энергетика | Енгил саноат | Озиқовқат саноати |
|---|--------------|------------------|----------------|--------------|--------------|-------------------|
| 1. Ишлаб чиқариш заҳиралари - жами | 70,2 | 65,0 | 55,3 | 98,3 | 90,0 | 78,8 |
| Жумладан: хом ашё ва асосий материаллар, ярим тайёр маҳсулотлар | 46,2 | 23,8 | 37,5 | - | 76,7 | 52,2 |
| Ёрдамчи материаллар | 6,6 | 11,0 | 2,3 | 24,1 | 5,7 | 6,1 |
| Ёқилғи | 1,7 | 2,0 | 0,7 | 37,4 | 0,5 | 1,6 |
| Таъмирлаш учун эҳтиёт қисмлар | 3,9 | 11,0 | 2,0 | 23,0 | 1,7 | 2,0 |
| Қадоклаш ва ўров материаллари | 3,0 | 0,5 | 0,6 | 0,3 | 1,2 | 11,3 |
| Инструментлар, хўжалик асбоблари ва қиммат бўлмаган, тез эскирувчи бошқа предметлар | 9,8 | 16,7 | 12,2 | 19,5 | 3,2 | 5,6 |
| 2. Тугалланмаган ишлаб чиқариш ва корхонада тайёрланган ярим тайёр маҳсулотлар | 24,0 | 18,3 | 42,2 | 0,5 | 9,8 | 19,5 |
| 3. Келгуси давр харажатлари ва бошқа меҳнат предметлари | 5,8 | 16,7 | 2,5 | 1,2 | 0,2 | 1,7 |
| Жами айланма ишлаб чиқариш фондлари | 100,0 | 100,0 | 100,0 | 100,0 | 100,0 | 100,0 |

Айланма фондлар тузилмаси нафақат саноатнинг турли тармоқларида, ҳаттоқи бир тармоқ ва бир корхонанинг ўзида ҳам фарқланади. Бундай фарқланишга турли хилдаги хом ашё ва материаллар, ишлаб чиқариш технологияси ва техникасидаги фарқлар, корхоналарнинг географик жойлашуви, ишлаб чиқаришнинг ташкил этилиши ва меҳнат тақсимоти, моддий-техника таъминоти сабаб бўлиши мумкин.

Корхоналар айланма маблағлари таркиби ва тузилмасига хўжалик юритиш қобилияти ва унинг самарадорлигига риоя қилиш қоидалари катта таъсир кўрсатади. Яъни корхона ишлаб чиқариш заҳираларини ва айланма маблағларнинг таъминланганлигини ҳаддан ташқари оширишга интилмаслиги зарур. Амалиётнинг гувоҳлик беришича, бу, ресурсларнинг ҳалок бўлишига ва сунъий танқисликнинг юзага келишига сабаб бўлади. Шу сабабли хом ашё ва материалларни сарфлашнинг технологик нормаларига риоя қилиш, уларни сақлашни тўғри йўлга қўйиш, чиқитлар ва йўқотишларни камайтириш,

замонавий ва арzon материаллардан фойдаланиш катта аҳамият касб этмоқда. Бироқ арzon материаллардан фойдаланиш доим ҳам корхона имкониятлари ва хоҳишидан келиб чиқавермайди ва ташқи мұхит, биринчи ўринда ишлаб чиқаришдаги ҳамкорлар, баҳони шакллантириш, умумий иқтисодий барқарорлик ва бошқа омиллар билан ҳам боғлиқ бўлади.

Корхона иқтисодиётига айланма маблағларнинг таркиби ва тузилмасидан ташқари, уларни ишлаб чиқариш, такрор ишлаб чиқариш ва муомаланинг турли босқичларида излаб топиш катта таъсир кўрсатади. Айланма маблағларнинг тўлиқ айланниши уч босқичдан иборат бўлиб, бу жараёнда маҳсулот ишлаб чиқарилади ва сотилади.

Биринчи босқичда айланма маблағлар пул шаклидан моддий бойликларнинг ишлаб чиқариш захираларига айланади, яъни пул - товар (Д-Т).

Иккинчи босқич ишлаб чиқариш, яни маҳсулотни тайёрлаш жараёнини ўз ичига олади. Бу босқичда айланма маблағлар ва биринчи ўринда айланма фодлар тугалланмаган ишлаб чиқариш ва ярим тайёр маҳсулотлар ҳолига келтирилиб, товар шаклини олади (Т).

Учинчи босқичда айланма маблағлар товар маҳсулоти шаклида муомалага киритилиб, сотилади ва яна пул шаклини олади (Т-П).

Шу тариқа айланма маблағлар барча босқичлардан ўтиб, тўлиқ айланниши амалга оширишини қуидаги тарзда акс эттириш мумкин:

- 1-босқич - пул-товар (П-Т);
- 2-босқич - ишлаб чиқариш (И.Ч);
- 3-босқич - товар-пул (Т-П).

Шуни қайд қилиб ўтиш мұхимки, корхонанинг айланма маблағлари бир вақтнинг ўзида учала босқичда ҳам пул маблағлари, ишлаб чиқариш захиралари, тугалланмаган ишлаб чиқариш, ярим тайёр ва тайёр маҳсулотлар кўринишида мавжуд бўлиши мумкин. Корхонанинг айланма маблағлари ҳаракати маълум бир иқтисодий қонунлар асосида ишлаши ҳамда улардан ишлаб чиқариш ва такрор ишлаб чиқаришнинг барча босқичларида оқилона фойдаланиши қўзда тутиши ҳам мұхим аҳамият касб этади. Бу қонунлардан ва айланма маблағлардан фойдаланиш қоидаларидан четга чиқиш айланма маблағларнинг етишмаслигига ёки самарадорликнинг пасайишига олиб келиши мумкин.

8.3. Айланма маблағларни нормалаштириш

Шаклланиш манбаига кўра, айланма маблағлар хусусий ва қарзга олинган турларга бўлинади.

Хусусий айланма маблағлар доимо корхона ихтиёрида бўлиб, хусусий ресурслар, асосан фойда ҳисобига шаклланади. Корхонанинг хусусий айланма маблағлари қаторига иш ҳақи бўйича қарзлар, таъминотчилар ёки ҳамкорлар қарзлари, буюртмачиларнинг тайёрланган маҳсулот учун тўлаган пуллари кабиларни киритиш мумкин. Бу маблағлар хусусий маблағларга тенглаштирилган маблағлар ёки корхонанинг барқарор пассивлари деб аталади.

Қарзга олинган айланма маблағлар доимо ҳаракатда бўлмайди ҳамда корхонанинг маҳсулотларни сотишдаги қийинчиликлар, моддий-товар бойликлар билан таъминлаш, маҳсулот ишлаб чиқариш дастурини ошириб бажариш ва бошқа вақтингчалик эҳтиёжларни қоплаш учун фойдаланилади. Улар қаторига банк кредитлари, кредиторлик қарзлари (тижорат кредитлари) ва бошқа пассивларни киритиш мумкин.

Айланма маблағларни бошқариш маҳсулот ишлаб чиқариш ва сотиш жараёнининг узлуксизлигини таъминлашда айланма маблағлардан иложи борича камроқ фойдаланишда ифодаланади. Бу эса корхона айланма маблағлари айланнишининг барча босқичларида мос равишда минимал, лекин етарли тарзда рационал тақсимланиши зарурлигини англаатади. Бу вазифа ўз навбатида моддий ресурслар заҳиралари ва харажатларини нормалаштириш туфайли муваффақиятли амалга оширилмоқда.

Айланма маблағларни нормалаштириш корхонанинг узлуксиз ишлаши таъминлайдиган моддий бойлик ва бошқа ресурсларнинг минимал, лекин етарли заҳираларини шакллантириш учун зарур бўлган пул маблағларини аниқлашда ифодаланади. У ички заҳираларни аниқлаш, ишлаб чиқариш цикли давомийлигини қисқартириш ва тайёр маҳсулотни тезроқ сотиш имкон яратади.

Бироқ амалиётда корхоналарнинг барча айланма маблағлари ҳам нормалаштирилмайди. Шу сабабли айланма маблағлар нормалаштирилувчи ва нормалаштирилмайдиган турларга тақсимланади ва улар ҳозирги бозор муносабатлари шароитларида ҳам ўз аҳамиятини йўқотмаган.

Нормалаштирилувчи айланма маблағлар қаторига корхона омборларидаги ишлаб чиқариш заҳиралари (хом ашё, материаллар, ёқилғи, унчалик қиммат бўлмаган предметлар ва жиҳозлар), тугалланмаган ишлаб чиқариш, келгуси давр харажатлари ва омбордаги тайёр маҳсулотлар киритилади.

Нормалаштирилмайдиган айланма маблағлар, бу – харидорларга бериб юборилган тайёр маҳсулот ёки товарлар, ҳисоб рақамидаги пул маблағлариdir.

Корхоналар фаолиятида барча айланма маблағлар салмоғида 70-80%ни ташкил қилувчи нормалаштирилувчи айланма маблағлар асосий ўрин тутади. Айланма маблағларни нормалаштириш тежамкорлик режимига риоя қилиш ва ресурслардан оқилона фойдаланиш имконини яратади.

Ресурсларни нормалаштириш жараёнида айланма маблағларнинг норма ва нормативлари белгиланади.

Айланма маблағларнинг нормаси, корхона моддий-товар бойликларининг минимал заҳираларини тавсифлайди ҳамда ишлаб чиқарилаётган маҳсулот бирлигига тўғри келувчи пул ўлчовида, заҳира кунлари ва заҳира нормаларида ҳисобланади.

Айланма маблағларнинг нормативи айланма маблағлар нормасини, нормаси аниқланган кўрсаткичга қўйпайтиришни ифодалайди ҳамда қоидага кўра, пул кўринишида ўлчанади. У қуйидаги формула асосида ҳисобланishi мумкин:

$$H_{\text{ай.м}} \cdot K_{H_{\text{нич.з}}} \cdot K_{H_{\text{т.ич}}} \cdot K_{H_{\text{т.м}}}$$

Бу ерда:

$H_{\text{нич.3}}$ - ишлаб чиқарилган заҳиралар нормаси;

$H_{\text{т.нич}}$ – тугалланмаган ишлаб чиқариш нормаси;

$H_{\text{т.м}}$ - тайёр маҳсулот нормаси.

Айланма маблағларни нормалаштириш ва айниқса, моддий ресурсларни сарфлаш нормаларини белгилашда қўйидаги тамойилларга амал қилиш лозим:

- * нормаларнинг прогрессивлиги ва динамиклиги;
- * нормаларнинг иқтисодий ва ишлаб чиқариш-техникавий жиҳатдан асосланганлиги;
- * хом ашё, материал, ёқилғи, электр энергияси ва бошқа ресурслар ўлчамини тўғри танлаш;
- * чиқит ва йўқотишларнинг олдини олиш;
- * эскирган нормаларни қайта кўриб чиқиш ҳамда уларни фан-техника тараққиёти ютуқларига мос ҳолга келтириш.

Моддий ва бошқа ресурсларни нормалаштиришда бир нечта усуллар қўлланилади. Амалиётда қўйидаги усуллар кўпроқ учрайди:

1. Ўтган йиллар давомида амалда сарфланган ресурслар тўғрисидаги ҳисобот маълумотларини ўрганиш ҳамда бир неча йиллар давомида рўй берган пасайишларни ҳисоблашга асосланувчи статистика-тажриба усули.

2. Лаборатория тажрибаларига асосан яратилган ҳамда инструментлар ва ёрдамчи материаллар сарфланиши нормасини аниқлашда қўлланиувчи - лаборатория-техникавий усули.

3. Юзага келган ишлаб чиқариш шароитларидан ташқари бошқа корхоналарнинг илгор тажрибалари ва ютуқларини ҳам ҳисобга олиш имконини берувчи, моддий ресурслардан фойдаланишни нормалаштиришнинг мукаммалроқ усули ҳисобланувчи – ҳисоб-таҳлилий усули.

Корхона айланма маблағларини нормалаштириш тадбирлари ишлаб чиқариш заҳираларини нормалаштириш, шунингдек, тугалланмаган ишлаб чиқаришнинг оптималь катталиги, тайёр маҳсулот қолдиқлари ва келгуси давр харажатларини аниқлаш билан боғлиқ вазифаларни ечишга олиб келади.

Ишлаб чиқариш заҳираларини нормалаштириш, корхонанинг узлуксиз фаолият юритишини таъминлаш мақсадида амалга оширилади. Агар ишлаб чиқариш заҳиралари нормативлардан паст бўлса, ишлаб чиқариш жараёнининг издан чиқиши, ишчи кучи ва ускуналарнинг бекор туриб қолиши, корхонанинг ишлаб чиқариш ва иқтисодий кўрсаткичлари пасайишига олиб келиши мумкин. Шу билан бир пайтда, ишлаб чиқариш заҳираларининг белгиланган норма ва нормативлардан ошиб кетишига ҳам йўл қўймаслик керак, чунки бу маблағларнинг “музлаб” қолишига ва натижада корхона ва давлатнинг зарар кўришига олиб келади.

Ишлаб чиқариш заҳиралари жорий, суғурта (кафолатли), тайёрлов (технологик) ва мавсумий турларга бўлинади.

Жорий заҳира – бу, материаллар етказиб бериш оралиғида ишлаб чиқаришни моддий ресурслар билан таъминлаш учун зарур бўлган заҳирадир. Жорий заҳиралар материал етказиб бериш даври, оралиғи ҳамда хом ашё ва бошқа материалларнинг суткалик сарфланишига тўғридан-тўғри боғлиқ бўлади.

Мисол. Нон комбинати бир суткада 10 тонна ун сарфлайди, тегирмондан эса бир ойда бир марта ун қабул қиласи. Яъни етказиб бериш оралиғи 30 кунни ташкил қиласи. Демак, уннинг максимал даражадаги жорий заҳираси 300 (10x30) тоннани, ўртача жорий заҳираси 150 (10x30:2) тоннани, ун ҳар ўн кунда етказиб берилгандаги минимал жорий заҳираси эса 50 (10x10:2) тоннани ташкил қиласи.

Шу тариқа жорий заҳиралар ҳажми қўп жиҳатдан етказиб бериш оралиғига боғлиқ бўлади: оралиқ қанчалик кичик бўлса, заҳира шунчалик кам бўлади. Бундан келиб чиқсан ҳолда жорий заҳира миқдорини қўйидаги формула асосида топиш мумкин:

$$Z_{\max} \leq M_{\text{ср}} \times T_{\text{т.ц}}$$

Бу ерда:

$M_{\text{ср}}$ – ушбу материалдан ўртача суткалик фойдаланиш миқдори ($T_{\text{,дона}}$);

$T_{\text{т.ц}}$ – етказиб бериш оралиғи ёки таъминот цикли, кунлар.

Суғурта (кафолат) заҳирасидан таъминотда юзага келиши мумкин бўлган узилишлар ёки кўзда тутилмаган ҳолатларда фойдаланиш мўлжалланади. Кўпинча суғурта заҳирасининг миқдори жорий заҳира нормасининг 50% миқдорида белгиланади ҳамда қўйидаги формула асосида ҳисобланади:

$$Z_{\text{ср}} \leq M_{\text{ср}} \times (T_1 \times T_2 \times T_3 \times T_4)$$

Бу ерда:

T_1 – материални юклаш учун кетадиган вақт;

T_2 – материаллар йўлда бўладиган вақт;

T_3 – материалларни омборга қабул қилиш вақти;

T_4 – материалларни фойдаланишга тайёрлаш вақти.

Суғурта заҳираси омборда жорий заҳира билан биргаликда сақланади ҳамда ундан умуман фарқ қиласада, алоҳида ҳисобга олинади ва фақат корхона раҳбариятининг рухсати билангина сарфланади.

Тайёрлов (технологик) заҳирасидан хом ашё ва материалларни ишлаб чиқаришга киритиш учун тайёр ҳолга келтиришда фойдаланилади. Бундай заҳиралар ишлаб чиқаришнинг ўзига хос хусусиятлари ва технологияларига эга бўлган корхоналардагина яратилади. Бундай корхоналар қаторига ёғ-мой комбинати, ёғочни қайта ишлаш корхонаси кабиларни киритиш мумкин. Мазкур ҳолларда тайёрлов заҳираси миқдори тайёрлов технологияси ва операцияларига мос ҳолда нормага солинади.

Мавсумий заҳиралар асосан учта сабабга кўра юзага келади: биринчидан, хом ашё тайёрлашнинг мавсумийлиги; иккинчидан, уни истеъмол қилишнинг мавсумийлиги; учинчидан, материалларни етказиб беришнинг мавсумийлиги. Мавсумий заҳиралар ҳажми худди жорий заҳиралар ҳажми каби, ўртача бир суткада истеъмол қилиш ва мавсумий заҳиралар яратилиши лозим бўлган вақтга асосан аниқланади.

Ишлаб чиқариш заҳираларини нормалаштириш, ишлаб чиқаришда қўлланилувчи ҳар бир меҳнат предмети (хом ашё ва материаллар, ёрдамчи

материаллар ва бошқалар) учун алоҳида амалга оширилади ҳамда бу ўз навбатида ишлаб чиқариш заҳираларини яратишда айланма маблағларга бўлган эҳтиёжни аниқлашга асос бўлиб хизмат қилади.

Мисол. Пойабзал ишлаб чиқарувчи корхонада (харажатлар сметасига кўра) 1 чорак учун 180 минг сўм миқдордаги хом ашё ва асосий материалларни 30 кунлик заҳира нормасида; 54 минг сўм миқдордаги ёрдамчи материалларни 40 кун заҳира нормасида; 27 минг сўм миқдоридаги қадоқлаш ва ўров материалларидан 20 кун заҳира нормасида сарфлаш кўзда тутилган. Бундай шароитларда асосий воситалар нормативи (эҳтиёжи) қуйидагича бўлади:

$$\text{Хом ашё ва асосий материаллар } \frac{180}{90} \times 30 = 60 \text{ минг сўм}$$

бўйича

$$\text{Кўшимча материаллар бўйича } \frac{54}{90} \times 40 = 24 \text{ минг сўм}$$

$$\text{Қадоқлаш ва ўров материаллари } \frac{27}{90} \times 20 = 6 \text{ минг сўм}$$

бўйича

Тугалланмаган ишлаб чиқаришни нормалаштириш. Тугалланмаган ишлаб чиқариш бўйича айланма маблағлар нормативини аниқлаш корхона фаолиятидаги энг мураккаб ва кўп меҳнат талаб қилувчи жараён ҳисобланади. Тугалланмаган ишлаб чиқариш сифатида ишлаб чиқаришнинг турли босқичларида - хом ашёни техник назорат бўлими (ТНБ) томонидан қабул қилишдан то тайёр маҳсулот омборига топширгунга қадар ишлов берилаётган маҳсулотларни кўрсатши мумкин.

Тугалланмаган ишлаб чиқариш бўйича айланма маблағлар нормативи миқдори қуйидагиларга боғлиқ бўлади:

1. Маҳсулот ишлаб чиқариш ҳажми.

2. Маҳсулот ишлаб чиқариш учун сарфланувчи жорий харажатлар, яъни таннарх.

3. Хом ашё ва материалларни ишлаб чиқаришга киритиш вақтидан то тайёр маҳсулот чиқишигача бўлган ишлаб чиқариш циклининг давомийлиги. Ишлаб чиқариш циклининг давомийлигини топишда қуйидаги формуладан фойдаланилади:

$$T_{уч.у} = t_{техн} + t_{контр} + t_{транс} + t_{тан}$$

Бу ерда:

$t_{техн}$ - маҳсулот ишлаб чиқаришдаги барча операцияларга сарфланувчи вақти;

$t_{тан}$ - операциялар оралиғидаги вақт (танаффуслар);

$t_{транс}$ – транспортда ташиш вақти;

$t_{контр}$ - маҳсулотни йиғиши, қабул қилиши ва ТНБга топшириши вақти.

Тугалланмаган ишлаб чиқаришга жалб қилинган айланма маблағларнинг ўсиши хом ашё ва материалларни ишлаб чиқаришга киритиш билан бошланади ҳамда ишлаб чиқариш цикли якунида (тайёр маҳсулот омборга топширилганда) энг юқори нуқтасига чиқади. Тугалланмаган ишлаб чиқариш нормативини ҳисоблашда ишлаб чиқариш цикли кунларда белгиланади ҳамда бунда қўйидаги формуладан фойдаланилади:

$$H_{t,ich} \cdot M_k \cdot T_{ich,ц} \cdot K_{x,y}.$$

Бу ерда:

M_k - ўртача бир кунлик харажатлар, сўмларда;

$T_{ich,ц}$ - ишлаб чиқариш цикли давомийлиги, кунларда;

$K_{x,y}$ - харажатларнинг ўсиш коэффициенти.

Харажатларнинг ўсиш коэффициенти асосий материаллар (M_a) тўлиқ қийматда олинувчи катталик сифатида ҳисобланади. Ишлаб чиқариш харажатлари (M_{ich}) бутун ишлаб чиқариш цикли мобайнида бир хил суратда ўсиб боради ҳамда 50% қийматда ҳисобга олинади:

$$K_{h3} \cdot (M_a \cdot K \cdot 0,5M_{ich}) : C$$

Бу ерда:

C - маҳсулот бирлигининг режадаги таннархи.

Агар кейинги харажатлар (M_{ich}) бир хил сурат билан ўзгармаса, у ҳолда ўсиш коэффициенти қўйидаги формула асосида ҳисобланади:

$$K_{x,y} \cdot (M_a \cdot K \cdot C_{яф} \cdot K \cdot C_{бут} \cdot K \cdot 0,5M_{ich}) : C$$

Бу ерда:

k, k – ярим тайёр маҳсулотлар ва бутловчи қисмларни мос равишида пасайтирувчи коэффициентлари;

$C_{яф}$ - ярим тайёр маҳсулотлар қиймати;

$C_{бут}$ - бутловчи қисмлар қиймати.

Пасайтирувчи коэффициентлар ярим тайёр маҳсулотлар ва бутловчи қисмларга ишлов берилган кунларнинг ишлаб чиқариш цикли давомийлигига нисбатини ифодалайди. Масалан, агар ишлаб чиқариш цикли 20 кун бўлиб, бутловчи қисмлар 8 кун давомида ишлаб чиқаришда бўлган бўлса, пасайтирувчи коэффициент 0,4 (8:20) га teng бўлади.

Тайёр маҳсулот қолдиқларини нормалаштириш. Ишлаб чиқариш жараёни тугаллангандан сўнг меҳнат предметлари тайёр маҳсулот кўринишида муомалага киритилади.

Айланма маблағларнинг тайёр маҳсулотга айланиш нормативи миқдори, ўртача бир суткалик ишлаб чиқарилган маҳсулотнинг (таннархи бўйича) айланма маблағларнинг кунлардаги тайёр маҳсулот нормасига сифатида, яъни тайёр маҳсулотнинг корхона омборида сақланиш муддати сифатида аниқланади:

$$\Gamma_n \cdot B : T \cdot H_{t,m}$$

Бу ерда:

Γ_n – тайёр маҳсулот нормативи;

В - режалаштирилган даврда режадаги таннарх бўйича ишлаб чиқарилган маҳсулот;

$H_{\text{н}}$ – тайёр маҳсулотлардаги айланма маблағлар заҳиралари нормаси, кунларда;

Т - режадаги даврда календар кунлар миқдори.

Тайёр маҳсулотнинг омборда сақланиш муддати тайёр маҳсулотни транспортировка қилиш ва сотишга боғлиқ бўлади. Айланма маблағларнинг ушбу нормасидаги кунлар сони маҳсулотни тайёrlаш, юклаш, ҳужжатларни тайёrlаш ва уларни банкка топшириш учун зарур бўлган кунлардан иборат бўлади.

Келгуси давр харажатларни нормалаштириш. Ўсиб бораётган фантехника тараққиёти суръатлари айланма маблағларнинг келгуси давр харажатлари аҳамиятини оширмоқда. Бу харажатлар корхонанинг маҳсус бухгалтерия ҳисобида учта манба: янги техникани ўзлаштириш фонди (агар корхонада шундай фонд мавжуд бўлса), банк кредити ва фойда (харажатарни маҳсулот таннархига киритиш йўли билан) ҳисобига йигилади. Айланма маблағларнинг келгуси давр харажатлари ($H_{\text{кд}}$) нормасини ҳисоблашда қўйидаги формулага амал қилинади:

$$H_{\text{кд}} = P \cdot K \cdot P_{\text{иц}} \cdot K \cdot P_t$$

Бу ерда:

P - йил бошида келгуси давр харажатлари учун сарфланиши мўлжалланган маблағлар миқдори (бухгалтерия ҳисботи бўйича);

$P_{\text{иц}}$ – режадаги йилда лойиха-сметаларда кўзда тутилган ишлаб чиқариш харажатлари;

P_t - ўзлаштирилаётган маҳсулот таннархига киритилувчи ҳамда сметаларда кўзда тутилувчи ёки маҳсус манбалар ҳисобига қопланувчи харажатлар.

8.2-жадвал

Айланма маблағларнинг келгуси давр харажатлари нормативини ҳисоблаши бўйича мисол

| Харажатлар тури ёки групҳи | Йил бошига қолдиқ, минг сўм | Бир йиллик харажатлар, минг сўм | Бўлиши керак | Йил охирига қолдиқ, минг сўм |
|---|-----------------------------|---------------------------------|--------------|------------------------------|
| Янги турдаги маҳсулотларни ўзлаштириш бўйича харажатлар, жами | 180 | 348 | 448 | 80 |
| Жумладан: А маҳсулот Б маҳсулот | 90 90 | 148 200 | 238 210 | - 80 |

Алоҳида элементлар бўйича айланма маблағлар харажатлари нормалари аниқлангандан сўнг, айланма маблағларга бўлган умумий эҳтиёжлар (норматив) миқдори ҳисобланади. Корхона айланма маблағларига бўлган умумий эҳтиёж, ишлаб чиқариш заҳиралари (хом ашё ва асосий материаллар,

ёрдамчи материаллар, ярим тайёр маҳсулотлар, харид қилинувчи маҳсулотлар, қадоқлаш ва ўров материаллари, ёқилғи ва ҳоказолар), туталланмаган ишлаб чиқариш, тайёр маҳсулот ва келгуси давр харажатларидан иборат бўлади.

8.4. Айланма маблағлардан фойдаланиш қўрсаткичлари ва уларнинг айланнишини тезлаштириш йўллари

Айланма маблағлар айланнишини тезлаштириш нафақат корхона учун, балки бутун халқ хўжалиги учун ҳам катта аҳамият касб этади. У ресурсларнинг нисбий озод қилиниши, ижтиомий харажатларнинг камайтирилишига кўмаклашади ва иқтисодий режалаштириш суръатини оширади.

Корхона айланма маблағларидан самарали фойдаланиш учта асосий қўрсаткични тавсифлайди:

- 1)айланиш коэффициенти;
- 2)айланма маблағларнинг юкланиш коэффициенти;
- 3)воситаларнинг бир марта айланниши давомийлиги.

Айланиш коэффициенти корхона айланма маблағларининг маълум бир вақт (йил, чорак) давомида амалга оширувчи айланнишини тавсифлайди ёки айланма маблағларнинг ҳар 1 сўмига тўғри келувчи сотилган маҳсулотларни қўрсатади. У қуйидаги формула асосида ҳисоблаб топилади:

$$K_a \leftarrow P_m : C_a$$

Бу ерда:

P_m –сотилган маҳсулот ҳажми, пул ўлчовида;

C_a – айланма маблағларнинг ўртача қолдиқ ҳажми, пул ўлчовида (айланма маблағлар нормативи).

Мисол. Корхонанинг бир йил мобайнида сотилган маҳсулотлари ҳажми 800 млн сўмни ташкил қиласди. Бу ҳолда айланма маблағлар нормаси 200 млн сўмни ташкил қиласди. Демак $K_a \leftarrow 4,4$ (880:200).

Айланма маблағларни юкланиш коэффициенти айланиш коэффициентига тескари бўлган қийматdir. У сотилган ҳар 1 сўм маҳсулотга сарфланган айланма маблағларни тавсифлайди ҳамда қуйидаги формула асосида ҳисоблаб топилади:

$$K_{io} \leftarrow C_a : P_m$$

Бир марта айланиш давомийлиги кунларда ўлчанади ҳамда шу даврдаги кунлар сонини айланниш коэффициентига нисбати орқали қуйидаги формула асосида ҳисобланади:

$$T \leftarrow D : K_a$$

Бу ерда:

D - шу даврдаги кунлар сони (360, 90).

Айланма маблағларнинг тўлиқ айланниш муддати қанчалик кичик ёки бу айланнишлар сони қанчалик кўп бўлса, айланма маблағлар шунчалик кам талаб қилинади ва аксинча, айланма маблағлар қанчалик тез айланнишда бўлса, шунчалик самарали ишлатилади.

Бугунги кунда айланма маблағларда, айниқса, корхоналарнинг моддий-товар бойликларида банд бўлган йирик миқдордаги пул маблағлари уларнинг

тўлиқ сақланишига эътибор қаратиш, улардан мақсадларга мувофиқ ва самарали фойдаланиш, шунингдек, уларнинг айланишини тезлаштиришни талаб қиласди. Корхоналар олдига қўйилган вазифаларни бажариш қўйидагиларни амалга оширишни талаб қиласди:

- * фан-техника тараққиёти ютуқларини кенг қўллаш;
- * ишлаб чиқаришнинг барча жараёнларида илмий жиҳатдан асосланган норма ва нормативлар тизимини яратиш;
- * корхоналарни узоқ муддатли хўжалик алоқалари юритишга ўтказиш ва кооперация қилишни ривожлантириш;
- * маҳсулотлар, молиявий, моддий ва куч-куват ресурсларининг сифат балансини тузиш;
- * бошқариш тизимини ташкил этишнинг ва рағбатлантиришнинг оптимал шаклларини қўллаш.

Айланма маблағларнинг айланишини тезлаштириш учун курашда ҳар бир корхона уларнинг ишлаб чиқариш ва муомалада бўлиш муддатини қисқартиришга эришиши зарур. Гап шундаки, айланма маблағларнинг муомала соҳасида секин ҳаракатланиши корхонанинг бу воситалардан ишлаб чиқаришда фойдаланишда эришган ютуқларини йўқقا чиқаришдан ташқари, уларнинг умумий айланишини ҳам секинлаштириши мумкин. Шу сабабли тайёр маҳсулотни истеъмолчига етказиб беришни тезлаштириш ёки маҳсулотни реализация қилиш муддатини қисқартириш ҳам айланма маблағларнинг айланишини тезлаштиришнинг муҳим йўли ҳисобланади.

Айланма маблағларнинг айланишини тезлаштириш самараси, улардан фойдаланишни яхшилаш туфайли камроқ истеъмол қилиниши ёки қисман озод қилинишида акс этади. Айланма маблағлар мутлақ ёки нисбий озод қилиниши мумкин.

Мутлақ озод қилиш корхонанинг айланма маблағларга бўлган эҳтиёжини камайтиришни тавсифлайди ҳамда мавжуд ресурслардан рационал фойдаланишга оид турли ташкилий-техник чора-тадбирлар ҳисобига амалга оширилади.

Мисол. Корхона айланма маблағларининг ўртача миқдори 2000 йилда 100 млн сўмни ташкил қиласди. 2001 йилда ишлаб чиқариш ҳажмини ўзгартирган ҳолда 90 млн сўм миқдорида эҳтиёж режалаштирилмоқда. Бу ҳолда асосий воситаларнинг мутлақ озод қилиниши 10 млн сўмни ташкил қиласди.

Нисбий озод қилиш айланма маблағлари ҳажмининг ўзгариши ҳамда сотилган маҳсулот ҳажмининг ўзгаришини акс эттиради. Уни аниқлаш учун ҳисобот йилида айланма маблағларга эҳтиёжни, маҳсулотни мазкур давр мобайнида сотиш бўйича ҳақиқий айланиш ҳамда ўтган даврдаги айланишни (кунларда) инобатга олган ҳолда ҳисоблаш зарур. Улар ўртасидаги фарқ озод қилинган воситалар миқдорини беради.

Мисол. Корхонада 1999 йилда сотилган маҳсулот қиймати 360 млн сўмни, 2000 йилда эса 400 млн сўмни ташкил қилган. Айланма маблағларнинг ўртача қолдиги 1999 йилда 100 млн сўм, 2000 йилда эса 95 млн сўмни ташкил қилган. Айланиш муддати 1999 йилда 100 кун ($100 \times 360 : 360$). 2000 йилда

айланма маблағларга эҳтиёж 111 млн сўм (400x100:360). 1999 йилда айланма маблағларнинг ўртача қолдиги 95 млн сўмни ташкил қилганини ҳисобга оладиган бўлсак, воситаларнинг нисбий озод қилиниши 16 млн сўмни (111 - 95) ташкил этади.

Қисқача хуносалар

Ҳеч бир корхона айланма маблағларсиз фаолият кўрсата олмайди. Уларнинг мавжуд бўлиши ҳар бир ишлаб чиқариш жараёни учун мажбурий элемент ҳисобланади.

Корхонанинг молиявий аҳволи кўп жиҳатдан айланма маблағлардан фойдаланиш даражаси ва тузилмасига боғлиқ бўлади. Мазкур даража маҳсулотнинг материал сифими, электр сифими, энергия сифими, моддий ресурс харажатлари ва ундан фойдаланиш коэффициенти каби кўрсаткичларни тавсифлайди. Айланма маблағлардан фойдаланиш кўрсаткичлари қуидагилар: айланиш коэффициенти, бир марта айланиш давомийлиги ва юкланиш коэффициенти.

Корхонада маҳсулотнинг материал сифимини пасайтириш иқтисодий ва ижтимоий жиҳатдан катта аҳамият касб этади, чунки у қуидагиларга имкон яратади:

- ишлаб чиқариш харажатларини сезиларли равища камайтириш;
- корхона ихтиёрида қолувчи фойда микдорини ошириш;
- маҳсулотнинг рақобатбардошлигини ошириш;
- корхонанинг молиявий аҳволини яхшилаш.

Корхонада маҳсулотнинг материал сифимини қуидагилар ҳисобига амалга ошириш мумкин:

- * машина ва асбоб-ускуналарнинг янада мукаммал конструкцияларини яратиш;
- * сунъий ва синтетик материаллардан кенг равища фойдаланиш;
- * кам чиқитли ва умуман чиқитсиз технологиялардан кенг равища фойдаланиш;
- * корхонада мукаммал норматив базани ташкил қилиш;
- * ишлаб чиқариш чиқитларидан қўшимча маҳсулот ишлаб чиқаришда фойдаланиш;
- * ишлаб чиқаришни кобинациялаш;
- * маҳсулот сифатини яхшилаш.

Корхонада моддий ресурслардан оқилона фойдаланишга фақат доимий амал қилувчи тизим сифатидаги ресурсларни сақлашнинг чукур ўйланган сиёсати асосида эришиш мумкин.

Таянч иборалари

Айланма маблағлар, айланма капитал, айланма ишлаб чиқариш фондлари, муомала фондлари, заҳира, ички ишлаб чиқариш заҳиралари, ишлаб чиқариш заҳиралари, тугалланмаган ишлаб чиқариш ва корхонада тайёрланган ярим тайёр маҳсулотлар, келгуси давр харажатлари, айланма ишлаб чиқариш фондларининг тузилмаси, хусусий айланма маблағлар, қарзга олинган айланма маблағлар, айланма маблағларни нормалаштириш, ишлаб чиқариш

захираларини нормалаштириш, жорий захира, сұғурта (кафолат) захираси, тайёрлов (технологик) захираси, мавсумий захиралар, тугалланмаган ишлаб чиқаришни нормалаштириш, тайёр маҳсулот қолдиқларини нормалаштириш, келгуси давр харажатларни нормалаштириш, айланыш коэффициенти, айланма маблағларни юкланиш коэффициенти, бир марта айланыш давомийлиги.

Назорат ва муҳокама учун саволлар

1. Айланма маблағлар ишлаб чиқариш айланма фондларидан қандай фарқ қиласы?
2. Айланма маблағларни ташкил қилувчи асосий элементлар қайсилар?
3. Айланма маблағлар тузилмаси деганда нима тушунилади? Қайси омиллар унинг ўзгаришига таъсир кўрсатади?
4. Қайси кўрсаткичлар ишлаб чиқариш айланма фондлари ва айланма маблағлардан фойдаланиш даражасини тавсифлайди?
5. Қайси омиллар айланма маблағларнинг айланыш даражасига таъсир кўрсатади?
6. Корхонанинг норматив базаси деганда нима тушунилади?
7. Корхонанинг норматив базасини мукаммалаштириш қандай аҳамиятга эга?
8. Корхонада маҳсулотнинг материал сифимини камайтириш қандай аҳамият касб этади?
9. Айланма маблағларни нормалаштиришнинг моҳияти ва аҳамияти қандай?
10. Корхонада маҳсулот материал сифимини камайтиришнинг асосий йўллари ва йўналишлари қандай?

Тавсия этиладиган адабиётлар

1. Ўзбекистон Республикасининг “Хусусий корхоналар тўғрисида”ги Конуни. Конун ва қарорлар. Т., “Ўзбекистон”, 2004., №3
2. И.А. Каримов. Ўзбекистон XXI аср бўсағасида: хавфсизликка таҳдид, тараққиёт шартлари ва кафолатлари. Т., “Ўзбекистон”, 1997.
3. Экономика предприятия. Учебник для ВУЗов. 3-е издание /Под. ред. В.Я.Горфинкеля, В.А.Швандара. - М.: Юнити-Дана, 2003.
4. Махмудов Э.Х. Корхона иқтисодиёти: Ўқув.қўлл. –Т.: Ўзбекистон ёзувчилар уюшмаси Адабиёт жамғармаси нашриёти, 2004.
5. Ақромов Э.А Корхоналарнинг молиявий холати таҳлили. – Т.: Молия, 2003. - 223 б.
6. «Ўз Ишингизни яратинг ёки тадбиркор нималарни билиши лозим» - Тошкент шаҳри, ЮНИДО, «Бизнес маслаҳат маркази» лойиҳаси, 2003й.
7. Абдукаримов И.Т. ва бошқалар Корхона иқтисодий салоҳияти таҳлили. Т.: «Иқтисодиёт ва ҳуқуқ дунёси» нашриёт уйи, 2003.
8. Гурков И.Б. Инновационное развитие и конкурентоспособность: Очерки развития 333 российских предприятий. – М.: ТЕИС, 2003.
9. Фомин Я.А. Диагностика кризисного состояния предприятия: Учеб. пособие для вузов. – М.: ЮНИТИ-ДАНА, 2003. 439 с.
10. Гиляровская Л.Т., Вехорова А.А. Анализ и оценка финансовой устойчивости коммерческого предприятия. – СПб: Питер, 2003. –249 с.
11. Крўлов Э.И. Анализ эффективности инвестиционной и инновационной деятельности предприятий / Учеб пос. 2е изд. пере раб и доп.. –М.: Финансў и статистика, 2003. –605 с.

12. О.И. Волков, Экономика предприятия, Учебник. М., “ИНФРА-М”, 2000.
13. Г.И. Шепеленко. Экономика, организация и планирование производства на предприятии. Учебное пособие. Ростов-на-Дону, Изд. Центр “МАРТ”, 2000.
14. Г.В. Савицкая. Анализ хозяйственной деятельности предприятия. Минск, ООО “Новое знание”, 1999.
15. В. Г. Грузинов. Экономика предприятия Учебник 2-е изд. М.: «Юнити Дана» 2003.
16. Сенге Питер М. и др. пер с англ. Танец перемен: новёе проблему самообучаюхихся организаций М.: ЗАО Длимп-Бизнес 2004.
17. Ш.И. Гизотуллин. Как избежать банкротства. Рецептъ финансового оздоровления предприятия М.: ЗАО Гресс Медиа Ферлаг 2004.
18. Котте Д./ Пер. С англ. Управление инфраструктурой организации М.: ОАО Типография «НОВОСТИ» 2001.
19. Л.Д. Гительман, Б.Е.Ратников. Эффективная энергокомпания: Экономика. Менеджмент. Реформирование. М.: ЗАО Олимп-Бизнес 2002.
20. Экономика предприятия Конспект лекций в списках М.: Приор-издат 2003.
21. Экономика предприятия. 3-е изд., перераб. и доп. Учебник для вузов / Под ред. проф. В.Я. Горфинкелья, проф. В.А.Швандара М.: ЮНИТИ-ДАНА 2004.
22. Аутсорсинг: Создание вўсокоэфективнўх и конкурентоспособнўх организаций. Учебное пособие / Под ред. Б.А.Аникина М.: Инфра – М 2003.
23. «Экономика фирмў и отраслевўх рўнков» // Программа М.: Экономический факультет МГУ, ТЕИС 2000.
24. Сергеев И.В Экономика предприятия. 2-е изд. пераб. и доп. Учебное пособие М.: ФиС 2004.
25. Практикум по экономике организации (предприятия). Учебн. Пособ./ Под ред. проф. П.В. Тальминой и проф. Б.В. Чернецовой М.: ФиС 2003.
26. Сбалансированная система Показателей – шаг за шагом: максимальное повышение эффективности и закреплении полученнўх результатов Пер. с англ. Днепропетровск: Баланс-Клуб 2003.
27. Вумек Джеймс П., Джонс Дениел Т. Пер. с англ. Бережливое производство; Как избавиться от потерь и добиться процветания вашей компании; М.. Альпина Бизнес БУКС 2004.
28. Кристенсен Клейтон М. Как из-за новўх технологий погибают сильнўе компаний /Дилемма инноватора Пер.с англ. М.: Альгина Бизнес Бука 2004.
29. <http://www.harvard.edu>
30. <http://www.capitul.ru>
31. <http://www.5b.ru>
32. <http://www.audit - center.ru>

IX МАВЗУ. КОРХОНАДА КАДРЛАР ВА МЕҲНАТ ҲАҚ ТЎЛАШ

- 9.1. Корхонанинг кадрлар салоҳияти.
- 9.2. Бозор муносабатлари шароитларида корхонанинг кадрлар сиёсати.
- 9.3. Корхонада меҳнатга ҳақ тўлаш.

9.1. Корхонанинг кадрлар салоҳияти

“Ҳамма нарсани кадрлар ҳал қилади” қоидаси иқтисодий ислоҳотлар амалга оширилаётган ҳозирги кунларда ҳам ўз долзарблигини йўқотгани йўқ. Президент И.Каримов айтганидек: “Бугунги кунда биз олдимизга қандай вазифаларни қўймайлик, бизнинг олдимизда қандай муаммолар мавжуд бўлмасин, уларнинг барчаси пировардида кадрлар ва фақат кадрларга бориб тақалади.”

Замонавий корхоналар фаолиятида меҳнат қуроллари ва меҳнат предметларидан ташқари кадрлар ҳам катта аҳамиятига эга. Айнан кадрлар ишлаб чиқаришни бошқариб, жорий ва истиқболдаги режалаштиришни амалга оширадилар ҳамда ишлаб чиқариш воситаларини фойдаланишга киритадилар. Кадрларнинг касбий малакаси қанчалик юқори бўлса, корхоналарнинг иқтисодий ва ишлаб чиқариш кўрсаткичлари шунчалик яхши бўлади.

Корхонанинг “меҳнат ресурслари”, “кадрлар”, “персонал” тушунчаларини, гарчи улар ўртасида маъжозий маънода айтганда “хитой девори” йўқ бўлса ва улар кадрлар салоҳиятини шакллантириш ва улардан фойдаланишда бир хилда қўллансада, бир-биридан фарқлаш лозим.

Салоҳият (потенциал) тушунчасининг ўзи лотин тилидан олинган бўлиб (potentia), имконият, куч-кувват, яшириш имконият маъносини англатади. Луғат ва қўлланмаларда у мавжуд ва ҳаракатга келтирилиши, маълум бир мақсадларга эришиш учун фойдаланиш мумкин бўлган восита, захира, манба деб кўрсатилган.

Кадрлар салоҳияти - меҳнат ресурсларининг умумий сони ва жинси, ёши, маълумоти, касбий қўнимлари, корхонанинг у ёки бу бўғинларида ва жамоатчилик ишлаб чиқаришида қатнашиши билан ифодаланувчи меҳнат ресурслари ёки имкониятларини ифодалайди. Кадрлар салоҳияти жамият меҳнат салоҳиятининг таркибий қисмидир.

Кадрлар корхонада меҳнат билан банд бўлган ҳамда корхона шахсий таркибига кирувчи турли касбий–малакавий гурухлардаги ходимлар мажмуасидир. Корхонанинг **меҳнат ресурслари** унинг ишчи кучини тавсифлайди. **Корхона персонали** доимий ва ёлланиб ишловчи, малакали ва малакасиз барча ходимлардан иборат бўлган шахсий таркибни изоҳлайди.

Ишлаб чиқаришдаги асосий «шахс», иқтисодиёт назариясида талқин қилинишича, **ишчи кучи** - инсоннинг меҳнат қилишга жисмоний ва ақлий қобилиятлари ҳисобланади. Бозор муносабатлари шароитларида меҳнат қобилияти, ишчи кучини товар ҳолига келтиради. Бироқ бу оддий товар эмас. Унинг бошқа товарлардан фарқи шундаки, биринчидан, у ўз қийматидан ортиқ бўлган қиймат яратади, иккинчидан, уни жалб қиласдан бирон-бир ишлаб чиқариш жараёнини амалга ошириш мумкин эмас, учинчидан, асосий фондлар

ва айланма маблағлардан самарали фойдаланиш даражаси, хўжалик юритиш иқтисодиёти кўп жиҳатдан унга боғлиқ бўлади.

Корхоналарда ишчи кучи ва умуман кадрлар салоҳиятидан самарали фойдаланишга қуийдаги омиллар таъсир кўрсатади: ходимларнинг моддий манфаатдорлиги, атроф-муҳит, ақлий, жисмоний ва асаблар кучланиши, бошқариш усуслари ва ҳоказолар. Айниқса меҳнат учун ижтимоий шароитлар яратиш муҳим аҳамият касб этади (9.1-расм).

Меҳнатнинг ижтимоий шароитлари



9.1 - расм. Меҳнат юкламасига таъсир кўрсатувчи омиллар

Корхона персонали ёки кадрлар таркиби ва унинг ўзгариши маълум бир сифат, миқдор ва тузилмавий тавсифларга эга бўлиб, улардан фаолиятни режалаштириш ва ҳисобга олишда фойдаланилади. Корхона ходимларининг рўйхат бўйича таркиби замонавий таснифи бўйича қуийдагиларни ўз ичига олади:

- * **саноат-ишлиб чиқариш персонали** (С.ИЧ.П) - асосий ва ёрдамчи цехлар, завод бошқаруви, лаборатория, илмий-тадқиқот ва тажрибалийхалаштириш бўлимлари (ИТ ва ТЛ.И), ҳисоблаш маркази ходимлари;
- * **ноишлаб чиқариш персонали** - уй-жой, коммунал ва ёрдамчи хўжаликларда, соғлиқни сақлаш, профилактика ва таълим муассасаларида фаолият юритувчи ходимлар;
- * **раҳбарлар** - директор, директор ўринбосарлари, бош мутахассислар, бўлим ва хизмат бошлиқлари, яъни муҳандис-техник персонал (МТП);

* **хизматчилар** - ҳужжатларни тайёрлаш, ҳисоб-китоб ва назорат қилиш, хўжалик хизмати ходимлари (агентлар, ғазначилар, иш юритувчилар, котиблар, статистлар ва ҳоказо).

Корхона С.ИЧ.Пнинг асосий ва кўп сонли қисмини **ишчилар** ташкил қилиб, улар маҳсулот ишлаб чиқариш (хизмат кўрсатиш, иш бажариш), таъмирлаш ва ускуналарга хизмат кўрсатишда (*таъмирловчи ишчилар*) қатнашадилр, меҳнат предметларини ташиш ва маҳсулот тайёрлашни амалга оширадилар (*транспорт ишчилари*), қурилиш-таъмирлаш ишларини бажарадилар (*қурувчи-ишчилар*).

Корхона фаолиятини режалаштириш ва таҳлил қилишда, айниқса, меҳнат унумдорлиги, ўртача иш ҳақи, кадрлар айланиши ва оқимини ҳисоблашда **ўртача рўйхат сони** кўрсаткичи қўлланиади. Бу кўрсаткич йил ёки чорак учун корхона фаолият кўрсатган барча ойлар учун ишчиларнинг ўртача рўйхатдаги сонини қўшиш ва ҳосил бўлган йифиндисини мос равища 3 (12) га бўлиш йўли билан аниқланади. Бу кўрсаткични тўғри аниқлаш учун ходимларни ишга қабул қилиш, бошқа ишга ўтказиш ва меҳнат шартномасини бекор қилишни инобатга олган ҳолда ҳар куни ҳисобга олиб боришни йўлга қўйиш зарур.

Кадрларнинг корхонада ҳаракатланишини тавсифлаш учун қуидаги кўрсаткичлар ҳисобланади ва таҳлил қилинади:

Ишчиларни қабул қилиш бўйича айланиш коэффициенти ($K_{пр}$):

$$K_{пр} = \frac{\text{Ишга қабул қилинган персонал сони}}{\text{Персоналнинг ўртача рўйхат сони}}$$

Ишдан кетиш бўйича айланиш коэффициент (K_b)

$$K_b = \frac{\text{Ишдан бўшаган ходимлар сони}}{\text{Персоналнинг ўртача рўйхат сони}}$$

Кадрлар оқими коэффициенти (K_t)

$$K_t = \frac{\text{Ўз хоҳишига кўра ва меҳнат интизомини бузганлик учун ишдан бўшаган ходимлар сони}}{\text{Персоналнинг ўртача рўйхат сони}}$$

Корхона персонали таркибининг доимийлик коэффициенти ($K_{п.с.}$)

Бутун йил давомида ишлаган ходимлар сони
Кп.с. К _____
Персоналнинг ўртача рўйхат сони

Кадрлар салоҳияти микдорий тавсиф беришдан ташқари **корхона персоналиниң сифат тавсифи** ҳам муҳим аҳамиятга эга бўлиб, у корхона ходимларининг мазкур ишлаб чиқаришга касбий ва малакавий жиҳатдан яроқлилик даражаси билан аниқланади. Бу ерда биринчи ўринга “мутахассислик”, “касб”, “малака” каби тушунчалар чиқади.

Мутахассислик инсонда маълум бир турдаги ишларни бажариш учун зарур бўлган билим ва кўникмалар мажмуасининг мавжудлиги билан тавсифланади. Масалан, иқтисодчи, бухгалтер, молиячи ёки техник тилда - механик, қурувчи, энергетик, геолог ва бошқалар. Ишчиларнинг билим ва қобилияtlарига бўлган талаб ягона тариф-малакавий маълумотномасида (ЯТММ), (МТП) ва хизматчиларга эса лавозимлар малакаси маълумотномада акс эттирилган. Бу хужжатлар асосида корхоналар ишчи ва хизматчилар тарифларига ўзгартиришлар киритадилар.

Касб-фаолиятнинг маҳсус ва тор кўринишдаги тури бўлиб, мутахассислик каби назарий билим ва амалий кўникмаларни талаб қиласада, мутахассисликдан фарқли равища ишлаб чиқаришнинг ўзига хос хусусиятларидан келиб чиқиб қўшимча қўникмаларни ҳам талаб қиласади.

Малака деганда бирон-бир касб ёки мутахассислик бўйича мураккаб ишларни бажариш учун зарур бўлган меҳнат қўникмалари ва билиmlар даражаси тушунилади. Ишчилар малакаси даражасини баҳолашда ўртача тариф коэффициенти ва ўртача тариф разряди ҳисобланади. Тариф разрядлари ва коэффициентлари бир вақтнинг ўзида бажарилаётган ишлар мураккаблигини тавсифловчи кўрсаткичлар ҳисобланади.

Кадрлар салоҳиятининг юқорида санаб ўтилган ва бошқа тушунча ва кўрсаткичлари корхона персоналиниң микдорий, сифат ва тузилмавий ҳолатлари ҳақида ва уларни персонални ва умуман ишлаб чиқаришни бошқариш, жумладан, корхона меҳнат ресурслари самарадорлигини ошириш бўйича чора-тадбирларни ишлаб чиқиши, таҳлил қилиш ва режалаштириш мақсадлари учун ўзгартиришлар киритиш йўналишлари ҳақида маълумот беради.

9.2. Бозор муносабатлари шароитларида корхонанинг кадрлар сиёсати

Юқорида айтиб ўтилганидек, ишчи кучи ва умуман, кадрлар, ишлаб чиқаришнинг муҳим элементи ҳисобланади. Шу сабабли корхона ишлаб чиқариш фаолиятининг жорий ва истиқболдаги стратегияси **кадрлар сиёсати** билан чамбарчас боғлиқ бўлиб, у қўйидагиларни ўз ичига олади:

- * ишчи кучини ёллаш, жойлаштириш ва режалаштириш;
- * ходимларни ўқитиши, тайёрлаш ва малакасини ошириш;
- * кадрларни хизмат лавозимлари бўйича юқори поғонага кўтариш;
- * ёллаш шартлари, меҳнат ва унга ҳақ тўлаш шароитлари;

* меҳнат жамоасида қулай рухий (психологик) мұхитни яратиши.

Корхоналарнинг кадрлар сиёсатини, гарчи ягона жавобгар шахс сифатида ишлаб чиқариш ва хўжалик фаолиятининг барча жабҳалари, жумладан, кадрларни танлаш ва жойлаштиришда асосий жавобгарликни корхона деректори ўз бўйнига олсада, фақатгина унинг ўзи амалга оширмайди. Бунда директордан ташқари бўлим ва хизмат бошликлари, кадрлар бўлими, иқтисодий ва ишлаб чиқариш бўлими, меҳнат ва ҳақ тўлаш бўлими, техник бўлими ва бошқалар ҳам иштирок этади.

Корхонада кадрлар сиёсати соғлом ва меҳнат қобилиятига эга бўлган жамоани шакллантириш, кадрларнинг жинси ва ёшига кўра таркиби ва малакаси ҳамда уларнинг ишлаб чиқаришда тўғри жойлаштирилишини ҳисобга олишдан ташқари, ишлаб чиқариш ва меҳнат шароитларининг ўзгариб боришига ўз вақтида эътибор қаратиши, фан ва техниканинг янги, илғор ютуқларини ишлаб чиқаришга жорий қилиш, ходимларнинг меҳнат унумдорлигини оширишни рағбатлантириши лозим. Бошқача қилиб айтганда, кадрлар сиёсати биринчи ўринда, инсоннинг ишлаб чиқариш ва турмушдаги янги ахлоқини шакллантириш, иккинчидан, новаторлик ва юқори меҳнат унумдорлигига мафаатдорлигини ривожлантириши лозим.

Корхонанинг кадрлар сиёсати амалиётда фақат ички вазифа ва муаммоларни ҳал қилишдан ташқари, бандлик соҳасида давлат сиёсатига таянади ва қуидагиларни кўзда тутади:

* фуқароларнинг меҳнат ҳуқуқи ва касб танлаш эркинликларини амалга оширишда бир хил имкониятларга эга бўлишини таъминлаш;

* фуқароларнинг меҳнат ва тадбиркорлик ташаббусларини кўллаб-куватлаш, уларнинг ишлаб чиқариш қобилиятларини ривожлантиришга бандлик соҳасидаги фаолиятни иқтисодий ва ижтимоий фаолиятнинг бошқа йўналишлари билан уйғунлаштириш орқали кўмаклашиш;

* меҳнат фаолияти даврида ва нафақага чиққандан сўнг ҳам ходимларнинг ижтимоий муҳофазасини таъминлаш;

* аҳоли бандлиги муаммоларни ечишда, қўшма корхоналар тузиш ва ишлаб чиқариш билан боғлиқ лойиҳаларни амалга ошириш йўли билан халқаро ҳамкорлик юритиш ва бошқалар.

Иқтисодиётни бошқаришнинг турли даражасида, жумладан, корхоналарда ҳам кадрлар сиёсати кўп қиррали, мураккаб ва узоқ муддатли жараён бўлиб, бир қанча ресурс ва вақт сарфланишини талаб қиласи. Ишчилар ёки олий маълумотли мутахассислар, яъни турли кадрлар билан турли даражадаги харажатлар кўзда тутилади. Агар ишчилар замонавий корхоналар персонали тузилмасида 70-80 % ва ундан ортиқни ташкил қиласа, олий маълумотли мутахассислар 15-20 % ни ташкил этади. Шунга мос равища уларни тайёрлаш ҳам турлича бўлади: ишчилар корхона, ихтисослаштирилган мактаб ва касб-хунар билим юртларида тайёрланса, олий маълумотли мутахассислар бир неча йил давомида олий ўқув юртларида таҳсил оладилар.

Афсуски, баъзи корхоналарнинг раҳбарлари, бугунги кунда таҳлилларнинг кўрсатишича, кўпроқ буюртмалар “портфели”ни шакллантириш, ресурс ва инвестициялар излаш, маҳсулотларни сотиш

каналарини аниқлаш, дебиторлик ва кредиторлик қарзларини қисқартириш, турли хўжалик муаммоларини ҳал қилиш билан банд бўлиб, буларнинг барчаси бозор муносабатлари шароитларида мухим аҳамият касб этсада, уларнинг аҳамияти кадрлар сиёсатини тўғри олиб боришнинг аҳамиятидан камдир. Бу масалада йирик корхоналар унчалик ютуқларга эга бўлмасада, мазкур ҳолатлар асосан шахсий таркиби 100 кишигача бўлган кичик корхоналар ва микрофирмалар учун хосдир.

Шундай бўлсада, кадрлар сиёсатига, жумладан зарур бўлган кадрлар салоҳиятини шакллантириш ва унинг таркибига ижобий ўзгаришлар киритиш, ходимлар малакасини оширишга эътиборни қаратмасдан, ишлаб чиқаришни ривожлантириш вазифаларини муваффақиятли ҳал қилиш, корхоналар ҳаётига фан-техника тараққиёти ютуқларини жорий қилиш, энг асосийси, корхонанинг барқарор ва даромад келтирувчи фаолият юритишини таъминлаш қийин.

Масалан, Японияда корхона ва фирмаларнинг кадрлар сиёсати биринчи ўринда университетлар ва илмий марказлар билан алоқаларни кучайтиришга, иккинчидан, саноатни роботлаштириш соҳасида мутахассислар тайёрлашга қаратилган бўлиб, бу ишлаб чиқаришни механизациялаштириш ва автоматлаштиришнинг ўсишидан ташқари, ишчи ва мутахассислар ўртасида рақобатчилик муҳити яратилишига ҳам хизмат қиласди.

Германияда иқтисодиёт ва ишлаб чиқариш соҳасидаги деярли барча ўзгаришлар кадрлар сиёсати билан боғлиқдир. Корхоналарнинг кадрлар салоҳиятини шакллантиришда ходимлар малакаси ва маълумот даражаси асосий омил ҳисобланади. Германия корхона ва фирмалари ҳар йили ходимларнинг маълумот олиши ва малакасини ошириши учун 10 млрд маркадан ортиқ маблағ сарфлайди. Бундан ташқари, улар мутахассисларга ишдан бўш вақтларда қатнаб керакли билимларни олишлари мумкин бўлган ўкув марказлари ва курслар ҳақида маълумот берадилар.

Кадрлар сиёсати Франция ва Италия корхоналарида ҳам етакчи ўринни ёгаллайди. Грецияда рақобатчилик туфайли компания ва фирмалар ишлаб чиқаришни доимий равища модернизация қилишлари, янги технологияларни қўллашга йирик миқдордаги маблағларни сарфлашларига тўғри келади. Бироқ модернизациялашнинг якуний мақсадларига ходимлар малакаси ишлаб чиқаришнинг техник даражасига мос келган ҳолдагина эришиш мумкин. Шу сабабли кўплаб саноат корхоналари ишчи ва мутахассисларнинг малакасини ошириш бўйича чора-тадбирлар мажмуасини кенг равища амалда қўллайдилар.

Юқорида айтилганлардан келиб чиқадики, кадрлар сиёсати барча мамлакатларда корхоналарнинг муваффақиятли фаолият юритиши учун асосий омиллардан бири ҳисобланади. Бизнинг фикримизча, мамлакатимиздаги корхоналар ҳам бундан мустасно эмас. Улар чет элнинг илғор корхоналари ютуқларини ўзлаштиришдан ташқари, ўз кадрлар сиёсатини яхшилаши, ходимлар малакасининг ўсиши ва ҳаётнинг меҳнат билан боғлиқ даври сифатини оширишга эътибор беришлари зарур. Бу вазифаларнинг муваффақиятли ҳал этилишига, корхоналарнинг мустақиллигидан ташқари корхона ва ишлаб чиқаришни бошқаришнинг акциядорлик шакллари,

шунингдек, иқтисодиётда ривожланиб бораётган бозор муносабатлари ўз хиссасини қўшмоқда.

9.3. Корхоналарда меҳнатга ҳақ тўлаш

Корхоналарда меҳнатга ҳақ тўлашни оқилона ташкил қилиш ходимлар фаолиятини рағбатлантириш, тайёр маҳсулот ва меҳнат бозорида рақобатчиликни, рентабелликни ва маҳсулотларнинг даромадлиигини таъминлаши лозим. Меҳнатга ҳақ тўлашни оқилона ташкил этишдан мақсад–унинг ҳажми ва ходимнинг корхона хўжалик фаолиятига меҳнат фаолиятида қўшган ҳиссасига мос келишини таъминлаш, яъни меҳнат ўлчами ва истеъмол ўлчами ўртасидаги мутаносибликни таъминлашдир.

Иш ҳақи - ҳар бир ходимнинг сарфлаган меҳнати миқдори ва сифатига мос равища тақсимланувчи ва ходим тасарруфига пул шаклида келиб тушувчи миллий даромаднинг бир қисмидир. Иш ҳақи–бу меҳнат учун мукофотдир.

Ходимлар меҳнатига ҳақ тўлаш ишлаб чиқариш жараёнига жалб қилинган меҳнат ресурсларининг баҳосидир. Бошқача қилиб айтганда, иш ҳақи – бу, маҳсулот ишлаб чиқариш ва сотиш харажатларининг корхона ходимлари меҳнатига ҳақ тўлаш учун сарфланувчи қисмидир.

Иш ҳақининг *номинал* ва *реал* турлари мавжуд.

Номинал иш ҳақи–бу ходимнинг маълум бир вақт мобайнида бажарган меҳнати учун ҳисобланган ва тўланган иш ҳақидир.

Реал иш ҳақи–номинал иш ҳақига сотиб олиш мумкин бўлган товар ва хизматлар миқдори; реал иш ҳақи – бу, номинал иш ҳақининг “истеъмол қобилияти”дир.

Корхоналарда иш ҳақи соҳасидаги сиёsatни ишлаб чиқиш ва уни ташкил этишда қўйидаги тамойилларни инобатга олиш зарур:

*адолатлилик, яъни бир хил меҳнат учун бир хил ҳақ тўлаш;

*бажарилаётган ишнинг мураккаблиги ва меҳнат малакаси даражасини ҳисобга олиш;

*меҳнатнинг заарли шароитлари ва оғир жисмоний меҳнатни ҳисобга олиш;

*сифатли, сидиқидилдан меҳнат қилишни рағбатлантириш, йўл қўйилган йўқотишлиар ёки ўз мажбуриятларига масъулиятсиз ёндашишни моддий жазолаш;

*меҳнат унумдорлиги суръатини ўртача иш ҳақининг ўсиш суръатларига нисбатан тезроқ ўстириш;

*иш ҳақи миқдорини инфляция суръатларига мос равища мувофиқлаштириш;

*меҳнатга ҳақ тўлашнинг корхона эҳтиёжларига тўлиқ жавоб берувчи илгор шакл ва тизимларини қўллаш.

Замонавий шароитларда корхоналарда меҳнатга ҳақ тўлашнинг турли тизим ва шакллари қўлланилиб, улардан энг кўп тарқалганлари сифатида ишбай ва вақтбай усулни кўрсатиш мумкин.

Меҳнатга ишбай ҳақ тўлаш ишлаб чиқарилган маҳсулот (бажарилган иш, кўрсатилган хизмат) учун тўланадиган ҳақни англатади.

Корхоналарда қўпинча фақат ишбай эмас, балки ишбай-мукофотли ҳақ тўлашдан фойдаланилади.

Меҳнатга ишбай-мукофотли ҳақ тўлашда ишчи бажарган ишига ҳақ олишдан ташқари, мукофотга ҳам эга бўлади. Мукофот асосан маълум бир кўрсаткичларга эришиш - маҳсулот ишлаб чиқариш режасини бажариш, маҳсулот сифатини ошириш, хом ашё ва материалларни тежаш ва шу кабилар учун берилади.

Меҳнатга вақтбай ҳақ тўлаш тариф тизимида кўзда тутиловчи ишлаб берилган вақт - календарь вақт эмас, балки норматив вақт учун тўланадиган ҳақни англатади.

Вақтбай-мукофотли ҳақ тўлашда ишчи ишлаб берган вақтига ҳақ олишдан ташқари, ушбу иш ҳақига маълум бир фоиз ҳисобида мукофот ҳам олади.

Меҳнатга аккорд ҳақ тўлаш тизими меҳнатга ишбай ҳақ тўлашнинг бир тури бўлиб, унинг моҳиятига кўра, бунда бажарилиши керак бўлган ишларни муддатини кўрсатган ҳолда баҳолаш амалга оширилади.

Корхонада қўйидаги ҳолларда аккорд ҳақ тўлаш тизимидан фойдаланиш мақсадга мувофиқ ҳисобланади:

*корхона бирон-бир буюртмани ўз вақтида бажара олмаса ва бунинг учун шартномага асосан йирик миқдорда жарима тўлайдиган бўлса;

*корхонанинг тўхтаб қолишига сабаб бўлувчи фавқулодда вазиятлар (ёнгин, сел, зилзила, сув тошқини ёки жиддий сабабларга кўра асосий технологик линияларнинг ишдан чиқиши ҳоллари) рўй берганда;

*алоҳида ишларни бажаришга ўта зарурат туғилганда ёки корхонада янги асбоб-ускуналар ишга туширилганда.

Кўпчилик корхоналарда иш ҳақини ҳисоблаш тариф тизими, айниқса унинг тариф ставкаси ва тариф сеткалари каби элементлари асосида амалга оширилади.

Тариф ставкаси-турли гурӯҳ ва категориядаги ишчиларнинг вақт бирлигидаги меҳнати учун тўланувчи ҳақнинг мутлақ (абсолют) ўлчамидир. Минимал тариф ставкаси ёки биринчи разрядли ставка бошланғич ҳисобланади. У энг оддий меҳнат турига тўланувчи ҳақ даражасини белгилаб беради.

Тариф сеткалари меҳнатга ҳақ тўлашдаги мутаносибликларни малака даражасини ҳисобга олган ҳолда, белгилаш учун хизмат қиласи. У тариф разрядлари ва уларга мос келувчи тариф коэффициентлари йиғиндисини ифодалайди. Тариф коэффициентининг энг паст разряди бирга тенг деб олинади. Ундан кейинги тариф разрядлари мос келувчи тариф ставкалари биринчи разрядли тариф ставкасидан неча марта катта бўлишини кўрсатади.

Кадрлар, меҳнат унумдорлиги ва иш ҳақи ўзаро чамбарчас боғлиқ бўлган тушунчалар ҳисобланади. Ҳар бир корхонада меҳнат ва иш ҳақи бўйича режа тузилиб, унинг мақсадлари ишчи кучидан фойдаланишини яхшилаш заҳираларини топиш ва бу асосда меҳнат унумдорлигини оширишга қаратилган

бўлиши лозим. Бу режаларга кўра меҳнат унумдорлигининг ўсиш суръати ўртacha иш ҳақи суратларидан тезроқ ўсиши лозим.

Қисқача хulosалар

Кадрлар сиёсатига кўп нарса, биринчи ўринда ишчи кучидан қанчалик унумли фойдаланиш ва корхона фаолиятининг самарадорлигини таъминлаш боғлиқ бўлади.

Корхонада кадрлар ишчи, хизматчи, мутахассис ва раҳбарларга бўлинади. Раҳбарларга афзаликни бериш лозим. Тадқиқотлар ва амалиёт тажрибалари шуни кўрсатадики, корхона фаолиятининг самарадорлиги 70-80 % га корхона раҳбарига боғлиқ бўлади.

Бозор муносабатларига ўтиш билан корхоналар меҳнатга ҳақ тўлаш соҳасида катта мустақилликка эришдилар. Таҳлиллар натижасида шу нарса маълумки, бу даврга келиб корхоналар кўпроқ вақтбай-мукофотли ва тарифсиз ҳақ тўлаш, шунингдек, шартнома асосида ҳақ тўлашдан фойдалана бошладилар.

Кадрлар, меҳнат унумдорлиги ва иш ҳақи ўзаро чамбарчас боғлиқ бўлган тушунчалар ҳисобланади. Ҳар бир корхонада меҳнат ва иш ҳақи бўйича режа тузилиб, унинг мақсадлари ишчи кучидан фойдаланишини яхшилаш заҳираларини топиш ва шу асосда меҳнат маҳсулдорлигини оширишга қаратилган бўлиши лозим. Бу режаларга кўра, меҳнат унумдорлигининг ўсиш суръати ўртacha иш ҳақи суръатларидан тезроқ ўсиши лозим.

Таянч иборалар

Кадрлар салоҳияти, кадрлар, меҳнат ресурслари, корхона персоналии, ишчи кучи, меҳнат учун ижтимоий шароитлар, меҳнат юкламасига таъсир кўрсатувчи омиллар, саноат-ишлаб чиқариш персонали (С.ИЧ.П), ноишлаб чиқариш персонали, раҳбарлар, хизматчилар, ўртacha рўйхат сони, кўрсаткичлар, корхона персоналиниң сифат тавсифи, касб, малака, кадрлар сиёсати, иш ҳақи, ходимлар меҳнатига ҳақ тўлаш, номинал иш ҳақи, реал иш ҳақи, меҳнатга ишбай ҳақ тўлаш, меҳнатга ишбай-мукофотли ҳақ тўлаш, меҳнатга вақтбай ҳақ тўлаш, вақтбай-мукофотли ҳақ тўлаш, меҳнатга аккорд ҳақ тўлаш тизими, тариф ставкаси.

Назорат ва муҳокама учун саволлар

1.Бозор муносабатлари шароитларида корхонанинг кадрлар сиёсатини қай тарзда тасаввур қиласиз?

2.Кадрлар тузилмаси деганда нима тушунилади ва уни белгилаб берувчи омиллар қандай?

3.Реал иш ҳақи номинал иш ҳақидан нимаси билан фарқ қиласиз?

4.Меҳнатга ҳақ тўлашнинг қандай тизим ва шаклларини биласиз?

5.Қайси ҳолларда вақтбай ва ишбай ҳақ тўлашдан фойдаланиш мақсадга мувофиқ ҳисобланади?

6. Нима сабабли корхонада меҳнат унумдорлиги суръатлари ўртача иш ҳақи суръатларидан ортиқ бўлиши лозим?

7. Меҳнат унумдорлиги нима? Корхонада меҳнат унумдорлигининг ўсиш қандай аҳамияти касб этади?

8. Корхонада меҳнат унумдорлигини аниқлашнинг қандай усуларини биласиз?

9. Меҳнат унумдорлиги ва иш ҳақини режалаштириш моҳияти нимада?

10. Қайси омиллар корхонада ишлаб чиқаришнинг ўсишини белгилаб беради?

Тавсия этиладиган адабиётлар

1. Ўзбекистон Республикасининг “Хусусий корхоналар тўғрисида”ги Қонуни. Қонун ва қарорлар. Т., “Ўзбекистон”, 2004., №3
2. И.А. Каримов. Ўзбекистон – бозор муносабатларига ўтишнинг ўзига хос йўли. Т., “Ўзбекистон”, 1993.
3. Экономика предприятия. Учебник для ВУЗов. 3-е издание /Под. ред. В.Я.Горфинкеля, В.А.Швандара. - М.: Юнити-Дана, 2003.
4. Махмудов Э.Х. Корхона иқтисодиёти: Ўқув.қўлл. –Т.: Ўзбекистон ёзувчилар ўюшмаси Адабиёт жамғармаси нашриёти, 2004.
5. Ақромов Э.А Корхоналарнинг молиявий холати таҳлили. – Т.: Молия, 2003.-223 б.
6. «Ўз Ишингизни яратинг ёки тадбиркор нималарни билиши лозим» - Тошкент шаҳри, ЮНИДО, «Бизнес маслаҳат маркази» лойиҳаси, 2003й.
7. Абдукаримов И.Т. ва бошқалар. Корхона иқтисодий салоҳияти таҳлили. Т.: «Иқтисодиёт ва ҳуқуқ дунёси» нашриёт уйи, 2003.
8. Заработка плата на предприятии / Хасанов Н.Х., Хайдаров Ш.У, Югай Л.П. – Т.: издательский дом “Мир экономики и права”, 2004
9. О.И. Волков, Экономика предприятия, Учебник. М., “ИНФРА-М”, 2000.
10. Г.И. Шепеленко. Экономика, организация и планирование производства на предприятии. Учебное пособие. Ростов-на-Дону, Изд. Центр “МАРТ”, 2000.
11. В. Г. Грузинов. Экономика предприятия Учебник 2-е изд. М.: «Юнити Дана» 2003.
12. Сенге Питер М. и др. пер с англ. Танец перемен: новёе проблемё самообучаюшихся организаций М.: ЗАО Длимп-Бизнес 2004.
13. Котте Д./ Пер. с англ. Управление инфраструктурой организации М.: ОАО Типография «НОВОСТИ» 2001.
14. В.Д Грибов, В.П. Грузиков Экономика предприятия. Практикум. 3-е изд. перераб. и доп. Учебник М.: ФиС 2004.
15. Экономика предприятия. 3-е изд., перераб. и доп. Учебник для вузов / Под ред. проф. В.Я. Горфинкеля, проф. В.А.Швандара М.: ЮНИТИ-ДАНА 2004.
16. Сергеев И.В Экономика предприятия. 2-е изд. пераб. и доп. Учебное пособие М.: ФиС 2004.
17. Практикум по экономике организации (предприятия). Учебн. Пособ./ Под ред. проф. П.В. Тальминой и проф. Б.В. Чернецовой М.: ФиС 2003.
18. Сбалансированная система Показателей – шаг за шагом: максимальное повышение эффективности и закреплении полученнých результатов Пер. с англ. Днепропетровск: Баланс-Клуб 2003.
19. <http://www.harvard.edu>
20. <http://www.capitul.ru>
21. <http://www.5b.ru>

22. <http://www.audit-center.ru>

Х МАВЗУ. КОРХОНА РЕНТАБЕЛЛИГИ, ДАРОМАД ВА ХАРАЖАТЛАР

- 10.1. Харажатлар тушунчаси ва классификацияси.
- 10.2. Фойда ва унинг шаклланиш манбалари, тақсимланиш тартиби ва кўпайтириш йўллари.
- 10.3. Рентабелликнинг моҳияти ва кўрсаткичлари

10.1. Харажатлар тушунчаси ва унинг таснифланиши

Корхоналар фаолият юритиш жараёнида моддий ва пул харажатларини сарфлайдилар. Корхонанинг умумий харажатлари ичида ишлаб чиқариш харажатлари энг катта салмоқقا эга. Ишлаб чиқариш харажатлари мажмуаси корхонага маҳсулот ишлаб чиқариш қанчага тушишини кўрсатади, яъни маҳсулотнинг ишлаб чиқариш таннархини ташкил қиласди.

Корхоналар, шунингдек, маҳсулотни сотиш бўйича харажатларни, яъни ишлаб чиқаришдан ташқари ёки тижорат (ташиш, қадоқлаш, сақлаш, реклама қилиш ва ҳоказо) харажатларини ҳам амалга оширадилар

Маҳсулот (иш, хизмат) таннархини ташкил қилувчи харажатлар иқтисодий мазмунига кўра, қуидаги элементларга асосан гуруҳларга тақсимланади:

- * моддий харажатлар;
- * асосий фондлар амортизацияси;
- * меҳнатга ҳақ тўлаш билан боғлиқ бўлган харажатлар;
- * ижтимоий эҳтиёжларга мўлжалланган харажатлар;
- * бошқа харажатлар.

Моддий харажатлар ишлаб чиқариш харажатларининг энг катта қисми бўлиб, умумий харажатларнинг 60 - 80 фоизини ташкил қилиши мумкин. Моддий харажатлар ўз ичига қуидагиларни қамраб олади:

- * хом ашё ва материаллар харажатлари;
- * технологик мақсадлар ва хўжалик эҳтиёжлари учун сарфланувчи ёқилғи ва энергия;
 - харид қилинувчи бутловчи қисмлар ва ярим тайёр маҳсулотлар;
 - сотиб олинган қадоқлаш ва ўров материаллари харажатлари;
- * машина ва асбоб-ускуналарни таъмирлаш учун эҳтиёт қисмлар;
- * бошқа корхона ва ташкилотлар томонидан кўрсатиладиган ишлаб чиқариш хизматлари;

• хизмат даври бир йилгача бўлган кичик қийматли ва тез эскирувчи предметларнинг эскириши ёки ҳар бир инструмент, инвентарь, лаборатория ускуналари ва маҳсус кийим-бош учун энг кам ойлик иш ҳақининг 50 баравар миқдоригача қиймати;

- * табиий хом ашёдан фойдаланиш билан боғлиқ солиқ, йигим ва бошқа тўловлар;
- * ишлаб чиқаришда бекор туриб қолиш ва сифатсизлик (брак) туфайли юзага келадиган йўқотишлар;

* табиий йўқотишлар билан боғлиқ бўлган ёки айбор шахслар мавжуд бўлмаган ҳолда юзага келадиган йўқотишлар.

Амортизация ажратмалари миқдорига тенг бўлган асосий ишлаб чиқариш фондларининг эскириши харажатларнинг йирик элементларидан бири ҳисобланади. Булар қаторига асосий фондларнинг тезлашган амортизацияси ва унинг индексациясини киритиш мумкин.

Меҳнатга ҳақ тўлаш билан боғлиқ бўлган харажатлар-корхонанинг асосий ишлаб чиқариш персонали меҳнатига ҳақ тўлашга сарфланадиган харажатлар бўлиб, ишлаб чиқаришдаги юқори натижалар учун мукофотлар, рағбатлантирувчи ва компенсация тўловлари, жумладан, қонунчиликда белгиланган нормативлар чегарасида нархларнинг ўсиши ва индексация учун тўловлар, шунингдек, корхона ходимлари штатида бўлмаган, лекин асосий ишлаб чиқаришда банд бўлган ишчилар учун тўланувчи ҳақни ўз ичига олади.

Мазкур харажатлар элементлари қаторига қуидагилар киритилган:

- * амалда бажарилган иш учун тариф ставкалари, лавозим маошлари ва шу кабилар асосида тўланувчи иш ҳақи;
- * ходимларга натурал тўлов шаклида берилувчи маҳсулотлар қиймати;
- * ишлаб чиқаришдаги юқори натижалар учун берилувчи мукофот ва бошқа тўловлар;
- * қонунчиликка асосан баъзи тармоқлардаги ходимларга бепул берилувчи кийим-кечак, озиқ-овқат, уй-жой, коммунал хизмат ва ҳоказолар қиймати;
- * ҳар йиллик меҳнат ва ўқув таътили учун амалга оширилувчи тўловлар;
- * корхонани қайта ташкил қилиш, штатлар қисқариши туфайли ишдан бўшатилган ходимларга тўланувчи маблағлар.

Ижтимоий эҳтиёжлар учун харажатлар нобюджет ижтимоий фондларига (нафақа фонди, ижтимоий суғурта фонди, бандлик фонди ва ҳоказо) ажратилувчи маблағларни англатади.

Маҳсулот (иш, хизмат) таннархидаги бошқа харажатлар – бу, қонунчиликда белгиланган тартибда маҳсус нобюджет фондларига ўтказилувчи тўловлар ва солиқлар; йўл қўйиш мумкин бўлган миқдордаги чиқиндилар учун тўловлар; корхона мулкини мажбурий суғурталаш; рационализаторлик таклифлари учун мукофотлар; қонунчиликда белгиланган ставкаларда кредитлар бўйича тўловлар; маҳсулотни сертификатлаш учун бажарилган ишларга ҳақ тўлаш; қонунчиликда белгиланган нормалар бўйича хизмат сафарларига ҳақ тўлаш; ёнфинга қарши кураш ва қўриқлаш муассасаларига ҳақ тўлаш; кадрлар тайёрлаш ва малакасини ошириш, ходимлар танлашни ташкил қилиш, алоқа хизмати, ҳисоблаш марказлари, банклар хизматига ҳақ тўлаш; асосий ишлаб чиқариш фондларини ижарага олганлик учун ҳақ тўлаш; номоддий активларнинг эскириши ва ҳоказолар.

Ишлаб чиқариш харажатларига, асосий ишлаб чиқариш фондларини ишга тайёр ҳолатда сақлаб туриш - капитал, ўрта ва жорий таъмирлаш, машина ва асбоб-ускуналарга қараш ва эксплуатация қилиш учун сарфланувчи барча харажатлар киради. Асосий ишлаб чиқариш фондларини таъмирлаш бўйича мураккаб ишлар амалга оширилиб, харажатлар бир хилда тақсимланмаганда корхоналар (Молия Вазирлиги рухсати билан) маҳсулот таннархи ҳисобига

асосий фондларни таъмирлаш учун заҳира(резерв) фондлари ташкил қилиши мумкин.

Хорижий валютадаги харажатлар Марказий банкнинг операциялар амалга оширилган қундаги курсига асосан сўмларда белгиланади. Маҳсулот ишлаб чиқариш ва сотишга қилинадиган харажатларни ўсишига, хом ашё, материаллар, ёқилғи, энергия, асбоб-ускуналар нархининг ўсиши, транспорт хизмати тарифларининг юқорилиги, реклама ва вакиллик харажатларининг ўсиши кабилар таъсир қиласи. Амортизация ажратмалари миқдори ҳам ўсиб бормоқда. Нархлар эркинлиги ва ижтимоий зиддиятлар кучайган шароитларда харажатлар тузилмасида иш ҳақининг салмоғини ошириш катта аҳамият касб этади. Шу билан бир вақтнинг ўзида ижтимоий ва тиббий суғурталаш, нафақа таъминоти, аҳоли бандлик фондлари, турли хил компенсацион тўловларга ажратилувчи маблағлар миқдори ҳам ортиб бормоқда.

10.2. Фойда ва унинг шаклланиш манбалари, тақсимлаш тартиби ҳамда кўпайтириш йўллари

Фойда муҳим иқтисодий категория (тоифа) бўлиб, ҳар бир тижорат ташкилотининг асосий мақсади ҳисобланади. Иқтисодий категория сифатида фойда-моддий ишлаб чиқариш соҳасида яратилган соф даромадни акс эттиради.

Фойданинг асосий қисмига корхоналар ишлаб чиқарилаётган маҳсулотни сотиш орқали эга бўладилар. Замонавий хўжалик юритиш шароитларида фойданинг асосий вазифаси корхона фаолияти самарадорлигини акс эттиришда деб белгиланади. Бунга фойда миқдори, корхонанинг маҳсулот ишлаб чиқариш ва сотиш билан боғлиқ бўлган маҳсулот таннархи шаклидаги индивидуал харажатлар, маҳсулот баҳоси шаклидаги ижтимоий зарурий харажатларни ўз ичига олиши лозимлигини сабаб қилиб кўрсатиш мумкин.

Бозор муносабатларига ўтиш шароитларида корхоналар фаолияти фойданинг рағбатлантирувчи аҳамиятининг ортиши билан боғлиқ. Фойдадан баҳолашнинг асосий кўрсаткичи сифатида фойдаланиш, маҳсулот ишлаб чиқариш ва сотиш ҳажмининг ортиши, сифатнинг яхшиланиши, мавжуд ишлаб чиқариш ресурсларидан фойдаланиш унумининг ортиши билан асосланади. Шу билан бирга фойданинг аҳамияти ортишига амалдаги фойдани тақсимлаш тизими ҳам сабаб бўлади ва унга кўра эса, корхоналарнинг ишлаб чиқариш ва ижтимоий ривожланишни таъминлаш учун ҳамда ходимларни бажарган меҳнати сифати ва миқдорига асосан моддий рағбатлантиришга сарфланувчи фойдани оширишга бўлган қизиқишининг ортиши кузатилади.

Шу тариқа фойда ишлаб чиқариш самарадорлигини ошириш, ходимларнинг ўз корхонаси эришадиган юқори натижалардан моддий манфаатдорлигини кучайтиришда ҳал қилувчи роль ўйнайди.

Корхонада фойда турли хил фаолият натижасида олиниши мумкин. Барча фойдалар йиғиндиси корхонанинг ялпи фойдасини ташкил қиласи. Ялпи фойданинг таркибий элементлари қуйидагилардан иборат:

- бажарилган иш, кўрсатилган хизмат ва маҳсулот сотишдан олинган фойда;
- асосий фондлар, шунингдек, корхонанинг бошқа мулки сотишдан олинган фойда;
- корхонанинг молиявий фаолияти орқали олинувчи фойда.

Корхона даромади икки кўрсаткич, яъни маҳсулот баҳоси ва уни ишлаб чиқаришга сарфланувчи харажатларга боғлиқ бўлади. Маҳсулотнинг бозордаги баҳоси талаб ва таклиф муносабатлари натижасида келиб чиқади. Эркин рақобат шароитларида баҳони шакллантириш қонунлари асосида маҳсулот баҳоси ишлаб чиқарувчи ёки харидор хоҳишига қўра эмас, балки автоматик равища тартибга солинади.

Фойда корхона фаолияти натижасида олинган иқтисодий самарани тавсифлайди. Корхонанинг фойда олиши даромадларнинг корхона фаолияти билан боғлиқ бўлган харажатлардан кўп бўлишини англатади ҳамда у рағбатлантириш вазифаларини ҳам бажаради. Бу эса фойда бир пайтнинг ўзида молиявий натижа бўлиш билан бирга корхона молиявий ресурсларининг асосий элементи эканлиги; даромаднинг турли даражадаги бюджет шаклланиши учун асосий манба бўлиб хизмат қилиши билан изоҳланади.

Фойда олишнинг асосий манбалари қўйидагилар:

биринчи манба корхонанинг маҳсулотнинг у ёки бу турини ишлаб чиқаришдаги монополия ҳолати ёки маҳсулотнинг нодирлиги ҳисобига шаклланади. Бу манбанинг сақланиши маҳсулотни доимий равища янгилашиборишни кўзда тутади;

иккинчи манба ишлаб чиқариш ва тадбиркорлик фаолияти билан боғлиқ. Ундан фойдаланиш самарадорлиги бозор конъюнктурасини билиш ҳамда ишлаб чиқаришнинг ривожланишини, доимий равища ўзгариб турувчи бозор конъюнктурасига мослаштириш қобилиятига боғлиқ бўлади. Фойда микдори корхонанинг маҳсулот ишлаб чиқариш бўйича йўналишини тўғри танлаш (доимий равища талаб даражаси юқори бўлган маҳсулотни танлаш); маҳсулотларини сотиш ва хизмат кўрсатиш учун рақобатбардош шароитларни яратиш (баҳо, етказиб бериш муддати, харидорларга хизмат кўрсатиш, сотувдан кейинги хизмат кўрсатиш ва ҳоказо); ишлаб чиқариш ҳажми (ишлаб чиқариш ҳажми қанчалик катта бўлса, даромад микдори шунчалик кўп бўлади); ишлаб чиқариш харажатларини камайтириш тузилмаси билан боғлиқ бўлади;

учинчи манба корхонанинг инновацион фаолиятидан келиб чиқади. Ундан фойдаланиш доимий равища технологияларни такомиллаштириш, ишлаб чиқарилаётган маҳсулотларни янгилаш, унинг рақобатбардошлигини таъминлаш, маҳсулот сотиш ҳажми ва фойда микдорини оширишни англатади.

Корхонанинг баланс фойдаси фойданни тақсимлаш объектидир. Фойданни тақсимлаш деганда унинг бир қисмини бюджетга жўнатиш тушунилади. Қонунчиликка асосан фойданинг солиқ ва бошқа мажбурий тўловлар шаклида бюджетга келиб тушувчи қисми тартибги солинади. Корхона ихтиёрида қолувчи даромад қисми, ундан фойдаланиш йўналишлари корхона зиммасида бўлади.

Фойданни тақсимлаш тамойиллари қўйидагилардан иборат бўлади:

- корхонанинг ишлаб чиқариш ва молиявий фаолият натижасида оладиган фойдаси давлат ва корхона ўртасида хўжалик субъекти сифатида тақсимланади;

- фойданинг давлатга тўланувчи бир қисми солик ва йигимлар кўринишида бюджетга келиб тушади. Соликлар таркиби ва фоизи, уларни ҳисоблаш тартиби ва бюджетга тўланувчи бошқа тўловлар қонунчилик томонидан белгиланади;

- соликлар тўлангандан сўнг корхона тасарруфида қолувчи фойда миқдори, унинг ишлаб чиқариш ҳажмини ошириш ҳамда ишлаб чиқариш ва молиявий фаолият натижаларини яхшилашдан манфаатдорлигини камайтирмаслиги лозим.

Корхонада фойдани тақсимлаш ва ундан фойдаланиш тартиби унинг Низомида белгилаб қўйилади ҳамда ваколатли иқтисодий хизмат ходимлари томонидан тайёрланиб, корхона раҳбарияти томонидан тасдиқланувчи коидалар ёрдамида аниқланади.

Махсулотни сотишдан олинадиган фойда миқдори ички ва ташқи омилларга боғлиқ бўлади. Ички омиллар, бу - корхонада замонавий техника ва технологияларни жорий қилиш, хўжалик юритиш даражаси, раҳбарият ва менеджментнинг масъулияти, маҳсулотнинг рақобатбардошлиги, ишлаб чиқариш ва меҳнатни ташкил этиш даражасидир. Корхона фаолиятига боғлиқ бўлмаган ташқи омиллар қаторига эса, бозор конъюнктураси, истеъмол қилинувчи моддий-техник ресурсларнинг баҳоси, амортизация нормаси, солик тизими кабилар киради.

Корхонада фойдани оширишнинг асосий йўллари. Ҳар бир корхонада фойдани ошириш бўйича режали чора-тадбирлар кўзда тутилиши керак. Умуман олганда, бундай чора-тадбирлар қўйидагилардан иборат бўлиши мумкин:

- * ишлаб чиқарилаётган маҳсулот миқдорини ошириш;
- * ишлаб чиқарилаётган маҳсулот сифатини ошириш;
- * ортиқча асбоб-ускуналар ёки бошқа мулкни сотиб юбориш ёки ижарага бериш;
- * моддий ресурслар, ишлаб чиқариш қувватлари ва майдонлари, ишчи кучи ва иш вақтидан унумлироқ фойдаланиш ҳисобига маҳсулот таннархини пасайтириш;
- * ишлаб чиқаришни диверсификация қилиш;
- * маҳсулот бозорини кенгайтириш ва ҳоказолар.

Фойда корхона фаолиятининг муҳим иқтисодий кўрсаткичи бўлсада, унинг самарадорлигини тўла тавсифлаб бермайди. Корхона фаолияти самарадорлигини аниқлаш учун натижаларни (фойдани) харажатлар ёки бу натижаларга эришиш учун сарфланган ресурслар билан солиштириш лозим.

10.3. Рентабелликнинг моҳияти ва қўрсаткичлари

Бозор муносабатларига ўтиш шароитларида рентабелликнинг аҳамияти ва ўрни ўсиб бормоқда. У корхона фаолияти ва капитал қўйилмалар иқтисодий самарадорлигининг асосий мезони, корхона ва хўжалик юритувчи ташкилотларни баҳолашнинг синтетик қўрсаткичи бўлиб хизмат қиласди.

Янги шароитларда корхоналарнинг фаолиятларида юқори молиявий натижаларга эришишга интилиши сезиларли даражада ортиб бормоқда.

Ҳар қандай хўжалик механизми учун асос бўлиб корхона фаолиятини режалаштириш ва унга объектив баҳо бериш, таълим олиш, меҳнатга ҳақ тўлаш ва иқтисодий рағбатлантириш фондларидан фойдаланиш, ишлаб чиқариш жараёнининг турли босқичларида харажат ва натижаларни солиштириш қўрсаткичлари хизмат қиласди.

Фойда корхона самарадорлигининг ягона ва универсал қўрсаткичи эмас.

Ишлаб чиқариш ривожланишининг самарадорлиги ва интенсивлигини баҳолашда амалиётда рентабеллик қўрсаткичлари тизими кенг қўлланиб, унга кўра фойданинг миқдори белгиланган ҳисобланади. Бошқача қилиб айтганда, рентабеллик даромадлилик, фойдалиликни англатади. Бироқ рентабелликни фақат даромадлилик деб қабул қилиш унинг иқтисодий мазмунини кенг очиб бермайди. Улар ўртасида тенгликнинг йўқлигидан даромад миқдори ва рентабеллик даражаси турли нисбатларда, қўпинча турли йўналишларда ўлчаниши далолат беради.

Исталган муддат учун иқтисодий қўрсаткичларни ҳисоблаш кўплаб турли хил омиллар таъсири остида амалга оширилади.

Рентабеллик ва фойда қўрсаткичларини таҳлил қилишда уларга таъсир қўрсатиши мумкин бўлган барча омилларни билиш, бу омилларнинг самарадорликнинг умумлаштирувчи қўрсаткичларига таъсирини ҳисоблаш услубиятини эгаллаш муҳим аҳамият касб этади. Бу омилларни бошқариш орқали корхонада даромадни ошириш заҳираларини излаб топиш ва рентабелликнинг талаб қилинувчи даражасига эришиш механизмини яратиш мумкин.

Рентабеллик ва фойдага таъсир қўрсатувчи омилларни турли хил белгиларига кўра таснифлаш мумкин. Масалан, бу омиллар ички ва ташқи бўлиши мумкин. Ички омилларга корхона фаолиятига боғлиқ бўлган ҳамда корхона фаолиятининг турли йўналишларини тавсифловчи омиллар мансуб бўлади. Ташқи омилларга корхона фаолиятига боғлиқ бўлмаган, бироқ ишлаб чиқариш рентабеллиги ва даромаднинг ўсиш суръатига сезиларли таъсир қўрсатиши мумкин бўлган омиллар киради. Таҳлил жараёнида ички ва ташқи омилларни аниқлаш самарадорлик қўрсаткичларини ташқи таъсирлардан “тозалаш” имконини беради ҳамда корхона ютуқларини объектив баҳолашда муҳим аҳамият касб этади.

Ўз навбатида ички омиллар ҳам ишлаб чиқариш ва ноишлаб чиқариш омилларига бўлинади. Ноишлаб чиқариш омиллари асосан меҳнат ва сотиш шароитлари, корхонанинг тижорат, табиатни сақлаш ва шу каби фаолият турлари билан боғлиқ бўлади. Ишлаб чиқариш омиллари эса фойданинг

шаклланишида иштирок этувчи ишлаб чиқариш жараёнининг асосий элементлари - меҳнат предметлари ва воситалари ҳамда меҳнатнинг ўзи - мавжудлиги ва улардан фойдаланишни акс эттиради.

Хўжалик фаолиятини амалга ошириш жараёнида маҳсулот ишлаб чиқариш, сотиш ва фойда олиш билан боғлиқ бўлган корхоналарда бу омиллар ўзаро алоқада ва бир-бiri билан чамбарчас боғлиқ бўлади.

Рентабелликнинг моҳиятини факат фойда шаклланишини таҳлил қилиш асосида очиб бериш мумкин. Корхона маҳсулотни сотиш натижасида ўз харажатларини қоплашдан ташқари фойда ҳам олган тақдирда рентабелли ҳисобланади.

Рентабеллик кўрсаткичлари корхона фаолияти қанчалик фойда келтиришини кўрсатади. Бу кўрсаткичлар молиявий ҳисоботнинг ички ва ташқи фойдаланувчиларда қизиқиш уйғотиб, корхона ресурсларидан фойдаланиш самарадорлиги ҳамда унинг инвестицияларни жалб қилиш қобилиятини аниқлайди. Хусусий ёки қарзга олинувчи капиталнинг рентабеллиги корхонага маблағлар киритишнинг рентабеллигини тавсифловчи асосий кўрсаткичлардир. Бу кўрсаткичларнинг иқтисодий турланиши (интерпретацияси) яққол кўзга ташланади: сарфланган ҳар бир сўм қарзга олинган (хусусий) капиталга неча сўм фойда тўғри келади (ҳисоб-китобларда корхонанинг баланс ёки соф фойдасидан фойдаланиш мумкин).

Рентабелликни замон ва макон қоидаларига кўра таҳлил қилишда асосли хуносаларга келиш учун зарур бўладиган учта хусусиятни инобатга олиш зарур.

Биринчи хусусият корхона фаолиятининг вақт жиҳати билан боғлиқ. Масалан, маҳсулотни сотиш рентабеллиги коэффициенти ҳисбот давридаги фаолият натижалари орқали аниқланади; узоқ муддатли инвестицияларнинг юзага келиши мумкин бўлган ва режалаштирилаётган самараси инкор қилинмайди. Агар корхона катта микдордаги инвестициялар талаб қилувчи янги технологиялар ва янги маҳсулот турларини ишлаб чиқаришга ўтадиган бўлса, у ҳолда рентабеллик кўрсаткичлари вақтинчалик пасайиши мумкин.

Иккинчи хусусият таваккалчилик муаммоси билан боғлиқ бўлиб, таваккалчилик даражаси юқори бўлган лойиҳалар баъзида катта фойда келтириши ҳам мумкин.

Учинчи хусусият баҳолаш муаммоси билан боғлиқ. Масалан, хусусий капиталнинг рентабеллик кўрсаткичи суръати ва маҳражи турли хил харид қобилиятига эга бўлган пул бирлигida келтирилади. Кўрсаткичнинг суръати, яъни фойда ўзгарувчан (динамик) бўлиб, фаолият натижаларини ҳамда товар ва хизматларнинг асосан ўтган йилда юзага келган баҳосини акс эттиради. Кўрсаткичнинг маҳражи, яъни хусусий капитал бир қатор йиллар давомида шаклланади. У жорий баҳодан анча фарқ қилиши мумкин бўлган, ҳисобга олиш баҳосида акс эттирилади. Демак, хусусий капитал рентабеллик коэффициентининг катта бўлиши, доим ҳам корхонага киритилаётган капитал қайтимига мос келавермайди; молиявий қарорларни қабул қилишда бу кўрсаткични эътиборга олишдан ташқари, корхонанинг бозордаги баҳосини (бозор капитализацияси) ҳам инобатга олиш зарур.

Куйида корхона фаолиятининг самарадорлигини тавсифловчи рентабелликнинг асосий кўрсаткичлари келтирилган.

Соф фойда (СФ)

Активлар рентабеллиги (РА) к

Активларнинг ўртача йиллик қиймати (А)

Соф фойда (СФ)

Сотиш рентабеллиги (РС) к

Маҳсулотни сотишдан тушган тушум(СТ)

Соф фойда

Хусусий капитал рентабеллиги (ХК) к

Хусусий капитал ўртача йиллик қиймат (ХК)

Соф фойда (СФ)

Битта акция даромади (АФ) к

Муомаладаги акциялар сони (Na)

Активлар рентабеллиги корхонада 1 сўм фойда олиш учун қанча маблағ жалб қилиш талаб этилишини (бу маблағлар манбаидан қатъи назар) акс эттиради. Ушбу кўрсаткич корхона рақобатбардошлигининг энг муҳим кўрсаткичларидан бири ҳисобланади.

Сотиш рентабеллиги сотилган маҳсулотнинг ҳар бир сўми қанча соф фойда келтирганини акс эттиради.

Хусусий капитал рентабеллиги корхона мулкдорлари яъни, эгалари киритган капиталдан фойдаланиш самарадорлигини аниқлаш ва бу кўрсаткични худди шу маблағларни бошқа қимматбаҳо қофозларга киритганда олиш мумкин бўлган фойда билан таққослаш имконини беради. Farb мамлакатларида бу кўрсаткич компания акцияларининг котировкасига сезиларли равишда таъсир кўрсатади.

Битта акция келтирувчи фойда кўрсаткичи корхонанинг бозордаги фаолиятини тавсифловчи муҳим кўрсаткичлардан биридир.

Шу тариқа, тавсия қилинувчи кўрсаткичлар таҳлил жараёнида корхонанинг молиявий барқарорлигини аниқлаш, ишлаб чиқариш самарадорлиги ва корхонанинг бозордаги рақобатбардошлигини оширишга оид чора-тадбирлар белгилашга иконият яратади.

Қисқача хуносалар

Ҳар бир хўжалик юритувчи субъектнинг тадбиркорлик фаолиятидан асосий мақсад фойда олишдир. Фойда олиш дегани корхона даромадлари унинг фаолияти билан боғлиқ бўлган барча харажатлардан ортишини англаатади.

Ишлаб чиқариш харажатларини доимий равишда пасайтириб бориш фойда олишнинг муҳим шартларидан бири ҳисобланади. Харажатлар мажмуаси корхонага маҳсулот ишлаб чиқариш қанчага тушишини кўрсатади.

Фойда корхонада турли хил фаолият орқали олиниши мумкин бўлиб, унинг микдори ишлаб чиқариш омиллари баҳоси ўзгариши (ташқи омиллар) ёки ишлаб чиқариш харажатларини улардан норационал фойдаланиш сабабли ошириш (ички омиллар) туфайли ўзгариб туради.

Бироқ фойда мутлақ (абсолют) катталик сифатида ишлаб чиқариш самарадорлигини тўлиқ тавсифламайди. Ишлаб чиқаришнинг барча омилларидан фойдаланиш самарадорлигини баҳолашда, рентабеллик кўрсаткичлари муҳим аҳамият касб этади.

Рентабеллик кўрсаткичлари корхона фаолияти қанчалик фойда келтиришини кўрсатади. Рентабеллик кўрсаткичларининг таҳлили юзага келган ҳолатга баҳо бериш ҳамда молиявий барқарорликни кучайтириш чоратадбирларини белгилашга имкон яратади.

Таянч иборалар

моддий харажатлар, асосий фондлар амортизацияси, меҳнатга ҳақ тўлаш билан боғлиқ бўлган харажатлар, ижтимоий эҳтиёжларга мўлжалланган харажатлар, моддий харажатлар, хорижий валютадаги харажатлар, фойда, фойда олишнинг асосий манбалари, фойдани тақсимлаш тамойиллари, корхонада фойдани оширишнинг асосий йўллари, рентабеллик, активлар рентабеллиги, сотиш рентабеллиги, хусусий капитал рентабеллиги, битта акция даромади.

Назорат ва муҳокама учун саволлар

1. Ишлаб чиқариш харажатлари тушунчаси ва унинг моҳияти.
2. Ишлаб чиқариш харажатларини таснифлаш.
3. Бошқа харажатлар таркибига нималар киради?
4. Фойда иқтисодий категория сифатида ҳамда унинг корхонанинг тижорат ва ишлаб чиқариш фаолиятини ташкил қилишдаги аҳамияти.
5. Фойдани шакллантириш манбалари.
6. Фойдани тақсимлаш ва уни кўпайтириш йўллари.
7. Рентабелликнинг иқтисодий моҳияти.
8. Рентабеллик кўрсаткичлари ва уларни аниқлаш услубияти.

Тавсия этиладиган адабиётлар

1. Ўзбекистон Республикасининг “Корхоналар тўғрисида”ти Қонуни. Қонун ва қарорлар. Т., “Ўзбекистон”, 1992
2. И.А. Каримов. Ўзбекистон XXI аср бўсағасида: хавфсизликка таҳдид, тараққиёт шартлари ва кафолатлари. Т., “Ўзбекистон”, 1997.
3. И.А. Каримов. Ўзбекистон – XXI асрга интилоқда. Т., “Ўзбекистон”, 1999.
4. И.А. Каримов “Ўзбекистон иқтисодий ислоҳотларни чуқурлаштириш йўлида. Т., “Ўзбекистон”, 1995.
5. И.А. Каримов. Ўзбекистон – бозор муносабатларига ўтишнинг ўзига хос йўли. Т., “Ўзбекистон”, 1993
6. Маҳсулот (ишлар, хизматлар)ни ишлаб чиқариш ва сотиш харажатлари таркиби ҳамда молиявий натижаларни шакллантириш тартиби туғрисадаги Низом. -Т.: 1999, 5 февраль.
7. Экономика предприятияя. Учебник для ВУЗов. 3-е издание /Под. ред. В.Я.Горфинкеля, В.А.Швандара. - М.: Юнити-Дана, 2003.

8. Махмудов Э.Х. Корхона иқтисодиёти: Ўқув.қўлл. –Т.: Ўзбекистон ёзувчилар уюшмаси Адабиёт жамғармаси нашриёти, 2004.
9. Ақромов Э.А Корхоналарнинг молиявий холати таҳлили. – Т.: Молия, 2003.-223 б.
10. «Ўз Ишингизни яратинг ёки тадбиркор нималарни билиши лозим» - Тошкент шаҳри, ЮНИДО, «Бизнес маслаҳат маркази» лойиҳаси, 2003й.
11. Абдукаримов И.Т. ва бошқалар Корхона иқтисодий салоҳияти таҳлили. Т.: «Иқтисодиёт ва ҳуқуқ дунёси» нашриёт уйи, 2003.
12. Гурков И.Б. Инновационное развитие и конкурентоспособность: Очерки развития 333 российских предприятий. – М.: ТЕИС, 2003.
13. Фомин Я.А. Диагностика кризисного состояния предприятия: Учеб. пособие для вузов. – М.: ЮНИТИ-ДАНА, 2003. 439 с.
14. Гиляровская Л.Т., Вехорова А.А. Анализ и оценка финансовой устойчивости коммерческого предприятия. – СПб: Питер, 2003. –249 с.
15. Крўлов Э.И. Анализ эффективности инвестиционной и инновационной деятельности предприятий / Учеб пос. 2е изд. пере раб и доп.. –М.: Финансў и статистика, 2003. –605 с.
16. О.И. Волков, Экономика предприятия, Учебник. М., “ИНФРА-М”, 2000.
17. Г.И. Шепеленко. Экономика, организация и планирование производства на предприятии. Учебное пособие. Ростов-на-Дону, Изд. Центр “МАРТ”, 2000.
18. В. Г. Грузинов. Экономика предприятия Учебник 2-е изд. М.: «Юнити Дана» 2003.
19. Ш.И. Гизотуллин. Как избежать банкротства. Рецептў финансового оздоровления предприятия М.: ЗАО Гресс Медиа Ферлаг 2004.
20. Котте Д./ Пер. С англ. Управление инфраструктурой организации М.: ОАО Типография «НОВОСТИ» 2001.
21. Л.Д. Гительман,. Б.Е.Ратников. Эффективная энергокомпания: Экономика. Менеджмент. Реформирование. М.: ЗАО Олимп-Бизнес 2002.
22. В.Д Грибов, В.П. Грузинов Экономика предприятия. Практикум. 3-е изд. перераб. и доп. Учебник М.: ФиС 2004.
23. Практическое пособие к семинарским занятиям по курсу «Экономика фирмў» / Под ред. Ивахенко М.: Экономич. Факуль. МГУ, ТЕИС. 2003.
24. Экономика предприятия Конспект лекций в списках М.: Приор-издат 2003.
25. Экономика предприятия. 3-е изд., перераб. и доп. Учебник для вузов / Под ред. проф. В.Я. Горфиннелия, проф. В.А.Швандара М.: ЮНИТИ-ДАНА 2004.
26. Аутсорсинг: Создание вўсокоэффективнўх и конкурентоспособнўх организаций. Учебное пособие / Под ред. Б.А.Аникина М.: Инфра – М 2003.
27. Экономика предприятия Конспект лекций М.: Изд-во ПРИОР 2002.
28. «Экономика фирмў и отраслевўх рўнков» // Программа М.: Экономический факультет МГУ, ТЕИС 2000.
29. Сергеев И.В Экономика предприятия. 2-е изд. пераб. и доп. Учебное пособие М.: ФиС 2004.
30. Практикум по экономике организации (предприятия). Учебн. Пособ./ Под ред. проф. П.В. Тальминой и проф. Б.В. Чернецовой М.: ФиС 2003.
31. Сбалансированная система Показателей – шаг за шагом: максимальное повышение эффективности и закреплении полученнўх результатов Пер. с англ. Днепропетровск: Баланс-Клуб 2003.
32. Мескон М.Х., Альберт М. и др. Основў менеджмента: Пер с англ. – М.: Дело,2000.-704с.
33. Смирнов Э.А. Управленческие решения М.: ИНФРА-М, 2001.-264с
34. Менеджмент организаций. Москва, Инфра-М, 2002 г.
35. <http://www.harvard.edu>

36. <http://www.capitul.ru>
37. <http://www.5b.ru>

ХІ МАВЗУ. КОРХОНАНИНГ ИНВЕСТИЦИОН ФАОЛИЯТИ

- 11.1. Инвестициялар корхона ишлаб чиқариш салоҳиятини ривожлантириш ва мустаҳкамлаш воситаси сифатида.
- 11.2. Корхоналарда инвестициялашнинг асосий манбалари ва йўналишлари.
- 11.3. Инвестицияларнинг иқтисодий самарадорлигини баҳолаш.

11.1. Инвестициялар корхонанинг ишлаб чиқариш салоҳияти ривожлантириш ва мустаҳкамлаш воситаси сифатида

Корхоналар хўжалик юритиш ва ишлаб чиқариш фаолиятининг муҳим жиҳатларидан бири ишлаб чиқариш ва иқтисодий салоҳиятни ривожлантириш ва сақлаб қолишидир. Корхоналарнинг бу йўналишдаги фаолияти инвестицион фаолият деб аталади ҳамда “Инвестицион фаолият тўғрисида” ги Қонун ва бошқа ҳуқуқий ҳужжатлар билан тартибга солинади.

Инвестициялар – корхоналар ва халқ хўжалиги миқёсида янги ишлаб чиқариш корхоналари яратиш ёки мавжуд корхоналарни замонавийлаштириш, илгор техника ва технологияларни ўзлаштириш, маҳсулот ишлаб чиқариш ва фойда (даромад) олишни кўпайтириш мақсадида узоқ муддатли маблағлар киритилишидир. Инвестициялар ижтимоий ишлаб чиқариш тузилмасини яхшилаш, ишлаб чиқаришдаги номутаносибликларини бартараф қилиш ва истеъмол бозорини таъминлашда алоҳида эътиборга эга.

Инвестицияларни шакллантириш ва улардан фойдаланиш, мамлакат ва хўжалик юритувчи субъектларнинг инвестицион сиёсати асосида амалга оширилади. Бу сиёsat биринчидан, капитал қўйилмаларнинг устивор йўналишларини, иккинчидан, ишлаб чиқариш қучларини тўғри жойлаштириш ва ривожлантириш, учинчидан, фан-техник тараққиёти ва бутун иқтисодиётнинг ривожланишини белгилаб беради. Инвестицияларнинг “хўжайини” сифатида корхоналарнинг ўзидан ташқари, давлатни, маҳаллий ҳокимият идоралари ва хусусий тадбиркорларни кўрсатиш мумкин.

Кўпинча инвестиция деганда капитал қўйилмалар кўзда тутилади, бу нарса инвестициялар табиатини инкор қилмайди ва уларнинг моҳиятини нотўғри акс эттирамайди. Инвестициялар, бозор иқтисодиётидаги бошқа, жумладан, бизнес, рақобатчилик, ишбилармонлик тушунчалари каби, маъмурий-буйруқбозлик тизимидан бозор иқтисодиётига ўтилаётган бугунги кунларда хўжалик юритиш назарияси ва амалиётида ўз ўрнини топмоқда. Шу билан бирга, “капитал қўйилмалар” атамасининг ўз изоҳлари ҳам мавжуд.

Капитал қўйилмалар асосий фондларни қайта тиклаш ва ўстириш учун сарфланувчи моддий, меҳнат ва пул ресурсларидир. Улар асосан бир вақтнинг ўзида амалга ошириладиган характерга эга бўлиб, ишлаб чиқариш харажатлари ёки маҳсулот таннархи шаклидаги, жорий харажатлардан фарқ қиласди. Капитал қўйилмалар мақсадли характерга эга бўлади ҳамда ходимларга мукофот тўлаш, хизмат сафари (командировка) харажатлари ва ҳоказоларга сарфланиши мумкин эмас.

Молиявий инвестициялар қимматбаҳо қоғозлар, акция ва облигациялар сотиб олиш, пул маблағларини банкларга фоиз олиш мақсадида депозит ҳисоб рақамларига қўйиш билан ифодаланади.

Реал инвестициялар пул маблағларини капитал қурилиш, ишлаб чиқаришни ривожлантириш ва кенгайтиришга киритишни ифодалайди. Реал инвестициялар корхона, тармоқ ва бутун халқ хўжалигининг куч-куватини белгилаб беради.

Инвестициялар аввалдан ўйлаб кўрилган мақсад ва биринчи ўринда инвестицион лойиҳа асосида корхона ишлаб чиқариш потенциалини мустаҳкамлаш ва ривожлантириш вазифасини бажаради.

Инвестиция лойиҳаси капитални корхонани унинг ишлаб чиқариш қуввати ва бошқа сифат кўрсаткичларини кучайтириш мақсадида ривожлантириш ва кенгайтиришга киритишни режалаштириш ва амалга ошириш бўйича чора-тадбирлар мажмуасидир. Инвестиция лойиҳасини тайёрлаш ва амалга ошириш қўйидагиларни ўз ичига олади:

- * инвестициявий ғоя(фикр)ни шакллантириш;
- * ғоянинг дастлабки асосланиши;
- * лойиҳада кўзда тутилган техник қарорнинг таҳлили;
- * сертификат талабларининг бажарилишини текшириш;
- * инвестиция лойиҳаси бўйича давлат бошқарув идоралари билан келишув юзага келтириш;
- * ахборот меморандумини тайёрлаш.

Юқорида кўрсатилганларни амалга оширгандан сўнг лойиҳани ишлаб чиқиши ва техник-иктисодий асослаб бериш (тушунтириш хатидан то инвестицион мўлжалларнинг мақсад ва вазифалари ҳамда кутилаётган натижалар акс эттирилувчи лойиҳа-смета ҳужжатларигача) зарурати туғилади.

Инвестициялар, айниқса гап янги қурилиш, фаолият кўрсатаётган корхоналарни кенгайтириш ёки қайта тиклаш ҳақида кетганда, инвестицион жараёнлар билан чамбарчас боғлиқ бўлиб, бу жараёнлар инвестицион мақсадларни замон ва маконда боғлайди. Инвестицион жараёнларнинг қўйидагича таркибий қисмлари мавжуд: лойиҳалаштиришдан аввалги асослаш, лойиҳалаштириш, бевосита объект қурилиши (корхонани кенгайтириш ёки қайта тиклаш) ва ишга туширилиши. Корхоналар учун инвестиция жараёнининг сўнгги босқичи муҳим аҳамият касб этади. Ушбу босқичда амалга оширилган янгиликлар эксплуатацион синовлардан ўтказилиб, амалдаги ва лойиҳа кўрсаткичлари баҳоланади ҳамда инвестиция жараёнининг худди шу жараёнида ҳал қилиниши лозим бўлган четга оғиш ва камчиликлар аниқланади.

11.2. Корхоналарда инвестициялашнинг асосий манбалари ва йўналишлари

Деярли барча фаолият кўрсатувчи корхоналар давлатга тегишли бўлган собиқ маъмурий-буйруқбозлик тизими шароитларида инвестицияларнинг асосий манбаи давлат (бюджет) маблағларидан ташкил топар эди. Гарчи ўша шароитларда ҳам жамғарма фонdlар - асосий инвестицион манбалар

корхоналар фойдаси (даромади) ҳисобига амалга оширилган бўлсада, корхоналарнинг маблағларни қаердан олиш ва қаерга жойлаштириш тўғрисида “боши” оғримас эди. Кўшимча манба сифатида корхоналарнинг амортизация фонди хизмат қиласди.

Мазкур тушунчалар (жамғарма фонди, амортизация фонди, фойда) ҳозирги кунда ҳам ўз аҳамиятини йўқотмаган бўлиб, инвестицияларнинг асосий манбаи ҳисобланади. Масалан, давлат корхоналари учун асосий инвестиция манбаи қуидагилар: фойда, амортизация фонди ва бюджет маблағлари, қўшма корхоналар учун - фойда, амортизация фонди ва кредит ресурслари.

Режалаштириш ва бошқарув тизимида шунингдек, инвестиция манбаларини аниқлашнинг ички ва ташқи турларидан ҳам фойдаланилади.

Инвестицияларнинг *ички манабалари* қуидагилар:

- ишлаб турган асосий капиталга ҳисобланувчи амортизация ажратмалари натижасида шаклланувчи, корхонанинг ўз молиявий воситалари;
- фойданинг инвестиция эҳтиёжларига ажратилувчи қисми;
- суғурта компаниялари ва муассасалари томонидан табиий офат ва бошқа ҳодисаларда тўланувчи маблағлар;
- корхонанинг акциялар чиқариши ва сотиши натижасида олинувчи маблағлар;
- юқори турувчи ва бошқа органлар томонидан қайтариб бермаслик асосида ажратилувчи маблағлар;
- хайрия ва шу каби бошқа маблағлар.

Инвестицияларнинг *ташқи манбалари* қуидагилар:

- марказий ва маҳаллий бюджетдан, тадбиркорликни кўллаб-куватловчи турли хил фонdlар томонидан ажратилувчи қайтариб бермаслик асосидаги маблағлар;
- корхоналар Низом жамғармасида молиявий ёки бошқа моддий ва номоддий иштирок шаклида, шунингдек, халқаро молия институтлари ва алоҳида шахсларнинг тўғридан-тўғри қўйилмалари шаклида киритилувчи хорижий инвестициялар;
- давлат ва турли хил фонdlар томонидан қайтариб бериш шарти билан берилувчи кредитлар, жумладан имтиёзли кредитлар.

Корхоналарнинг мустақил хўжалик фаолияти шароитларида ички маблағлар таркибида амортизация ажратмалари асосий ўринни эгаллайди. Унинг корхона инвестицион ресурсларидаги улуши 50% ва ундан кўпроқни ташкил этади.

Инвестицион мақсадларга йўналтирилувчи маблағлар танқислиги шароитида лизинг инвестицион фаолиятни фаоллаштирувчи муҳим восита бўлиб хизмат қиласди.

Лизинг - молиявий-кредит муносабатларининг шаклларидан бири бўлиб, корхоналарнинг қурилма ва асбоб-ускуналарни ишлаб чиқарувчи корхоналар ёки маҳсус ташкил қилинган лизинг компанияларидан узоқ муддатга ижарага олишини англатади. Лизинг битимида кўрсатилган томонлардан ташқари инвестицион лойиҳаларни молиялаштириш ҳамда уларни бунинг учун зарур

бўлган маблағлар билан таъминлаш имкониятига эга бўлган тижорат ёки инвестицион банклар ҳам иштирок этиши мумкин.

Инвестициялардан (капитал қўйилмалардан) фойдаланишнинг асосий йўналишлари қўйидагилар ҳисобланади:

- янги қурилиш;
- корхонани кенгайтириш ва қайта тиклаш;
- ишлаб чиқаришни замонавийлаштириш ва техник жиҳатдан қайта куроллантириш;
- ҳаракатдаги қувватларни такомиллаштириш.

Янги қурилишга янги майдонларда маҳсус ишлаб чиқилган лойиҳалар асосида қурилувчи корхона, бино, иншоот ва қурилмалар мансубдир.

Фаолият юритаётган **корхонани кенгайтириш** қўшимча ишлаб чиқариш мажмуаларининг навбатдаги қисмларини янги лойиҳа асосида қуриш ёки асосий, қўшимча, ёрдамчи ва хизмат кўрсатувчи ишлаб чиқаришнинг амалдаги цехларини кенгайтириш ёки қуришни англатади. У асосан, фаолият юритаётган корхона ҳудудида ёки унга туташ майдонларда амалга оширилади.

Қайта тиклаш – бу, фаолият юритаётган корхонани маънавий ва жисмоний эскирган қурилма ва асбоб-ускуналарни ишлаб чиқаришни механизациялаштириш ва автоматлаштириш, технологик бўғинлар ва ёрдамчи хизматдаги номутаносибликларни йўқотиш йўли билан алмаштириш ёрдамида тўлиқ ёки қисман ўзгартиришни англатади. Қайта тиклашда эски цехлар ўрнига янги цехларни қуришга рухсат берилади.

Техник қайта куроллантириш алоҳида ишлаб чиқариш турларини замонавий талабларга асосан янги техника ва технологияларни киритиши, ишлаб чиқариш жараёнларини механизациялаштириш ва автоматлаштириш, эскирган қурилма ва ускунларни янгилаш ва алмаштириш, ишлаб чиқариш тузилмаси ва ташкил этилишини яхшилаш йўли билан, корхонанинг техник даражасини ошириш бўйича чора-тадбирлар мажмуасидир. У ишлаб чиқариш интенсивлигини кучайтириш, ишлаб чиқариш қувватларини ошириш ва ишлаб чиқарилаётган маҳсулотлар сифатини яхшилашга йўналтирилган.

Молиявий ресурслар ва ер танқислиги шароитларида, иккинчи томондан эса, мавжуд ишлаб чиқариш қувватларидан унумлироқ фойдаланиш учун янги қурилишни нисбатан чекланган ҳолатда, асосан жуда зарур ҳоллардагина амалга оширилади. Шу сабабли бугунги кунда инвестицияларнинг энг кўп тарқалган йўналишлари сифатида, умуман олганда янги турдаги маҳсулот ишлаб чиқаришни ҳам кўзда тутувчи мавжуд ишлаб чиқаришни кенгайтириш, қайта тиклаш ва техник жиҳатдан қайта куроллантиришни кўрсатиш мумкин.

Янги қурилиш ҳамда мавжуд ишлаб чиқаришни кенгайтириш ва қайта тиклашга йўналтирилувчи капитал қўйилмалар асосан қўйидаги элементлардан иборат бўлади:

- * қурилиш-монтаж ишлари харажатлари;
- * машина ва ускуналар сотиб олишга сарфланувчи харажатлар;
- * лойиҳа-қидирав ва бошқа илмий ишланмаларга сарфланувчи харажатлар.

Капитал қўйилмаларнинг юқоридаги турлари *инвестицияларнинг технологик тузилмасини* тавсифлайди. Ҳозирги пайтда иқтисодиёт ривожланишига киритилувчи капитал қўйилмаларнинг умумий ҳажмида қўйидаги тузилма вужудга келди: қурилиш-монтаж ишлари харажатлари - 55-60%, машина ва ускуналар сотиб олишга сарфланувчи харажатлар - 35-30%, лойиха-қидирув ва бошқа илмий ишланмаларга сарфланувчи харажатлар - 10%.

Капитал қўйилмаларнинг мулк шаклига кўра тузилмаси – бу, инвестицияларнинг давлат, акциядорлик, қўшма, ижара ва бошқа турдаги жамоа корхоналари ўртасида тақсимланишидир. У капитал қўйилмалардан фойдаланиш, шунингдек, уларнинг шаклланиш тартиби ва манбалари нуқтаи назаридан муҳим аҳамиятга эга. Амалиёт шуни кўрсатадики, капитил қўйилмаларнинг самарали тузилмаси уларни тежаш, энг кам харажатлар билан энг кўп фойда олишга тенгdir.

Инвестицияларнинг такрор ишлаб чиқариш тузилмаси янги қурилиш ҳамда мавжуд ишлаб чиқаришни кенгайтириш, қайта тиклаш ва техник жиҳатдан қайта куроллантиришга сарфланувчи харажатлари ўртасидаги ўзаро нисбатни ифодалайди.

11.3. Инвестицияларнинг иқтисодий самарадорлигини баҳолаш

Умуман олганда самарадорлик муайян натижаларга эришишни англаатади. У сарафланган харажатлар ва олинган натижалар нисбати асосида аниқланади. Харажатлар қанчалик кам ва натижалар қанчалик кўп бўлса, самарадорлик ҳам шунчалик юқори бўлади.

Инвестицияларнинг иқтисодий самарадорлиги бутун ишлаб чиқариш самарадорлигининг таркибий қисмидир. Турли даражадаги хўжалик фаолиятида инвестицияларнинг иложи борича кўпроқ фойда, қайтим келтириши асосий вазифа қилиб белгиланади. Бу қоидадан четга чиқиш ресурсларни йўқотиш, жамиятнинг илгариги ва ҳозирги меҳнатини йўққа чиқаришга олиб келиши мумкин.

Инвестицияларнинг иқтисодий самарадорлигини баҳолаш зарурати, қўшимча капитал қўйилмалар киритилишини талаб қилувчи янги қурилиш, мавжуд ишлаб чиқаришни кенгайтириш, қайта тиклаш ва техник жиҳатдан қайта куроллантириш, ишлаб чиқаришни замонавийлаштириш ва ташкилий-техник чора-тадбирларни ишлаб чиқиш каби барча ҳолларда юзага келади. Баъзан маҳсулотларнинг янги турини ишлаб чиқариш ҳам инвестиция ва бошқа маблағлар киритилишини, демак, харажат ва натижалар нисбатини аввалдан баҳолашни талаб қиласди.

Инвестицияларнинг иқтисодий самарадорлигини баҳолашда корхоналар иккита вазифани ҳал қилишлари лозим:

биринчиси - капитал қўйилмаларнинг қопланиш муддати ва даромадлилиги нуқтаи назаридан, энг мақбул вариант танлаш имкониятини яратувчи инвестицион лойиха самарадорлигини баҳолаш;

иккинчиси - мавжуд ишлаб чиқаришга ишлаб чиқариш кўрсаткичларини яхшилаш мақсадида киритилувчи инвестициялар самарадорлигини баҳолаш (кўшимча маҳсулот ишлаб чиқариш, таннархни камайтириш, фойдани ошириш ва ҳоказо).

Биринчи вазифанинг ечими мос келувчи маркетинг тадқиқотларини амалга оширишни кўзда тутиб, бу тадқиқот давомида талаб ва ундан келиб чиқувчи таклиф, бозор сегментацияси, баҳони шакллантириш стратегияси, молиялаштириш манбалари ва бошқалар аниқланиши лозим. Инвестицион лойиҳани муқобиллик асосида танлагандан сўнг бирламчи-руҳсат берувчи ҳужжатларни, техник ва бошқа қарорларни, жумладан, муҳандислик таъминоти, атроф-муҳитни муҳофаза қилиш бўйича чора-тадбирлар тайёрлашишлари амалга оширилади.

Инвестицион лойиҳани тайёрлаш ва шунга мос равишда инвестициялар самарадорлигини баҳолаш зарурати қўп ҳоларда янги корхона, цехлар қуриш ёки мавжуд ишлаб чиқаришни қайта тиклаш ва кенгайтириш билан боғлиқ бўлади. Буларнинг барчаси нафақат маконда, яъни маълум бир ҳудудда, ер майдонида, балки вақтда амалга оширилиши сабабли, вақт муддати лойиҳани амалга ошириш, жумладан, корхонани ташкил қилиш (қайта тиклаш, кенгайтириш) ҳамда эксплуатация қилиш ва тугатиш муддатидан келиб чиқсан ҳолда ҳисобланади.

Инвестицион лойиҳаларнинг самарадорлигини баҳолашда қуйидагилар асосий кўрсаткич ҳисобланади:

1) Соф дисkontланган даромад (СДД) - бутун хисобот даври учун жорий самаралар йифиндисининг бошлангич қадамга келтирилган миқдори ёки интеграл натижаларнинг интеграл харажатлардан ошиб кетиши. У қуйидаги формула асосида ҳисобланади:

$$СДД = \sum_{t=0}^T (H_t - X_t) \frac{1}{(1+E)^t}$$

Бу ерда:

H_t – ҳисоб-китобларнинг t -қадамида эришилувчи натижалар;

X_t – ҳудди шу қадамда амалга оширилувчи харажатлар;

T – ҳисоб-китобларнинг вақт муддати;

E - дисконт нормаси.

Агар инвестицион лойиҳанинг СДД миқдори ижобий бўлса, у ҳолда лойиҳа самарали, яъни инвестиция маблағлари даражасининг қабул қилинган дисконт нормасини таъминловчи ҳисобланади.

Харажатлар ва уларнинг натижалари миқдорини келтириш уларни *дисконташ коэффициенти* (d_t) га қўпайтириш асосида амалга оширилиб, бунда қуйидаги формуладан фойдаланилади:

$$d_t = \frac{1}{(1+E)^t}$$

Бу ерда:

t - натижаларни олиш (харажатларни амалга ошириш) давридан таққослаш давригача бўлган муддат бўлиб, йилларда ўлчанади.

Дисконт нормаси (E) - бошқа инвесторлар ўз маблағларини худди шутурдаги лойиҳаларни амалга ошириш учун киритишга рози бўлувчи, капиталнинг даромадлилик коэффициенти (даромад миқдорининг капитал қўйилмаларга нисбати).

Агар дисконт нормаси вақт давомида ўзгарадиган бўлса, дисконт коэффициенти (d_t) қўйидаги формула асосида аниқланади:

$$d_t = \frac{1}{\prod_{k=1}^t (1 + E_k)}$$

Бу ерда:

E_k – k-йилдаги дисконт нормаси;

t- ҳисобга олинувчи вақт муддати, йил.

Инвестицион лойиҳаларнинг самарадорлик кўрсаткичларини аниқлашда маҳсулот ва истеъмол қилинувчи ресурсларнинг базис, башорат қилинувчи, жаҳон ва ҳисобий баҳоларидан фойдаланилади.

2) Инвестицияларнинг даромадлилик индекси (ИД) - келтирилган самаранинг инвестициялар миқдорига (K) нисбати бўлиб, қўйидаги формула асосида аниқланади:

$$ID = \frac{1}{K} \sum_{t=0}^T (H_t - X_t) \frac{1}{(1 + E)^t}$$

Агар даромадлилик индекси бирга тенг ёки ундан катта бўлса, инвестицион лойиҳа самарали, акс ҳолда эса самараасиз ҳисбланади.

3) Ички даромадлилик нормаси (ИДН) - келтирилган самара миқдори келтирилган инвестиция миқдорига тенг бўлган холдаги дисконт нормаси ($E_{иch}$), яъни $E_{иch}$ (ИДН) қўйидаги тенглик орқали аниқланади:

$$\sum_{t=0}^T (H_t - X_t) \frac{1}{(1 + E_{иch})^t} = \sum_{t=0}^T \frac{K_t}{(1 + E_{иch})^t}$$

Ушбу формула асосида аниқланган даромадлилик нормаси миқдори инвесторнинг капиталга талаб қилувчи даромад миқдори билан таққосланади. Агар ИДН талаб қилинувчи даромад нормасига тенг ёки ундан катта бўлса, у ҳолда лойиҳа самарали ҳисбланади.

4) Инвестицияларнинг қопланиш муддати (T_u) - инвестицион лойиҳани амалга оширишни бошлашдан то натижаларга эришишгача бўлган минимал вақт муддати. У қўйидаги формула асосида аниқланади:

$$T_u = \frac{I_c}{P_m}$$

Бу ерда:

I_c – соғ инвестициялар;

P_m – лойиҳа келтирувчи ўртacha йиллик пул маблағлари оқими, сўм.

Шу билан бирга қопланиш муддати лойиҳанинг даромадлилиги кўрсаткичи ҳисобланмайди. Шу сабабли амалиётда инвестициялар бирламчи капитал (қўйилма)га нисбатан даромадлилик кўрсаткичи орқали кўриб чиқилади ҳамда қўйидаги формула асосида ҳисобланади:

$$Д_u = \frac{M_u}{K} \times 100$$

Бу ерда:

$Д_u$ – инвестициялар даромади, % да;

M_u – солиқлар тўлангандан сўнг қолган фойда, сўм;

K - инвестициялар (бошланғич).

У ёки бу инвестицион лойиҳани танлаш тўғрисида қарор қабул қилишда корхоналар қўйидаги саволларга жавоб бериши лозим:

- * ишлаб чиқаришдаги бугунги ҳолат қанча давом этиши мумкин ва бозорда маҳсулотга (иш, хизматга) бўлган талаб қандай;
- * капитал киритиш учун имкониятлар қандай;
- * рақобатчилик фаолияти қандай;
- * қандай муваффақият омиллари мавжуд;
- * янги бозорга кириш учун қандай имкониятлар мавжуд.

Иқтисодий самарадорликни баҳолашнинг иккинчи ҳолатида, яъни маблағларни мавжуд ишлаб чиқаришга киритишида қўйидаги кўрсаткичлар қўлланилади:

а) инвестицияларнинг ҳар бир сўмига тўғри келувчи қўшимча маҳсулот қўйидаги формула асосида аниқланади:

$$\Theta = \frac{(ЯM_1 - ЯM_0)}{I_k}$$

Бу ерда:

Θ – инвестициялар самарадорлиги;

$ЯM_0$, $ЯM_1$ – ялпи маҳсулот, мос равища бирламчи ва қўшимча инвестицияларда;

I_k – қўшимча инвестициялар миқдори.

б) инвестицияларнинг ҳар бир сўмига таннархнинг пасайиши:

$$\Theta = \frac{Q(TH_0 - TH_1)}{I_k}$$

Бу ерда:

TH_0 , TH_1 - маҳсулот бирлиги таннархи, мос равища, бирламчи ва қўшимча инвестицияларда;

Q – қўшимча инвестициялар киритилгандан кейинги йиллик маҳсулот ҳажми, натурал ўлчов бирл.

в) инвестицияларнинг ҳар бир сўмига маҳсулот ишлаб чиқаришдаги меҳнат харажатларини қисқартириш:

$$\mathcal{E} = \frac{Q(M_0 - M_1)}{I_o}$$

Бу ерда:

M_0, M_1 – маҳсулот бирлигига ишлаб чиқаришда сарфланувчи меҳнат харажатлари, мос равишда қўшимча инвестициялар киритилгунча ва ундан сўнг

г) инвестицияларнинг ҳар бир сўмига фойдани ошириш:

$$\mathcal{E} = \frac{Q(\Phi_1 - \Phi_0)}{I_o}$$

Бу ерда:

Φ_0, Φ_1 – маҳсулот бирлигига тўғри келувчи фойда, мос равишда қўшимча инвестициялар киритилгунча ва ундан сўнг.

е) инвестицияларнинг қопланиш муддати.

Инвестициялар самарадорлигини келтирилган формулалар асосида (бошқарув даражасини инобатга олган ҳолда) аниқлаш ишлаб чиқаришни ривожлантиришга қанча миқдорда инвестиция киритилган ва унинг натижаси қандай деган саволга жавоб беради, яъни у инвестицияларнинг мутлақ (абсолют) самарадорлигини тавсифлайди.

Амалиётда қўпинча инвестицион қарорларнинг турли хил вариантлари кўриб чиқилиб, улардан энг мақбулини танлаб олишга ҳаракат қилинади. Бу мақсадда капитал қўйилмаларнинг солиширма иқтисодий самарадорлик кўрсаткичлари қўлланиб, улар қуйидаги формула асосида аниқланади:

$$E_n \leftarrow T_n K \times E_n \rightarrow \min$$

Бу ерда:

T_n - маҳсулот таннархи;

K - капитал қўйилмалар;

E_n - капитал қўйилмаларнинг самарадорлик нормаси.

Агар инвестицион қарорларнинг бир нечта вариантлари кўриб чиқиладиган бўлса, келтирилган харажатлар энг минимал бўлган вариант танлаб олинади.

Иқтисодий самардорликни баҳолаш жараёнида киритилувчи инвестицияларнинг қопланиш муддатини аниқлашнинг ўзига хос ўрни бўлиб, у қуйидаги формула асосида аниқланади:

$$T_{ok} \leftarrow K / (\Phi_{p1} - \Phi_{p0})$$

Бу ерда:

K - асосий ишлаб чиқариш фонdlарига киритилувчи капитал қўйилмалар ҳажми;

Φ_{p1} - режалаштирилаётган даврнинг сўнгти йилидаги фойда;

Φ_{p0} - базис йилдаги фойда (режадан олдинги даврнинг сўнгги йили).

Капитал қўйилмаларнинг самарадорлик коэффициенти қопланиш мудатига тескари бўлган катталиkdir. У қуйидаги формула асосида ҳисобланади:

$$E \kappa (\Phi_{p1} - \Phi_{p0}) / K$$

Вақт омили, айниқса, инвестор (буюртмачи) нуқтаи назаридан киритилаётган ресурсларнинг ҳақиқий самарадорлигини таъминлашда катта аҳамият касб этади. Шу сабабли қурилиш, қайта тиклаш ва кенгайтириш, шунингдек, мавжуд ишлаб чиқаришни замонавийлаштириш ишлари қанчалик тез бажарилса, инвестор ва пурратчи учун шунчалик фойдаланишга олинувчи қўшимча фойда ($\mathcal{E}_{\text{кф}}$) орқали иқтисодий самара қуйидаги формула асосида аниқланади:

$$\mathcal{E}_{\text{кф}} \kappa E_n \Phi (T_{\text{ш}} - T_a)$$

Бу ерда:

E_n - самарадорликнинг норматив коэффициенти;

Φ - муддатидан аввал фойдаланишга топширилувчи асосий фондлар қиймати;

$T_{\text{ш}}$ - объектни фойдаланишга топширишнинг шартномадаги муддати;

T_a - объектни фойдаланишга топширишнинг амалдаги муддати.

Объектларни фойдаланишга топширишнинг шартномадаги ва амалдаги муддатлари ўртасидаги фарқ мазкур формулада ($T_{\text{ш}} - T_a$) йил улушида акс эттирилиши лозим (вақт қўрсаткичи). Агар $T_{\text{ш}} < T_a$ бўлса, яъни объектни фойдаланишга топшириш муддати ўтиб кетадиган бўлса, инвестор кутилаётган фойдани олишдан маҳрум бўлади ва бошқа чиқимларга дуч келиб, бу нарса ҳисобий самаранинг салбий бўлишига олиб келади. Шу сабабли қурилиш ёки корхонани қайта тиклаш ва кенгайтириш ишлари, объектларнинг сифат қўрсаткичларига таъсир қўрсатмаган ҳолда қанчалик тез амалга оширилса, инвестициялар самарадорлиги мос равишда шунчалик юқори бўлади.

Мисол. Мини-завод қурилишининг сметага кўра қиймати 14,5 млн сўмни ташкил этади. Курилишнинг норматив муддати - 2,5 йил. Амалда заводни 2 йилда қуриб битказиш мўлжалланмоқда. Заводнинг асосий фондлари қиймати ошишига олиб келмайдиган харажатлар қиймати 450 минг сўмга teng. Самарадорликнинг норматив коэффициенти - 0,2.

Заводни муддатидан олдин қуриб битказишнинг иқтисодий самараси қуйидагича:

$$\mathcal{E}_{\text{дп}} \kappa 0,2 (14,5 - 0,45) * (2,5 - 2) \kappa 1,4 \text{ млн. сум.}$$

Қисқача холосалар

Инвестициялар давлат ва корхоналарнинг асосий фондларни замонавийлаштириш ҳамда мамлакатнинг иқтисодий ва ишлаб чиқариш потенциалини мустаҳкамлаш йўлидаги фаолиятидаги муҳим воситадир.

Инвестициялар қоидага кўра, амалиётда мамлакат миқёсида давлат томонидан, микроиктисодиётда эса корхоналар ва уларга тенглаштирилган бошқа хўжалик субъектлари томонидан амалга оширилувчи инвестицион сиёsat асосида моддийлаштирилади.

Инвестициялар реал, ялпи, молиявий ва портфел турларига тақсимланади. Реал инвестициялар корхонанинг иқтисодий потенциалини яхшилашда муҳим восита ҳисобланади.

Инвестициялашнинг тўғри танланган тактика ва стратегияси корхоналарга ишлаб чиқаришни замонавийлаштириш вазифаларини муваффақиятли ҳал қилиш ҳамда ишлаб чиқариш жараёнлари ва маҳсулот чиқаришни фан-техника тараққиёти ва бозор талабларига жавоб берувчи кўринишга олиб келишга имкон беради.

Корхонанинг ивестацион сиёсати инвестицияларнинг иқтисодий самарадорлигини баҳолаш ҳамда инвестициялашнинг энг самарали варианларини танлаш билан боғлиқ бўлади.

Минимум харажатлар ва максимум натижалар - инвестициялар ва ивестацион лойиҳаларнинг иқтисодий самарадорлигини баҳолашда услубий асос ҳисобланади.

Таянч иборалар

Инвестициялар, капитал қўйилмалар, молиявий инвестициялар, реал инвестициялар, инвестиция лойиҳаси, инвестицияларнинг ички манбалари, инвестицияларнинг ташқи манбалари, лизинг, янги қурилиш, корхонани кенгайтириш, қайта тиклаш, техник қайта қуроллантириш, капитал қўйилмаларнинг мулк шаклига кўра тузилмаси, инвестицион лойиҳаларнинг самарадорлигини баҳолаш, инвестицияларнинг қопланиш муддати.

Назорат ва муҳокама учун саволлар

1. Ивестацион сиёсат нима ва у давлат ва корхоналар миқёсида қандай мақсадларни кўзда тутади?
2. “Инвестициялар” ва “капитал қўйилмалар” тушунчалари ўртасидаги фарқларни тавсифлаб беринг.
3. Инвестацион жараёнларни қайси асосий босқичлар тавсифлайди?
4. Инвестициялар таркиби ва структураси нима ва уларнинг корхона иқтисодиётiga таъсири қандай?
5. Инвестицияларнинг иқтисодий самарадорлигини аниқлашнинг қайси усуллари сизга маълум?
6. Корхоналар инвестацион сиёсатининг моҳияти нимада?
7. Инвестицияларнинг энг самарали вариантини танлашда қайси усулдан фойдаланиш мақсадга мувофиқ?
8. Инвестициялар самарадорлигини оширишнинг асосий йўналишларидан қайсиларини биласиз?
9. Инвестицияларнинг қопланиш муддати нима ва у қандай аниқланади?
10. Республикада амалга оширилаётган энг машҳур инвестацион лойиҳаларни айтиб бера оласизми?

Тавсия этиладиган адабиётлар

1. И.А. Каримов. Ўзбекистон XXI аср бўсағасида: хавфсизликка таҳдид, тараққиёт шартлари ва кафолатлари. Т., “Ўзбекистон”, 1997.

2. И.А. Каримов “Ўзбекистон иқтисодий ислоҳотларни чуқурлаштириш йўлида. Т., “Ўзбекистон”, 1995.
3. Экономика предприятия. Учебник для ВУЗов. 3-е издание /Под. ред. В.Я.Горфинкеля, В.А.Швандара. - М.: Юнити-Дана, 2003.
4. Махмудов Э.Х. Корхона иқтисодиёти: Ўқув.қўлл. –Т.: Ўзбекистон ёзувчилар ўюшмаси Адабиёт жамғармаси нашриёти, 2004.
5. Ақромов Э.А Корхоналарнинг молиявий холати таҳлили. – Т.: Молия, 2003.-223 б.
6. «Ўз Ишингизни яратинг ёки тадбиркор нималарни билиши лозим» - Тошкент шаҳри, ЮНИДО, «Бизнес маслаҳат маркази» лойиҳаси, 2003й.
7. Абдукаримов И.Т. ва бошқалар Корхона иқтисодий салоҳияти таҳлили. Т.: «Иқтисодиёт ва ҳуқуқ дунёси» нашриёт уйи, 2003.
8. Гурков И.Б. Инновационное развитие и конкурентоспособность: Очерки развития 333 российских предприятий. – М.: ТЕИС, 2003.
9. Методические рекомендации по оценке эффективности инвестиционных проектов и их отбору для финансирования. Издание официальное - М.: ОАО «НПО», издательство «Экономика», 2000
10. Гуртов В.К. Инвестиционные ресурсы. – М.: Экзамен, 2002
11. Инвестиционные процессы в условиях глобализации. - М.: ТЕИС, 2002
12. Богатин Ю.В. Швандар В.А. Инвестиционный анализ. Учеб пос. - М.: ЮНИТИ, 2001
13. Ковалев В.В. Методы оценки инвестиционных проектов. - М.: Финанс и статистика, 2003
14. Фомин Я.А. Диагностика кризисного состояния предприятия: Учеб. пособие для вузов. – М.: ЮНИТИ-ДАНА, 2003. 439 с.
15. Гиляровская Л.Т., Вехорова А.А. Анализ и оценка финансовой устойчивости коммерческого предприятия. – СПб: Питер, 2003. –249 с.
16. Крўлов Э.И. Анализ эффективности инвестиционной и инновационной деятельности предприятий / Учеб пос. 2е изд. раб и доп.. –М.: Финанс и статистика, 2003. –605 с.
17. Г.И. Шепеленко. Экономика, организация и планирование производства на предприятии. Учебное пособие. Ростов-на-Дону, Изд. Центр “МАРТ”, 2000.
18. В. Г. Грузинов. Экономика предприятия Учебник 2-е изд. М.: «Юнити Дана» 2003.
19. Сенге Питер М. и др. пер с англ. Танец перемен: новые проблемы самообучающихся организаций М.: ЗАО Длимп-Бизнес 2004.
20. Ш.И. Гизо-туллин. Как избежать банкротства. Рецепты финансового оздоровления предприятия М.: ЗАО Гресс Медиа Ферлаг 2004.
21. Котте Д./ Пер. С англ. Управление инфраструктурой организации М.: ОАО Типография «НОВОСТИ» 2001.
22. В.Д Грибов, В.П. Грузиков Экономика предприятия. Практикум. 3-е изд. перераб. и доп. Учебник М.: ФиС 2004.
23. Практическое пособие к семинарским занятиям по курсу «Экономика фирм» / Под ред. Иващенко М.: Экономич. Факуль. МГУ, ТЕИС. 2003.
24. Экономика предприятия Конспект лекций в списках М.: Приор-издат 2003.
25. Экономика предприятия. 3-е изд., перераб. и доп. Учебник для вузов / Под ред. проф. В.Я. Горфиннелия, проф. В.А.Швандара М.: ЮНИТИ-ДАНА 2004.
26. Аутсорсинг: Создание высокоеффективных и конкурентоспособных организаций. Учебное пособие / Под ред. Б.А.Аникина М.: Инфра – М 2003.
27. Экономика предприятия Конспект лекций М.: Изд-во ПРИОР 2002.
28. Сергеев И.В Экономика предприятия. 2-е изд. перераб. и доп. Учебное пособие М.: ФиС 2004.

29. Практикум по экономике организации (предприятия). Учебн. Пособ./ Под ред. проф. П.В. Тальминой и проф. Б.В. Чернецовой М.: ФиС 2003.
30. Сбалансированная система Показателей – шаг за шагом: максимальное повышение эффективности и закреплении полученных результатов Пер. с англ. Днепропетровск: Баланс-Клуб 2003.
31. Вумек Джеймс П., Джонс Дениел Т. Пер. с англ. Бережливое производство; Как избавиться от потерь и добиться процветания вашей компании; М.. Альпина Бизнес БУКС 2004.
32. Кристенсен Клейтон М. Как из-за новых технологий погибают сильные компании /Дилемма инноватора Пер.с англ. М.: Альгина Бизнес Бука 2004.
33. Мескон М.Х., Альберт М. и др. Основы менеджмента: Пер с англ. – М.: Дело,2000.-704с.
34. Смирнов Э.А. Управленческие решения М.: ИНФРА-М, 2001.-264с
35. Менеджмент организаций. Москва, Инфра-М, 2002 г.
36. “Создайте свое Дело или что необходимо знать предпринимателю” г. Ташкент, ЮНИДО, Поект “Бизнес-консультативный центр”, 2003г.
37. Сборник бизнес-планов деловых ситуаций с рекомендациями и комментариями: Учеб. прак. пос. /Под ред. В.М.Попова, С.И.Ляпунова . –М.: КноРус , 2003
38. <http://www.harvard.edu>
39. <http://www.capitul.ru>
40. <http://www.5b.ru>
41. [http://www.audit - center. ru](http://www.audit-center.ru)

ХII МАВЗУ. КОРХОНАНИНГ ТИЖОРАТ СИРИ ВА ИҚТИСОДИЙ ХАВФСИЗЛИГИ

- 12.1. Корхона хавфсизлигини таъминлашнинг мақсади, вазифалари ва тамойиллари.
- 12.2. Корхона ҳавфсизлигини таъминлашни ташкил қилиш ва бошқариш.
- 12.3. Корхонанинг хавфсизлик хизмати, унинг тузилиши ва вазифалари.
- 12.4. Корхонанинг тижорат сирлари.

12.1. Корхона хавфсизлигини таъминлашнинг мақсади, вазифалари ва тамойиллари

Хавфсизлик бу мураккаб ва серқирра категориядир. У асосан ва кўпинча ишлаб чиқаришда фойдаланилаётган воситаларнинг хавфсизлиги нуқтаи назаридан баҳоланади ва кўриб чиқилади. Шу сабабли ҳозиргача биз техника хавфсизлиги, пиёда хавфсизлиги, озиқ-овқат хавфсизлиги ёки заарасизлиги каби тушунчаларни учратсақда, корхона хавфсизлигига ҳали дуч келганимиз йўқ.

Маҳсулотларнинг замонавий намуналари, ишлаб чиқариш технологияси, инвестиция режалари ва бошқалар саноат айғоқчилигининг дикқат марказида туриб, корхона ва мамлакат учун маълум бир хавф туғдиради. Шу сабабли хавфсизлик ва тижорат сирлари муаммолари ҳозирги бозор ва рақобатчилик шароитларида иқтисодиёт фанининг, жумладан, замонавий корхоналар иқтисодиётининг муҳим бўлимларидан бири ҳисобланади.

Корхона хавфсизлигини таъминлашнинг асосий мақсадлари қўйидагилардан иборат:

- корхона ва унинг барча бўлинмалари, меҳнат жамоасининг давлат тузилмаси, хорижий ҳамкорлар ва рақиблар билан ўзаро муносабатларда қонуний ҳуқуқларини ҳимоя қилиш;
- * корхона мулкини сақлаш, ундан оқилона ва унумли фойдаланиш;
- * ишлаб чиқарилаётган маҳсулотнинг ички ва ташқи бозордаги рақобатбардошлигини ошириш;
- * ташкилий ва ишлаб чиқариш барқарорлигига эришиш, бутловчи қисмлар етказиб берувчиларга ёрдамчи ва ҳамкорларга бир томонлама қарам бўлишга йўл қўймаслик;
- * барча тузилмавий бўғинлардаги ходимлар орасида меҳнат интизомини мустаҳкамлаш;
- * меҳнат унумдорлигини ошириш учун моддий ва маънавий манфаатдорлигини таъминлаш;
- * ишлаб чиқаришда фан-техника ютуқларидан фойдаланиш, самарали ахборот базасини ривожлантириш;
- * корхона обрўсини ошириш.

Кўрсатилган мақсадлардан келиб чиққан ҳолда корхона хавфсизлигини таъминлаш вазифалари белгиланиб, улар корхонанинг ички тартиб-қоидалари ва иш тартибида ҳамда маҳсус ишлаб чиқилган чора-тадбирларда ўз аксини топиши мумкин. Булар қаторига қўйидагиларни киритиш мумкин:

1. Корхона ичида ҳамда ташқи ташкилотлар - ҳукумат идоралари, бошқарув структурасидаги қоидабузарлик омиллари, ваколатни ошириш ҳоллари ва ҳоказоларни аниқлаш;
2. Корхонанинг барқарор ишлашига таъсир қилиши мумкин бўлган хавфхатар ҳамда бозор конъюнктурасидаги ноқулай ўзгаришларни аниқлаш ва зарур чораларни қўллаш;
3. Бўлажак ҳамкорларни ўрганиш, уларнинг молиявий аҳволини таҳлил қилиш ва баҳолаш;
4. Иқтисодий айғоқчиликка қарши чора-тадбирларни тайёрлаш;
5. Корхона сирларидан хабардор бўлган малакали ходимларни бошқа корхоналарга жалб қилишнинг олдини олиш;
6. Носоғлом рақобатчиликни енгиш;
7. Корхона ҳудуди ва моддий ресурсларини ҳимоя қилиш;
8. Тижорат сирларини муҳофаза қилишни ташкил қилиш;
9. Меҳнат жамоаси аъзолари орасидаги салбий фикрларни аниқлаш;
10. Фавқулодда ҳодисаларнинг олдини олиш ва хавфсизликнинг бошқа чоралари.

Маълумки, кўрсатилган мақсад ва вазифалар ўз-ўзидан автоматик равишда ҳал қилинмайди. Бунинг учун, аввало, ўз ишини яхши билишдан ташқари моҳир ва юқори малакага эга бўлган ҳамда ўзлари ишлаётган корхона учун “жон куйдирувчи” кадрлар зарур. Уларсиз муваффақиятга деярли эришиб бўлмайди.

Хавфсизлик тамойиллари - хавфсизликни таъминлаш тактика ва стратегиясига бўлган асосий талаблар хавфсизликнинг мақсад ва вазифаларини ҳал қилишнинг тўғри йўлларин танлашдир. Улар қаторига қўйидагиларни киритиш мумкин:

- * қонунийлик тамойиллари;
- * мустақиллик ва масъулият;
- * иқтисодий мақсадга мувофиқлик ва фойдалилик;
- * мақсадли-дастурий режалаштириш;
- * ўзаро алоқалар ва мувофиқлаштириш;
- * меҳнатни илмий ташкил қилиш.
- * ошкоралик ва зарурий махфийликнинг уйғунлиги
- * Ихтисослашув ва юқори касбий малака

12.2. Корхона хавфсизлигини таъминлашни ташкил қилиш ва бошқариш

Хавфсизлик ҳодисаларнинг олдини олиш ва огоҳлантириш чораси сифатида, ҳар бир алоҳида ҳолатдаги аниқ ҳаракат бўлиб, корхона характери, унинг жойлашуви, аҳамияти ва ҳоказоларга боғлиқ бўлади. Мазкур жараёнда хавфсизлик тизимининг ўзини белгилаш муҳим аҳамият касб этади. Унинг раҳбари хавфсизлик концепциясини ишлаб чиқаришнинг муайян шароитларига нисбатан ишлаб чиқиша шахсан иштирок этиши зарур.

Хавфсизлик концепцияси биринчидан, корхонанинг мақсад ва вазифаларига зид келмаслиги, иккинчидан, корхона хавфсизлигига бевосита ва

бильвосита таъсир кўрсатиши мумкин бўлган ташқи муҳит таъсирини инобатга олиши зарур. Бу таъсирини қўйидаги чизма кўринишида акс эттириш мумкин (12.1-чизма):



12.1-чизма. Корхона хавфсизлигига ташқи муҳитнинг таъсири.

Шу билан бир вақтда корхона ўз фаолиятининг муҳим йўналишлари хавфсизлигини таъминлаш учун муайян чора-тадбирларни амалга ошириши керак ва бунинг учун аввало, мос келувчи қўриқлаш тартибини яратиш лозим. Мамлакатимиз ва хориж амалиёти тажрибаси бунда қўйидаги фаолият турларини ажратиб кўрсатади:

1. Бино ва иншоотлар, алоқа тармоғи қурилма ва ускуналарини қўриқлаш тартибини таъминлаш.
2. Тезкор хавфсизлик – махфий ахборотларга бўлган ваколатни бошқариш, келиб-кетувчилар, транспорт ва юқ ташишни назорат қилиш, қоидабузарлик ҳолатларини текшириш, ахборот хавфсизлигини таъминлаш.
3. Хавфсизликни таъминлаш бўйича маъмурий фаолият - персонални тайёрлаш ва ўқитиш, инспекция, тафтиш ва назорат, муаммоли вазиятларнинг олдини олиш, истиқболли чора-тадбирларни ишлаб чиқиши.
4. Моддий бойликларни ҳимоя қилиш ва табиий оғатлар билан кураш - ёнғинларнинг олдини олиш, ёнғин хавфсизлиги ва огоҳлантириш қурилмалари ҳолатини кузатиб бориш ва ҳоказолар.

Корхоналар раҳбарлари меҳнат жамоаларини доимий равишда хавфсизликни таъминлаш натижалари тўғрисида хабардор этишлари лозим. Фақат зарур ҳоллардагина хавфсизлик чора-тадбирлари махфий бўлиши мумкин. Хавфсизлик чора-тадбирларининг махфийлиги корхона бўлимларини зарурий қоидаларни қўллаш ва уларга амал қилишини назорат қилишни маҳсус ташкил этишни кўзда тутади.

Ҳозирги жамиятнинг ахборотлаштириш ва электронлаштириш шароитларида корхоналарнинг хавфсизлигини таъминлаш учун доимий равишда фаолият кўрсатувчи, тижорат фаолиятининг хавфсизлигини таъминлашнинг барча шакл ва усусларини қамраб оловчи тизим амал қилиши лозим. Шу сабабли хавфсизлик хизмати маркетинг ва менеджмент хизмати, валюта, кредит ва ҳуқуқий бўлимлар каби иқтисодий бўлинмалар билан чамбарчас боғлиқлика ишлаб, иқтисодий хавфсизликка кўпроқ ёндашган ҳолда уларнинг фолиятини тўлдириши зарур.

12.3. Корхонанинг хавфсизлик хизмати, унинг тузилиши ва вазифалари

Хавфсизлик хизмати корхонанинг тузилмавий бирлиги бўлиб, хавфсизлик тартибини ишлаб чиқиши, ўрнатиш ва қўллаб-қувватлаш, шунингдек, унга риоя қилинишини назорат қилишни амалга оширади. У ўз фаолиятида қўйидагиларга асосланиши лозим:

- қўриқлаш тартибини ташкил этиш бўйича қоидалар;
- раҳбар, мутахассис ва техник ходимлар учун маълумотлар билан ишлаш бўйича лавозим йўриқномаси;
- маълумотларни техник-муҳандислик жихатидан ҳимоя қилишни ташкил этиш бўйича лавозим йўриқномаси;
- хорижий ваколатхоналар ва вакиллар билан ишлаш бўйича лавозим йўриқномаси.

Корхона хавфсизлик хизмати таркибида ахборот-таҳлил бўлинмалари, хавфсизликни таъминлаш йўналишлари бўйича ташкилий бўғинлар ҳамда муайян вазифаларни бажариш учун вақтинчалик тузилмалар яратилиши мумкин.

Корхона раҳбарияти ёки акциядорлик жамияти бошқаруви қарорига кўра, муайян мақсадлар ва юзага келувчи шароитларда хавфсизликни таъминлашнинг мураккаб вазифаларини ҳал қилиш учун корхонанинг етакчи мутахассисларини жалб қилган ҳолда вақтинчалик тузилмалар яратилиши мумкин.

Белгиланган вазифаларни бажариш учун корхонанинг хавфсизлик хизмати қўйидагиларни амалга оширади:

- маъмурий-тақсимлаш функцияси, хавфсизлик тартибини ўрнатиш ва таъминлаш, масъул шахсларнинг корхона хавфсизлигини таъминлаш масалалари бўйича ҳуқуқ ва мажбуриятларини белгилаш, шунингдек, корхонанинг мазкур фаолият тури соҳасидаги ваколат функцияларини амалга оширишга оид қарорлар тайёрлаш йўли билан амалга оширилади;
- хўжалик-тақсимлаш функцияси, хавфсизлик хизматининг корхона хавфсизлигини таъминлашда зарур бўлган ресурсларни белгилаш, корхона мулки ва интеллектуал бойликларини сақлаш ва улардан оқилона фойдаланишни таъминлаш чора-тадбирларини тайёрлаш ва амалга оширишда иштирок этиши йўли билан амалга оширилади;

- ҳисоб-назорат функцияси, тижорат-молиявий фаолиятнинг энг муҳим йўналишларини ажратиб кўрсатиш ва корхонанинг молиявий барқарорлигига таҳдид соловчи хавф-хатарнинг олдини ўз вақтида олиш, уларнинг манбаларини баҳолаш, хавфли ҳолатларни назорат қилишни йўлга қўйиш, корхона хавфсизлигига таъсир кўрсатувчи салбий омилларни хисобга олиш, шунингдек, корхонанинг ҳаётий эҳтиёжларига таҳдид соловчи ғирром рақиблар, ишончсиз ҳамкорлар, шахслар ва ташкилотлар ҳақида маълумотлар йиғиши ёрдамида амалга оширилади;
- ижтимоий-кадрлар функцияси, хавфсизлик хизматининг кадрларни жойлаштириш, меҳнат жамоаларидағи салбий фикрлар, ижтимоий зиддиятларнинг юзага келиши сабаблари ва шароитларини аниқлаш, жанжалларнинг олдини олиш, ходимларга йўриқнома бериш, уларда белгиланган хавфсизлик нормаларига риоя қилиш учун жавобгарлик туйғусини шакллантиришдаги иштироки орқали амалга оширилади;
- ташкилий-бошқарув функцияси, корхона хавфсизлигини таъминлаш жараёнини бошқаришнинг доимий ташкилий тузилмасини яратиш, қўллаб-қувватлаш ва ўз вақтида қайта ташкил этишга бошқарув таъсирини кўрсатиш, фаолиятнинг алоҳида йўналишлари бўйича мослашувчан вақтинчалик тузилмалар, алоҳида бўғинлар ўртасида белгиланган дастурий мақсадларга эришиш учун ўзаро алоқалар ва мувофиқлаштиришни ташкил этиш ёрдамида амалга оширилади;
- режали-ишлиб чиқариш функцияси, корхона хавфсизлигини таъминлаш бўйича алоҳида мақсадли режалар ва дастурлар мажмуини ишилб чиқиш, уларни амалга ошириш, хавфсизлик тартибини ўрнатиш ва қўллаб-қувватлашга оид чора-тадбирларни тайёрлаш ва бажариш ёрдамида амалга оширилади;
- ташкилий-техник функция, корхонада хавфсизлик тартибини моддий-техник жиҳатдан таъминлаш, маҳсус техникалар ҳамда янги, прогрессив технологиялар, маҳфий тартиб ва бошқа маҳсус фаолиятларни ўзлаштириш ёрдамида амалга оширилади;
- илмий-услубий функция, корхона хавфсизлигини таъминлашнинг илғор тажрибаларини тўплаш ва тарқатиш, ходимларни ўқитишни ташкил этиш, корхона олдида юзага келувчи корхона хавфсизлигини таъминлашга оид муаммоларни ҳал қилишнинг илмий жиҳатдан ишилб чиқиш ва унинг бу соҳадаги фаолиятини услубий кўрсатмалар билан таъминлаш ёрдамида амалга оширилади;
- ахборот-таҳлил функцияси, хавфсизликка оид маълумотларни мақсадли равища йиғиши, тўплаш ва улар билан ишлаш, бунинг учун зарур бўлган маълумотларни аналитик таҳлил қилишнинг техник ва услубий воситаларини яратиш ва улардан фойдаланиш, корхонанинг манфаатдор бўлинмалари ва алоҳида шахсларни хавфсизлик хизматида мавжуд бўлган маълумотлар билан таъминлаш ёрдамида амалга оширилади.

Юқорида келтирилган функциялар корхона хавфсизлик хизматининг зарур ташкилий тузилмасини шакллантиришга имкон беради. Унинг намунавий тузилмаси қўйида келтирилган (12.2 - чизма):



12.2-чизма. Хавфсизлик хизмати тузилмаси.

Корхона хавфсизлик хизмати Низомида унинг мақсад ва вазифалари, ҳукуқ ва мажбуриятлари, назорат-тафтиш фаолияти белгилаб берилади. Хавфсизлик хизмати ўз фаолиятини корхона хавфсизлигини юқори даражада таъминлаш ва қўллаб-қувватлаш асосида олиб бориб, қуйидагиларни қамраб олади:

- махфий тартибдаги фаолиятни ташкил этиш;
- ахборот хавфсизлини таъминлаш;
- муҳандислик-техник мұхофаза;
- меҳнат жамоаларидаги салбий йўналишларнинг олдини олишга оид фаолият.

12.4. Корхонанинг тижорат сирлари

Корхонанинг тижорат сирлари ишлаб чиқариш, технологик маълумотлар, бошқарув, молия ва шу кабилар билан боғлиқ бўлиб, уларни ошкор қилиш корхона манфаатларига зарар етказиши мумкин бўлган маълумотлардир. Корхона “тижорат сирлари” тоифасининг қонунчиликда белгилаб берилган тавсифномаси шундай.

Мавжуд нуқтаи назарларга кўра, корхонанинг тижорат сирлари умумий ҳолда ўз ичига қуйидаги маълумотларни қамраб олади:

- * корхонанинг савдо алоқалари ҳақида;
- * капитал ҳажми ва тузилмаси, инвестиция режалари ҳақида;
- * таъминотчи ва истеъмолчилар, тузилган шартномалар ҳақида;
- * ишлаб чиқариш ҳажми, айланма маблағлар ва фойда ҳажми ҳақида;
- * баҳони шакллантириш сиёсати ва товарлар баҳосининг шаклланиши ҳақида;
- * банк опрециялар ҳақида ва ҳоказолар.

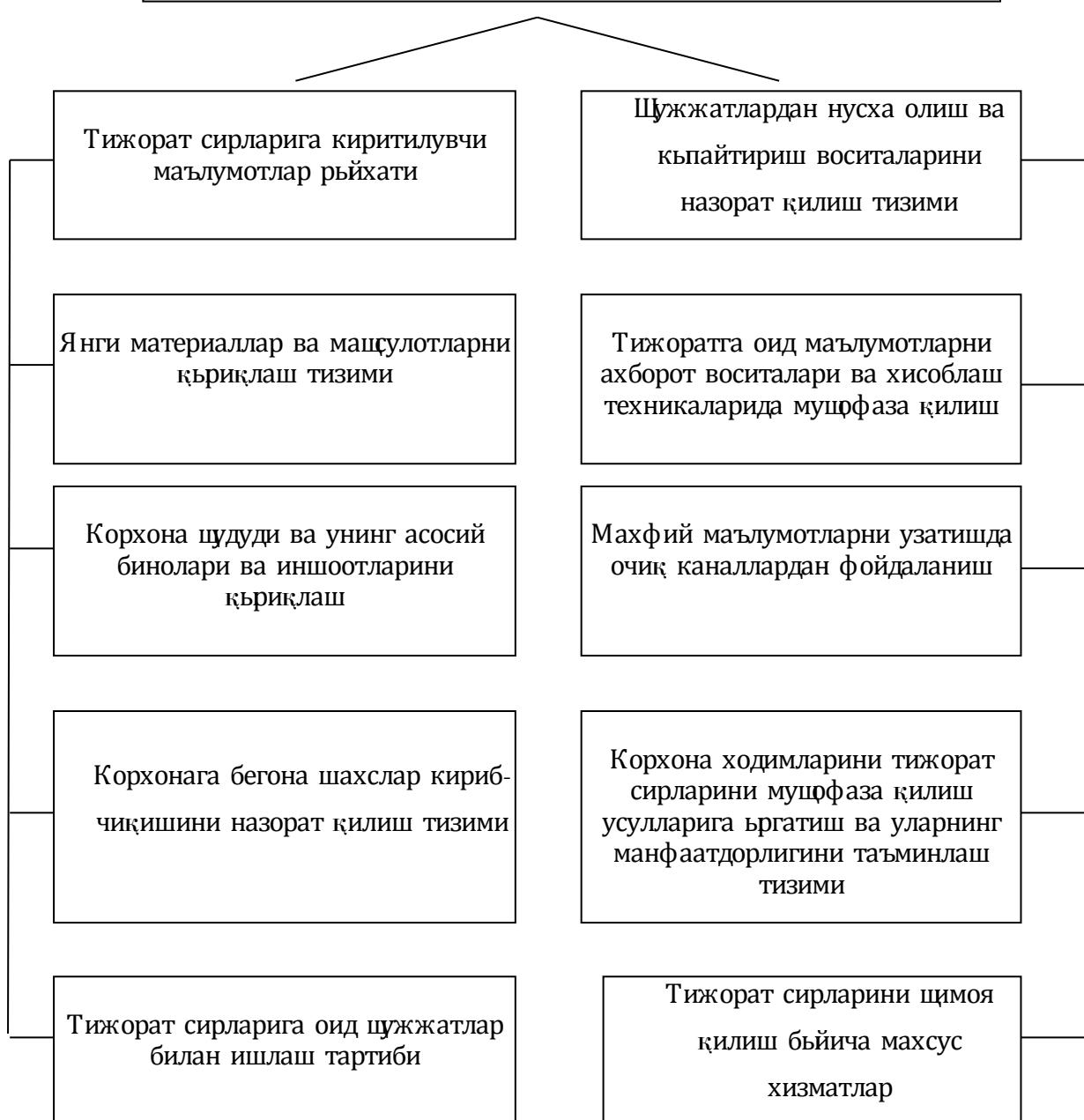
Кўпинча “тижорат сирлари” тушунчасидан ташқари корхонанинг “ишлиб чиқариш сирлари” тушунчаси ҳам қўлланилади. У ишлиб чиқариш усуллари, технологиялар, техник кашфиётлар, тадқиқот ишлари, меҳнатни ташкил қилиш, алоқа тармоғи ва шу кабилар ҳақидаги маълумотларни ўз ичига олади.

Бугунги бозор муносабатлари, айниқса рақобатчилик муҳити шароитларида корхона тижорат ва ишлиб чиқариш сирларининг ошкор қилиниши унинг аҳволига салбий таъсир кўрсатиши, ишлиб чиқарилайтган маҳсулотлар истеъмолчиларини йўқотишга олиб келиши мумкин. Мутахассисларнинг фикрига кўра, тижорат сирларига мансуб маълумотларнинг тўртдан бир қисми йўқотилиши ҳам рақиблар учун катта имконият яратади ҳамда бир неча ой ичида маълумотлар четга чиқиб кетишига йўл қўйган фирмаларнинг ярми банкротга учрашига олиб келади. Шу сабали ҳозирги пайтда тижорат сирларининг хуқуқий мақоми ва тоифасини аниқ белгилаш, уларни ошкор қилиш учун жавобгарлик механизмини ишлиб чиқиш мақсадга мувофиқ ҳисобланади. Қўйидаги чизмада корхона тижорат сирларини муҳофаза қилиш механизмининг асосий элементлари келтирилган.

Амалиёт шуни кўрсатадики, тижорат сирларини муҳофаза қилиш механизми, корхонанинг молиявий ва техник имкониятлари билан алоқада бўлганда, шунингдек маълумотларни ҳимоя қилишнинг ишончли тизими мавжуд бўлгандагина тўлиқ қуч билан ишлайди. Бундан ташқари қўйидагиларни тўғри ташкил қилиш ҳам муҳим аҳамият касб этади:

- * тайёр маҳсулот (айниқса тажриба намуналари) ва материалларнинг бაъзи турларини ҳисобга олиш ва қўриқлаш;
- * тадбиркорлик сирлари мавжуд бўлган ҳужжатлар билан ишлаш тартиби (уларни ҳисобга олиш, сақлаш, йўқ қилиш қоидалари ва бошқалар);
- * ҳужжатларни кўпайтириш ва улардан нусха олиш воситаларини назорат қилиш;
- * алоқа воситалари ва ҳисоблаш техникасида тижорат маълумотларини ҳимоя қилиш;
- * корхона ҳудуди ва унинг асосий бино ва иншоотларини қўриқлаш;
- * мазкур корхонага бегона шахслар ташриф буоришини назорат қилиш.

Корхона тижорат сирларини мұшфаза қилиш механизми



12.3-чизма. Корхона тижорат сирини муҳофаза қилиши механизми

Юқорида санаб ўтилган барча вазифаларни самарали бажариш бошқарув аппаратида тижорат сирларини муҳофаза қилиш билан шуғулланувчи маҳсус хизматларни яратишиң қўзда тутади. Хориж мамлакатларида мазкур фаолият билан фирмаларнинг маҳсус бўлинмалари шуғулланади. Улар рақобатчилар тўғрисидаги маълумотларни излаш ва тўплаш билан ҳам шуғулланади. Шу билан бир вақтнинг ўзида улар савдо ҳамкорларининг тижорат сирларини биргаликда ҳимоя қилиш имкониятини ҳам рад қилмайдилар. Масалан, баъзи фирмалар фаолиятида тадбиркорлик алоқалари давомида ҳамкорларга берилган

маълумотларни биргаликда ҳимоя қилиш бўйича махсус шартномалар тузиш тартиби кўзда тутилган.

Саноати ривожланган мамлакатларнинг (масалан, АҚШнинг) давлат органларида махсус воситачилик хизматлари мавжуд бўлиб, у мижозларни уларни қизиқтираётган корхона ва ташкилотлар ҳақидаги маълумотлар билан таъминлайди. Мамлакатимизда корхоналар давлатга солиқقا тортиш ва иқтисодий маълумотларни йиғиш ва улар билан ишлаш тизими учун зарур бўлган маълумотларни тақдим этиши қонун ҳужжатларида белгилаб қўйилган. Шунингдек, корхоналар ўз фаолиятлари тўғрисидаги маълумотларни, жумладан, йиллик балансни нашр қиласидар. Шу билан бир пайтда корхоналар тижорат сирларига оид маълумотларни бермаслик хуқуқига эга. Тижорат сирлари давлат бошқарув ва назорат идоралари ходимлари орқали четга чиқиб кетишининг олдини олиш мақсадида корхона раҳбари уларнинг ваколатларини билиши ҳамда улар талаб қилган исталган маълумотни эмас, балки фақат хизмат ваколатига доир маълумотларни тақдим этиши зарур. Биринчи ўринда бу статистика хизмати, монополияга қарши кураш қўмитаси, милиция, молия, солик, санитария, ёнфинга қарши кураш ва бошқа хизмат вакилларига тегишли. Корхона раҳбари шунингдек, давлат идоралари ходимларининг ноқонуний хатти-харакатлари устидан арз қилиш тартиби, улар туфайли корхонага етказилган моддий ва маънавий зарарни қоплаш механизмини билиши ва унга амал қилиши зарур.

Илмий-техник, ишлаб чиқариш, иқтисодий ва бошқа хизматлар мутахассислари ўзи ишлаётган корхонанинг тижорат сирларига оид маълумотлар четга чиқиб кетиши оқибатида юзага келиши мумкин бўлган ва реал йўқотишларни тўғри ва аниқ (қиймат шаклида) баҳолашни ўрганиб олишлари зарур.

Корхоналарнинг маҳфийлик шартларига риоя қилмаслик натижасида юзага келувчи йўқотишлари умумий кўринишда қўйидагаларга олиб келади:

- * илмий тадқиқотларга лицензия сотиши имкониятлари пасаяди, фан-техника тараққиёти соҳасида эришилган устунликлар йўқотилади, илмий-тадқиқот бўлинмаларининг йўналишни ўзgartiriшлари учун харажатлари ўсади;
- * ишлаб чиқариш фаолиятида зарур бўлга хом ашё, технология ва ҳоказоларни сотиб олишда қийинчиликлар юзага келади (ёки рақобатчилар томонидан сунъий равища яратилади);
- * корхонанинг тадбиркорликдаги шериклар билан ҳамкорлиги чекланади, фойдали шартномларни имзолаш имкониятлари камаяди, шартнома мажбуриятларини бажаришда муаммолар вужудга келади;
- * корхонанинг янги бозор стратегиясини яратиш, маркетинг тадқиқотлари тузилмасини ўзgartiriш ва ҳоказоларга сарфланувчи харажатлари ўсади;
- * тижорат сирларини ошкор қилганларга нисбатан иқтисодий жазо чоралари қўллаш хавфи кучаяди.

Барча йўқотишларнинг умумий миқори қийматини аниқ ҳисоблаш жуда мураккаб ва кўп меҳнат талаб қилувчи жараён бўлиб, баъзида ишончи маълумотлар йўқлиги сабабли уларни ҳисоблашнинг имкони ҳам бўлмайди.

Шу сабабли кўп ҳолларда корхоналарнинг маълумотларни ҳимоя қилишга риоя этмаслик билан боғлиқ бўлган йўқотишларини йириклиштирилган эксперт баҳолаш кифоя қилади.

Юқорида келтирилган йўқотишларнинг ўрнини қоплаш кўпинча корхоналардан қўшимча харажатларни талаб қилиб, ишлаб чиқариш самарадорлиги ва рақобатчилик қурашида эришиш мумкин бўлган муваффақиятлар имкониятини пасайтиради. Худди шунинг учун ҳам ҳозирги пайтда тижорат сирларини муҳофаза қилишга катта эътибор қаратилмоқда.

Қисқача холосалар

Корхона сирлари ва хавфсизлиги бир қарашда оддий тушунчалар бўлиб, уларнинг мазмуни мутахассис бўлмаганларга ҳам тушунарлидир. Бироқ амалиётда корхона, шунингдек, турли хўжалик субъектларининг тижорат сирлари ва хавфсизлигини таъминлаш етарлича мураккаб фаолият соҳаси ҳисобланади.

Корхонанинг, шундан келиб чиқсан ҳолда ишлаб чиқаришнинг хавфсизлиги нафақат бутунлик ва барқарорлик, балки атроф-муҳит учун иқтисодий, техник, технологик, ташкилий ва умуман, функционал жиҳатдан зарарсизлигидадир.

Корхона хавфсизлиги амалда маҳсус хизмат ва бошқарув органлари томонидан, шунингдек, мос келувчи Низом нормалари, қоидалар ва йўриқномалар асосида таъминланади.

Корхона хавфсизлигига ички ишлаб чиқариш муҳитидан ташқари ташқи муҳит ҳам баъзида бевосита, баъзида эса билвосита таъсири кўрсатади. Ички ва ташқи муҳитларнинг ишлаб чиқариш фаолиятига салбий таъсирини бартараф қилиш ҳар бир корхона олдида турган муҳим вазифа ҳисобланади.

Тижорат сирлари корхона фаолияти тўғрисидаги маълумотлар бўлиб, уларнинг четга чиқиб кетиши ёки бегона шахсларга тарқатилиши корхона манфаатларига заарар етказиши мумкин. Шу сабабли тижорат сирларига корхона томонидан амал қилинибгина қолмай, унга риоя этиш шартлари қонунчилик томонидан белгилаб ҳам қўйилган.

Корхонанинг тижорат сирларини муҳофаза қилиш механизми, маҳфий характерга эга ва ошкор қилиниши мумкин бўлмаган, шунингдек, манфаатдор идора ва шахсларга хавф-хатар туғдирмаган ҳолда тақдим этиш мумкин бўлган маълумот ва кўрсаткичларни танлаб олишни қўзда тутувчи тизимга эга бўлиши зарур.

Таянч иборалар

Хавфсизлик, корхона хавфсизлиги, маҳсус ишлаб чиқилган чора-тадбирлар, хавфсизлик тамойиллари, хавфсизлик концепцияси, корхона хавфсизлигига ташқи муҳитнинг таъсири, хавфсизлик хизмати, хавфсизлик хизматининг ташкилий тузилмаси, корхонанинг тижорат сирлари, тижорат сирини муҳофаза қилиш механизми.

Назорат ва муҳокама учун саволлар

1. Корхона хавфсизлиги деганда нимани тушунасиз?

2. Корхонанинг “тижорат сирлари” тушунчаси нимани англатади?
3. корхона хавфсизлиги ва тижорат сирлари ўртасида қандай алоқа мавжуд?
4. Корхона хавфсизлигининг асосий тамойилларини айтиб беринг.
5. Корхонанинг хавфсизлик хизмати қандай вазифани бажаради?
6. Бозор шароитларида тижорат сирлари корхонанинг реклама фаолиятига зид келмайдими?
7. Корхонанинг тижорат ва бошқа сирларини ошкор қилиш қандай оқибатларга олиб келиши мумкин?
8. Корхонанинг тижорат сирларини муҳофаза қилиш механизми ўз ичиға нимани қамраб олади?

Тавсия этиладиган адабиётлар

1. И.А. Каримов. Ўзбекистон XXI аср бўсағасида: хавфсизликка таҳдид, тараққиёт шартлари ва кафолатлари. Т., “Ўзбекистон”, 1997.
2. Экономика предприятия. Учебник для ВУЗов. 3-е издание /Под. ред. В.Я.Горфинкеля, В.А.Швандара. - М.: Юнити-Дана, 2003.
3. Махмудов Э.Х. Корхона иқтисодиёти: Ўқув.қўлл. –Т.: Ўзбекистон ёзувчилар уюшмаси Адабиёт жамғармаси нашриёти, 2004.
4. Акромов Э.А Корхоналарнинг молиявий холати таҳлили. – Т.: Молия, 2003.- 223 б.
5. «Ўз Ишингизни яратинг ёки тадбиркор нималарни билиши лозим» - Тошкент шаҳри, ЮНИДО, «Бизнес маслаҳат маркази» лойиҳаси, 2003й.
6. Абдукаримов И.Т. ва бошқалар Корхона иқтисодий салоҳияти таҳлили. Т.: «Иқтисодиёт ва ҳуқуқ дунёси» нашриёт уйи, 2003.
7. В. Г. Грузинов. Экономика предприятия Учебник 2-е изд. М.: «Юнити Дан» 2003.
8. Сенге Питер М. и др. пер с англ. Танец перемен: новёе проблемё самообучаюхихся организаций М.: ЗАО Длимп-Бизнес 2004.
9. Ш.И. Гизотуллин. Как избежать банкротства. Рецептў финансового оздоровления предприятия М.: ЗАО Гресс Медиа Ферлаг 2004.
10. Котте Д./ Пер. С англ. Управление инфраструктурой организаций М.: ОАО Типография «НОВОСТИ» 2001.
11. Аутсорсинг: Создание вўсокоэффективнўх и конкурентоспособнўх организаций. Учебное пособие / Под ред. Б.А.Аникина М.: Инфра – М 2003.
12. Сбалансированная система Показателей – шаг за шагом: максимальное повышение эффективности и закреплении полученнўх результатов Пер. с англ. Днепропетровск: Баланс-Клуб 2003.
13. Вумек Джеймс П., Джонс Дениел Т. Пер. с англ. Бережливое производство; Как избавиться от потерь и добиться процветания вашей компании; М.. Альпина Бизнес БУКС 2004.
14. Кристенсен Клейтон М. Как из-за новўх технологий погибают сильнўе компании /Дилемма инноватора Пер.с англ. М.: Альгина Бизнес Бука 2004.
15. Мескон М.Х., Альберт М. и др. Основў менеджмента: Пер с англ. – М.: Дело,2000.-704c.
16. Смирнов Э.А. Управленческие решения М.: ИНФРА-М, 2001.-264с
17. <http://www.harvard.edu>
18. <http://www.capitul.ru>

19. <http://www.5b.ru>
20. [http://www.audit - center.ru](http://www.audit-center.ru)

АТАМАЛАР ЛУ/АТИ

Акциядорлик жамияти - акциядорлар ва муассислар маблағи өвазига шакланган капиталга эга бўлган ҳуқуқий шахс мақомига эга компания. Ишлаб чиқариши ташкил қилишининг маблағларни акция сотиши йўли билан жалб этишига асосланган шакли.

Айланма ишлаб чиқариш фондлари – ишлаб чиқаришида фойдаланилувчи меҳнат предметлари (хом ашё, материаллар, ўров материаллари, таъмирлаш учун эҳтиёт қисмлар ва ҳоказо). Ҳар бир ишлаб чиқариш циклида тўлиқ сарфланади ҳамда корхонанинг айланма маблағлари ҳисобига сотиб олинади.

Айланма маблағлар – ишлаб чиқариши заҳиралари, тугалланмаган ишлаб чиқариш, тайёр маҳсулот, янги маҳсулотни ўзлаштириш харажатлари, келгуси давр харажатларига сарфланувчи корхона маблағларининг пул шаклида ифодаланиши.

Акция – акциядорлик жамияти томонидан чиқарилувчи ҳамда унинг эгаси, акциядорлик жамиятининг аъзосига жамиятни бошқарии ва фойдадан дивиденд олиши ҳуқуқини берувчи қимматбаҳо қозоз.

Акциядорлик капитали – акциядорлик жамиятининг асосий капитали, унинг ҳажми Низомда белгилаб берилади. Қарзга олинган маблағлар ва акция чиқариши ҳисобига шаклантирилади.

Амортизация - асосий фонdlар қийматини аста-секинлик билан улар ёрдамида ишлаб чиқарилувчи маҳсулот ёки хизматларга ўтказилиши; маблағларнинг мақсадли равишда жамғарилиши ва кейинчалик эскирган асосий фонdlарнинг ўрнини қоплашга ишлатилиши.

Амортизация воситалари - корхона асосий фонdlарини сақлаш ва янгилаш учун маҳсус ажратилувчи молиявий воситалар.

Амортизация фонди - асосий фонdlарни оддий ва кенгайтирилган тарзда тақрор ишлаб чиқаришига мўлжалланган пул маблағлари.

Асосий ишлаб чиқариш фондлари – маҳсулот ишлаб чиқаришида фойдаланилувчи меҳнат воситалари (бинолар, иншоотлар, қурилма ва асбоб-ускуналар, транспорт воситалари ва ҳоказо). Улар узоқ муддат хизмат кўрсатиб, ишлаб чиқариши жараёнида ўзининг натурал шаклини сақлаб қолади ҳамда ўз қийматини эскириши мобайнида аста-секинлик билан тайёр маҳсулотга ўтказади. Капитал қўйилмалар ҳисобига тўлдирилади.

Асосий фонdlарнинг эскириши – асосий фонdlарнинг (бинолар, қурилмалар ва бошқа меҳнат воситаларининг) аста-секинлик билан фойдали хусусиятларини ўйқотилиши. Асосий ишлаб чиқариш фондлари эскиришиининг жисмоний ва маънавий турлари мавжуд.

Баланс - бирон-бир ҳолатнинг алоҳида томонларини таққослаш ва солишиши йўли билан тавсифланувчи кўрсаткичлар тизими.

Баланс фойдаси - корхонанинг балансида акс эттирилувчи фаолиятнинг барча турларидан олинувчи умумий фойда миқдори.

Банкротлик - касодга учраш, корхонанинг (ташкилот, банк) ўз мајсбуриятлари бўйича тўловларни маблағлар йўқлиги туфайли амалга

оширмаслигини англатувчи тушунча. Қоидага құра, корхонани ёпиши ёки мажбуран тугатиши ҳамда мол-мұлқини қарзларни тұлаш учун сотиб юборишга олиб келади.

Башорат қилиш - келажакда рүй бершии мүмкін бўлған турли ҳодиса ва жараёнларни статистик, ижтимоий, иқтисодий ва бошқа турдаги тадқиқотлар ёрдамида илмий асосланган ҳолда аввалдан айтиб берши.

Бизнес - бозор иқтисодиёти шароитларида субъектнинг маълум бир маҳсулот ёки хизмат турини яратиши ва сотиши йўли билан фойда олишга мўлжалланган иқтисодий фаолияти.

Бизнес-режа - корхона фаолияти дастури, куттилаётган харажат ва даромадлар ҳисобини ўз ичига оловчи компания фаолиятининг муайян мақсадларига эришиши учун муайян чора-тадбирлар режаси. Маркетинг тадқиқотлари асосида ишлаб чиқилади.

Вексель - қимматбаҳо қоғоз тури, белгиланган тартибда ёзма шаклдаги қарз мажбурияти, ўз эгасига (вексель оловчига) вексель берувчидан кўрсатилган пул миқдорини белгиланган муддатда гап-сўзсиз тўланишини талаб қилиши ҳукуқини беради.

Венчур фирма – тижорат билан шуғулланувчи илмий-техник фирма, янги технологиялар ва маҳсулотларни даромадларни аввалдан белгиламаган ҳолда ишлаб чиқшиши ва қўллаш билан шуғулланади (таваккалчиликка асосланган капитал қўйилмаси).

Дивиденд - акциядорлик жамияти фойдасининг бир қисми, ҳар йили солиқларни тұлаш, ишлаб чиқарышни кенгайтириши, заҳираларни тўлдириши, облигациялар бўйича фоизлар тұлаш ва директорларни мукофотлашдан сўнг акциядорлар ўртасида тақсимланади.

Жисмоний эскириш – меҳнат воситаларининг фойдаланиши ва табиат кучлари таъсири остида моддий жиҳатдан емирилиши. Меҳнат воситаларининг маънавий эскириши уларнинг тўлиқ жисмоний эскиришидан олдинданроқ, ишлаб чиқарыш кўрсаткичлари юқорироқ ва тежжамкор бўлған машина ва қурилмалар пайдо бўлиши туфайли юз бершии мүмкин.

Ижара - мулкни маълум бир ҳақ тұлаш эвазига, вақтингчалик фойдаланишига берши тўғрисидаги шартномага асосланган ҳолда ёллаш.

Илмий-техник салоҳият – мамлакатдаги фан, техника ва мұхандислик ишларининг ривожланиши даражаси, жамиятнинг фан-техника муаммоларини ҳал қилиши учун мавжуд ресурс ва имкониятларининг умумий тавсифномаси.

Инвестицион сиёсат – капитал қўйилмаларнинг энг устивор йўналишиларини танлаш, иқтисодиёт самарадорлигини ошириши, сарфланган ҳар бир сўмга маҳсулот ўсиши ва миллий даромаднинг энг юқори кўрсаткичларига эришиши.

Инвестициялар - мамлакат ичкариси ва ташқарисида янги корхона яратиши ва мавжуд корхоналарни замонавийлаштириши, энг янги техника ва технологияларни ўзлаштириши, ишлаб чиқарыш даражасини ошириши ва фойда олиши мақсадида узоқ муддатли маблағлар киритилиши.

Инвестор - бирон-бир фаолиятга, корхонага фойда олиши мақсадида узоқ муддатли капитал киритишни амалага оширувчи хусусий тадбиркор,

ташикилот ёки давлат.

Инжиниринг - тиҷорат асосида (шартнома шаклида) турли хил муҳандислик-маслаҳат хизматлари кўрсатилиши.

Инновация - жамият ривожланиши билан ўзгариб борувчи инсон эҳтиёжларини қондиришига оид янгиликлар, уларни яратиш, тарқатиш ва фойдаланиши жараёнини мажмуаси.

Инфратузилма - саноат (ёки бирон-бир бошқа) ишилаб чиқариши ҳамда аҳолига хизмат кўрсатувчи хўжалик тармоқлари мажмуаси. Транспорт, алоқа, савдо, моддий-техник таъминот, фан, таълим, соғлиқни саклашни ўз ичига олади.

Ишилаб чиқариш қуввати – асосий ишилаб чиқариши ва айланма фонdlар, шунингдек, молиявий ресурслардан иложси борича тўлиқ ва оқилона фойдаланган ҳолда ишилаб чиқариши мумкин бўлган маҳсулотнинг максимал ҳажми.

Ишилаб чиқариш рентабеллиги – умумий (баланс) фойдаланинг асосий ишилаб чиқариши фонdlари ва нормалаштирилувчи айланма маблағларнинг ўртacha ийллик қийматига нисбати сифатида аниқланувчи ишилаб чиқариши самарадорлиги кўрсаткичи.

Ишилаб чиқариш тузилмаси – корхонанинг маҳсулот ишилаб чиқариши жараённада бевосита ёки билвосита ишилаб чиқариши бўлинмалари - цехлар, участкалар, хизмат кўрсатииши хўжалиги алоқаларининг йизиндиси.

Ишилаб чиқаришни ихтисослаштириш – йирик корхоналарда технология ва тузилмаси бир хил бўлган маҳсулотларни оммавий равишда ишилаб чиқариши.

Ишилаб чиқаришни йириклаштириш – маҳсулотни йирик корхоналарда чиқаришини ташкил қилиши.

Ишилаб чиқаришни кимёлаштириш – маҳсулот ишилаб чиқаришида кимёвий маҳсулот ва сунъий материаллар, шунингдек, кимёвий усувлардан кенг фойдаланиши.

Ишилаб чиқаришнинг диверсификацияси – бир томонлама, кўпинча битта маҳсулотга асосланувчи ишилаб чиқаришини кенг номенклатурада тайёрланувчи маҳсулотларга асосланган ишилаб чиқаришига ўтказиш.

Капитал қурилиш - асосий фонdlарни янги корхона қуриши, мавжуд корхоналарни қайта тиклаши, кенгайтиши, техник жиҳатдан қайта қуроллантиши ва замонавийлаштиши йўли билан яратиш ва мукаммаллаштиши жараёни.

Капитал қўйилмалар - асосий фонdlарни қайта тиклаши ва ўстиришига сарфланувчи моддий, меҳнат ва пул ресурслари харажатлари.

Капитал сигими - асосий капиталнинг мос келувчи давр мобайнида ишилаб чиқарилган маҳсулот ёки унинг бирон-бир қисмини - миллий даромад, соғ даромад, фойдага нисбатини тавсифловчи кўрсаткич.

Комбинациялаш – битта корхона - комбинат доирасида саноатнинг битта ёки бир нечта тармоқларидаги турли хил ишилаб чиқаришларни технологик жиҳатдан бирлаштиришида ифодаланувчи, ишилаб чиқаришини умумлаштириши

шаклларидан бири.

Компания - тадбиркорларнинг ҳуқуқий шахс мақомига эга бўлган, пай капитали асосида ташкил қилинувчи бирлашмаси.

Конверсия - корхонанинг умуман бошқа турдаги маҳсулот ишлаб чиқаришига ўтиши.

Концерн - турли тармоқлардаги мустақил корхоналарнинг иштирок этиши тизими, қўйша тадқиқотлар, патент-лицензия келишиувлари, молиялаштириши, ишлаб чиқариши ҳамкорлиги воситасида бирлашуви.

Кооперация қилиш - яқуний маҳсулотни биргаликда тайёрлаш бўйича узоқ муддатли тўғридан-тўғри хўжалик алоқаларини ўрнатиши.

Корхонанинг оптимал ҳажми – маҳсулот ишлаб чиқариши (иши бажариши, хизмат кўрсатиши) бўйича имзоланган шартнома ва мажбуриятларни ўз муддатида, энг кам харажатлар билан энг юқори самарадорликка эришган ҳолда бажариши имконини берувчи корхона ҳажми.

Корхонанинг тижорат сирлари – корхонанинг ишлаб чиқариши, технологиялар, бошқарув ва бошқа турдаги фаолияти билан боғлиқ, ошкор қилиниши корхона манфаатларига зарар етказиши мумкин бўлган, давлат сирларига алоқаси бўлмаган маълумотлар.

Лизинг - мулкка эгалик қилиши ҳуқуқи ижарага берувчида сақланган ҳолда, мулкни узоқ муддатли ижарага бершига асосланган ҳолда инвестицияларни молиялаштириши шакли; машина, ускуна ва транспорт воситаларининг ўрта ва узоқ муддатли ижараси.

Лицензия - қонунда белгиланган муайян хўжалик операциялари, жумладан, ташқи савдо (экспорт ва импорт) операцияларини амалга ошириши бўйича, ваколатли давлат идораларининг ҳуқуқий шахсларга берувчи маҳсус рұхсатномаси.

Маркетинг - корхоналарнинг маҳсулот ишлаб чиқиши, ишлаб чиқариши ва сотиши ёки хизмат кўрсатишига оид фаолиятини, бозорни ва истеъмолчилар талабига фаол таъсир кўрсатишни ўрганиши асосида бошқарии тизими.

Материаллардан фойдаланиш коэффициенти – хом ашё ва материалларнинг оқилона тарзда сарфланишини тавсифловчи кўрсаткич. Тайёр маҳсулот таркибига кирувчи материалларнинг ишлов берилган материалларнинг умумий ҳажмига нисбати сифастида ҳисобланади.

Маҳсулот аттестацияси - маҳсулот сифатининг техник-иқтисодий кўрсаткичларини обьектив баҳолашни тизимли равишда амалга оширишини кўзда тутувчи, ташкилий-техник ва иқтисодий чора-тадбирлар мажмуаси.

Маҳсулот ишлаб чиқариш ва сотиш харажатлари – маҳсулот ишлаб чиқаришида фойдаланилувчи табиий ресурслар, хом ашё ва материаллар, ёқилги ва энергия, асосий фондлар ва меҳнат ресурслари, шунингдек, маҳсулот ишлаб чиқариши ва сотишнинг бошқа харажатларининг қиймат баҳолари.

Маҳсулот рентабеллиги – маҳсулот сотишдан олинган фойданинг маҳсулот таннархига нисбати (фоизларда) сифатида аниқланувчи ишлаб чиқариши самарадорлиги кўрсаткичи.

Маҳсулот сертификати - маҳсулот сифатини баҳолаши ва назорат қилишининг

халқаро нормаларини қабул қилиши ва амалга ошириши жараёни; маҳсулот ишлаб чиқарувчиларга қарам бўлмаган, маҳсулотнинг халқаро стандарт нормаларига мос келишини назорат қилиши учун керакли асбоб-ускуналар билан таъминланган маҳсус марказларни яратиш билан амалга оширилади.

Маҳсулот сифати – масулотнинг инсон ва жамиятнинг маълум бир эҳтиёжларини қондириси қобилияtlарини белгиловчи фойдали хислатлари мажмуи.

Маҳсулот сифатини бошқариш – маҳсулотни яратиш ва ундан фойдаланиш ёки уни истеъмол қилишида зарур сифат даражасини белгилаш, таъминлаш ва қўллаб-қувватлаш мақсадида амалга оширилувчи хатти-ҳаракатлар.

Маҳсулот сифатини бошқариш тизими – сифатни бошқариши учун зарур бўлган ресурслар, жараёнлар ва жавобгарликни аниқ тақсимловчи ташкилий тузилма.

Маҳсулотнинг материал сифими – хом ашё, материаллар ва бошқа моддий ресурсларнинг маҳсулот бирлигига сарфланувчи харажатлари. Материал сизимини камайтириши тайёр маҳсулот ва материалларни кўпайтириши, маҳсулот таннархини камайтириши ва хом ашё тармоқларини ривожлантиришга сарфланувчи харажатларни камайтиришга имкон яратади.

Маҳсулотнинг меҳнат сифими – меҳнат унумдорлиги кўрсаткичларига тескари бўлган катталик. Моддий ишлаб чиқариши соҳасида сарфланган меҳнатнинг ишлаб чиқарилган маҳсулот ҳажсига нисбати орқали аниқланади.

Маҳсулотнинг техник даражаси – баҳоланаётган маҳсулотнинг техник тақомиллашганлигини белгиловчи, унинг базис кўрсаткичларига мос келувчи кўрсаткичларни таққослашга асосланган маҳсулот сифатининг нисбий тавсифномаси.

Маҳсулотнинг яшаш даври – маҳсулот ҳаётининг бешта босқичинининг алмашиниши даври: ишлаб чиқиши, ишлаб чиқарииши, бозорга чиқиши, ўсиши, бозорнинг тўйиниши ва маънавий эскириши.

Меҳнат унумдорлиги – инсонлар ишлаб чиқарииши фаолиятининг самарадорлиги; ходим моддий ишлаб чиқарииши соҳасида иш вақти бирлигидага ишлаб чиқарган маҳсулотлар миқдори ёки маҳсулот бирлигини ишлаб чиқарииши учун сарфланган вақт билан ўлчанади. Меҳнатнинг ижтимоий унумдорлиги ишлаб чиқарилган миллий даромаднинг моддий ишлаб чиқарииши таромқларида банд бўлган ҳар бир ходимга нисбатан ҳисобланади.

Меҳнат шартномаси – тадбиркор ва ишга кирувчи шахс ўртасидаги келишув, унда кўра ходимнинг меҳнат вазифаси, иш жойи, лавозими, ойлик иш ҳақи, иш бошлиши вақти ва ҳоказолар белгилаб берилади.

Низом (устав) - корхонани ташкил қилишининг қонунийлигини тасдиқловчи, корхона характеристи ва фаолият тури, қоидалари, аъзолар ўртасидаги муносабатлар ва ҳоказоларни ўз ичига оловчи расмий ҳужжат.

Рақобат – бозор механизмининг корхона ва фирмаларнинг маҳсулот ва хизматларни сотиши, капитални фойдалироқ жойлаштиришида рақиблик асосида ҳўжалик нисбатларини шакллантириши билан боғлиқ элементи.

Рақобатбардошлиқ – ўз фаолиятини бозор муносабатлари шароитида амалга

оширии ва бунда ишлаб чиқаришни илмий-техник жиҳатдан тақомиллаштириши, ходимларни разбатлантириши ва маҳсулот сифатининг юқори бўлишини таъминлашга етарли бўлган фойда олиш.

Рекламация - харидор томонидан сотувчига шартнома асосида етказиб берилган товар сифати ва миқдорининг шартномага тўғри келмаслиги туфайли билдирувчи даъвоси.

Сертификат - масъул идоралар томонидан маҳсулотни экспертиза қилиши асосида берилувчи, маҳсулот сифатини белгиловчи ҳужжат.

Сменалилик коэффициенти – ускуналарнинг вақт бўйича иш билан таъминлаш даражаси кўрсаткичи; сутка давомида ишлаб берилган машина-сменаларнинг ўрнатилган барча сменалар сонига нисбати орқали аниқланади.

Стандартлаштириш - ишлаб чиқаришнинг маълум бир соҳасида фаолиятни тартибга солиши мақсадида барча манфаатдор томонлар иштирокида қоидалар белгилаши ва қўллаши. Норматив ҳужжатлар, стандартлар, йўриқномалар, усуллар, талабларда акс эттирилади.

Таъсис ҳужжатлари – янги ташкил қилинувчи корхона, компания, акциядорлик жамиятини таъсис этиши ва уларни белгиланган тартибда рўйхатга олиш учун асос бўлиб хизмат қилувчи ҳужжатлар.

Техник қайта қуроллантириш – ишлаб чиқарии алоҳида участкаларининг техник имкониятларни замонавий даражага чиқарии жараёни.

Ускуналарни замонавийлаштириш – ҳаракатдаги ускуналар конструкциясига, унинг техник даражасини оширувчи ҳамда техник ва иқтисодий кўрсаткичларини яхшиловчи сезиларли ўзгаришилар киритиши. Замонавийлаштириши иккинчи шаклдаги маънавий эскиришининг олдини олишига кўмаклашади.

Устама харажатлар – асосий харажатларга қўшимча бўлиб, улар билан бирга ишлаб чиқарии харажатлари таркибига киритилувчи, ишлаб чиқарии ва корхона бошқарувига хўжалик хизмати кўрсатиш харажатлари.

Фан-техника тараққиёти - фан, техника, технологиялар ривожланиши, меҳнат предметлари, ишлаб чиқарии ва меҳнатни ташкил этишининг узлуксиз ривожланиши жараёни.

Фирма - ҳуқуқий шахс мақомига эга бўлиб, товар ишлаб чиқарии ва сотишини бир умумий бошқарув (ва умумий фирма номи) остида бирлаштирувчи, корхона ёки турли мулкчилик шаклидаги ихтисослаштирилган ташкилотлар мажмуаси.

Фойда – корхона фаолиятининг якуний молияй натижалари; пул тушуми ва харажатлар ўртасидаги фарқ сифатида аниқланади.

Фонд қайтими – асосий ишлаб чиқарии фондларининг бир сўмига тўғри келувчи маҳсулот миқдори.

Фонд сифими – фонд қайтимига тескари бўлган нисбат. Асосий ишлаб чиқарии фондлари ўртача қийматининг ишлаб чиқарилган маҳсулот ҳажмига нисбати сифатида ҳисобланади.

Фонdlар билан таъминланганлик – асосий ишлаб чиқарии фонdlари билан таъминланганлик кўрсаткичи (асосий ишлаб чиқарии фонdlарининг

корхонанинг ҳар бир ходими ёки ииҷисига тӯғри келувчи ҳажми).

Франчайзер - франчайзи билан франчайзинг шартномаси имзоловчи йирик корхона (корпорация, фирма ва ҳоказо).

Франчайзи (оператор) – йирик франчайзер корхона билан битим тузувчи кичик корхона.

Франчайзинг - йирик ва кичик тадбиркорликнинг аралаши шакли; ўзаро фойдали ҳамкорлик муносабатлари.

Холдинг компанияси - ўз капиталидан бошқа компанияларни бошқариши, уларга раҳбарлик қилиши ва дивиденд олиши мақсадида уларнинг акцияларини сотиб олишида фойдаланувчи акциядорлик компанияси.

Хусусийлаштириш – давлат мулкини бошқа мулкчилик шаклларига, жумладан, жамоа, акциядорлик ва хусусий мулкка ўтказишда мулкчилик муносабатларининг ўзгариши жараёни.

Ялпи даромад – корхона фаолиятининг якуний натижаларини тавсифлайди ҳамда ялпи пул тушуми ва маҳсулот ишлаб чиқариши ва сотишга сарфланувчи барча харажатлар ўртасидаги фарқни ифодалайди.

Ялпи пул тушуми – товар маҳсулоти, иши, хизмат ва моддий бойликларни сотишидан тушувчи пулнинг умумий миқдори.

Ялпи фойда – корхона ялпи даромадининг барча мажбурий тўловларни чиқариб ташлагандан сўнг корхона ихтиёрида қолувчи қисми.

Хуқуқий шахс – фуқаролик субъекти сифатида фаолият юритувчи, мустақил баланс, гербли муҳр ва банкда ҳисоб рақамига эга, Низом асосида фаолият юритувчи ҳамда бакиротга учраганда ўз мулки билан жавоб берувчи корхона.

Қайта тиклаш – мавжуд ишлаб чиқаришини техник ва ташкилии такомиллаштириши, асосий фонdlарни комплекс равишда янгилаш ва замонавийлаштириши асосида тўлиқ қайта қуриши жараёни.

«ТДИУ ва МДҲ мамлакатлари иқтисодиёт мутахассисликлари бўйича бакалавриат битирув-малакавий ишлари, магистрлик, номзодлик ва докторлик диссертацияларининг намунавий мавзулари» (15000 мавзу) руйхатидаги БМИ ишларини бажаришда қўллаш мумкин бўлган мавзулар руйхати

| БМИ мавзулари | Маъruzалар матнидаги мос келувчи мавзулар |
|--|---|
| 1. Ислоҳатларни чуқурлаштириш шароитида корхонанинг баҳо сиёсати. | X МАВЗУ. КОРХОНА РЕНТАБЕЛЛИГИ, ДАРОМАД ВА ХАРАЖАТЛАР II МАВЗУ. КОРХОНА – МУСТАҚИЛ ХЎЖАЛИК ЮРИТУВЧИ БОЗОР СУБЪЕКТИ |
| 2. Корхонада ишлаб чиқариш қувватидан самарали фойдаланиш. | VII МАВЗУ. КОРХОННИНГ АСОСИЙ ФОНДЛАРИ ВА ИШЛАБ ЧИҚАРИШ ҚУВВАТИ VI МАВЗУ. ИШЛАБ ЧИҚАРИШНИНГ ИҚТИСОДИЙ ВА ИЖТИМОИЙ САМАРАДОРЛИГИ |
| 3. Акционерлик корхоналари капиталидан унумли фойдаланишнинг асосий йўналишлари. | VI МАВЗУ. ИШЛАБ ЧИҚАРИШНИНГ ИҚТИСОДИЙ ВА ИЖТИМОИЙ САМАРАДОРЛИГИ |
| 4. Корхона ишлаб чиқариш дастурини ва уни шакллантириш асослари. | VII МАВЗУ. КОРХОННИНГ АСОСИЙ ФОНДЛАРИ ВА ИШЛАБ ЧИҚАРИШ ҚУВВАТИ |
| 5. Корхонанинг иқтисодий салоҳиятидан фойдаланиш самарадорлиги. | VII МАВЗУ. КОРХОННИНГ АСОСИЙ ФОНДЛАРИ ВА ИШЛАБ ЧИҚАРИШ ҚУВВАТИ VI МАВЗУ. ИШЛАБ ЧИҚАРИШНИНГ ИҚТИСОДИЙ ВА ИЖТИМОИЙ САМАРАДОРЛИГИ |
| 6. Саноат корхонасининг тижорат сири ва иқтисодий хавфсизлиги. | XII-БОБ. КОРХОНА ХАВФСИЗЛИГИ ВА ТИЖОРАТ СИРЛАРИ |
| 7. Саноат маҳсулоти таннархини камайтириш йўллари. | X МАВЗУ. КОРХОНА РЕНТАБЕЛЛИГИ, ДАРОМАД ВА ХАРАЖАТЛАР |
| 8. Кичик ва йирик корхоналар кооперациясини ташкил этишининг асосий йўналишлари. | II МАВЗУ. КОРХОНА – МУСТАҚИЛ ХЎЖАЛИК ЮРИТУВЧИ БОЗОР СУБЪЕКТИ III МАВЗУ. КОРХОННИ ТАШКИЛ ҚИЛИШ ВА УНИНГ ФАОЛИЯТИНИ ТУГАТИШ |
| 9. Ишлаб чиқаришнинг материал сифимини камайтиришнинг иқтисодий механизми. | V МАВЗУ. КОРХОНА ФАОЛИЯТИНИ РЕЖАЛАШТИРИШ ВА БАШОРАТ ҚИЛИШ VII МАВЗУ. КОРХОННИНГ |

| | |
|--|--|
| | АСОСИЙ ФОНДЛАРИ ВА ИШЛАБ ЧИҚАРИШ ҚУВВАТИ |
| | VIII МАВЗУ. КОРХОНАНИНГ АЙЛАНМА МАБЛА/ЛАРИ |
| 10. Корхонада айланма маблағлардан самарали фойдаланишнинг асосий йўналишлари | VIII МАВЗУ. КОРХОНАНИНГ АЙЛАНМА МАБЛА/ЛАРИ |
| 11. Корхонани модернизациялашда лизингнинг ўрни. | VII МАВЗУ. КОРХОНАНИНГ АСОСИЙ ФОНДЛАРИ ВА ИШЛАБ ЧИҚАРИШ ҚУВВАТИ |
| 12. Замонавий корхоналарнинг инвестицион фаолиятини яхшилаш йўллари. | XI МАВЗУ. КОРХОНАНИНГ ИНВЕСТИЦИОН ФАОЛИЯТИ |
| 13. Корхона меҳнат салоҳиятидан самарали фойдаланиш имкониятлари. | IX МАВЗУ. КОРХОНАДА КАДРЛАР ВА МЕҲНАТГА ҲАҚ ТЎЛАШ |
| 14. Саноат корхоналари ишлаб чиқариш тузилмасини такомиллаштириш йўллари. | IV МАВЗУ. КОРХОНАИ БОШҚАРИШ |
| 15. Корхона иқтисодиётида бизнес- режалаштиришнинг ўрни ва уни ишлаб чиқиш асослари. | V МАВЗУ. КОРХОНА ФАОЛИЯТИНИ РЕЖАЛАШТИРИШ ВА БАШОРАТ ҚИЛИШ |
| 16. Саноат корхонасида меҳнат унумдорлигини ошириш имкониятлари ва йўллари. | VI МАВЗУ. ИШЛАБ ЧИҚАРИШНИНГ ИҚТИСОДИЙ ВА ИЖТИМОИЙ САМАРАДОРЛИГИ |
| 17. Саноат корхонасининг молиявий аҳволини яхшилаш йўллари. | VIII МАВЗУ. КОРХОНАНИНГ АЙЛАНМА МАБЛА/ЛАРИ X МАВЗУ. КОРХОНА РЕНТАБЕЛЛИГИ, ДАРОМАД ВА ХАРАЖАТЛАР VI МАВЗУ. ИШЛАБ ЧИҚАРИШНИНГ ИҚТИСОДИЙ ВА ИЖТИМОИЙ САМАРАДОРЛИГИ |
| 18. Корхона ишлаб чиқариш фондларидан фойдаланиш самарадорлиги. | VII МАВЗУ. КОРХОНАНИНГ АСОСИЙ ФОНДЛАРИ ВА ИШЛАБ ЧИҚАРИШ ҚУВВАТИ |
| 19. Корхонада ресурс тежамкорлиги ва уни амалга oshiриш йўналишлари. | VII МАВЗУ. КОРХОНАНИНГ АСОСИЙ ФОНДЛАРИ ВА ИШЛАБ ЧИҚАРИШ ҚУВВАТИ VIII МАВЗУ. КОРХОНАНИНГ |

| | АЙЛАНМА МАБЛА/ЛАРИ |
|--|---|
| 20. Корхонада фойдани шакллантириш ва ундан самарали фойдаланиш йўллари. | X МАВЗУ. КОРХОНА РЕНТАБЕЛЛИГИ, ДАРОМАД ВА ХАРАЖАТЛАР |
| 21. Саноат корхонасида ишлаб чиқариш ҳаражатларини камайтириш имкониятлари ва йўллари. | X МАВЗУ. КОРХОНА РЕНТАБЕЛЛИГИ, ДАРОМАД ВА ХАРАЖАТЛАР |
| 22. Саноат корхонасида молиявий режалаштиришни такомиллаштириш. | V МАВЗУ. КОРХОНА ФАОЛИЯТИНИ РЕЖАЛАШТИРИШ ВА БАШОРАТ ҚИЛИШ |
| 23. Саноат корхонаси рентабеллигини оширишнинг асосий омиллари. | X МАВЗУ. КОРХОНА РЕНТАБЕЛЛИГИ, ДАРОМАД ВА ХАРАЖАТЛАР |
| 24. (9285)Денежнўе средства предприятия (фирмў). | VIII МАВЗУ. КОРХОННИНГ АЙЛАНМА МАБЛА/ЛАРИ X МАВЗУ. КОРХОНА РЕНТАБЕЛЛИГИ, ДАРОМАД ВА ХАРАЖАТЛАР |
| 25. (9269)Планирование производства и жизненнўй цикл продукции. | V МАВЗУ. КОРХОНА ФАОЛИЯТИНИ РЕЖАЛАШТИРИШ ВА БАШОРАТ ҚИЛИШ |
| 26. (9270)Внутрипроизводственное планирование вўпускаемой продукции. | V МАВЗУ. КОРХОНА ФАОЛИЯТИНИ РЕЖАЛАШТИРИШ ВА БАШОРАТ ҚИЛИШ |
| 27. (9265)Формирование бизнес-плана предприятия (фирмў). | V МАВЗУ. КОРХОНА ФАОЛИЯТИНИ РЕЖАЛАШТИРИШ ВА БАШОРАТ ҚИЛИШ |
| 28. (9264)Система планирования в условиях рўночной экономики. | V МАВЗУ. КОРХОНА ФАОЛИЯТИНИ РЕЖАЛАШТИРИШ ВА БАШОРАТ ҚИЛИШ |
| 29. (9268)Производственная мощность предприятия (фирмў). | VII МАВЗУ. КОРХОННИНГ АСОСИЙ ФОНДЛАРИ ВА ИШЛАБ ЧИҚАРИШ ҚУВВАТИ |
| 30. (9252)Структура органов управления на предприятии (фирме). | IV МАВЗУ. КОРХОНАНИ БОШҚАРИШ |
| 31. (9251)Система управления предприятием (фирмой). | IV МАВЗУ. КОРХОНАНИ БОШҚАРИШ |
| 32. (9242)Оценка основнўх фондов предприятия. | VII МАВЗУ. КОРХОННИНГ АСОСИЙ ФОНДЛАРИ ВА ИШЛАБ |

| | ЧИҚАРИШ ҚУВВАТИ |
|--|---|
| 33. (9241)Основнўе и оборотнўе средства предприятия. | VII МАВЗУ. КОРХОНАНИНГ АСОСИЙ ФОНДЛАРИ ВА ИШЛАБ ЧИҚАРИШ ҚУВВАТИ VIII МАВЗУ. КОРХОНАНИНГ АЙЛАНМА МАБЛА/ЛАРИ |
| 34. (9244)Оборотнўе средства предприятия. | VIII МАВЗУ. КОРХОНАНИНГ АЙЛАНМА МАБЛА/ЛАРИ |
| 35. (9247)Инвестиционная деятельность фирмў. | XI МАВЗУ. КОРХОНАНИНГ ИНВЕСТИЦИОН ФАОЛИЯТИ |
| 36. (9273)Определение потребности в материальнўх ресурсах предприятия (фирмў). | VIII МАВЗУ. КОРХОНАНИНГ АЙЛАНМА МАБЛА/ЛАРИ V МАВЗУ. КОРХОНА ФАОЛИЯТИНИ РЕЖАЛАШТИРИШ ВА БАШОРАТ ҚИЛИШ |
| 37. (9275)Источники финансирования и оценка экономической эффективности капитальнўх вложений на фирме. | XI МАВЗУ. КОРХОНАНИНГ ИНВЕСТИЦИОН ФАОЛИЯТИ VI МАВЗУ. ИШЛАБ ЧИҚАРИШНИНГ ИҚТИСОДИЙ ВА ИЖТИМОИЙ САМАРАДОРЛИГИ |
| 38. (9293)Нормирование материальнўх и трудовўх ресурсов на предприятии (фирме). | VIII МАВЗУ. КОРХОНАНИНГ АЙЛАНМА МАБЛА/ЛАРИ VI МАВЗУ. ИШЛАБ ЧИҚАРИШНИНГ ИҚТИСОДИЙ ВА ИЖТИМОИЙ САМАРАДОРЛИГИ |
| 39. (9292)Управление оборотнўми средствами на предприятии (фирме). | VIII МАВЗУ. КОРХОНАНИНГ АЙЛАНМА МАБЛА/ЛАРИ |

АСОСИЙ АДАБИЁТЛАР ШАРХИ

1. О.И. Волков, Экономика предприятия, Учебник. М., “ИНФРА-М”, 2000.

Дарслик 4 бўлим, 19 бобдан иборат.

1-бўлим «Корхона. Бирлашма» деб номланади. У 6 бобни ўз ичиға олган ва уларда ишлаб чиқариш корхонаси - иқтисодиётнинг асоси; хўжалик бирлашмалари; корхонанинг моддий асоси (базаси); корхонанинг айланма маблағлари; корхона молияси; ходимлар ва меҳнат мотивацияси каби муаммолар кўриб чиқилади.

2-бўлим корхонанинг тадбиркорлик фаолиятига бағишиланган бўлиб, унда 5 та боб мавжуд.

3-бўлим корхонани бошқариш ва унинг фаолиятини тартибга солишига бағишиланган бўлиб, унда асосий масалалар 5 та бобда кўриб чиқилади.

4-бўлимда ривожланиш омиллари ва корхонада ишлаб чиқаришни тўхтатилиши муаммолари 3 та бобда ўрганилди.

2. Г.И. Шепеленко. Экономика, организация и планирование производства на предприятия. Учебное пособие. Ростов-на-Дону, Изд. Центр “МАРТ”, 2000.

Ўқув қўлланма иқтисодий йўналишдаги талабаларга мўлжалланган бўлиб, иқтисодиёт. ишлаб чиқаришни ташкил этиш ва режалаштиришнинг амалий жиҳатларини ўрганишга бағишиланган.

Қўлланма 3 та бўлим ва 18 та мавзуни ўз ичиға олган бўлиб, 1- бўлим «Корхона бозор муносабатлари тизимида»,

2-бўлим «Корхона ва ишлаб чиқаришни ташкил этиш»,

3-бўлим «Корхона фаолиятини режалаштириш».

1-бўлимда 5 та мавзу бўлиб, уларда корхона ва иқтисодий ислоҳотлар; корхоналарнинг ташкилий-ҳуқуқий шакллари; монопол корхоналарни назорат қилиш; кичик бизнес корхоналари ва баҳони шакллантириш масалалари ёритилган.

2-бўлим эса корхонада ишлаб чиқаришни ташкил этиш усулларига бағишиланган.

3-бўлимда эса корхонанинг ишлаб чиқариш кувватини режалаштириш, бизнес-режалаштириш, корхона ва ишлаб чиқариш дастурини режалаштириш ва бошқа режалаштиришга оид масалалар ёритилган.

3. Экономика предприятия / Под ред. Е.Л. Кинтора Спб. Питер, 2003. -352 с.

Дарслиқдаги материаллар ишлаб чиқариш корхоналари фаолиятига объектив иқтисодий қонунларнинг таъсирини ўрганишга ҳамда меҳнат самарадорлигини оширишнинг омиллари ва резервларини социологик таълил қилиш муаммоларига, маҳсулот сифатини бошқаришга ҳамда

корхонанинг самарали инвестицион сиёсатини ишлаб чиқишига катта эътибор қаратилган.

Дарслик 11 бобдан иборат бўлиб, унда кутиладиган муаммолар ТДИУ дастурига тўла мос келади.

4. В.П. Грузинов, В.Д.Грибоев. Экономика предприятия: Учеб. пособие. - г-е изд. -М.: Финансў и статистика, 2001. -208 с.

Кўлланма 4 та бўлим 18 мавзудан иборат.

1-бўлимда «Бозор шароитларида корхона фаолиятининг иқтисодий асослари» масалалари ёритилган бўлиб, у 5 та мавзуни ўз ичига олган.

2-бўлимда корхона ресурслари ва улардан фойдаланиш кўрсаткичлари 4 та мавзу орқали ёритилиб берилган.

3-бўлим корхона фаолияти натижаларининг иқтисодий кўрсаткичларга бағишланган бўлиб, 5 та мавзуни ўз ичига олади.

4-бўлим эса корхона тадбиркорлик фаолиятини бошқаришига бағишланган бўлиб, корхонанинг инновацион ва инвестицион фаолияти, тадбиркорликнинг тижорат ҳисоби каби мавзулар кенг тавсифланган.

5. Экономика предприятия. З-е изд., перераб. и доп. Учебник для вузов / Под ред. проф. В.Я. Горфинкеля, проф. В.А.Швандара М.: ЮНИТИ-ДАНА 2004.

Дарслик 3 марта босмадан чиқиб, янги материаллар билан бойитилган. Дарсликка бозор иқтисодиёти шароитида корхоналарни таркибий қайта қуриш, тадбиркорлик ҳавф-хатари ва рақобат, корхона молиясини бошқариш ва солиққа тортиш бўйича янги маълумотлар киритилган. Дарслик 3 та бўлим, 31 бобдан иборат бўлиб, 1-бўлим бозор иқтисодиёти шароитидаги корхона фаолиятига бағишланган бўлиб, 7 та бобни ўз ичига олади. 2- бўлим эса корхона фаолиятининг ишлаб чиқариш омилларига бағишланган бўлиб 11 бобни ўз ичига қамраб олади. 3-бўлимда корхонани бошқаришнинг иқтисодий механизмлари 13 та бобда ёритилади.

Ушбу дарсликни дастурдан ташқарии мустақил тайёрланиш учун ҳам кўплаб маълумотларни олиш мумкин.

6. Энциклопедия бизнес – планов: Методика разработки. 75 реальнўх образцов бизнес – планов. Горемўкин В.А., Нестерова Н.В.- М.: «Ось-89», 2003. –1104с.

Кўлланмада тушунарли ва лўнда шаклда бизнес-режа барча бўлимларини асослашнинг методологик асослари ва методикаси ёритиб борилган.

Кўлланмада 75 та реал бизнес режа келтирилган бўлиб, истеъмол товарларини ишлаб чиқариш, қурилиш ва хизмат кўрсатиш, банк иши, медицина хизмати, савдо ва мультимедия соҳаларига оидdir.

7. Пивоваров К.В. Бизнес-планирование. 3-е изд. – М.: Издательско-торговая корпорация «Дашков и Ко», 2002. – 164 с.

Кўлланма 4 та бобдан иборат бўлиб, уларда бизнес режалаштиришнинг услугбий асослари, бизнес-режани ишлаб чиқиш тамойиллари, бизнес-режа асосий кўрсаткичларини ишлаб чиқиш услугбиятини, турли корхоналар учун бизнес-режа ишлаб чиқишининг хусусиятлари ёритилган.

8. Сухова Л.Ф., Чернова Н.А. Практикум по разработке бизнес-плана и финансовому анализу предприятия: Учебное пособие. – М.: Финансў и статистика, 2001. – 160 с.: ил.

Кўлланма икки қисмдан иборат

1-қисмда янги маҳсулот ишлаб чиқриш бўйича бизнес-режани тайёрлаш услубияти ва керамик плитка ишлаб чиқариш бўйича бизнес-режани ишлаб чиқиш наъмунаси ёритилган.

2-қисмда эса молиявий таҳлил ёритилиб, реал мисол келтирилган.

9. Сборник бизнес-планов деловых ситуаций с рекомендациями и комментариями: Учеб. прак. пос. /Под ред. В.М.Попова, С.И.Ляпунова . –М.: КноРус, 2003.

Кўлланмада фирмада бизнес-режалаштириш жараёни қисқача баён қилинади, бизнес режани ишлаб чиқиши ва мониторингининг дастурий воситалари таҳлил қилинади. Бизнес-режаларнинг реал наъмуналари келтирилган. Бизнес-режани амалга ошириш ва силжитиш бўйича ишларни ташкил этишнинг мазмуни ёритиб берилади. Халқаро бизнес талабларига мос келувчи наъмунавий хужжатлар келтирилади, бизнес-режа ишлаб чиқувчилар томонидан йўл қўйиладиган анъанавий хатолар таҳлили берилади.

10. Бринк И.Ю., Савельево Н.А. Бизнес-план предприятия. теория и практика. - Ростов н/д. «Финикс», 2003. 384 с.

Кўлланма икки қисмдан иборат

1-қисмда корхона бизнес-режалаштиришнинг асослари бўйича 8 та савол ёритилган.

2-қисмда бизнес-режани тайёрлаш услубияти 12 та савол орқали ёритилади.

Кўлланмада бизнес-режани тайёрлашда Интернет ресурсларидан фойдаланиш ва дастурларни қўллаш бўйича кўрсатмалар, масалалар (практикум), таблица ва жадваллар келтирилган.

АДАБИЁТЛАР РЎЙХАТИ

1. «Тадбиркорлик субъектларини хуқуқий ҳимоя қилиш тизимларини янада такомиллаштириш чора тадбирлари тўғрисида»ги Ўзбекистон Республикаси Президентининг 2005 йил 14 июндаги ПФ-3619-сонли Фармони // Халқ сўзи, 16 июнь, №115.
2. «Тадбиркорлик субъектлари томонидан тақдим этиладиган ҳисобот тизимини такомиллаштириш ва уни ноқонуний талаб этганлик учун жавобгарликни кучайтириш тўғрисида»га Ўзбекистон Республикаси Президентининг 2005 йил 15 июндаги Қарори // Халқ сўзи, 17 июнь, №116.
3. «Бозор ислоҳотларини чукурлаштириш ва иқтисодиётни янада эркинлаштириш соҳасидаги устувор йўналишлар амалга оширилишини жадаллаштириш чора-тадбирлари тўғрисида»ги Ўзбекистон Республикаси Президентининг 2005 йил 14 июндаги Фармони // Халқ сўзи, 15 июнь.
4. «Микрофирмалар ва кичик корхоналарни ривожлантиришни рағбатлантиришдаги қўшимча чора-тадбирлар тўғрисида»ги Ўзбекистон Республикаси Президентининг 2005 йил 20 июндаги ПФ-620-сонли Фармони // Халқ сўзи, 21 июнь, №118.
5. «Тадбиркорлик субъектларининг хўжалик соҳасидаги хуқуқбузарликлари учун молиявий жавобгарлигини эркинлаштириш тўғрисида»ги Ўзбекистон Республикаси Президентининг 2005 йил 24 июндаги Фармони // Халқ сўзи, 25июнь, №122.
6. «Ўзбекистон Республикаси ижтимоий-иктисодий ривожланиши 2005 йил 1-чорак асосий якунлари тўғрисида» // Халқ сўзи, 6 май, №87.
7. И.А. Каримов Ўзбекистон XXI аср бўсағасида: хавфсизликка таҳдид, тараққиёт шартлари ва кафолатлари. Т., “Ўзбекистон”, 1997.
8. И.А. Каримов Ўзбекистон – XXI асрга интилмоқда. Т., “Ўзбекистон”, 1999.
9. И.А. Каримов “Ўзбекистон иқтисодий ислоҳотларни чукурлаштириш йўлида. Т., “Ўзбекистон”, 1995.
- 10.И.А. Каримов. Ўзбекистон – бозор муносабатларига ўтишнинг ўзига хос йўли. Т., “Ўзбекистон”, 1993.
- 11.Ўзбекистон Республикасининг “Хусусий корхоналар тўғрисида”ги Конуни. Конун ва қарорлар. Т., “Ўзбекистон”, 2004., №3
- 12.Махмудов Э.Х. Корхона иқтисодиёти: Ўқув.қўлл. –Т.: Ўзбекистон ёзувчилар уюшмаси Адабиёт жамғармаси нашриёти, 2004.
- 13.Акромов Э.А Корхоналарнинг молиявий холати таҳлили. – Т.: Молия, 2003.-223 б.
- 14.Маҳсулот (ишлар, хизматлар)ни ишлаб чиқариш ва сотиш харажатлари таркиби ҳамда молиявий натижаларни шаклантириш тартиби туғрисадаги Низом. -Т.: 1999, 5 февраль.
- 15.Абдукаримов И.Т. ва бошқалар Корхона иқтисодий салоҳияти таҳлили. Т.: «Иқтисодиёт ва хуқуқ дунёси» нашриёт уйи, 2003.

16. «Ўз Ишингизни яратинг ёки тадбиркор нималарни билиши лозим» - Тошкент шаҳри, ЮНИДО, «Бизнес маслаҳат маркази» лойиҳаси, 2003й.
17. Гурков И.Б. Инновационное развитие и конкурентоспособность: Очерки развития 333 российских предприятий. – М.: ТЕИС, 2003.
18. Фомин Я.А. Диагностика кризисного состояния предприятия: Учеб. пособие для вузов. – М.: ЮНИТИ-ДАНА, 2003. 439 с.
19. Гиляровская Л.Т., Вехорова А.А. Анализ и оценка финансовой устойчивости коммерческого предприятия. – СПб: Питер, 2003. –249 с.
20. Крўлов Э.И. Анализ эффективности инвестиционной и инновационной деятельности предприятий / Учеб пос. 2е изд. пере раб и доп.. –М.: Финансў и статистика, 2003. –605 с.
21. Гуртов В.К. Инвестиционнўе ресурсў. – М.: Экзамен, 2002
22. Инвестиционнўе процессў в условиях глобализации.- М.: ТЕИС, 2002
23. Богатин Ю.В. Швандар В.А. Инвестиционнўй анализ. Учеб пос. - М.: ЮНИТИ, 2001
24. Ковалев В.В. Методў оценки инвестиционнўх проектов. - М.: Финансў и статистика, 2003
25. Основнўе показатели уровня развития малого и среднего предпринимательства в Республике Узбекистан за 2002 год. Статистический сборник .-Т.; ТДИУ , 2003. –52 с.
26. Фомин Я.А. Диагностика кризисного состояния предприятия: Учеб. пос. для вузов. – М.: ЮНИТИ_ДАНА, 2003. –349 с.
27. Заработка плата на предприятии / Хасанов Н.Х., Хайдаров Ш.У, Югай Л.П. – Т.: издательский дом “Мир экономики и права”, 2004
28. И.В. Сергеев. Экономика предприятия. Учебник. М., Финансў и статистика. 1997.
29. К.А. Раицкий. Экономика предприятия. Учебник. М., 1999.
30. О.И. Волков, Экономика предприятия, Учебник. М., “ИНФРА-М”, 2000.
31. Г.И. Шепеленко. Экономика, организация и планирование производства на предприятии. Учебное пособие. Ростов-на-Дону, Изд. Центр “МАРТ”, 2000.
32. Г.В. Савицкая. Анализ хозяйственной деятельности предприятия. Минск, ООО “Новое знание”, 1999.
33. В. Г. Грузинов. Экономика предприятия Учебник 2-е изд. М.: «Юнити Дана» 2003.
34. Сенге Питер М. и др. пер с англ. Танец перемен: новўе проблемў самообучаюҳихся организаций М.: ЗАО Длимп-Бизнес 2004.
35. Ш.И. Гизотуллин. Как избежать банкротства. Рецептў финансового оздоровления предприятия М.: ЗАО Гресс Медиа Ферлаг 2004.
36. Котте Д. Пер. с англ. Управление инфраструктурой организаций М.: ОАО Типография «НОВОСТИ» 2001.
37. Л.Д. Гительман,, Б.Е.Ратников. Эффективная энергокомпания: Экономика. Менеджмент. Реформирование. М.: ЗАО Олимп-Бизнес 2002.

- 38.В.Д Грибов, В.П. Грузинов Экономика предприятия. Практикум. 3-е изд. перераб. и доп. Учебник М.: ФиС 2004.
- 39.Практическое пособие к семинарским занятиям по курсу «Экономика фирмў» / Под ред. Иващенко М.: Экономич. Факуль. МГУ, ТЕИС. 2003.
- 40.Экономика предприятия Конспект лекций в списках М.: Приор-издат 2003.
- 41.Экономика предприятия. 3-е изд., перераб. и доп. Учебник для вузов / Под ред. проф. В.Я. Горфинкеля, проф. В.А.Швандара М.: ЮНИТИ-ДАНА 2004.
- 42.Аутсорсинг: Создание вўскоэффективнўх и конкурентоспособнўх организаций. Учебное пособие / Под ред. Б.А.Аникина М.: Инфра – М 2003.
- 43.Экономика предприятия Конспект лекций М.: Изд-во ПРИОР 2002.
- 44.«Экономика фирмў и отраслевўх рўнков» // Программа М.: Экономический факультет МГУ, ТЕИС 2000.
- 45.Экономика предприятия / Под ред. Е.Л. Кинтора Спб. Питер, 2003. -352 с.
- 46.В.П. Грузинов, В.Д.Грибоев. Экономика предприятия: Учеб. пособие. - г-е изд. -М.: Финансў и статистика, 2001. -208 с.
- 47.Сергеев И.В Экономика предприятия. 2-е изд. пераб. и доп. Учебное пособие М.: ФиС 2004.
- 48.Практикум по экономике организации (предприятия). Учебн. Пособ./ Под ред. проф. П.В. Тальминой и проф. Б.В. Чернецовой М.: ФиС 2003.
- 49.Сбалансированная система Показателей – шаг за шагом: максимальное повўщение эффективности и закреплении полученнўх результатов Пер. с англ. Днепропетровск: Баланс-Клуб 2003.
- 50.Вумек Джеймс П., Джонс Дениел Т. Пер. с англ. Бережливое производство; Как избавиться от потерь и добиться процветания вашей компании; М.. Альпина Бизнес БУКС 2004.
- 51.“Создайте свое Дело или что необходимо знать предпринимателю” г. Ташкент, ЮНИДО, Поект “Бизнес-консультативнўй центр”, 2003г.
- 52.Сборник бизнес-планов деловўх ситуаций с рекомендациями и комментариями: Учеб. прак. пос. /Под ред. В.М.Попова, С.И.Ляпунова . – М.: КноРус , 2003
- 53.Махмудов Э.Х., Исаков М.Ю. Бизнес планирование. (Учебное пособие). – Т.: Издательство Литературного фонда Союза писателей Узбекистана, 2004.
- 54.Кристенсен Клейтон М. Как из-за новўх технологий погибают сильнўе компании /Диллемма инноватора Пер.с анг. М.: Альгина Бизнес Бука 2004.
- 55.Мескон М.Х., Альберт М. и др. Основў менеджмента: Пер с англ. – М.: Дело,2000.-704с.
- 56.Смирнов Э.А. Управленческие решения М.: ИНФРА-М, 2001.-264с
- 57.Менеджмент организаций. Москва, Инфра-М, 2002 г.
- 58.Методические рекомендации по оценке эффективности инвестиционнўх проектов и их отбору для финансирования. Издание официальное - М.: ОАО «НПО», издательство «Экономика», 2000

59.http://www.harvard.edu

60.http://www.capitul.ru

61.http://www.5b.ru

62.http://www.audit-center.Ru

КОРХОНА ИҚТИСОДИЁТИ ФАНИДАН ИШ ДАСТУРИ

олий таълимнинг 5340100 «Иқтисодиёт (тармоқлар бўйича)» йўналиши талабалари учун

Иш дастури «Корхона иқтисодиёти» фанинг намунавий дастури негизида тузилган

1. КИРИШ

Курсни ўрганиш мақсади корхоналарни ишлаб чиқариш қучларини ривожоантиришдаги ва миллий иқтисодиётни кўтаришдаги ролини ва ўрнини аниқлашдан иборат. Фан талабаларда зарур аниқ иқтисодиёт билимларни шакллаштиришга қаратилган бўлиб, бу эса бозор муносабатлари ва иқтисодий ишларни маркази ҳозирги кунда бирламчи бўғин Корхона иқтисодиёти даражасига кўтарилган шароитларда жуда муҳим ҳисобланади.

Курс бўйича бакалавр қуйидагиларни билиши керак: бошқа хўжалик субъектларидан корхоналар функциялари ва белгиларини; корхоналар фаолиятига тааллуқли ва унга алоқаси бўлган қонунлар ва қонун ҳужжатларини; курсда ўрганиладиган муаммо ва вазифаларни мантиқий, кетма-кетлигини ва ўзаро алоқадорлигиини; турли хил иқтисодий ва ташкилий-техникавий тадбирларни мустақил ҳисоблаш ва тўғри таҳлил қилиш услубларини; олинган билимларни ишлаб чиқариш амалиётида қўллашни; курсда кўзда тутилган мустақил ишларни ўз вақтида ва сифатли бажариш қобилиятига эга бўлишлари керак.

Бу фанни ўқитиш даврида “Иқтисодиёт назарияси”, “Саноат иқтисодиёти”, “Маркетинг”, “Менежмент”, “Бизнес-режа”, “Персонални бошқариш” ва шу каби бошқа фанлар билан бирга алоқадор ҳолда ўрганиб борилади.

2. ФАННИНГ МАЪРУЗА, АМАЛИЙ (СЕМИНАР) МАШ/УЛОТЛАРИ МАВЗУЛАРИНИНГ СОАТЛАР БЎЙИЧА ТАҚСИМОТИ ЖАДВАЛИ

| № | Мавзунинг номи | Аудитория соатлари | |
|----|--|--------------------|---------|
| | | Маъруза | Семинар |
| 1. | «Корхона иқтисодиёти» курсининг мазмуни ва вазифалари | 2 | 2 |
| 2. | Корхона – мустақил хўжалик юритувчи бозор субъекти | 2 | 2 |
| 3. | Корхонани ташкил этиш ва унинг фаолиятини тутатиш | 2 | 2 |
| 4. | Корхонани бошқариш | 2 | 2 |
| 5. | Корхона фаолиятини режалаштириш ва башорат қилиш | 4 | 4 |
| 6. | Ишлаб чиқаришнинг иқтисодий ва ижтимоий самараадорлиги | 2 | 2 |

| | | | |
|--------------|--|-----------|-----------|
| 7. | Корхонанинг асосий фондлари ва ишлаб чиқариш қуввати (янги педагогик технологиялар асосида)* | 4 | 4 |
| 8. | Корхонанинг айланма маблағлари | 4 | 4 |
| 9. | Корхонада кадрлар ва меҳнатга ҳақ тўлаш | 4 | 4 |
| 10. | Корхона фаолиятини харажатлари, даромади ва рентабеллиги | 4 | 4 |
| 11. | Корхонанинг инвестициявий фаолияти | 4 | 4 |
| 12. | Корхонанинг хавфсизлиги ва тижорат сири | 2 | 2 |
| ЖАМИ: | | 36 | 36 |

3. МАЪРУЗА МАШ/УЛОТЛАРИ РЕЖАСИ.
Маъруза машғулотлари мавзуларининг соатлар бўйича тақсимоти жадвали

| Маъруза тартиб рақами | Наъмунавий ўқув дастуридаги мавзунинг тартиб рақами | Мавзуларнинг номи | Ажратилган соатлар |
|-----------------------|---|--|--------------------|
| 1 | 1 | «Корхона иқтисодиёти» курсининг мазмуни ва вазифалари | 2 |
| 2 | 2 | Корхона – мустақил хўжалик юритувчи бозор субъекти | 2 |
| 3 | 3 | Корхонани ташкил этиш ва унинг фаолиятини тугатиш | 2 |
| 4 | 4 | Корхонани бошқариш | 2 |
| 5-6 | 5 | Корхона фаолиятини режалаштириш ва башорат қилиш | 4 |
| 7 | 6 | Ишлаб чиқаришнинг иқтисодий ва ижтимоий самарадорлиги | 2 |
| 8-9 | 7 | Корхонанинг асосий фондлари ва ишлаб чиқариш қуввати | 4 |
| 10-11 | 8 | Корхонанинг айланма маблағлари | 4 |
| 12-13 | 9 | Корхонада кадрлар ва меҳнатга ҳақ тўлаш | 4 |
| 14-15 | 10 | Корхона фаолиятини харажатлари, даромади ва рентабеллиги | 4 |
| 16-17 | 11 | Корхонанинг инвестициявий фаолияти | 4 |
| 18 | 12 | Корхонанинг хавфсизлиги ва тижорат сири | 2 |

1-мавзу: «Корхона иқтисодиёти» курсининг мазмуни ва вазифалари» (2 соат)

- Иқтисодиёт фан ва ишлаб чиқариш фаолиятининг соҳаси сифатида.
- «Корхона иқтисодиёти» – иқтисодий фаннинг таркибий қисми ва билимлар соҳаси таркибий қисми.
- «Корхона иқтисодиёти» курсининг мазмуни, вазифалари ва бошқа фанлар билан алоқаси.

* Методик ишланманинг қисқача варианти 1-иловада келтирилган

Тавсия этилган адабиётлар

1. «Тадбиркорлик субъектларини ҳуқуқий ҳимоя қилиш тизимларини янада такомиллаштириш чора тадбирлари тўғрисида»ги Ўзбекистон Республикаси Президентининг 2005 йил 14 июндаги ПФ-3619-сонли Фармони // Халқ сўзи, 16 июнь, №115.
2. «Бозор ислоҳотларини чуқурлаштириш ва иқтисодиётни янада эркинлаштириш соҳасидаги устувор йўналишлар амалга оширилишини жадаллаштириш чора-тадбирлари тўғрисида»ги Ўзбекистон Республикаси Президентининг 2005 йил 14 июндаги Фармони // Халқ сўзи, 15 июнь.
3. «Микрофирмалар ва кичик корхоналарни ривожлантиришни рағбатлантиришдаги қўшимча чора-тадбирлар тўғрисида»ги Ўзбекистон Республикаси Президентининг 2005 йил 20 июндаги ПФ-620-сонли Фармони // Халқ сўзи, 21 июнь, №118.
4. Ўзбекистон Республикасининг “Хусусий корхоналар тўғрисида”ги Конуни. Конун ва қарорлар. Т., “Ўзбекистон”, 2004., №3
5. Махмудов Э.Х. Корхона иқтисодиёти: Ўқув.қўлл. –Т.: Ўзбекистон ёзувчилар ўюшмаси Адабиёт жамғармаси нашриёти, 2004.
6. <http://www.harvard.edu>
7. <http://www.capitul.ru>
8. <http://www.5b.ru>
9. [http://www.audit - center. ru](http://www.audit-center.ru)

2-мавзу: «Корхона – мустақил хўжалик юритувчи бозор субъекти» (2 соат)

1. Миллий иқтисодиёт ривожланишида корхонанинг ўрни ва роли.
2. Корхонанинг белгилари, функциялари ва вазифалари.
3. Корхоналарни таснифлаш.
4. Корхона тузилмаси ва уни белгиловчи омиллар.

Тавсия этилган адабиётлар

1. «Тадбиркорлик субъектларини ҳуқуқий ҳимоя қилиш тизимларини янада такомиллаштириш чора тадбирлари тўғрисида»ги Ўзбекистон Республикаси Президентининг 2005 йил 14 июндаги ПФ-3619-сонли Фармони // Халқ сўзи, 16 июнь, №115.
2. «Бозор ислоҳотларини чуқурлаштириш ва иқтисодиётни янада эркинлаштириш соҳасидаги устувор йўналишлар амалга оширилишини жадаллаштириш чора-тадбирлари тўғрисида»ги Ўзбекистон Республикаси Президентининг 2005 йил 14 июндаги Фармони // Халқ сўзи, 15 июнь.
3. «Микрофирмалар ва кичик корхоналарни ривожлантиришни рағбатлантиришдаги қўшимча чора-тадбирлар тўғрисида»ги Ўзбекистон Республикаси Президентининг 2005 йил 20 июндаги ПФ-620-сонли Фармони // Халқ сўзи, 21 июнь, №118.
4. И.А. Каримов. Ўзбекистон – бозор муносабатларига ўтишнинг ўзига хос йўли. Т., “Ўзбекистон”, 1993.
5. Ўзбекистон Республикасининг “Хусусий корхоналар тўғрисида”ги Конуни. Конун ва қарорлар. Т., “Ўзбекистон”, 2004., №3
6. Махмудов Э.Х. Корхона иқтисодиёти: Ўқув.қўлл. –Т.: Ўзбекистон ёзувчилар ўюшмаси Адабиёт жамғармаси нашриёти, 2004.
7. Абдукаримов И.Т. ва бошқалар Корхона иқтисодий салоҳияти таҳлили. Т.: «Иқтисодиёт ва ҳуқуқ дунёси» нашриёт уйи, 2003.
8. «Ўз Ишингизни яратинг ёки тадбиркор нималарни билиши лозим» - Тошкент шаҳри, ЮНИДО, «Бизнес маслаҳат маркази» лойиҳаси, 2003й.
9. <http://www.harvard.edu>
10. <http://www.capitul.ru>
11. <http://www.5b.ru>
12. [http://www.audit - center. ru](http://www.audit-center.ru)

**3-мавзу: «Корхонани ташкил этиш ва унинг фаолиятини тугатиш»
(2 соат)**

1. Корхонани ташкил қилиш тамойиллари.
2. Таъсис ҳужжатлари.
3. Корхоналарнинг давлат томонидан рўйхатга олиниши.
4. Корхоналарни тугатиш ва қайта ташкил қилиш.

Тавсия этилган адабиётлар

1. «Бозор ислоҳотларини чуқурлаштириш ва иқтисодиётни янада эркинлаштириш соҳасидаги устувор йўналишлар амалга оширилишини жадаллаштириш чора-тадбирлари тўғрисида»ги Ўзбекистон Республикаси Президентининг 2005 йил 14 июндаги Фармони // Халқ сўзи, 15 июнь.

2. «Микрофирмалар ва кичик корхоналарни ривожлантиришни рағбатлантиришдаги қўшимча чора-тадбирлар тўғрисида»ги Ўзбекистон Республикаси Президентининг 2005 йил 20 июндаги ПФ-620-сонли Фармони // Халқ сўзи, 21 июнь, №118.

3. Ўзбекистон Республикасининг “Хусусий корхоналар тўғрисида”ги Қонуни. Қонун ва қарорлар. Т., “Ўзбекистон”, 2004., №3

4. Махмудов Э.Х. Корхона иқтисодиёти: Ўқув.қўлл. –Т.: Ўзбекистон ёзувчилар уюшмаси Адабиёт жамғармаси нашриёти, 2004.

5. «Ўз Ишингизни яратинг ёки тадбиркор нималарни билиши лозим» - Тошкент шаҳри, ЮНИДО, «Бизнес маслаҳат маркази» лойиҳаси, 2003й.

6. <http://www.harvard.edu>

7. <http://www.capitul.ru>

8. <http://www.5b.ru>

9. <http://www.audit-center.ru>

4-мавзу: «Корхонани бошқариш» (2 соат)

1. Бошқарув замонавий корхоналар фаолиятида объектив зарурият сифатида.

2. Бозор муносабатлари шароитларида корхонани бошқаришнинг тамойиллари, мақсад ва вазифалари.

3. Бошқарувнинг ташкилий тузилмалари ва функциялари.

4. Корхонани бошқаришнинг ўзига хос хусусиятлари.

5. Корхонани бошқаришни такомиллаштиришнинг асосий йўналишлари.

Тавсия этилган адабиётлар

1. «Бозор ислоҳотларини чуқурлаштириш ва иқтисодиётни янада эркинлаштириш соҳасидаги устувор йўналишлар амалга оширилишини жадаллаштириш чора-тадбирлари тўғрисида»ги Ўзбекистон Республикаси Президентининг 2005 йил 14 июндаги Фармони // Халқ сўзи, 15 июнь.

2. Махмудов Э.Х. Корхона иқтисодиёти: Ўқув.қўлл. –Т.: Ўзбекистон ёзувчилар уюшмаси Адабиёт жамғармаси нашриёти, 2004.

3. «Ўз Ишингизни яратинг ёки тадбиркор нималарни билиши лозим» - Тошкент шаҳри, ЮНИДО, «Бизнес маслаҳат маркази» лойиҳаси, 2003й.

4. В. Г. Грузинов. Экономика предприятия Учебник 2-е изд. М.: «Юнити Дана» 2003.

5. Экономика предприятия. 3-е изд., перераб. и доп. Учебник для вузов / Под ред. проф. В.Я. Горфинкеля, проф. В.А.Швандара М.: ЮНИТИ-ДАНА 2004.

6. <http://www.harvard.edu>

7. <http://www.capitul.ru>

8. <http://www.5b.ru>

9. <http://www.audit-center.ru>

5-мавзу: «Корхонани фаолиятини режалаштириш ва башорат қилиш» (4 соат)

1-машгулом (2 соат)

1. Бозор иқтисодиёти шароитларида режалаштириш ва башорат қилишнинг иқтисодий табиати ва объектив зарурияти.
2. Корхонада режалаштиришнинг услугий асослари, тамойиллари ва вазифалари.
3. Корхона ишлаб чиқариш дастурини тайёрлаш.

2-машгулом (2 соат)

1. Режалаштириш технологияси ва корхона режалари тузилмаси.
2. Бизнес-режа, унинг мазмуни ва ишлаб чиқиш тартиби.
3. Корхоналарда режалаштириш ва башорат қилиш.

Тавсия этилган адабиётлар

1. «Тадбиркорлик субъектлари томонидан тақдим этиладиган ҳисобот тизимини такомиллаштириш ва уни ноқонуний талаб этганлик учун жавобгарликни кучайтириш тўғрисида»га Ўзбекистон Республикаси Президентининг 2005 йил 15 июндаги Қарори // Халқ сўзи, 17 июнь, №116.

2. «Бозор ислоҳотларини чуқурлаштириш ва иқтисодиётни янада эркинлаштириш соҳасидаги устувор йўналишлар амалга оширилишини жадаллаштириш чора-тадбирлари тўғрисида»ги Ўзбекистон Республикаси Президентининг 2005 йил 14 июндаги Фармони // Халқ сўзи, 15 июнь.

3. «Микрофирмалар ва кичик корхоналарни ривожлантиришни рағбатлантиришдаги қўшимча чора-тадбирлар тўғрисида»ги Ўзбекистон Республикаси Президентининг 2005 йил 20 июндаги ПФ-620-сонли Фармони // Халқ сўзи, 21 июнь, №118.

4. Ўзбекистон Республикасининг “Хусусий корхоналар тўғрисида”ги Қонуни. Қонун ва қарорлар. Т., “Ўзбекистон”, 2004., №3

5. Махмудов Э.Х. Корхона иқтисодиёти: Ўқув.кўлл. –Т.: Ўзбекистон ёзувчилар уюшмаси Адабиёт жамғармаси нашриёти, 2004.

6. Акромов Э.А Корхоналарнинг молиявий холати таҳлили. – Т.: Молия, 2003.-223 б.

7. Абдукаримов И.Т. ва бошқалар Корхона иқтисодий салоҳияти таҳлили. Т.: «Иқтисодиёт ва ҳуқуқ дунёси» нашриёт уйи, 2003.

8. «Ўз Ишингизни яратинг ёки тадбиркор нималарни билиши лозим» - Тошкент шаҳри, ЮНИДО, «Бизнес маслаҳат маркази» лойиҳаси, 2003й.

9. В. Г. Грузинов. Экономика предприятия Учебник 2-е изд. М.: «Юнити Дана» 2003.

10. Экономика предприятия. 3-е изд., перераб. и доп. Учебник для вузов / Под ред. проф. В.Я. Горфинкеля, проф. В.А.Швандара М.: ЮНИТИ-ДАНА 2004.

11. <http://www.harvard.edu>

12. <http://www.capitul.ru>

13. <http://www.5b.ru>

14. <http://www.audit-center.ru>

6-мавзу: «Ишлаб чиқаришнинг иқтисодий ва ижтимоий самарадорлиги» (2 соат)

1. Самарадорлик – корхона ишлаб чиқариш фаолиятида муҳим ўлчов бирлигидир.

2. Хўжалик юритиш самарадорлигининг мезон ва қўрсаткичлари.

3. Корхона фаолияти самарадорлигини ошириш йўллари ва омиллари.

Тавсия этилган адабиётлар

1. «Бозор ислоҳотларини чуқурлаштириш ва иқтисодиётни янада эркинлаштириш соҳасидаги устувор йўналишлар амалга оширилишини жадаллаштириш чора-тадбирлари тўғрисида»ги Ўзбекистон Республикаси Президентининг 2005 йил 14 июндаги Фармони // Халқ сўзи, 15 июнь.

2. Махмудов Э.Х. Корхона иқтисодиёти: Ўқув.қўлл. –Т.: Ўзбекистон ёзувчилар уюшмаси Адабиёт жамғармаси нашриёти, 2004.

3. Акромов Э.А Корхоналарнинг молиявий холати таҳлили. – Т.: Молия, 2003.-223 б.

4. Маҳсулот (ишлар, хизматлар)ни ишлаб чиқариш ва сотиш харажатлари таркиби ҳамда молиявий натижаларни шаклантириш тартиби туғрисадаги Низом. -Т.: 1999, 5 февраль.

5. Абдукаримов И.Т. ва бошқалар Корхона иқтисодий салоҳияти таҳлили. Т.: «Иқтисодиёт ва ҳуқук дунёси» нашриёт уйи, 2003.

6. «Ўз Ишингизни яратинг ёки тадбиркор нималарни билиши лозим» - Тошкент шаҳри, ЮНИДО, «Бизнес маслаҳат маркази» лойиҳаси, 2003й.

7. В. Г. Грузинов. Экономика предприятия Учебник 2-е изд. М.: «Юнити Дана» 2003.

8. Экономика предприятия. 3-е изд., перераб. и доп. Учебник для вузов / Под ред. проф. В.Я. Горфинкеля, проф. В.А.Швандара М.: ЮНИТИ-ДАНА 2004.

9. <http://www.harvard.edu>

10. <http://www.capitul.ru>

11. <http://www.5b.ru>

7-мавзу: «Корхонанинг асосий фондлари ва ишлаб чиқариш қуввати» (4 соат)

1-машғулот (2 соат)

1. Асосий фондларнинг моҳияти ва уларнинг корхона фаолиятидаги ўрни.

2. Корхонада асосий фондларнинг эскириши, уларни баҳолаш ва таъмирлаш.

3. Асосий фондлардан фойдаланишни яхшилаш йўллари ва кўрсаткичлари.

4. Корхонанинг ишлаб чиқариш қуввати.

2-машғулот (2 соат)

1. Корхонада асосий воситалар ҳолатини ифодаловчи кўрсаткичлар.

2. Корхонада асосий воситалар билан таъминланганликни ифодаловчи кўрсаткичлар.

3. Корхонада асосий воситалар самарадорлигини ифодаловчи кўрсаткичлар.

Тавсия этилган адабиётлар

1. «Бозор ислоҳотларини чуқурлаштириш ва иқтисодиётни янада эркинлаштириш соҳасидаги устувор йўналишлар амалга оширилишини жадаллаштириш чора-тадбирлари тўғрисида»ги Ўзбекистон Республикаси Президентининг 2005 йил 14 июндаги Фармони // Халқ сўзи, 15 июнь.

2. Махмудов Э.Х. Корхона иқтисодиёти: Ўқув.қўлл. –Т.: Ўзбекистон ёзувчилар уюшмаси Адабиёт жамғармаси нашриёти, 2004.

3. Акромов Э.А Корхоналарнинг молиявий холати таҳлили. – Т.: Молия, 2003.-223 б.

4. Маҳсулот (ишлар, хизматлар)ни ишлаб чиқариш ва сотиш харажатлари таркиби ҳамда молиявий натижаларни шаклантириш тартиби туғрисадаги Низом. -Т.: 1999, 5 февраль.

5. Абдукаримов И.Т. ва бошқалар Корхона иқтисодий салоҳияти таҳлили. Т.: «Иқтисодиёт ва ҳуқук дунёси» нашриёт уйи, 2003.
6. «Ўз Ишингизни яратинг ёки тадбиркор нималарни билиши лозим» - Тошкент шаҳри, ЮНИДО, «Бизнес маслаҳат маркази» лойиҳаси, 2003й.
7. В. Г. Грузинов. Экономика предприятия Учебник 2-е изд. М.: «Юнити Дана» 2003.
8. Экономика предприятия. 3-е изд., перераб. и доп. Учебник для вузов / Под ред. проф. В.Я. Горфинкеля, проф. В.А.Швандара М.: ЮНИТИ-ДАНА 2004.
9. <http://www.harvard.edu>
10. <http://www.capitul.ru>
11. <http://www.5b.ru>
12. <http://www.audit-center.ru>

8-мавзу: «Корхонанинг айланма маблағлари» (4 соат)

1-машгулом (2 соат)

1. Айланма маблағлар тушунчаси, иқтисодий табиати ва уларнинг корхона фаолиятидаги аҳамияти.
2. Айланма маблағларнинг тузилмаси ва харакати ҳамда уларнинг корхона иқтисодиётига таъсири.
3. Айланма маблағларни нормалаштириш.
4. Айланма маблағлардан фойдаланиш кўрсаткичлари ва уларнинг айланнишини тезлаштириш йўллари.

2-машгулом (2 соат)

1. Корхонада айланма маблағлар ҳолатини ифодаловчи кўрсаткичлар.
2. Корхонада айланма маблағлар билан таъминланганликни ифодаловчи кўрсаткичлар.
3. Корхонада айланма маблағлар самарадорлигини ифодаловчи кўрсаткичлар

Тавсия этилган адабиётлар

1. «Бозор ислоҳотларини чуқурлаштириш ва иқтисодиётни янада эркинлаштириш соҳасидаги устувор йўналишлар амалга оширилишини жадаллаштириш чора-тадбирлари тўғрисида»ги Ўзбекистон Республикаси Президентининг 2005 йил 14 июндаги Фармони // Халқ сўзи, 15 июнь.
2. Ўзбекистон Республикасининг “Хусусий корхоналар тўғрисида”ги Қонуни. Қонун ва қарорлар. Т., “Ўзбекистон”, 2004., №3
3. Махмудов Э.Х. Корхона иқтисодиёти: Ўқув.қўлл. –Т.: Ўзбекистон ёзувчилар уюшмаси Адабиёт жамғармаси нашриёти, 2004.
4. Акромов Э.А Корхоналарнинг молиявий холати таҳлили. – Т.: Молия, 2003.-223 б.
5. Маҳсулот (ишлар, хизматлар)ни ишлаб чиқариш ва сотиш харажатлари таркиби ҳамда молиявий натижаларни шаклантириш тартиби туғрисадаги Низом. -Т.: 1999, 5 февраль.
6. Абдукаримов И.Т. ва бошқалар Корхона иқтисодий салоҳияти таҳлили. Т.: «Иқтисодиёт ва ҳуқук дунёси» нашриёт уйи, 2003.
7. «Ўз Ишингизни яратинг ёки тадбиркор нималарни билиши лозим» - Тошкент шаҳри, ЮНИДО, «Бизнес маслаҳат маркази» лойиҳаси, 2003й.
8. Экономика предприятия. 3-е изд., перераб. и доп. Учебник для вузов / Под ред. проф. В.Я. Горфинкеля, проф. В.А.Швандара М.: ЮНИТИ-ДАНА 2004.
9. В. Г. Грузинов. Экономика предприятия Учебник 2-е изд. М.: «Юнити Дана» 2003.
10. <http://www.harvard.edu>
11. <http://www.capitul.ru>

12. <http://www.5b.ru>
13. <http://www.audit-center.ru>

9-мавзу: «Корхонада кадрлар ва меҳнатга ҳақ тўлаш» (4 соат)

1-машгулом (2 соат)

1. Корхонанинг кадрлар салоҳияти.
2. Бозор иқтисодиёти шароитларида корхонанинг кадрлар сиёсати.
3. Корхонада меҳнатга ҳақ тўлаш.

2-машгулом (2 соат)

1. Корхона меҳнат салоҳияти самарадорлигини баҳолаш мезонлари.
2. Меҳнат салоҳиятини ифодаловчи кўрсаткичлар, уларнинг таснифи ва аниқлаш йўллари.
3. Меҳнат мотивацияси, типлари ва омиллари.

Тавсия этилган адабиётлар

1. «Тадбиркорлик субъектларини ҳуқуқий ҳимоя қилиш тизимларини янада такомиллаштириш чора тадбирлари тўғрисида»ги Ўзбекистон Республикаси Президентининг 2005 йил 14 июндаги ПФ-3619-сонли Фармони // Халқ сўзи, 16 июнь, №115.
2. Ўзбекистон Республикасининг “Хусусий корхоналар тўғрисида”ти Конуни. Конун ва қарорлар. Т., “Ўзбекистон”, 2004., №3
3. Махмудов Э.Х. Корхона иқтисодиёти: Ўқув.қўлл. –Т.: Ўзбекистон ёзувчилар уюшмаси Адабиёт жамгармаси нашриёти, 2004.
4. Маҳсулот (ишлар, хизматлар)ни ишлаб чиқариш ва сотиш харажатлари таркиби ҳамда молиявий натижаларни шаклантириш тартиби туғрисадаги Низом. -Т.: 1999, 5 февраль.
5. Абдукаримов И.Т. ва бошқалар Корхона иқтисодий салоҳияти таҳлили. Т.: «Иқтисодиёт ва ҳуқук дунёси» нашриёт уйи, 2003.
6. «Ўз Ишингизни яратинг ёки тадбиркор нималарни билиши лозим» - Тошкент шаҳри, ЮНИДО, «Бизнес маслаҳат маркази» лойиҳаси, 2003й.
7. Заработка плата на предприятия / Хасанов Н.Х., Хайдаров Ш.У, Югай Л.П. – Т.: издательский дом “Мир экономики и права”, 2004
8. Экономика предприятия. 3-е изд., перераб. и доп. Учебник для вузов / Под ред. проф. В.Я. Горфинкеля, проф. В.А.Швандара М.: ЮНИТИ-ДАНА 2004.
9. <http://www.harvard.edu>
10. <http://www.capitul.ru>
11. <http://www.5b.ru>
12. <http://www.audit-center.ru>

10-мавзу: «Корхона фаолиятини харажатлари, даромади ва рентабеллиги» (4 соат)

1-машгулом

1. Харажатлар тушунчаси ва унинг таснифланиши.
2. Фойда ва унинг шаклланиш манбалари, тақсимланиш тартиби ва кўпайтириш йўллари.
3. Рентабелликнинг моҳияти ва кўрсаткичлари.

2-машгулом (2 соат)

1. Фойда даражасини белгиловчи омиллар
2. Рентабелликнинг асосий кўрсаткичлари ва уларни хисоблаш услуби.

3. Ишлаб чиқариш харажатларини ҳисоблаш услуги ва маҳсулот бирлиги таннархи калкуляцияси.

Тавсия этилган адабиётлар

1. «Бозор ислоҳотларини чуқурлаштириш ва иқтисодиётни янада эркинлаштириш соҳасидаги устувор йўналишлар амалга оширилишини жадаллаштириш чора-тадбирлари тўғрисида»ги Ўзбекистон Республикаси Президентининг 2005 йил 14 июндаги Фармони // Халқ сўзи, 15 июнь.

2. Махмудов Э.Х. Корхона иқтисодиёти: Ўқув.қўлл. –Т.: Ўзбекистон ёзувчилар уюшмаси Адабиёт жамғармаси нашриёти, 2004.

3. Акромов Э.А Корхоналарнинг молиявий холати таҳлили. – Т.: Молия, 2003.-223 б.

4. Маҳсулот (ишлар, хизматлар)ни ишлаб чиқариш ва сотиш харажатлари таркиби ҳамда молиявий натижаларни шаклантириш тартиби туғрисадаги Низом. -Т.: 1999, 5 февраль.

5. Абдукаримов И.Т. ва бошқалар Корхона иқтисодий салоҳияти таҳлили. Т.: «Иқтисодиёт ва ҳуқуқ дунёси» нашриёт уйи, 2003.

6. «Ўз Ишингизни яратинг ёки тадбиркор нималарни билиши лозим» - Тошкент шаҳри, ЮНИДО, «Бизнес маслаҳат маркази» лойиҳаси, 2003й.

7. <http://www.harvard.edu>

8. <http://www.capitul.ru>9. <http://www.5b.ru>10. <http://www.audit-center.ru>

11-мавзу: «Корхонанинг инвестицион фаолияти» (4 соат)

1-машгулом (2 соат)

1. Инвестициялар корхона ишлаб чиқариш салоҳиятини ривожлантириш ва мустаҳкамлаш воситаси сифатида.

2. Корхонада инвестициялашнинг асосий манбалари ва йўналишлари.

3. Инвестицияларнинг иқтисодий самарадорлигини баҳолаш.

2-машгулом (2 соат)

1. Инвестицияларнинг иқтисодий самарадорлигини баҳолаш услублари.

2. Корхонада инвестициялар портфелини шаклантириш.

3. Капитал қўйилмалар бўйича инвестиция қарорларини тайёрлаш.

Тавсия этилган адабиётлар

1.Ўзбекистон Республикаси Президенти И. Каримовнинг 2005 йил 11 апрелдаги «Тўғридан-тўғри хусусий хорижий инвестицияларни жалб этишни рағбатлантириш борасидаги қўшимча чора-тадбирлар тўғрисида»ги Фармони// Халқ сўзи, 12 апрел 2005 й.

2.«Ўзбекистон республикасининг 2005 йилги инвестиция Дастури тўғрисида» Ўзбекистон республикаси Вазирлар Маҳкамасининг қарори 30.11.2004 й. № 560

3. «Бозор ислоҳотларини чуқурлаштириш ва иқтисодиётни янада эркинлаштириш соҳасидаги устувор йўналишлар амалга оширилишини жадаллаштириш чора-тадбирлари тўғрисида»ги Ўзбекистон Республикаси Президентининг 2005 йил 14 июндаги Фармони // Халқ сўзи, 15 июнь.

4.Махмудов Э.Х. Корхона иқтисодиёти: Ўқув.қўлл. –Т.: Ўзбекистон ёзувчилар уюшмаси Адабиёт жамғармаси нашриёти, 2004.

5.Расулов Н.Н. Стимулирование привлечения иностраннўх инвестиций в экономику Узбекистан. –Т.: Фан, 2003.

6.Вахрин П.И. Инвестиции: Практический задачи и конкретнўе ситуации. Учеб. пос. –М.: «Дашков и К», 2003.

7. Экономика предприятия. 3-е изд., перераб. и доп. Учебник для вузов / Под ред. проф. В.Я. Горфинкеля, проф. В.А.Швандара М.: ЮНИТИ-ДАНА 2004.
8. В. Г. Грузинов. Экономика предприятия Учебник 2-е изд. М.: «Юнити Дан» 2003.
9. <http://www.harvard.edu>
10. <http://www.capitul.ru>
11. <http://www.5b.ru>
12. <http://www.audit-center.ru>

12-мавзу: «Корхонанинг хавфсизлиги ва тижорат сири» (2 соат)

1. Корхона хавфсизлигини таъминлашнинг мақсади, вазифалари ва тамоиллари.
2. Корхона хавфсизлигини таъминлашнинг ташкил этиш ва бошқариш.
3. Корхона хавфсизлик хизматлари, унинг тузилиши ва вазифалари.
4. Корхонанинг тижорат сирлари.

Тавсия этилган адабиётлар

1. «Тадбиркорлик субъектларини ҳуқуқий ҳимоя қилиш тизимларини янада такомиллаштириш чора тадбирлари тўғрисида»ги Ўзбекистон Республикаси Президентининг 2005 йил 14 июндаги ПФ-3619-сонли Фармони // Халқ сўзи, 16 июнь, №115.
2. «Тадбиркорлик субъектлари томонидан тақдим этиладиган ҳисобот тизимини такомиллаштириш ва уни ноқонуний талаб этганлик учун жавобгарликни кучайтириш тўғрисида»га Ўзбекистон Республикаси Президентининг 2005 йил 15 июндаги Қарори // Халқ сўзи, 17 июнь, №116.
3. «Бозор ислохотларини чукурлаштириш ва иқтисодиётни янада эркинлаштириш соҳасидаги устувор йўналишлар амалга оширилишини жадаллаштириш чора-тадбирлари тўғрисида»ги Ўзбекистон Республикаси Президентининг 2005 йил 14 июндаги Фармони // Халқ сўзи, 15 июнь.
4. «Тадбиркорлик субъектларининг хўжалик соҳасидаги ҳукуқбузарликлари учун молиявий жавобгарлигини эркинлаштириш тўғрисида»ги Ўзбекистон Республикаси Президентининг 2005 йил 24 июндаги Фармони // Халқ сўзи, 25июнь, №122.
5. Махмудов Э.Х. Корхона иқтисодиёти: Ўқув.қўлл. –Т.: Ўзбекистон ёзувчилар ўюшмаси Адабиёт жамғармаси нашриёти, 2004.
6. <http://www.harvard.edu>
7. <http://www.capitul.ru>
8. <http://www.5b.ru>
9. <http://www.audit-center.ru>

4. Амалий (семинар) машғулотлари режалари

Семинар ва амалий машғулотлар таълим жараёнининг давоми бўлигина қолмай, балки фаннинг у ёки бу мавзуси (муаммоси) бўйича маъruzalardan олинган маълумотларни мукаммаллаштиришга ёрдам беради. Семинар ва амалий машғулотларда ташаббус талabalарга берилади, улар муҳокама қилинадиган назарий мавзулар бўйича ўз фикрлари ва қарашларини билдирадилар ҳамда ушбу машғулотни олиб бараётган ўқитувчи раҳбарлигига турли хил масалаларни ечиб борадилар.

Амалий (семинар) машғулотлари мавзуларининг соатлар бўйича тақсимоти жадвали

| Амалий (семи-нар) машғулотла ри тартиб рақами | Наъмунавий ўқув дастуридаги мавзунинг тартиб рақами | Мавзуларнинг номи | Ажра- тилган соат- лар |
|---|--|---|---------------------------------|
| 1 | 1 | «Корхона иқтисодиёти» курсининг мазмуни ва вазифалари | 2 |
| 2 | 2 | Корхона – мустақил хўжалик юритувчи бозор субъекти | 2 |
| 3 | 3 | Корхонани ташкил этиш ва унинг фаолиятини тугатиш | 2 |
| 4 | 4 | Корхонани бошқариш | 2 |
| 5-6 | 5 | Корхона фаолиятини режалаштириш ва башпорат қилиш | 4 |
| 7 | 6 | Ишлаб чиқаришнинг иқтисодий ва ижтимоий самарадорлиги | 2 |
| 8-9 | 7 | Корхонанинг асосий фондлари ва ишлаб чиқариш қуввати | 4 |
| 10-11 | 8 | Корхонанинг айланма маблағлари | 4 |
| 12-13 | 9 | Корхонада кадрлар ва меҳнатга ҳақ тўлаш | 4 |
| 14-15 | 10 | Корхона фаолиятини харажатлари, даромади ва рентабеллиги | 4 |
| 16-17 | 11 | Корхонанинг инвестициявий фаолияти | 4 |
| 18 | 12 | Корхонанинг хавфсизлиги ва тижорат сири | 2 |

**1-мавзу: «Корхона иқтисодиёти» курсининг мазмуни ва вазифалари»
(семинар машғулот - 2 соат)**

1. Иқтисодиёт фан ва ишлаб чиқариш фаолиятининг соҳаси сифатида.
2. «Корхона иқтисодиёти» – иқтисодий фаннинг таркибий қисми ва билимлар соҳаси таркибий қисми.
3. «Корхона иқтисодиёти» курсининг мазмуни, вазифалари ва бошқа фанлар билан алоқаси.

Тавсия этилган адабиётлар

1. «Тадбиркорлик субъектларини ҳуқуқий ҳимоя қилиш тизимларини янада такомиллаштириш чора тадбирлари тўғрисида»ги Ўзбекистон Республикаси Президентининг 2005 йил 14 июндаги ПФ-3619-сонли Фармони // Халқ сўзи, 16 июнь, №115.
2. «Бозор ислоҳотларини чукурлаштириш ва иқтисодиётни янада эркинлаштириш соҳасидаги устувор йўналишлар амалга оширилишини жадаллаштириш чора-тадбирлари тўғрисида»ги Ўзбекистон Республикаси Президентининг 2005 йил 14 июнданги Фармони // Халқ сўзи, 15 июнь.
3. «Микро фирмалар ва кичик корхоналарни ривожлантиришни рафбатлантиришдаги қўшимча чора-тадбирлар тўғрисида»ги Ўзбекистон Республикаси Президентининг 2005 йил 20 июнданги ПФ-620-сонли Фармони // Халқ сўзи, 21 июнь, №118.
4. Ўзбекистон Республикасининг “Хусусий корхоналар тўғрисида”ги Қонуни ва қарорлар. Т., “Ўзбекистон”, 2004., №3
5. Махмудов Э.Х. Корхона иқтисодиёти: Ўқув.кўлл. –Т.: Ўзбекистон ёзувчилар уюшмаси Адабиёт жамғармаси нашриёти, 2004.

6. <http://www.harvard.edu>
7. <http://www.capitul.ru>
8. <http://www.5b.ru>
9. <http://www.audit-center.ru>

2-мавзу: «Корхона – мустақил хўжалик юритувчи бозор субъекти» (семинар машғулот - 2 соат)

1. Миллий иқтисодиёт ривожланишида корхонанинг ўрни ва роли.
2. Корхонанинг белгилари, функциялари ва вазифалари.
3. Корхоналарни таснифлаш.
4. Корхона тузилмаси ва уни белгиловчи омиллар.

Тавсия этилган адабиётлар

1. «Бозор ислоҳотларини чуқурлаштириш ва иқтисодиётни янада эркинлаштириш соҳасидаги устувор йўналишлар амалга оширилишини жадаллаштириш чора-тадбирлари тўғрисида»ги Ўзбекистон Республикаси Президентининг 2005 йил 14 июндаги Фармони // Халқ сўзи, 15 июнь.
 2. Махмудов Э.Х. Корхона иқтисодиёти: Ўқув.қўлл. –Т.: Ўзбекистон ёзувчилар уюшмаси Адабиёт жамғармаси нашриёти, 2004.
 3. Махмудов Э.Х., Исаков М.Ю., Нажимадинов Р. «Корхона иқтисодиёти» курси бўйича семинар машғулотлари ва амалий масалалар тўплами. - Т.: ТДИУ, 2005
 4. Акромов Э.А Корхоналарнинг молиявий холати таҳлили. – Т.: Молия, 2003.-223 б.
 5. Маҳсулот (ишлар, хизматлар)ни ишлаб чиқариш ва сотиш харажатлари таркиби ҳамда молиявий натижаларни шаклантириш тартиби туғрисадаги Низом. -Т.: 1999, 5 февраль.
 6. Абдукаримов И.Т. ва бошқалар Корхона иқтисодий салоҳияти таҳлили. Т.: «Иқтисодиёт ва ҳуқуқ дунёси» нашриёт уйи, 2003.
 7. «Ўз Ишингизни яратинг ёки тадбиркор нималарни билиши лозим» - Тошкент шаҳри, ЮНИДО, «Бизнес маслаҳат маркази» лойиҳаси, 2003й.
 8. В. Г. Грузинов. Экономика предприятия Учебник 2-е изд. М.: «Юнити Даны» 2003.
 9. Экономика предприятия. 3-е изд., перераб. и доп. Учебник для вузов / Под ред. проф. В.Я. Горфинкеля, проф. В.А.Швандара М.: ЮНИТИ-ДАНА 2004.
10. <http://www.harvard.edu>
 11. <http://www.capitul.ru>
 12. <http://www.5b.ru>
 13. <http://www.audit-center.ru>

3-мавзу: «Корхонани ташкил этиш ва унинг фаолиятини тугатиш» (семинар машғулот - 2 соат)

1. Корхонани ташкил қилиш тамойиллари.
2. Таъсис ҳужжатлари.
3. Корхоналарнинг давлат томонидан рўйхатга олиниши.
4. Корхоналарни тугатиш ва қайта ташкил қилиш.

Тавсия этилган адабиётлар

1. «Бозор ислоҳотларини чуқурлаштириш ва иқтисодиётни янада эркинлаштириш соҳасидаги устувор йўналишлар амалга оширилишини жадаллаштириш чора-тадбирлари тўғрисида»ги Ўзбекистон Республикаси Президентининг 2005 йил 14 июндаги Фармони // Халқ сўзи, 15 июнь.
2. Ўзбекистон Республикасининг “Хусусий корхоналар тўғрисида”ги Қонуни. Қонун ва қарорлар. Т., “Ўзбекистон”, 2004., №3

3. Махмудов Э.Х. Корхона иқтисодиёти: Ўқув.кўлл. –Т.: Ўзбекистон ёзувчилар уюшмаси Адабиёт жамғармаси нашриёти, 2004.
4. Махмудов Э.Х.,Исаков М.Ю., Нажимадинов Р. «Корхона иқтисодиёти» курси бўйича семинар машғулотлари ва амалий масалалар тўплами. - Т.: ТДИУ, 2005
5. Акромов Э.А Корхоналарнинг молиявий холати таҳлили. – Т.: Молия, 2003.-223 б.
6. Маҳсулот (ишлар, хизматлар)ни ишлаб чиқариш ва сотиш харажатлари таркиби ҳамда молиявий натижаларни шаклантириш тартиби туғрисадаги Низом. -Т.: 1999, 5 февраль.
7. Абдукаримов И.Т. ва бошқалар Корхона иқтисодий салоҳияти таҳлили. Т.: «Иқтисодиёт ва ҳуқуқ дунёси» нашриёт уйи, 2003.
8. «Ўз Ишингизни яратинг ёки тадбиркор нималарни билиши лозим» - Тошкент шаҳри, ЮНИДО, «Бизнес маслаҳат маркази» лойиҳаси, 2003й.
9. Экономика предприятия. З-е изд., перераб. и доп. Учебник для вузов / Под ред. проф. В.Я. Горфинкеля, проф. В.А.Швандара М.: ЮНИТИ-ДАНА 2004.
10. В. Г. Грузинов. Экономика предприятия Учебник 2-е изд. М.: «Юнити Дан» 2003.
11. <http://www.harvard.edu>
12. <http://www.capitul.ru>

4-мавзу: «Корхонани бошқариш» (семинар машғулот - 2 соат)

1. Бошқарув замонавий корхоналар фаолиятида объектив зарурият сифатида.
2. Бозор муносабатлари шароитларида корхонани бошқаришнинг тамойиллари, мақсад ва вазифалари.

3. Бошқарувнинг ташкилий тузилмалари ва функциялари.

4. Корхонани бошқаришнинг ўзига хос ҳусусиятлари.

5. Корхонани бошқаришни такомиллаштиришнинг асосий йўналишлари.

Тавсия этилган адабиётлар

1. «Бозор ислоҳотларини чўқурлаштириш ва иқтисодиётни янада эркинлаштириш соҳасидаги устувор йўналишлар амалга оширилишини жадаллаштириш чора-тадбирлари тўғрисида»ги Ўзбекистон Республикаси Президентининг 2005 йил 14 июндаги Фармони // Халқ сўзи, 15 июнь.
2. Махмудов Э.Х. Корхона иқтисодиёти: Ўқув.кўлл. –Т.: Ўзбекистон ёзувчилар уюшмаси Адабиёт жамғармаси нашриёти, 2004.
3. Махмудов Э.Х.,Исаков М.Ю., Нажимадинов Р. «Корхона иқтисодиёти» курси бўйича семинар машғулотлари ва амалий масалалар тўплами. - Т.: ТДИУ, 2005
4. «Ўз Ишингизни яратинг ёки тадбиркор нималарни билиши лозим» - Тошкент шаҳри, ЮНИДО, «Бизнес маслаҳат маркази» лойиҳаси, 2003й.
5. В. Г. Грузинов. Экономика предприятия Учебник 2-е изд. М.: «Юнити Дан» 2003.
6. Экономика предприятия. З-е изд., перераб. и доп. Учебник для вузов / Под ред. проф. В.Я. Горфинкеля, проф. В.А.Швандара М.: ЮНИТИ-ДАНА 2004.
7. <http://www.harvard.edu>
8. <http://www.capitul.ru>
9. <http://www.5b.ru>
10. <http://www.audit-center.ru>

5-мавзу: «Корхонани фаолиятини режалаштириш ва башорат қилиш» (4 соат)

Машғулот ақлий хужум шаклида олиб борилади.

Кичик гурухлар учун мухокама саволлари:

1-машгулом (2 соат)

1. Бозор иқтисодиёти шароитларида режалаштириш ва башорат қилишнинг иқтисодий табиати ва объектив зарурияти.

2. Корхонада режалаштиришнинг услугий асослари, тамойиллари ва вазифалари.

3. Корхона ишлаб чиқариш дастурини тайёрлаш.

2-машғулот (2 соат).

1. Режалаштириш технологияси ва корхона режалари тузилмаси.

2. Бизнес-режа, унинг мазмунни ва ишлаб чиқиш тартиби.

3. Корхоналарда режалаштириш ва башорат қилиш.

Тавсия этилган адабиётлар

1. «Тадбиркорлик субъектлари томонидан тақдим этиладиган ҳисобот тизимини такомиллаштириш ва уни ноқонуний талаб этганлик учун жавобгарликни кучайтириш тўғрисида»га Ўзбекистон Республикаси Президентининг 2005 йил 15 июндаги Қарори // Халқ сўзи, 17 июнь, №116.

2. «Бозор ислоҳотларини чукурлаштириш ва иқтисодиётни янада эркинлаштириш соҳасидаги устувор ўйналишлар амалга оширилишини жадаллаштириш чора-тадбирлари тўғрисида»ги Ўзбекистон Республикаси Президентининг 2005 йил 14 июндаги Фармони // Халқ сўзи, 15 июнь.

3. «Микрофирмалар ва кичик корхоналарни ривожлантиришни рағбатлантиришдаги қўшимча чора-тадбирлар тўғрисида»ги Ўзбекистон Республикаси Президентининг 2005 йил 20 июндаги ПФ-620-сонли Фармони // Халқ сўзи, 21 июнь, №118.

4. Ўзбекистон Республикасининг “Хусусий корхоналар тўғрисида”ги Қонуни. Қонун ва қарорлар. Т., “Ўзбекистон”, 2004., №3

5. Махмудов Э.Х. Корхона иқтисодиёти: Ўкув.қўлл. –Т.: Ўзбекистон ёзувчилар уюшмаси Адабиёт жамғармаси нашриёти, 2004.

6. Махмудов Э.Х.,Исаков М.Ю., Нажимадинов Р. «Корхона иқтисодиёти» курси бўйича семинар машғулотлари ва амалий масалалар тўплами. - Т.: ТДИУ, 2005

7. Акромов Э.А Корхоналарнинг молиявий холати тахлили. – Т.: Молия, 2003.-223 б.

8. Абдукаримов И.Т. ва бошқалар Корхона иқтисодий салоҳияти таҳлили. Т.: «Иқтисодиёт ва ҳуқуқ дунёси» нашриёт уйи, 2003.

9. «Ўз Ишингизни яратинг ёки тадбиркор нималарни билиши лозим» - Тошкент шаҳри, ЮНИДО, «Бизнес маслаҳат маркази» лойиҳаси, 2003й.

10. В. Г. Грузинов. Экономика предприятия Учебник 2-е изд. М.: «Юнити Дана» 2003.

11. Экономика предприятия. 3-е изд., перераб. и доп. Учебник для вузов / Под ред. проф. В.Я. Горфинкеля, проф. В.А.Швандара М.: ЮНИТИ-ДАНА 2004.

12. <http://www.harvard.edu>

13. <http://www.capitul.ru>

14. <http://www.5b.ru>

15. <http://www.audit-center.ru>

6-мавзу: «Ишлаб чиқаришнинг иқтисодий ва ижтимоий самарадорлиги» (амалий машғулот - 2 соат)

1. Самарадорлик – корхона ишлаб чиқариш фаолиятида муҳим ўлчов бирлигидир.

2. Хўжалик юритиш самарадорлигининг мезон ва кўрсаткичлари.

3. Корхона фаолияти самарадорлигини ошириш йўллари ва омиллари.

Тавсия этилган адабиётлар

1. «Бозор ислоҳотларини чуқурлаштириш ва иқтисодиётни янада эркинлаштириш соҳасидаги устувор йўналишлар амалга оширилишини жадаллаштириш чора-тадбирлари тўғрисида»ги Ўзбекистон Республикаси Президентининг 2005 йил 14 июндаги Фармони // Халқ сўзи, 15 июнь.

2. Махмудов Э.Х. Корхона иқтисодиёти: Ўқув.кўлл. –Т.: Ўзбекистон ёзувчилар уюшмаси Адабиёт жамғармаси нашриёти, 2004.

3. Махмудов Э.Х., Исаков М.Ю., Нажимадинов Р. «Корхона иқтисодиёти» курси бўйича семинар машғулотлари ва амалий масалалар тўплами. - Т.: ТДИУ, 2005

4. Акромов Э.А. Корхоналарнинг молиявий холати таҳлили. – Т.: Молия, 2003.-223 б.

5. Маҳсулот (ишлар, хизматлар)ни ишлаб чиқариш ва сотиш харажатлари таркиби ҳамда молиявий натижаларни шаклантириш тартиби туғрисадаги Низом. -Т.: 1999, 5 февраль.

6. Абдукаримов И.Т. ва бошқалар Корхона иқтисодий салоҳияти таҳлили. Т.: «Иқтисодиёт ва ҳуқуқ дунёси» нашриёт уйи, 2003.

7. «Ўз Ишингизни яратинг ёки тадбиркор нималарни билиши лозим» - Тошкент шаҳри, ЮНИДО, «Бизнес маслаҳат маркази» лойиҳаси, 2003й.

8. В. Г. Грузинов. Экономика предприятия Учебник 2-е изд. М.: «Юнити Дан» 2003.

9. Экономика предприятия. З-е изд., перераб. и доп. Учебник для вузов / Под ред. проф. В.Я. Горфинкеля, проф. В.А.Швандара М.: ЮНИТИ-ДАНА 2004.

10. <http://www.harvard.edu>

11. <http://www.capitul.ru>12. <http://www.5b.ru>13. <http://www.audit-center.ru>

7-мавзу: «Корхонанинг асосий фондлари ва ишлаб чиқариш қуввати» (амалий машғулот - 4 соат)

1-машғулот (2 соат)

1. Асосий фондларнинг моҳияти ва уларнинг корхона фаолиятидаги ўрни.

2. Корхонада асосий фондларнинг эскириши, уларни баҳолаш ва таъмиrlаш.

3. Асосий фондлардан фойдаланишни яхшилаш йўллари ва кўрсаткичлари.

4. Корхонанинг ишлаб чиқариш қуввати.

2-машғулот (2 соат)

1. Корхонада асосий воситалар ҳолатини ифодаловчи кўрсаткичлар.

2. Корхонада асосий воситалар билан таъминланганликни ифодаловчи кўрсаткичлар.

3. Корхонада асосий воситалар самарадорлигини ифодаловчи кўрсаткичлар.

Тавсия этилган адабиётлар

1. «Бозор ислоҳотларини чуқурлаштириш ва иқтисодиётни янада эркинлаштириш соҳасидаги устувор йўналишлар амалга оширилишини жадаллаштириш чора-тадбирлари тўғрисида»ги Ўзбекистон Республикаси Президентининг 2005 йил 14 июндаги Фармони // Халқ сўзи, 15 июнь.

2. Махмудов Э.Х. Корхона иқтисодиёти: Ўқув.кўлл. –Т.: Ўзбекистон ёзувчилар уюшмаси Адабиёт жамғармаси нашриёти, 2004.

3. Махмудов Э.Х., Исаков М.Ю., Нажимадинов Р. «Корхона иқтисодиёти» курси бўйича семинар машғулотлари ва амалий масалалар тўплами. - Т.: ТДИУ, 2005

4. Акромов Э.А Корхоналарнинг молиявий холати тахлили. – Т.: Молия, 2003.-223
- 6.
5. Маҳсулот (ишлар, хизматлар)ни ишлаб чиқариш ва сотиш харажатлари таркиби ҳамда молиявий натижаларни шаклантириш тартиби туғрисадаги Низом. -Т.: 1999, 5 февраль.
6. Абдукаримов И.Т. ва бошқалар Корхона иқтисодий салоҳияти таҳлили. Т.: «Иқтисодиёт ва ҳуқуқ дунёси» нашриёт уйи, 2003.
7. «Ўз Ишингизни яратинг ёки тадбиркор нималарни билиши лозим» - Тошкент шаҳри, ЮНИДО, «Бизнес маслаҳат маркази» лойиҳаси, 2003й.
8. В. Г. Грузинов. Экономика предприятия Учебник 2-е изд. М.: «Юнити Дан» 2003.
9. Экономика предприятия. 3-е изд., перераб. и доп. Учебник для вузов / Под ред. проф. В.Я. Горфинкеля, проф. В.А.Швандара М.: ЮНИТИ-ДАНА 2004.
10. <http://www.harvard.edu>
11. <http://www.capitul.ru>
12. <http://www.5b.ru>
13. <http://www.audit-center.ru>

8-мавзу: «Корхонанинг айланма маблағлари» (амалий машғулот - 4 соат)

1-машғулот (2 соат)

1. Айланма маблағлар тушунчаси, иқтисодий табиати ва уларнинг корхона фаолиятидаги аҳамияти.
2. Айланма маблағларнинг тузилмаси ва ҳаракати ҳамда уларнинг корхона иқтисодиётига таъсири.
3. Айланма маблағларни нормалаштириш.
4. Айланма маблағлардан фойдаланиш кўрсаткичлари ва уларнинг айланишини тезлаштириш йўллари.

2-машғулот (2 соат)

1. Корхонада айланма маблағлар ҳолатини ифодаловчи кўрсаткичлар.
2. Корхонада айланма маблағлар билан таъминланганликни ифодаловчи кўрсаткичлар.
3. Корхонада айланма маблағлар самарадорлигини ифодаловчи кўрсаткичлар

Тавсия этилган адабиётлар

1. «Бозор ислоҳотларини чўқурлаштириш ва иқтисодиётни янада эркинлаштириш соҳасидаги устувор йўналишлар амалга оширилишини жадаллаштириш чора-тадбирлари тўғрисида»ги Ўзбекистон Республикаси Президентининг 2005 йил 14 июндаги Фармони // Халқ сўзи, 15 июнь.
2. Ўзбекистон Республикасининг “Хусусий корхоналар тўғрисида”ги Қонуни. Қонун ва қарорлар. Т., “Ўзбекистон”, 2004., №3
3. Махмудов Э.Х. Корхона иқтисодиёти: Ўкув.қўлл. –Т.: Ўзбекистон ёзувчилар уюшмаси Адабиёт жамғармаси нашриёти, 2004.
4. Махмудов Э.Х., Исаков М.Ю., Нажимадинов Р. «Корхона иқтисодиёти» курси бўйича семинар машғулотлари ва амалий масалалар тўплами. - Т.: ТДИУ, 2005
5. Акромов Э.А Корхоналарнинг молиявий холати тахлили. – Т.: Молия, 2003.-223
- 6.
6. Маҳсулот (ишлар, хизматлар)ни ишлаб чиқариш ва сотиш харажатлари таркиби ҳамда молиявий натижаларни шаклантириш тартиби туғрисадаги Низом. -Т.: 1999, 5 февраль.

7. Абдукаримов И.Т. ва бошқалар Корхона иқтисодий салоҳияти таҳлили. Т.: «Иқтисодиёт ва ҳуқук дунёси» нашриёт уйи, 2003.
8. «Ўз Ишингизни яратинг ёки тадбиркор нималарни билиши лозим» - Тошкент шаҳри, ЮНИДО, «Бизнес маслаҳат маркази» лойиҳаси, 2003й.
9. Экономика предприятия. З-е изд., перераб. и доп. Учебник для вузов / Под ред. проф. В.Я. Горфинкеля, проф. В.А.Швандара М.: ЮНИТИ-ДАНА 2004.
10. В. Г. Грузинов. Экономика предприятия Учебник 2-е изд. М.: «Юнити Дан» 2003.
11. <http://www.harvard.edu>
12. <http://www.capitul.ru>
13. <http://www.5b.ru>
14. <http://www.audit-center.ru>

9-мавзу: «Корхонада кадрлар ва меҳнатга ҳақ тўлаш» (амалий машғулот - 4 соат)

1-машғулот (2 соат)

1. Корхонанинг кадрлар салоҳияти.
2. Бозор иқтисодиёти шароитларида корхонанинг кадрлар сиёсати.
3. Корхонада меҳнатга ҳақ тўлаш.

2-машғулот (2 соат)

1. Корхона меҳнат салоҳияти самарадорлигини баҳолаш мезонлари.
2. Меҳнат салоҳиятини ифодаловчи қўрсаткичлар, уларнинг таснифи ва аниқлаш йўллари.
3. Меҳнат мотивацияси, типлари ва омиллари.

Тавсия этилган адабиётлар

1. «Гадбиркорлик субъектларини ҳуқуқий ҳимоя қилиш тизимларини янада такомиллаштириш чора тадбирлари тўғрисида»ги Ўзбекистон Республикаси Президентининг 2005 йил 14 июндаги ПФ-3619-сонли Фармони // Халқ сўзи, 16 июнь, №115.
2. Ўзбекистон Республикасининг “Хусусий корхоналар тўғрисида”ги Конуни. Конун ва қарорлар. Т., “Ўзбекистон”, 2004., №3
3. Махмудов Э.Х. Корхона иқтисодиёти: Ўкув.қўлл. –Т.: Ўзбекистон ёзувчилар уюшмаси Адабиёт жамғармаси нашриёти, 2004.
4. Махмудов Э.Х., Исаков М.Ю., Нажимадинов Р. «Корхона иқтисодиёти» курси бўйича семинар машғулотлари ва амалий масалалар тўплами. - Т.: ТДИУ, 2005
5. Махсулот (ишлар, хизматлар)ни ишлаб чиқариш ва сотиш харажатлари таркиби ҳамда молиявий натижаларни шаклантириш тартиби туғрисадаги Низом. -Т.: 1999, 5 февраль.
6. Абдукаримов И.Т. ва бошқалар Корхона иқтисодий салоҳияти таҳлили. Т.: «Иқтисодиёт ва ҳуқук дунёси» нашриёт уйи, 2003.
7. «Ўз Ишингизни яратинг ёки тадбиркор нималарни билиши лозим» - Тошкент шаҳри, ЮНИДО, «Бизнес маслаҳат маркази» лойиҳаси, 2003й.
8. Заработка плата на предприятии / Хасанов Н.Х., Хайдаров Ш.У, Югай Л.П. – Т.: издательский дом “Мир экономики и права”, 2004
9. Экономика предприятия. З-е изд., перераб. и доп. Учебник для вузов / Под ред. проф. В.Я. Горфинкеля, проф. В.А.Швандара М.: ЮНИТИ-ДАНА 2004.
10. <http://www.harvard.edu>
11. <http://www.capitul.ru>
12. <http://www.5b.ru>
13. <http://www.audit-center.ru>

10-мавзу: «Корхона фаолиятини харажатлари, даромади ва рентабеллиги» (амалий машгулом - 4 соат)

1-машгулом (2 соат)

1. Харажатлар тушунчаси ва унинг таснифланиши.
2. Фойда ва унинг шаклланиш манбалари, тақсимланиш тартиби ва кўпайтириш йўллари.
3. Рентабелликнинг моҳияти ва кўрсаткичлари.

2-машгулом (2 соат)

4. Фойда даражасини белгиловчи омиллар
5. Рентабелликнинг асосий кўрсаткичлари ва уларни ҳисоблаш услуби.
6. Ишлаб чиқариш харажатларини ҳисоблаш услуби ва маҳсулот бирлиги таннахии калқуляцияси.

Тавсия этилган адабиётлар

1. «Бозор ислоҳотларини чўқурлаштириш ва иқтисодиётни янада эркинлаштириш соҳасидаги устувор йўналишлар амалга оширилишини жадаллаштириш чора-тадбирлари тўғрисида»ги Ўзбекистон Республикаси Президентининг 2005 йил 14 июндаги Фармони //Халқ сўзи, 15 июнь.
2. Маҳмудов Э.Х. Корхона иқтисодиёти: Ўқув.кўлл. –Т.: Ўзбекистон ёзувчилар уюшмаси Адабиёт жамгармаси нашриёти, 2004.
3. Маҳмудов Э.Х., Исаков М.Ю., Нажимадинов Р. «Корхона иқтисодиёти» курси бўйича семинар машғулотлари ва амалий масалалар тўплами. - Т.: ТДИУ, 2005
4. Ақромов Э.А Корхоналарнинг молиявий холати тахлили. – Т.: Молия, 2003.-223 б.
5. Маҳсулот (ишлар, хизматлар)ни ишлаб чиқариш ва сотиш харажатлари таркиби ҳамда молиявий натижаларни шаклантириш тартиби тугрисидаги Низом. -Т.: 1999, 5 февраль.
6. Абдукаримов И.Т. ва бошқалар Корхона иқтисодий салоҳияти тахлили. Т.: «Иқтисодиёт ва ҳуқуқ дунёси» нашриёт уйи, 2003.
7. «Ўз Ишингизни яратинг ёки тадбиркор нималарни билиши лозим» - Тошкент шаҳри, ЮНИДО, «Бизнес маслаҳат маркази» лойиҳаси, 2003й.
8. <http://www.harvard.edu>
9. <http://www.capitul.ru>
10. <http://www.5b.ru>
11. <http://www.audit-center.ru>

11-мавзу: «Корхонанинг инвестицион фаолияти» (4 соат)

1-машгулом (семинар машгулом - 2 соат)

1. Инвестициялар корхона ишлаб чиқариш салоҳиятини ривожлантириш ва мустаҳкамлаш воситаси сифатида.
2. Корхонада инвестициялашнинг асосий манбалари ва йўналишлари.
3. Инвестицияларнинг иқтисодий самарадорлигини баҳолаш.

2-машгулом (амалий машгулом - 2 соат)

1. Инвестицияларнинг иқтисодий самарадорлигини баҳолаш услублари.
2. Корхонада инвестициялар портфелини шакллантириш.
3. Капитал қўйилмалар бўйича инвестиция қарорларини тайёрлаш.

Тавсия этилган адабиётлар

1. Ўзбекистон Республикаси Президенти И. Каримовнинг 2005 йил 11 апрелдаги «Тўғридан-тўғри хусусий хорижий инвестицияларни жалб этишни рафбатлантириш борасидаги қўшимча чора-тадбирлар тўғрисида»ги Фармони // Халқ сўзи, 12 апрел 2005 й.

2. «Ўзбекистон республикасининг 2005 йилги инвестиция Дастури тўғрисида» Ўзбекистон республикаси Вазирлар Маҳкамасининг қарори 30.11.2004 й. № 560

3. «Бозор ислоҳотларини чукурлаштириш ва иқтисодиётни янада эркинлаштириш соҳасидаги устувор йўналишлар амалга оширилишини жадаллаштириш чора-тадбирлари тўғрисида»ги Ўзбекистон Республикаси Президентининг 2005 йил 14 июндаги Фармони // Халқ сўзи, 15 июнь.

4. Махмудов Э.Х. Корхона иқтисодиёти: Ўқув.кўлл. –Т.: Ўзбекистон ёзувчилар уюшмаси Адабиёт жамғармаси нашриёти, 2004.

5. Махмудов Э.Х.,Исаков М.Ю., Нажимадинов Р. «Корхона иқтисодиёти» курси бўйича семинар машғулотлари ва амалий масалалар тўплами. - Т.: ТДИУ, 2005

6. Расулов Н.Н. Стимулирование привлечения иностранных инвестиций в экономику Узбекистан. –Т.: Фан, 2003.

7. Вахрин П.И. Инвестиции: Практический задачи и конкретные ситуации. Учеб. пос. –М.: «Дашков и К», 2003.

8. Экономика предприятия. З-е изд., перераб. и доп. Учебник для вузов / Под ред. проф. В.Я. Горфинкеля, проф. В.А.Швандара М.: ЮНИТИ-ДАНА 2004.

9. В. Г. Грузинов. Экономика предприятия Учебник 2-е изд. М.: «Юнити Дан» 2003.

10. <http://www.harvard.edu>

11. <http://www.capitul.ru>

12. <http://www.5b.ru>

13. <http://www.audit-center.ru>

12-мавзу: «Корхонанинг хавфсизлиги ва тижорат сири» (семинар машғулот - 2 соат)

1. Корхона хавфсизлигини таъминлашнинг мақсади, вазифалари ва тамойиллари.

2. Корхона хавфсизлигини таъминлашнинг ташкил этиш ва бошқариш.

3. Корхона хавфсизлик хизматлари, унинг тузилиши ва вазифалари.

4. Корхонанинг тижорат сирлари.

Тавсия этилган адабиётлар

1. «Тадбиркорлик субъектларини ҳуқуқий ҳимоя қилиш тизимларини янада такомиллаштириш чора тадбирлари тўғрисида»ги Ўзбекистон Республикаси Президентининг 2005 йил 14 июндаги ПФ-3619-сонли Фармони // Халқ сўзи, 16 июнь, №115.

2. «Тадбиркорлик субъектлари томонидан тақдим этиладиган ҳисобот тизимини такомиллаштириш ва уни ноқонуний талаб этганлик учун жавобгарликни кучайтириш тўғрисида»га Ўзбекистон Республикаси Президентининг 2005 йил 15 июндаги Қарори // Халқ сўзи, 17 июнь, №116.

3. «Бозор ислоҳотларини чукурлаштириш ва иқтисодиётни янада эркинлаштириш соҳасидаги устувор йўналишлар амалга оширилишини жадаллаштириш чора-тадбирлари тўғрисида»ги Ўзбекистон Республикаси Президентининг 2005 йил 14 июндаги Фармони // Халқ сўзи, 15 июнь.

4. «Тадбиркорлик субъектларининг хўжалик соҳасидаги ҳуқуқбузарликлари учун молиявий жавобгарлигини эркинлаштириш тўғрисида»ги Ўзбекистон Республикаси Президентининг 2005 йил 24 июндаги Фармони // Халқ сўзи, 25июнь, №122.

5. Махмудов Э.Х. Корхона иқтисодиёти: Ўқув.кўлл. –Т.: Ўзбекистон ёзувчилар уюшмаси Адабиёт жамғармаси нашриёти, 2004.

6. Махмудов Э.Х.,Исаков М.Ю., Нажимадинов Р. «Корхона иқтисодиёти» курси бўйича семинар машғулотлари ва амалий масалалар тўплами. - Т.: ТДИУ, 2005

7. <http://www.harvard.edu>
8. <http://www.capitul.ru>
9. <http://www.5b.ru>
10. <http://www.audit-center.ru>

4. ОРАЛИҚ НАЗОРАТ ЎТКАЗИШ ТАРТИБИ.

Оралиқ назорат ўқув семестрининг 7 ва 13 ҳафталарида икки марта ўтказилади. Биринчи оралиқ назорат давомида талабалар икки гурухга бўлиниб белгиланган саволлар варианти бўйича ёзма жавоб берадилар ва тест саволларига жавоб берадилар. Оралиқ назорат бўйича рейтинг баллари орқали баҳоланади.

1-оралиқ назорат

1. Корхона – мустақил хўжалик юритувчи бозор субъекти.
2. Корхонани ташкил этиш ва унинг фаолиятини тутатиш.
3. Корхонани бошқариш.
4. Корхона фаолиятини режалаштириш ва башорат қилиш.
5. Тестлар.

2-оралиқ назорат

1. Корхонанинг асосий фондлари ва ишлаб чиқариш қуввати.
2. Корхонанинг айланма маблағлари.
3. Корхонада кадрлар ва меҳнатга ҳақ тўлаш
4. Тестлар.

Тест саволлари

1. Корхона - бу

- А) давлатнинг мулкий комплекси;
Б) мустақил хўжалик юритувчи бозор субъекти;
В) тадбиркорлик ва бизнес соҳасидаги субъекти;
Г) маҳсулот ишлаб чиқаришни ташкил этиш ва сотиш шакли;
Д) маъмурӣ - хўжалик бирлиги.

2. Маъсулияти чекланган жамиятлар бу..

- А) пайларга ажратилган устав капиталининг миқдори таъсис хужатлари билан белгиланувчи ва ўз мулки чегарасида мажбуриятлар бўйича маъсулиятга эга бўлган жамият;
Б) таъсис шартномаси асосида тузилган жамиятни устав капиталига мажбурий равишда пул ёки мулкий пайлар билан кирган, уларнинг миқдори орқали ҳар бир таъсисчини маъсулияти белгиланади;
В) пайларга ажратилган мавжуд устав капитали, уларнинг миқдори таъсис хужатлари билан белгиланади, таъсисчилар ва банклар орқали тан олинади;
Г) таъсисчилар ва банклар орқали тан олиниб, устав капитали пайларга ажратилиб, уларнинг миқдори таъсис хужатлари билан белгиланади;
Д) капитали таъсисчилар пайларидан тузилиб, экспортдан ташқари турли хил фаолият билан шугуланувчилар.

3. Маъсулияти чекланган жамиятни устав капитали қўйидагиларга асосланиб ташкил этилади:

- А) таъсис хужжатларига асосан уларни миқдори чегараланган ҳолда;
Б) жамият рўйхатдан ўтиш вактидаги қонунларда белгиланган 50-минимал иш хақидан кам бўлмаган ҳолда;

- В) жамият рўйхатдан ўтиш вактида 50-минимал иш хақидан кўп бўлмаган ҳолда;
- Г) таъсис хужжатлари қабул қилинганда 200-минимал иш хақи миқдоридан кам бўлмаган ҳолда;
- Д) таъсис хужжатлари қабул қилинганда 100-минимал иш хақи миқдоридан кам бўлмаган ҳолда;

4. Хўжалик ўртоқлик уюшмаларига қўйидагилар киради:

- А) ўртоқликни бошқаришдаги таъсисчиларни шахсий иштирокига асосланган уюшмалар;
- Б) иштирокчиларни мулкий ва пул улушларига асосланган уюшмалар;
- В) таъсисчиларни мулкий бадаллари ва шахсий фаолиятига асосланган уюшмалар;
- Г) фойдани тахсимлашда иштирок этувчи таъсисчилар;
- Д) ишлаб чиқаришдан ташқари бошқа фаолият билан шуғуланувчилар.

5. Акциядорлик жамияти деб тан олинади:

- А) алоҳида ажратилган мулкга эга бўлган ва уларнинг қиймати акцияларга бўлинган хўжалик субъектлари;
- Б) қонун доирасида ўзини акцияларини чиқариб, уларни сотиш билан шуғулланадиган жамиятлар;
- В) устав капитали маълум бирликлардаги акцияларга бўлиниб, акционерларга нисбатан жамият мажбуриятларини тақсимловчи хўжалик субъекти;
- Г) активлар хисобидан акциялар чиқарувчилар;
- Д) корхонанинг оддий ва имтиёзлий акцияларига эга бўлган акционерлар уюшмаси.

6. Очиқ акциядорлик жамияти таъсисчилари таркиби.

- А) чекланган;
- Б) чекланмаган;
- В) акционерлик жамияти тури билан белгиланади;
- Г) таъсис хужжатлари билан белгиланади;
- Д) мулк кумитасининг худудлараро органлари белгилайди.

7. Очиқ турдаги акциядорлик жамияти деб тан олинади...

- А) қимматли қоғозлар бозорида эркин ҳолатда муамолада бўлган жамиятлар;
- Б) очиқ жамият акциялари бир шахсдан иккинчи шахсга, бошқа хиссадорларнинг розилигисиз ўтиши мумкин бўлган жамиятлар;
- В) акцияларга очиқ ҳолда обуна бўлиш ва уларни эркин ҳолда сота оладиган жамиятлар;
- Г) биргаликда фаолият юритиш учун кишиларни ва мажбуриятларни бирлаштирган жамият;
- Д) чегаралган миқдордаги пул улушлари доирасида фаолият натижалари учун жавоб берадиган жамият.

8. Ёпиқ турдаги акционерлик жамиятлари:

- А) акциялари фақат уни таъсисчилари орасида ёки олдиндан белгиланган доирасида тақсимланадиган жамият;
- Б) уларни акциялари фақат уларни таъсисчилари орасида тахсимланадиган жамият;
- В) уларни акциялари фақат ёпиқ обуна холида тақсимланадиган жамият;
- Г) маблағи акцияларга ажратилган юридик шахс;
- Д) уларнинг уларнинг мавкеи таъсис хужжатлари билан белгиланадиган жамият.

9. Акциядорлик жамиятнинг устав капитали шаклланади:

- А) кредиторлар манфаатини кафолатловчи жамият мулкининг миқдорига қўра;
- Б) акционерлар томонидан сотиб олинган жамият акцияларининг номинал қийматидан;
- В) акцияларга оммавий обуна бўлиш орқали;
- Г) акцияларга шахсий обуна бўлиш орқали;
- Д) тўғри жавоб йўқ.

10. Очиқ турдаги акционерлик жамиятининг устав капитали миқдори:

- А) жамият рўйхатдан ўтиш давридаги қонун билан белгиланган 150 минимал иш хақи миқдоридан кам бўлмаслиги керак;

- Б) жамият рўйхатдан утиш давридаги қонун билан белгиланган 200 минимал иш хақи миқдоридан кам бўлмаслиги керак;
- В) чегараланмаган миқдорда;
- Г) қонун асосида белгиланган таъсис хужжатларига қўл қўйиш муддатида 200 минимал иш хақи миқдоридан кўп эмас;
- Д) жамият рўйхатдан утиш давридаги 50минг АҚШ долларига эквивалент сўмдан кам бўлмаган.

11. Ёпиқ турдаги акционерлик жамиятининг устав капитали миқдори:

- А) чегараланмаган миқдорда;
- Б) жамият рўйхатдан ўтиш вақтида қонун билан белгиланган 100 минимал иш хақи миқдоридан кам булмаслиги керак;
- В) жамият рўйхатдан ўтиш вақтида қонун билан белгиланган 100 минимал иш хақи миқдоридан кўп бўлмаслиги керак;
- Г) таъсис хужжатлари тасдиқланган вақтидаги 200 минимал иш хақи миқдоридан кам эмас;
- Д) таъсис хужжатлари билан чегараланган вақтидаги 500 минимал иш хақи миқдорида.

12. Акцияни номинал қиймати:

- А) қиймати белгиланмаган;
- Б) 100 сумдан кам эмас;
- В) 100 сум;
- Г) таъсисчилар мажлисида белгиланади;
- Д) 10 сўмдан кўп эмас.

13. Корхонани ташкил этишининг асосий хужжатлари бу

- А) Мажлиснинг банномаси ва таъсисчиларнинг розилиги;
- Б) корхона ва банк томонидан тасдиқланган таъсис шартномаси;
- В) низом, таъсис шартномаси;
- Г) низом, таъсис шартномаси, эмиссия проспекти;
- Д) низом ва корхона паспорти.

14. Корхонани давлат рўйхатидан ўтказиш асосан ким томонидан амалга оширилади ?

- А) солиқ ва статистика ташкилотлари орқали;
- Б) маҳаллий хокимиятлар томонидан;
- В) солиқ ташкилотлари, хокимият ва молиявий ташкилотлар томонидан;
- Г) давлат мулкини бошқарувчи ташкилотлар;
- Д) вазирликлар ва идоралар томонидан.

15. Корхона фаолиятини тўхтатилади...

- А) солиқ идораларини қарори билан;
- Б) хўжалик суди ёки таъсисчилар қарорига кўра;
- В) лицензия берувчи ташкилот;
- Г) прокуратурақарорига кўра;
- Д) мутассадия вазирликлар ва ташкилотлар томонидан.

16. Корхонанинг банкротлиги аниқланади:

- А) молиявий коэффицентлар тизими билан;
- Б) корхонада мавжуд пул маблағлари ва юқори ликвидликкаэга бўлган активлар йўқлиги;
- В) қарзларнинг мавжудлиги билан;
- Г) фойда йўқлиги туфайли;
- Д) кадрлар қўнимсизлиги ва ишлаб чиқариш пасайиши орқали.

17. Корхона самарали фаолият юритади, қачонки:

- А) тўла бандлик бўлса;
- Б) ресурслардан тўлиқ фойдаланилганда;
- В) мажбуриятлар бўйича қарзларни йўқлиги;
- Г) экспорт имкониятлари юқори бўлганда;

Д) устав капиталини күпайиши ҳисобига.

18. Корхонаний асосий ишлаб чиқариш фондларига қўйидагилар киритилади...

- А) бино иншоотлар узатиш мосламалари, машина ва ускуналар, транспорт воситалари асоб ва мосламалар, хужалик ва ишлаб чиқариш инвентарлари;
- Б) бино, иншоотлар, узатиш мосламалари, машина ва ускуналар, тугалланмаган ишлаб чиқариш, асобблар ва мосламалар, транспорт воситалари;
- В) бино, иншоотлар, узатиш мосламалари, машина ва ускуналар, транспорт воситалари, хом ашё материаллар, ишлаб чиқариш ва хужалик инвентари;
- Г) бино, иншоатлар, узатиш мосламалари, машина ва ускуналар, транспорт воситалари, асоб ускуналар, ишлаб чиқариш ва хўжалик инвентари, тайёр маҳсулот;
- Д) тўғри жавоб йўқ.

19. Асосий фондларни корхона балансига киритиш билан уларни баҳолаши...

- А) хўжалик текширувчи натижаси бўйича;
- Б) экспетрларни баҳоси асосида;
- В) бошлангич ва тикланиш қиймати бўйича;
- Г) хисобот хужжатларида курсатилган қиймати бўйича;
- Д) ташқи аудиторлар баҳоси асосида.

20. Асосий ишлаб чиқариш фондларидан фойдаланишини характерловчи курсаткичлар;

- А) рентабеллик ва фойда;
- Б) фойда қайтими ва фонд сифими;
- В) ишчилар меҳнати фонд билан таъминланганлиги;
- Г) сменалик коэффициент;
- Д) эксплуатацион тайёргарлик коэффициенти.

21. Асосий ишлаб чиқариш фондларидан экстенсив фойдаланиш қўйидагилар орқали аниқланади:

- А) фонд сифими ва фонд қайтими орқали;
- Б) сменалик коэффициенти, ускуналардан экстенсив фойдаланиш коэффициенти орқали;
- В) меҳнатни фонд билан таъминланганлиги орқали;
- Г) ишлаб чиқариш ренъабеллиги орқали;
- Д) меҳнат ютишдан тўшган фойда орқали.

22. Ускуналардан интенсив фойдаланиш қўйидагилар орқали аниқланади:

- А) сменалик коэффициенти;
- Б) фонд қайтими;
- В) ишчилар меҳнатини фонд билан таъминланганлиги;
- Г) Ускуналардан интенсив фойдаланиш коэффициенти;
- Д) ускуналарнинг яроклилик коэффициенти.

23. Фонд қайтими кўрсаткичи характерланади:

- А) сумлик асосий ишлаб чиқариш фондларига тўғри келадиган товар маҳсулотлари хажми орқали;
- Б) меҳнатни техник жиҳатдан қуролланганлик даражаси билан;
- В) 1 сумлик реализация қилинган маҳсулот учун асосий фондларни солиширима харажатлари;
- Г) айланма маблағларни айланиши билан;
- Д) асосий воситаларнинг янгиланиш коэффициенти билан;

24. Асосий фондларни амортизацияси бу - ...

- А) асосий фондларнинг эскириши;
- Б) асосий фондларни қийматини ишлаб чиқарилган маҳсулот таннархига утказиш жараёни;
- В) ишлаб чиқариш фондларини тикланувчанлиги (реконструкцияси);
- Г) асосий фондларни сақлаш харажатлари;
- Д) асосий фондлар учун тўлов базаси.

25. Корхонани айланма фондлари - бу ...

- А) маҳсулот ишлабучун зарур бўлган ишлаб чиқариш воситалари;
- Б) Ишлаб чиқариш жараёнида бир йил иштироқ этадиган меҳнат буюмлари;
- В) ишлаб чиқариш жараёнида бир неча марта қатнашиб, ўз қийматини ишлаб чиқарилган маҳсулотнинг таннархига ўтказиб борадиган меҳнат буюмлари;
- Г) асосий ва ёрдамчи материаллар, корхонада ишлаб чиқарилган ярим фабрикатлар, бутловчи буюмлар;
- Д) ишлаб чиқариш жараёнида бир маротиба қатнашиб, ўзининг тўлиқ қийматини ишлаб чиқарилган маҳсулотни тан нархига ўтказиб юборадиган ишлаб чиқариш воситаларининг бир қисми.

26. Корхонани муомила фонди - бу...

- А) корхонани материал ресурслари;
- Б) корхонанинг омборидаги тайёр маҳсулотлари, қабул қилинган маҳсулот, келаётган, яъни йўлдаги маҳсулот, молиявий маблағлар ва тугалланмаган ҳисоб воситалари
- В) тайёр маҳсулот, харидорларга иборилган маҳсулот, қимматли қоғозлар, ҳисоб рақамлари ва кассадаги пул маблағлари, амортизация ажратмалари;
- Г) транспорт воситаларини эксплуатациясидан келадиган маблағлар, ишлаб чиқариш бинолари ва иншоотлар;
- Д) узулуксиз жараённи таъминловчи корхонани пул маблағлари.

27. Корхонанинг айланма маблағлари таркибига қўйидагилар киритилади...

- А) материал запаслари, бутловчи қисмлар, ёқилги, амбордаги тайёр маҳсулот;
- Б) айланма маблағлар ва муомила фонди;
- В) тугалланмаган ишлаб чиқариш, омбордаги тайёр маҳсулот;
- Г) ишлаб чиқариш запаслари, тугалланмаган ишлаб чиқариш, келажакдаги харажатлар муомила фонди;
- Д) пул маблағлари.

28. Айланма маблағларни айланиш коэффициенти характерлайди:

- А) сумлик ишлаб чиқариш фондларига тўғри келадиган реализация қилинган маҳсулот миқдори;
- Б) ишлаб чиқариш фондлари айланишининг уртacha даволийлиги;
- В) маълум бир даврда айланма маблағларни айланиш сони;
- Г) маблағларни айланишидаги олинадиган фойда;
- Д) айланма маблағларни айланиш минимуми.

29. Маҳсулотнинг материал сифими белгилайди

- А) материаллардан самарали фойдаланиши;
- Б) бирлик маҳсулот ишлаб чиқариш учун сарфланган материалларнинг умумий хажмини;
- В) маҳсулот ишлаб чиқариш сарфланган материаллар нормасини;
- Г) тайёрланган маҳсулотларнинг соғ оғирлигини;
- Д) барча жавоблар тўғри.

30. Айланма маблағлардан фойдаланиш самарадорлиги қўйидагилар орқали белгиланади...

- А) айланма маблағларнинг қайтими даражаси билан;
- Б) айланиш коэффициенти, бир айланиш ўртacha давомийлиги билан;
- В) материал сифими, фонд сифими, фонд қайтими коэффициентлари орқали;
- Г) айланма маблағларни белгилангандан нормативлар рамкасига келтириш билан;
- Д) корхона фойдаси билан;

31. Маҳсулот ишлаб чиқариш харажатлари қўйидагилардан иборат...

- А) пул формасида ифодалангандан маҳсулот ишлаб чиқариш ва уни реализация қилиш учун сарфланган харажатлардан;
- Б) ишлаб чиқариш қундалик харажатлари;

В) хом ашё, материаллар, асосий фондларнинг амартизацияси ва номоддий активлар, иш хақи, ижтимоий сугурталаш учун ажратмалар ва бошқа ишлаб чиқариш характеридаги харажатлар;

Г) ишлаб чиқариш характерига эга бўлган кундалик ва капитал харажатлар;

Д) бошқарув ва маҳсулотни сотиш билан боғлиқ, ишлаб чиқариш харажатлари ва чиқимлари.

32. Иқтисодий элементлар бўйича ишлаб чиқариш харажатларининг таснифи қўйидаги мақсадлар учун зарур:

А) маълум бир турдаги аниқ маҳсулот турли харажатларини хисоблаш учун;

Б) ишлаб чиқариш бўйича харажатлар сметасини тузиш учун;

В) маҳсулот нархини асослаш учун;

Г) иш хақи учун харажатларини аниқлаш учун;

Д) фойда ва рентабеллийлик режасини тузиш учун.

33. Калькуляция моддалари бўйича харажатлар таснифи зарур:

А) детал заготовкаси, узелларини нархини аниқлаш учун;

Б) тўғри ва эгри харажатларни аниқлаш учун;

В) маълум бир турдаги аниқ маҳсулотни ишлаб чиқариш;

Г) ишлаб чиқариш харажатлари тизимини тузиш учун;

Д) маржиналь фойдани аниқлаш учун харажатлари.

34. Давр харажатлари ўз ичига қўйидагиларни олади.

А) сотув ва бошқарув ҳамда бошқа операцион харажатларини;

Б) илмий текшириш ва тажриба конструкторлик тадқиқотлар; ишлаб чиқаришни ривожлантириш бошқарув тизими учун харажатларни ва бошқа операцион ўз ичига олади харажатлари;

В) тижорат чиқимлари;

Г) умумхужалик чиқимлари;

Д) корхонанинг жами чиқимлари.

35. Ўзгарувчан харажатлар ўз ичига олади:

А) моддий харажатлар ва ходимларни иш ҳақи учун харажатлар;

Б) маҳсулот реализацияси учун харажатларини;

В) амортизация харажатларини;

Г) ишлаб чиқаришни модернизацияси учун харажатларини;

Д) бошқарув харажатларини.

36. Харажатларни доимий ва ўзгарувчан харажатлар бўлишдан мақсад.

А) цех ва ишлаб чиқариш таннархини аниқлаш;

Б) маҳсулотни баҳосини аниқлаш;

В) ишлаб чиқариш ҳажмини прогнозлаш;

Г) фойдали ва заарсиз ишлашни башорат қилиш;

Д) корхонани даромад ва харажат балансини тузиш учун.

37. Корхона харажатларини камайтиришдан манфаатдор. У қўйидаги шартларга риоя қиласагина унга эришиши мумкин:

А) ишлаб чиқариш омилларини рақобатли бозорпарда сотиб олса;

Б) омилларни техник жойлаштиришнинг предел нормалари билан у омиллар баҳоси ўртасидаги тенгликни сақласа;

В) доимий ва узгарувчан харажатлар харажатлар ўртасидаги тенгликни қўллаб-куватласа;

Г) ишлаб чиқаришни максимал даражасига эришиш;

Д) ишлаб чиқариш ҳажмини камайтириш ва тежамкорлик тартиби таъминланса.

38. Заарсизлик нуқтаси аниқлашга ёрдам беради.

А) харажатлар тушум билан қоплангандаги маҳсулот ҳажмини;

Б) корхона фойда олган вақтдаги маҳсулот ҳажмини;

В) доимий харажатлар ўзгарувчан харажатларга тенг бўлгандаги маҳсулот;

Г)доимий харажатлар ўзгарувчан харажатларга тенг бўлгандаги маҳсулот хажми;
Д)корхонанинг соф фойдаси;
Е)корхонанинг ялпи даромади.

39. Маржиналь фойда - бу:

А)маҳсулот сотишдан тушган тушумдан корхонани доимий харажатларини айрмаси;
Б)сотишдан тушган тушумлардан, корхонанинг ўзгарувчан харажатларини айрмаси;
В)сотишдан тушган тушумлардан корхонанинг ҳамма харажатлари;
Г)ўзгарувчан харажатлардан доимий харажатлар айрмаси;
Д)тўғри жавоб йўқ.

40. Асосий фаолият натижасидан фойда - бу:

А)маҳсулотни сотишдан тушган даромад минус реализация қилинган маҳсулотнинг таннархи;
Б)маҳсулот сотишдан тушган ялпи дароматдан корхонанинг ҳамма харажатларини чегириб ташлашдан;
В)маҳсулот сотишдан тушган ялпи фойдадан давр харажатларини айрмаси ва унга асосий фаолиятдан олинган бошқа даромад қўшилади ёки зарар айрилади;
Г)давр харажатлари минус молиявий харажатлар;
Д)маржиналь фойда.

41. Рентабеллилик кўрсаткичи:

А)жорий ликвидлик коэффициенти;
Б)соф фойда билан корхона активларинининг нисбати;
В)дебиторлик қарзлари айланувчанлигини;
Г)молиявий мустақиллик коэффициенти;
Д)ялпи фойданинг сотишдан олинган тушумдан активларини чегириб ташланган кисмига нисбати.

42. Реализация қилинган маҳсулотни рентабеллигини:

А)баланс фойдани реализация қилинган маҳсулот хажмига нисбати;
Б)соф фойдани корхона мулкини ўртacha қийматига нисбати;
В)соф фойдани реализациядан тушган тушумга нисбати;
Г)баланс фойдани асосий фонdlар ва моддий айланма воситаларнинг ўртacha қийматига нисбати;
Д)фойда нормаси.

43. Корхонани тижорат сири - бу ...

А)давлат сири бўлмаган холда, корхонани ишлаб чиқариш ва хўжалик фаолиятига зарар келтириши мумкин бўлган маълумотлар;
Б)олди-сотди обьекти сидгатидаги корхонани ишлаб чиқариш ва хўжалик фаолияти тўғрисидаги маълумотлар;
В)бу бошқарув элементи бўлиб, корхона ундан ўзини манфаатларини химоя қилиш учун, давлат ва бозор субъектлари орасидаги муносабатларни ўрнатиш учун фойдаланилади;
Г)корхонада фойдаланадиган технологиялар ҳақидаги маълумот;
Д)корхона раҳбари томонидан тижорат сири деб белгиланган корхона тўғрисидаги ҳар қандай маълумот.

5. ФАН БЎЙИЧА НАЪМУНАВИЙ МАСАЛАЛАР

1-масала. Машинасозлик корхонасида қуйидаги ишлаб чиқариш бўлимлари ва уларда банд бўлган ходимлар бор:

- қуийш цехи – 400 киши;
- темирчи-пресслаш цехи – 500 киши;
- механик – 700 киши;
- йигув цехи – 400 киши;
- таъмирлаш-механик – 150 киши;

- энергоцех – 50 киши;
- таъмирлаш цехи – 100 киши;
- транспорт цехи – 70 киши;
- типография – 30 киши.

Қуидагиларни аниклаш талаб этилади:

1. Асосий ва ёрдамчи ишлаб-чиқаришда банд бўлган ишчи-ходимлар сонини аникланг.

2. Асосий ва ёрдамчи цехларда ишловчиларининг умумий хажмдаги улушкини (фоизларда) топинг.

3. Ортиқча бўлимларни йўқ қилиш учун қандай чора-тадбирлар талаб қилинади ва улар корхона иқтисодиётига қай даражада таъсир кўрсатади.

2-масала. Тоғ-металлургия камбинатининг таъмирлаш корхонасида қуидаги цехлар ва ишчилар мавжуд: пўлат қуийш цехи – 72 киши, рангли металл қуийш цехи – 48 киши, №1-таъмирлаш-механик цехи – 106 киши, №2-таъмирлаш-механик цехи – 34 киши, №3-таъмирлаш-механик цехи – 52 киши, асбобсозлик – 85 киши, электрқучланиш цехи - 72 киши, электр таъмирлаш – 72 киши, транспорт – 180 киши, лавозимлар учун маошлар қуидагича белгиланган: цех бошликлари 72,0 минг сўм, иқтисодчилар – 48,0 минг, меъёрловчилар – 30,5 минг сўм.

Цехлардаги бошқарув ходимларнинг сони қуидагича: пўлат қуийш цехида – 5 киши, рангли металл қуийш – 3 киши, №1-таъмирлаш-механик цехи – 9 киши, №2-таъмирлаш-механик цехи – 3 киши, №3-таъмирлаш-механик цехи – 4 киши, асбобсозлик – 6 киши, электркуч цехи – 2 киши, электр таъммираш – 5 киши, таранспорт – 9 киши.

Қуидагиларни аниклаш талаб қилинади:

1. Тоғ-металлургия комбинатининг таъмирлаш корхонасининг ишлаб чиқариш тизимини соддалаштиринг;

2. Ҳар бир цехда бир бошқарув ҳодимига тўғри келувчи ишчилар сонини аникланг;

3. Корхонанинг ташкилий тизимини яхшилаш ҳисобига ойлик маош жамғармасини тежаш имкониятларини аникланг.

4. Корхонанинг ташкилий тизими такомиллашгандан сўнг ва бундан аввалги аҳвол бўйича қиёсий схемалар тузишга уриниб кўринг.

3-масала. Тадбиркор ғоясига мувофиқ, нон маҳсулотлари ишлаб чиқариш бўйича кичик корхона тузиш кўзда тутилган. Ушбу лойиҳада қуидаги кўрсаткичлар ҳисобга олинади:

1. Инвестицион лойиҳани амалга оширишдан олинадиган тушум - 116 млн сўм.
2. Тўлиқ харажатлар-25 млн сўм.

шу жумладан:

ўзгарувчан харажатлар – 14 млн сўм,
доимий харажатлар – 11 млн сўм.

Қуидагиларни аниклаш талаб этилади:

Ушбу лойиҳани зарасизлигини ҳисоблаб чиқинг.

4-тест масала. В. исмли фуқаро, ойлик маоши 50 минг сўм бўлган мухандис лавозимидан воз кечиб, кичик корхона ташкил этди ва бунинг учун 150 минг сўм микдоридаги шахсий жамғармасини сарфлади. Бундан ташқари у 500 минг сўм микдорида кредит олиб, унинг 300 минг сўмини асбоб ускуналар сотиб олишга сарфлади. Агар олинган кредит бўйича йиллик фоиз 200 % ни, фуқаролар жамғармалари бўйича эса 120% ни ташкил этса, **иқтисодий ва бухгалтерия харажатлари** микдори қанчани ташкил этади? Қуидаги келтирилган жавоблардан тўғри вариантни танланг.

- А) 1,7 млн ва 1,65 млн.
- Б) 0,650 млн ва 1,5 млн.
- В) 1,5 млн ва 0,5 млн.
- Г) 2,43 млн ва 1,65 млн.

5-масала. Нефтни қайта ишлаш заводида 22 та цех фаолият кўрсатади, улардан 4 таси – асосий. Саноат ишлаб чиқариш ходимларининг рўйхат бўйича ўртача кўрсаткичи – 5802 кишини ташкил этса, улардан 5007 киши ишчилардир. Корхонанинг бутун меҳнат жамоаси йиллик маош жамғармаси – 6,1 млрд. сўм. Заводнинг маъмурий харажатлари бир йилда 3,5 млн. сўмни ташкил этди.

Қўйидагиларни аниқлаш талаб қилинади:

1. Заводнинг бошқарув ходимлари сони;
2. 22 фойзлик қисқартиришдан сўнг заводнинг бошқарув ходимлари сони қанчани ташкил этади;
3. Бошқарув ходимларини қисқартириш ҳисобига меҳнатга ҳақ тўлаш жамғармасини тахминан қанчага тежаб қолиш мумкин.

6-масала. Ҳисобот йилида корхона 400 млн. сўмлик маҳсулот тайёрлаб сотди, 20 млн. сўмлик асбоб-ускуналар тамирлаш ишларини бажарди, буюртмачи хом ашёсидан 45 млн. сўмлик маҳсулот ишлаб чиқарди (шу жумладан буюртмачи хом ашёси баҳоси 28 млн. сўм), керакли асбоблар тайёрлаб, уларни асосий воситалар ҳисобига 12 млн. сўм деб киритиб қўйди. Тугалланмаган ишлаб чиқариш қолдиги йил бошига 30 млн. сўм, йил охирига 15 млн. сўм. Ҳисобот йили бошида омбордаги тайёр маҳсулот қолдиги ва ҳаридорга етказилган, бироқ ҳақи тўланмаган товарлар 25 млн. сўмлик, ҳисобот йили охирида 17 млн. сўм.

Қўйидагиларни аниқлаш талаб қилинади: товар, ялпи ва сотилган маҳсулот ҳажми қанча?

7-масала. Оқимли (потокли) ишлаб чиқаришга ўтиш натижасида машинасозлик заводининг цехида меҳнат унумдорлиги 2004 йилда 2003 йилга нисбатан 14%га, ишчиларнинг ўртача ойлик маоши – 6,7%га ошиди. Цехнинг товар маҳсулоти таннархи ҳисобот бўйича 708,6 минг сўм, иш ҳақи фонди – 284,7 минг сўмни ташкил этди.

Қўйидагиларни аниқлаш талаб қилинади:

Меҳнат унумдорлигининг ўсиши цех маҳсулоти таннархининг даражасига қандай таъсир кўрсатади?

8-масала. 1-машинасозлик заводида асосий ишлаб чиқариш фондларининг ўртача йиллик қиймати 100 млн. сўмга teng; йиллик ялпи маҳсулот ишлаб чиқариш 220 млн. сўмни, йиллик фойда эса 6 млн. сўмни ташкил этади.

2-машинасозлик заводида эса санаб ўтилган кўрсаткичлар 80, 168 ва 4 млн. сўмни ташкил этади.

Қўйидагиларни аниқлаш талаб қилинади:

1. Фонд сигими ва фондга қайтиш ҳамда асосий фондларнинг ҳар 1 сўмига тўғри келадиган даромадни аниқланг.

2. Қайси заводда асосий ишлаб чиқариш фондлардан яхшиrok фойдаланиганлигини аниқланг.

9-масала. Цехнинг иш марома йилига 256 кун, кунига икки сменада, бир сменанинг ўртача давомийлиги – 8 соат. Станокларни режали таъмирлашга сарфланган вақт – 2%. Цехда 40 та станок ўрнатилган ва ишлайди. Маҳсулот бирлигини тайёрлаш учун 30 дақиқа керак. Йиллик маҳсулот тайёрлаш дастури 80 минг донадан иборат.

Қўйидагиларни аниқлаш талаб қилинади: цех қуввати ва асбоб-ускунларнинг бандлик коэффициенти қанча?

10-масала. Корхона томонидан ишлаб чиқарилган буюмнинг соф оғирлиги 40 кг. Даструр бўйича маҳсулот ишлаб чиқариш ҳажми – 3000 дона материал ишлатишнинг амалдаги коэффициенти – 0,75. Технологик жараёнларнинг такомиллашуви натижасида корхона материалдан фойдаланиш коэффицентини 0,81 гача кўтариб, унинг қийматини 1 кг учун 350 дан 200 сўмгача пасайтиришни мўжаллаяпти.

Қўйидагиларни аниқлаш талаб қилинади:

- Ҳар дона маҳсулотга моддий харажатнинг амалдаги ва мўлжалланган нормасини аниқланг.

- Ишлаб чиқарилиши мүлжалланаётган маҳсулот тайёрлашда қанча материал тежаш мумкин.

11-масала. Корхона бўйича қўйидаги маълумотлар мавжуд:

- Маҳсулот сотишнинг йиллик ҳажми – 80 млн. сўм
- Айланма маблағларнинг ўртача йиллик миқдори – 5.4 млн. сўм.

Тегишли чора тадбирлар кўрилгандан сўнг айланма маблағларнинг бир бор айланиш муддати бир неча кунга қисқарди.

Қўйидагиларни аниқлаш талаб қилинади:

1. Айланма маблағларнинг бир марта айланиш муддати амалда қанча?

2. Агар амалда айланма маблағлар қолдиги:

- 1 апрел ҳолатига - 280 минг сўм
- 1 майга - 360 минг сўм
- 1 июнга - 330 минг сўм
- 1 ноябрга - 380 минг сўмни ташкил этган бўлса, айланма маблағларнинг ўртача қолдиги 2-кварталда қанча бўлади?

12-масала. Нефтни қайта ишлаш заводи ҳисобот йилини қўйидаги кўрсаткичлар билан якунланади.

| Маҳсулот | Ишлаб чиқариш ҳажми, минг дона | | | Маҳсулотнинг 1 донаси нархи, минг дона |
|-----------------|--------------------------------|--|--------|--|
| | Режа бўйича | | Амалда | |
| Бензин | 1500 | | 1550 | 320 |
| Керосин | 620 | | 630 | 185 |
| Дизель ёқилғиси | | | | |
| Мазут | 2500 | | 2600 | 170 |
| | 3200 | | 3200 | 145 |

Корхона ишчиларининг ўртача рўйҳат сони режа бўйича 2760 киши, амалда 2710 кишини ташкил қиласи. Келаси йилга (башорат) бензин ишлаб чиқариш ҳажмини 15% га, керосинни 10% га, дизель ёқилғисини 6% га, мазутни 8% га кўпайтириш режалаштирилаяпти.

Бунда кўрсатилган маҳсулот нархи қўйидагича ортиш лозим:

- Бензин – 15 сўмга.
- Керосин – 10 сўмга.
- Мазут – 6 сўмга.

Қўйидагиларни аниқлаш талаб қилинади:

1. Ҳисобот йилида меҳнат унумдорлигининг ўзгариши.
2. Режалаштирилаётган даврда ишлаб чиқариш ҳажми ортиши ва маҳсулот нархи ўзгаришини ҳисобга олган ҳолда меҳнат унумдорлигининг ўзгариши қандай бўлади?

13-масала. Корхона 880 млн. сўм ҳажмда маҳсулот ишлаб чиқарди, бунда хом ашё ва материалларга кетган ҳаражатлар 560 млн. сўм, ойлик маошга 152 млн. сўмни ташкил этди. Цех учун ҳаражатлар 90 млн. сўм.

Қўйидагиларни аниқлаш талаб қилинади:

1. Ишлаб чиқарилган маҳсулот таннархи.
2. Маҳсулот 1 сўмига ҳаражатлар қанча бўлади?

14-масала. Корхона бўйича қўйида маълумотлар мавжуд: режалаштирилаётган йил бошига сотилмаган маҳсулот қолдиги (минг сўмда): Корхонанинг улгуржи нархларида - 500

Ишлаб чиқариш таннархида - 450

Йиллик режадаги маҳсулот ишлаб чиқариш:

Корхонанинг улгуржи нархларида - 6700

Тўлиқ таннарх бўйича - 5800

Режалаштирилаётган йил охирида кутилаётган сотилмаган маҳсулот қолдиғи (башорат):

Корхонанинг улгуржи нрахлари бўйича - 480

Ишлаб чиқариш таннархи бўйича - 460.

Қўйидагиларни аниқлаш талаб қиинади: режалаштирилаётган йилда товар маҳсулотини сотишдан олинадиган даромад қанча бўлади?

15-масала. Маҳсулотга технологик ишлов беришнинг 3 варианти таққосланаяпти:

1-вариант. Асбоб-ускуналарга капитал сарф (K_1) – 100 минг сўм, маҳсулот ишлаб чиқаришнинг йиллик таннархи (T_1) – 120 минг сўм.

2-вариант. Капитал сарф (K_2) – 110 минг сўм, маҳсулот ишлаб чиқаришнинг йиллик таннархи (T_2) – 115 минг сўм.

3-вариант. (K_3) – 140 минг сўм, (T_3) – 105 минг сўм.

Нисбий самарадорлик норматив коэффициенти – 0,20, капитал ҳаражатларининг ўзини оқлаш меъёрий муддати – 5 йил.

Қўйидагиларни аниқлаш талаб қиинади: лойиҳанинг қайси варианти келтирилган сарфлар йиғиндиси ва ўзини оқлаш муддати бўйича энг маъқул бўлади?

6. ЯКУНИЙ НАЗОРАТ НАЪМУНАВИЙ САВОЛЛАРИ

1. Бозор иқтисодиёти ва уни ўзига хос фарқ қилувчи томонлари.

Таянч иборалари: иқтисодиёт, бозор иқтисодиёти, бозор муносабатлари, иқтисодий муносабатлар, ишлаб чиқариш муносабатлари.

2. Корхоналар белгиси, функцияси ва вазифаси.

Таянч иборалари: корхона, корхонани характерлаб берувчи жихатлар, корхона устави, бозор шароитида корхоналар фаолияти йўналиши, ҳал этилиши зарур бўлган вазифалар и функциялар.

3. Корхонани таъсис хужжатлари.

Таянч иборалари: корхона устави, Таъсис шартномаси, корхонани мол-мулкини ташкил этувчи манбалар.

4. Режалаштириш моҳияти, аҳамияти, вазифалари ва тамойиллари.

Таянч иборалари: режалаштириш, режалаштириш вазифалари, режалаштириш тамойиллари.

5. Миллий иқтисодиётни ривожлантиришда ишлаб чиқариш корхоналарнинг ўрни ва аҳамияти.

Таянч иборалари: миллий иқтисодиёти, ишлаб чиқариш, ишлаб чиқариш корхонаси. Ишлаб чиқаришни асосий мақсади.

6. Ҳаражатлар самарадорлиги асосий қўрсаткичи фойда ва ҳаражатларни қопланиш даври.

Таянч иборалари: ташкилий техник тадбирлар, ишлаб чиқариш хажмини ошириш.

7. Корхонани давлат руйхатидан утказиш.

Таянч иборалари: давлат руйхатидан утказиш учун зарур хўжатлар, корхонани давлат руйхатидан утказиш тартиби.

8. «Корхона иқтисодиёти» фанининг мазмуни ва вазифалари.

Таянч иборалари: корхона иқтисодиёти, фанни обьекти, фанни предмети, фанни мақсади ва вазифалари.

9. Корхонани ташкил этиш тамойиллари.

Таянч иборалари: корхонани ташкил этиш, ташкил этиш принциплари, корхонани ташкил этишдан кўздан тутилган мақсадлар.

10. Бизнес-режа. Уни моҳияти ва мазмуни.

Таянч иборалари: бизнес-режани функцияси, бизнес-режа ўз олдига қандай саволларга жавоб беришни мақсад қилиб қўйяди. Бизнес-режани булимлари.

11. Ишлаб чиқариш самарадорлигини оширишнинг асосий йўллари.

Таянч иборалари: илмий-техник тараққиёти, прогрессив технологиялар, ишлаб чиқаришни автоматлаштириш ва бошқа факторлар.

12. Асосий воситаларни баҳолаш усуллари ва фондларни қайта ишлаб чиқариш.

Таянч иборалари: бошлангич қиймати, тикланиш қиймати, қолдик қиймати, фондларни жисмоний ва маънавий эскириши, фондларни қайта ишлаб чиқариш кўрсаткичлари, асосий фондлардан фойдаланиш кўрсаткичлари.

13. Корхонани бошқаришни моҳияти ва вазифалари.

Таянч иборалари: бошқарув, ишлаб чиқаришни бошқарувни моҳияти ва мақсади, корхона бошқарув органларининг асосий вазифалари.

14. Корхонани тугатиш ва қайта ташкил этиш.

Таянч иборалари: корхонани тугатиш ва қайта ташкил этиш шартлари, тугатиш комиссияси, корхона фаолиятини тугатиш сабаблари, қайта ташкил этиш сабаблари.

15. Ишлаб чиқариш корхонаси тузилмаси ва уни белгилаб берувчи омиллар.

Таянч иборалари: корхона тузилмаси, технологик тузилма, предметлик тузилма, аралаш тузилма.

16. Замонавий мутахассиларни шакллаштиришда иқтисодий фанларни аҳамияти.

Таянч иборалари: иқтисодий фан, иқтисодий назария фани, иқтисодчи кадрлар, кадрлар салоҳияти, кадрлар сиёсати.

17. Корхонада режалаштириш тизими.

Таянч иборалари: техник, иқтисодий режалаштириш, оператив ишлаб чиқариш режаси, календар режалаштириш, диспетчирлаштириш, стратегик режалаш, узок даври мулжаланган ва тезкор режалар.

18. Ишлаб чиқаришни иқтисодий самарадорлиги моҳияти, мезони ва кўрсаткичлари.

Таянч иборалари: самара, самарадорлик, меҳнат сигими, материал сигими, капитал сигими, фонд сигими.

19. Корхонада режалаштиришни методик асослари.

Таянч иборалари: корхона режасини ишлаб чиқаришнинг баланс, иқтисодий математик, матрицавий, солишифма-иктисодий методлари.

20. Асосий воситалар (фонdlар) моҳияти ва аҳамияти, уларни таркиби, тузилмаси.

Таянч иборалари: асосий воситалар, ишлаб чиқариш ва ноишлаб чиқариш асосий воситалари, актив ва пассив қисми, асосий воситаларнинг ишлаб чиқариш бўйича, технологик ёшига кўра тузилмаси.

21. Харажатларни умумий ва солишифма иқтисодий самарадорлиги.

Таянч иборалари: харажатлар умумий иқтисодий самарадорлиги, республика иқтисодиёти бўйича, комплекслар, алоҳида тармоқлар, янгитдан қурилаётган корхоналар бўйича аниқлаш, харажатларни солишифма иқтисодий самарадорлиги.

22. Корхонани айланма маблағлари уларни иқтисодий моҳити, таркиби ва тузилмаси.

Таянч иборалари: корхонани айланма маблағлари, айланма фондлари, муомила фондлари, айланма маблағларни айланиши.

23. Амортизация ажратмалари ва улардан корхона фойдаланиш.

Таянч иборалари: амортизация, амортизация нормаси.

24. Мехнат унумдорлиги, моҳияти, аниқлаш методикаси, режалаштириш.

Таянч иборалари: меҳнат унумдорлиги, ишлаб чиқариш ва меҳнат сигимлийлик, ишлаб чиқаришни меҳнат сигимлиилиги, тўла меҳант сигимлийлик, корхонада меҳнат унумдорлигини ошириш факторлари.

25. Корхона ходимлари, уларни таснифи ва тузилмаси.

Таянч иборалари: корхонани ходимлар сиёсати, ишлаб чиқариш ва ноишлаб чиқариш персонали, ишчилар, мутахассислар, хизматлар, ишлаб чиқариш персонали тузилмасига таъсир этувчи факторлар.

26. Фойда тушунчаси. Фойдани таксимлаш ва кўпайтириш йўллари.

Таянч иборалари: даромад, баланс фойда, соф фойда.

27. Харажатлар тушунчаси ва таснифи.

Таянч иборалари: ишлаб чиқариши харажатлари, материал харажатлар. Амортизация, молиявий харажатлар.

28. Корхонани ишлаб чиқариш қуввати. Ҳисоблаш методи.

Таянч иборалари: корхонани ишлаб чиқариш қуввати, цехнинг ишлаб чиқариш қуввати, ишлаб чиқаришни қуввати баланси.

29. Рентабелликнинг иқтисодий моҳияти.

Таянч иборалари: рентабеллик, фойда, харажат, активлар, фойда нормаси.

30. Инвестициялар корхонани ишлаб чиқариш салоҳиятини мустахкамлашдаги ва ривожлантиришдаги восита сифатида.

Таянч иборалари: инвестиция, капитал қўйилмалар, инвестицион сиесат, моливий инвестиция, реал инвестиция, инвестицион лойиха.

31. Корхонада хавфсизлик хизмати, уни тузилмаси ва функцияси.

Таянч иборалари: хавфсизлик хизмати, функциялари, тузилмаси.

32. Корхонани хавфсизлиги белгиловчи принциплар, мақсад ва вазифалар.

Таянч иборалари: хавф, хавфсизлик, хавфсизликнинг мақсади, вазифаси, хавфсизлик принциплари.

33. Инвестицияларни иқтисодий самарадорлигини баҳолаш.

Таянч иборалари: инвестицияларни халк хўжалиги, тармоклар, хўжалик бирлашмаларидағи иқтисодий самарадорлигини баҳолаш.

34. Бошқарув тамойиллари.

Таянч иборалари: классик тамойиллар, хозирги шароитда бошқарув тамойиллари.

35. Корхонани инвестициялашнинг асосий манбалари ва йўналишлари.

Таянч иборалари: инвестициялашни хусусий манбалари, инвестициялашни ташки манбалари, лизинг.

Корхонада

36. Корхона бошқарувининг ташкилий тузилмаси.

Таянч иборалари: йирик корхоналарни бошқарувини ташкилий тузилмаси, чизиқлий, чизиқлий-штаблий, функционал, тузилмавий бошқарув, матрицавий бошқарув.

37. Ишлаб чиқариш корхонасининг таснифи. Корхонанинг ташкилий-хуқуқий формаси.

Таянч иборалари: хўжаликдаги ўртоқлик уюшмаси, хиссадорлик жамиятлари, концерн, хўжалик ассоциацияси ва б.

38. Корхонада хавфсизликни таъминлашни ташкил этиш ва бошқариш.

Таянч иборалари: хавфсизлик концепцияси.

39. Корхонада меҳнатга ҳақ тўлаш.

Таянч иборалари: ишбай усулида ишловчиларни иш ҳақи фонди, вақтбай усулида ишловчиларни иш ҳақи фонди, раҳбарни, мутахасисслар ва хизматчиларни иш ҳақи фонди, тарифсиз меҳнатга ҳақ тўлаш усули.

40. Корхонани айланма фондлари, айланма фондлардан фойдаланиш кўрсаткичлари.

Таянч иборалари: фойдаланиш коэффициентлари, бичиш коэффициенти, маҳсулотни чиқиши, бошланғич хом ашёлардан маҳсулот чиқиши коэффициенти, материал сигимийлик, металл сигимилийлик.

41. Корхонанинг тижорат сири.

Таянч иборалари: тижорат сири, корхонани тижорат сирини ҳимоялаш механизми, ишлаб чиқариш сири, сирни ошкор қилиш (тижорат ва бошқаларни), ошкоралик маъсулияти, ахборотлар канали.

**«Корхонанинг асосий фондлари ва ишлаб чиқариш қуввати»
мавзуси бўйича маъруза матнлари
(янги педагогик технологиялар асосида)**

1. Методик ишланманинг қисқача варианти.

1-машгулом (2 соат)

Режа:

1. Асосий фондларнинг моҳияти ва уларнинг корхона фаолиятидаги ўрни (15 мин.).
2. Корхонада асосий фондларнинг эскириши, уларни баҳолаш ва таъмирлаш (25 мин.).
3. Асосий фондлардан фойдаланишини яхшилаш йўллари ва кўрсаткичлари (20 мин.).
4. Корхонанинг ишлаб чиқариш қуввати (20 мин.).

Талабаларнинг вазифалари (кутилаётган натижалар)

**ТАЛАБАДАН КУТИЛАЕТГАН НАТИЖА ЁКИ УРГАНУВЧИННИНГ
ВАЗИФАСИ**

| Нимани билади ва тушунади? (когнитив ёки билиш учун хизмат киладиган максадлар) | Нима килади? (рухий максадлар) | Нимани хис килади? (аффектив ёки эмоционал мухим максадлар) |
|--|--|--|
| асосий фондлар тушунчасини баён қила олиш; | Ишлаб чиқариш жараенларда кулланиладиган асосий фондлар турларини санаб чикади; | Асосий фондларни корхона ресурси сифатида ишлаб чиқаришдаги заруратини ҳис қиласи; |
| Замонавий шароитларда асосий фондларнинг чиқаришдаги аниқлаб; беришни; | Корхонада асосий фондлар тузилмасини қандай шакллантириш заруратини тушунтириб беради; | Корхона асосий фондлари тузилмасини қандай шакллантириш лозимлиги масалаларини гурух билан биргаликда мухокама килиш кераклигини хис қиласи; |
| Корхонада асосий фондларнинг эскириши, уларни баҳолаш ва таъмирлаш тушунчи усувларини; | Корхонада асосий фондларни баҳолаш, амортизация ва тиклаб бориш масалаларини схематик равишда курсатиб бера олади; | Зарур хulosалар килиш кераглигини узида хис қиласи. |

| | | |
|--|---|---|
| Асосий фондлардан фойдаланишни яхшилаш йўлари ва кўрсаткичларини; | Корхонада асосий фондлардан рационал фойдаланиш масаласи буйича амалиетдан аник масалалар келтира олади; Ишлаб чиқариш қувватига таъриф беради ва асосий фондлар билан боғлиқлигини тушунтиради | Асосий фондларни янгилаш бориш заруратини ҳис қилади; |
| Корхона ишлаб чиқариш қуввати ни ҳисоблаш ва рационал фойдаланиш бўйича билимга; | | Ишлаб чиқариш қувватининг корхона режаларини амалга ошишидаги ҳал қилувчи аҳамиятини ҳис қилади |

ТЕХНОЛОГИК КАРТА

| Кўриладиган саволлар | Укитувчининг фаолияти | Талабанинг фаолияти |
|--|--|---|
| 1. Асосий фондларнинг моҳияти ва уларнинг корхона фаолиятидаги ўрни (15 мин.). | <p>Кискача кириш: Чакириш фазаси Укитувчи талабаларга «Инсерт» усулидан фойдаланиб асосий укув кулланманинг 106-109 бетларини укиб корхонада ишлатиладиган асосий фондлар турларини кучириб олишни вазифа килиб беради.</p> <p>Англаш, фахмлаш фазаси Укитувчи талабаларни 5-6 кишидан иборат булган гурухларга булиб, кучириб олинган вазифадан категориал маълумот тузишни вазифа килиб беради.</p> <p><u>Уйлаш, фикрлаш фазаси.</u> Укитувчи савол беради: руйхатда келтирилган мухим асосий фондлардан кайси бирлари корхона нинг ишлаб чиқариш фалиятида муҳимдир? Укитувчи шундан сунг</p> | <p>Талабалар укув кулланмани укиб чикиб «Инсерт» усулида белги куйиб чикадилар, шундан сунг асосий фондларни асосий турларини кучириб оладилар</p> <p>Талабалар асосий фондларнинг турлари буйича категориал обзор килиб чикадилар. (таснифлашнинг варианти келтирилган)** Шундан сунг кичик гурух лидерлардан бирортаси узларининг таснифланиш вариантларини презентация килиб беради.</p> <p>Талабалар кичик гурухда жавоб тайерлаб, жавобларини презентация киладилар.</p> |

| | | |
|--|---|--|
| | биринчи савол буйича якун ясайди. | |
| 2. Корхонада асосий фондларнинг эскириши, уларни баҳолаш ва таъмирлаш (25 мин.). | <p>Чакириш фазаси Укитувчи талабаларга кичик гурухда мухокама килиш учун талабаларга савол беради: асосий фондларни эскириши ва баҳоланиши хакида нималарни биласиз? Укитувчи 2-3та талабадан берилган саволни сурайди ва куйилган саваолга якун ясайди.</p> <p><u>Англаш, фахмлаш фазаси.</u> Укитувчи 10 минут давомида маъруза фрагментини укишга утади, шундан сунг у кичик гурухларга асосий фондларнинг эскириши қандай бўлиши ва уларни баҳолаш, амортизация орқали ўрнини қоплаб бориш, таътирлаш турларини тушунтириб беришларини ва уларни бир-бираидан фаркини айтиб беришларини вазифа килиб беради.</p> <p><u>Уйлаш, фикрлаш фазаси.</u> Укитувчи талабаларга савол беради: «Тонг» ОАЖ ҳисобот маълумотларига кўра асосий фондлар таркиби ва уни баҳолашни тушунтириб беринг. Укитувчи куйилган саволга якун ясайди.</p> | <p>Талабалар берилган саволни кичик гурухда мухокама киладилар.</p> <p>Кичик гурухлар вазифа килиб берилган саволни тайерлаб, гурухдаги лидерлардан бирортаси сузга чикади.</p> <p>Бу саволга талабалар кичик гурухда асосий укув кулланмадан «Корхоналарда асосий фодларнинг эскириши, уларни баҳолаш ва таъмирлаш» деган булимлан жавоб қидирадилар.</p> <p>Кичик гурухлар лидерлари берилган саволга сузга чикиб жавоб берадилар.</p> |
| 3. Асосий фондлардан фойдаланишни яхшилаш йўллари ва кўрсаткичлари (20 мин.). | Укитувчи 10 мин давомида яна кичик маъруза килади. Шундан сунг у талабаларга савол | Талабалардан (5-6 таси) укитувчининг талаби буйича берилган саволга жавоб берадилар. |

| | | |
|---|--|---|
| | <p>беради:</p> <p>Асосий ишлаб чиқариш фодларидан фойдаланишнинг кўрсаткичларини қандай гурухлари мавжуд?</p> <p>Корхона асосий ишлаб чиқариш фондларидан фойдаланишни яхшилашнинг асосий йўналишлари қандай?</p> <p>Шундан сунг укитувчи куйилган саволга якун ясад, дарсда актив катнашган талабаларни исми-шарифини айтиб чикади ва уларни рагбатлантиради.</p> | |
| 4. Корхонанинг ишлаб чиқариш қуввати (20 мин.). | <p>Укитувчи талабаларни кичик гурухларга бўлиб 10 мин давомида асосий адабиётнинг 119-120 бетларини ўқиб чиқиб қўйидаги саволларга жавоб топишни сўрайди:</p> <p>Корхона ишлаб чиқариш қувватининг катталигини белгилаб берувчи кўрсаткичларни санаб беринг?</p> <p>Корхона ишлаб чиқариш қувватининг қандай турлари мавжуд ва уларни қандай хисобланади?</p> <p>Шундан сунг укитувчи куйилган саволга якун ясад, дарсда актив катнашган талабаларни исми-шарифини айтиб чикади ва уларни рагбатлантиради.</p> | <p><i>Ҳар бир гурухдан бир талаба гурух фикрини баён қиласди ва асослаб беради.</i></p> |

Мавзуни ўргангандан сўнг талаба билиши ва қўникмага эга бўлиши мумкин:

- асосий фондлар тушунчасини баён қила олиш;
- асосий фондларнинг ишлаб чиқаришдаги ўрнини аниqlаш;
- корхонада мавжуд бўлган асосий фондларнинг турлари бўйича ажратиш;
- ишлаб чиқариш ва ноишлаб чиқариш асосий фондларни фарқлай олиш;
- асосий фондлар тузилмасини оптимал шакллантиришни;
- асосий фондларини баҳолаш усусларидан фойдалана олишни;

- асосий фондларни эскириши ва амортизацияси бўйича тасаввурга эга бўлиши;
- асосий фондлардан фойдаланиш кўрсаткичларини ҳисоблашни;
- асосий фондлардан фойдаланихни яхшилаш йўлларини аниқлай олиш;
- корхона ишлаб чиқариш қуввати ни ҳисоблаш ва рационал фойдаланиш бўйича билимга.

Назорат учун вазифалар.

1. Асосий фондлар нима ва уларнинг кенгайтирилган ишлаб чиқаришдаги роли қандай?
2. Асосий ишлаб чиқариш фондлари тузилмаси деганда нима тушунилади ҳамда уларнинг саноат тармоқлари бўйича фарқланишига нима сабаб бўлади?
3. Замонавий амортизация сиёsatининг моҳияти ва аҳамияти нимада?
4. Асосий ишлаб чиқариш фондларидан фойдаланишнинг экстенсив ва интенсив кўрсаткичлари қандай?
5. Корхона ва саноат тармоғининг ишлаб чиқариш қувватларини ҳисоблаш усули, тури ва тушунчалари қандай?
6. Замонавий шароитларда асосий фондлар ва корхона ишлаб чиқариш қувватидан фойдаланишни яхшилашнинг қандай йўналишлари мавжуд?

**Категориал маълумот учун мисол

(Хамма асосий фондларга тегишли сўзларни унг томондаги устунга чиқаринг.)

| | | | |
|---|--|--|--|
| <i>Ишлаб чиқариш бинолари Иншоотлар Турар жоӣ Узатиш қурilmalari Корхона маблаглари Ишикучи Кувват машиналари ва ускуналари Иши машиналар ва ускуналар Компьютерлар</i> | | <i>Металлар Электродлар Станоклар Ўлчов асоблари Тартибга солиш асоблари Ошхона Профилакторий Клуб Болалар богчаси ва яслилар Қарз маблаглари Хусусий маблаглар Транспорт воситалари</i> | |
|---|--|--|--|

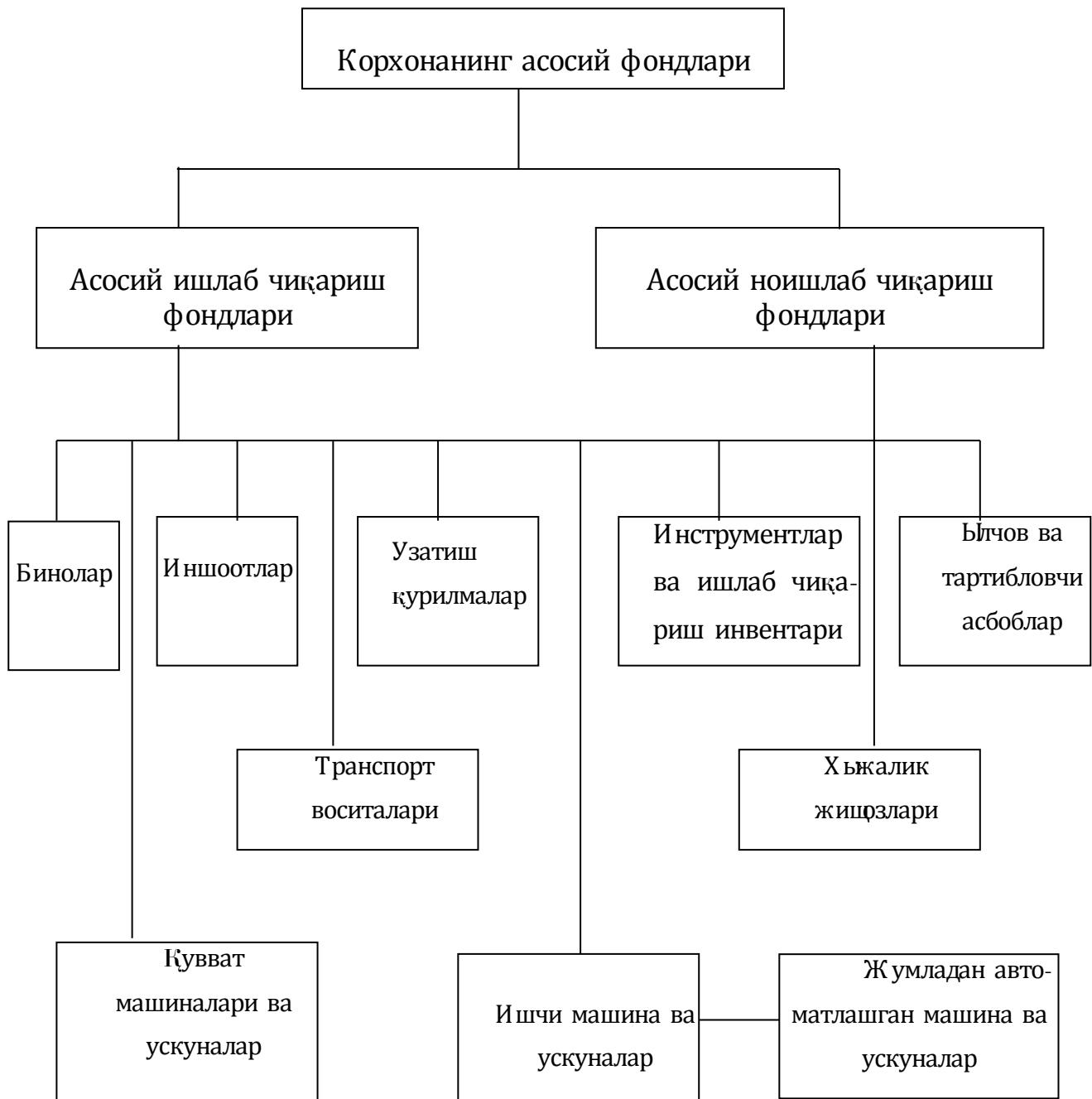
Асосий ўқув қўлланмалар

1. Махмудов Э.Х. Корхона иқтисодиёти: Ўқув.кўлл. –Т.: Ўзбекистон ёзувчилар уюшмаси Адабиёт жамғармаси нашриёти, 2004.
2. Махмудов Э.Х. Исаков М.Ю. Корхона иқтисодиёти: Маъруза матнлари –Т.: ТДИУ, 2005
3. Экономика предприятия. Учебник для ВУЗов. 3-е издание /Под. ред. В.Я.Горфинкеля, В.А.Швандара. - М.: Юнити-Дана, 2003.

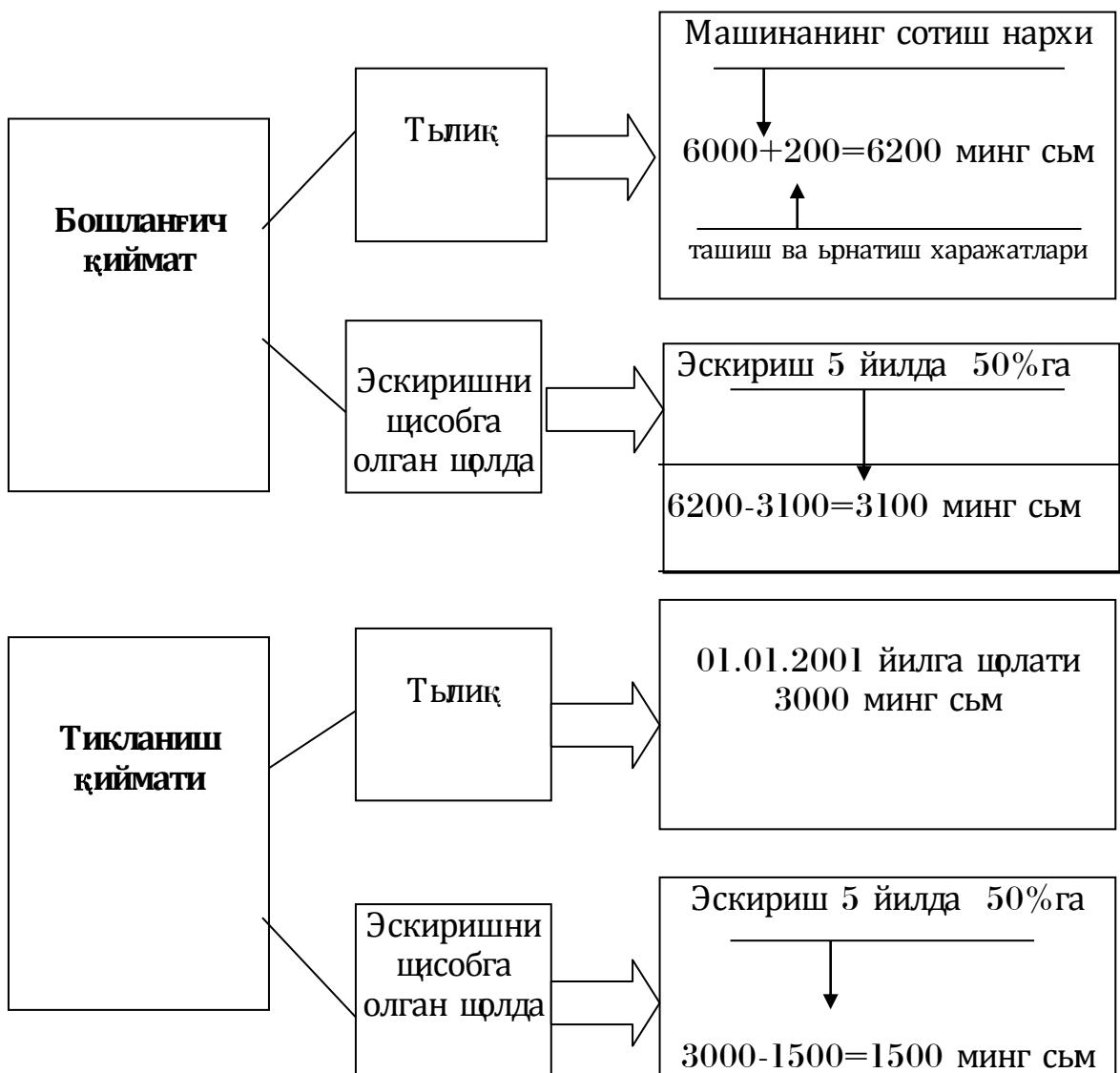
4.Акромов Э.А Корхоналарнинг молиявий холати таҳлили. – Т.: Молия, 2003.-223 б.

5.Фарберман Б.Л. Передовӯе педагогические технологии., - Т.: «ФАН». 2000.-
130с.

6.Фарберман Б.Л., Мусина Р.Г. Методологические рекомендации по
проектированию и реализации педагогических технологий. – Т.: 2002.-57с.



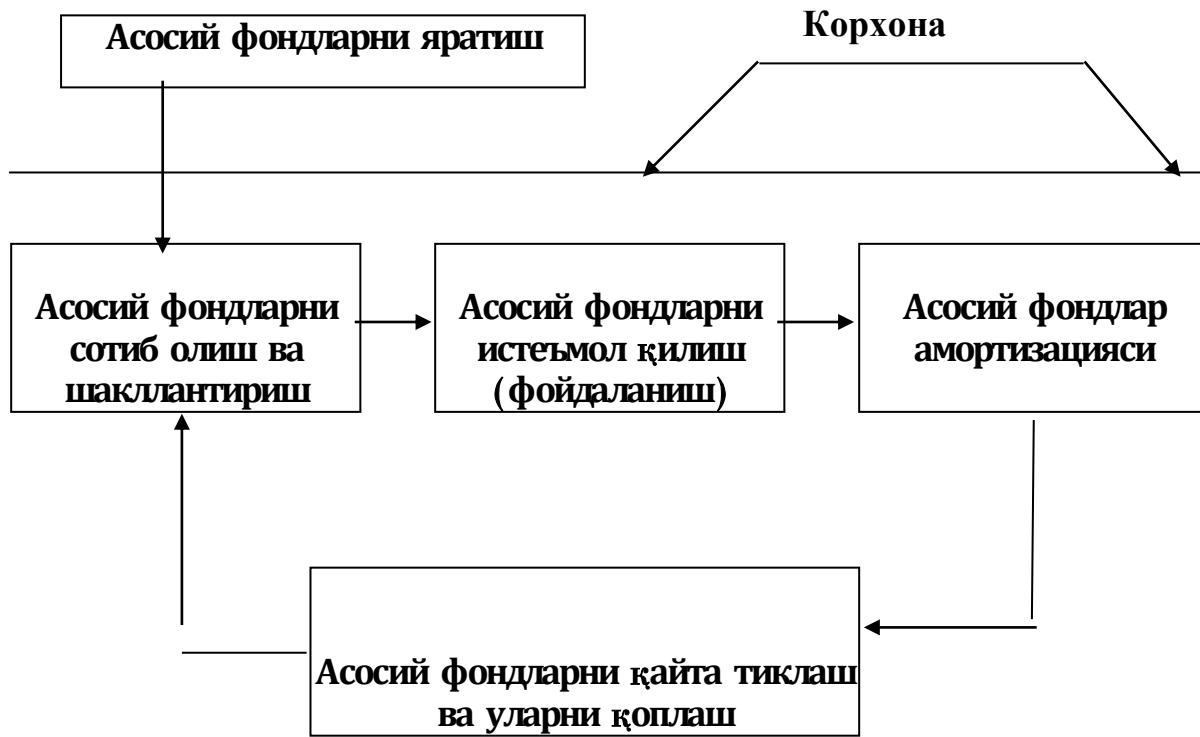
7.1 - чизма. Корхона асосий фондларининг таркиби.



7.2. -чизма. Корхона асосий фондларини баҳолашнинг турлари



7.3.-чизма. Асосий фондларнинг эскириши турлари



7.4-чизма. Корхона асосий фондларини қайта ишлаб чиқариш босқичлари

**МАХМУДОВ ЭРКИН ХАМЗАЕВИЧ
ИСАКОВ МУСОХОН ЮСУПДЖАНОВИЧ**

КОРХОНА ИҚТИСОДИЁТИ

(ЎҚУВ ҚЎЛЛАНМА)

**Техник мұхаррир: М./оіймназаров
Мусаххих: Д.Бахромов
Комъютер саҳиловчи ва дизайнер: Ў.Сафаров**